वार्षिक प्रतिवेदन

Annual Report

2015-16

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल

School of Planning and Architecture, Bhopal

वार्षिक प्रतिवेदन

Annual Report

2015-16

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल

School of Planning and Architecture, Bhopal

सूची

क्र.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	निदेशक की कलम से	1
2	संगठन	3
3	शासी मण्डल	5
4	वित्त समिति	7
5	अभिषद	8
6	भवन एवं निर्माण समिति	10
7	संस्थान के पदाधिकारी	11
8	संकाय (वास्तुकला और योजना विभाग)	13
9	प्रशासनिक पदाधिकारी	18
10	शैक्षणिक कार्यक्रम	21
11	केंद्रीय सुविधायें	
	ग्राफिक्स प्रयोगशाला	25
	कंप्यूटर सेंटर/डाटा सेंटर	27
	जीआईएस प्रयोगशाला	29
	पुस्तकालय	35
	वास्तुकला कार्यशाला	39
12	केन्द्र	
	मानव केंद्रित अनुसंधान केन्द्र (सी.एच.सी.आर.)	43
	सांस्कृतिक ज्ञान प्रणाली केंद्र (सी.सी.के.एस.)	47
13	स्टूडियो ब्रीफ	51
14	शैक्षणिक दौरे	133
15	एस.पी.ए. प्रेस	147
16	प्रशिक्षण एवं रोजगार प्रकोष्ठ	149
17	संस्थान कार्य विभाग (आई.डब्ल्यू.डी.)	151
18	अनुसंधान एवं विकास	153
19	संस्थान की गतिविधियाँ	159
20	विशेष व्याख्यान	181
21	छात्र गतिविधियाँ	183
22	संकाय गतिविधियाँ	
	पत्रिकाओं का प्रकाशन	189
	सम्मेलन की कार्यवाही का प्रकाशन	193
	पेपर प्रस्तुति अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय	195
	पोस्टर प्रस्तुतिकरण	203
	सम्मेलन/संगोष्ठी में सहभागिता	205
	शैक्षणिक/पेशेवर पैनल	209
	निर्णायक मण्डल	215
	आमंत्रित व्याख्यान	217
	घोषणा एवं उपलब्धि	219
23	वार्षिक लेखा	221

CONTENTS

S.No.	Information	Pages
1	Director's Foreword	2
2	Organization	4
3	Board of Governors	5
4	Finance Committee	7
5	Senate	8
6	Buildings and works committee	10
7	Institute functionaries	12
8	Faculty (Department of Architecture and Planning)	13
9	Administrative functionaries	18
10	Academic Programmes	22
11	Central Facilities	
	Graphics Laboratory	26
	Computer Center/Data Center	28
	GIS Laboratory	30
	Library	36
	Architecture Workshop	40
12	Centers	
	Center for human Centric Research (CHCR)	44
	Center for Cultural Knowledge system (CCKS)	48
13	Studio Brief	52
14	Educational Tours	134
15	SPA Press	147
16	Training & Placement Cell	150
17	Institute work department (IWD)	152
18	Research & Development	154
19	Institutional Activities	160
20	Special Lectures	182
21	Student Activities	184
22	Faculty Activities	
	Publication of Papers in Journal	190
	Paper Published in Conference proceedings	194
	Paper Presented in International/National Conference	196
	Poster Presentation	204
	Participation in Conference/Seminar	206
	Academic/ Professional Panel	210
	Jury	216
	Invited Lectures	218
23	Awards and Achievements	220
	Annual Accounts	221

1. निदेशक की कलम से

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि मैं योजना एवं वास्तुकला विद्यालय का 7 वां वार्षिक प्रतिवेदन (वर्ष 2015–16) प्रस्तुत करने जा रहा हूँ। भारत सरकार ने गज़ट अधिसूचना के माध्यम से दिनांक 18 दिसम्बर 2014 को योजना एवं वास्तुकला विद्यालय को एक ''राष्ट्रीय महत्व का संस्थान'' घोषित किया है एवं विद्यालय उक्त अधिनियम के तहत संचालित है।

संस्थान में योजना एवं वास्तुकला के क्षेत्र से स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध पाठ्यक्रम स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है। वर्तमान में संस्थान में कुल 615 छात्र अध्ययनरत् हैं। एस.पी.ए. अधिनियम आने के पश्चात वास्तुकला परिषद ने 2008 से 2011 तक के बी. आर्क. के बैचों को मान्यता प्रदान की है। संस्थान ने श्री संदीप संकट, सह प्राध्यापक को प्रथम शोध उपाधि ''भारतीय वृद्धों के शहरी आवास में रहवास वातावरण पर क्रियात्मक सुझाव'' के विषय पर प्रदान की है।

वार्षिक प्रतिवेदन में योजना एवं वास्तुकला विद्यालय के संकायगणों की सभी गतिविधियों, उपलब्धियों को समाहित किया गया है जो कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं सामाजिक सशक्तिकरण की भावना को दर्शाता है। वार्षिक प्रतिवेदन में भारत शासन द्वारा निर्देशित इस वर्ष के दौरान संस्थान में हुई सभी गतिविधियों को समाहित किया गया है। बहुअनुशासनिक केंद्र जैसे मानव केंद्रित अनुसंधान केंद्र (CHCR) एवं सांस्कृतिक ज्ञान केंद्र (CCKS) सामाजिक निर्वाह के संबंध में एसपीए चार्टर की लोकनीति के साथ तालमेल बनाकर कार्य कर रहा है। विद्यालय, भारत सरकार एवं देश के अन्य संस्थानों के माध्यम से अनुसंधान परियोजनाओं पर भी कार्य कर रहा है। सभी परियोजनाओं के अंतर्गत अभिकल्पन अनुसंधान केन्द्र DIC एवं शैक्षणिक श्रृंखला के लिये वैश्विक पहल GIAN दो परियोजनाएं प्रमुख रूप से विद्यालय में संचालित हैं।

यह गौरवपूर्ण विषय है कि विद्यालय भौरी स्थित हमारे नए परिसर में स्थापित हो चुका है। विद्यालय परिसर में तीन हॉस्टल बिल्डिंग, खेल मैदान, पार्किंग क्षेत्र, सड़क संचार एवं कुछ कर्मचारियों के आवास का निर्माण हो चुका है। क्यूआईपी सेंटर, गेट परिसर, आंतरिक रोड एवं शेष आवास का निर्माण कार्य लगभग समाप्ति की ओर है।

जैसा कि हमारे चार्टर में उल्लेखित है, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल की भारत में योजना एवं वास्तुकला की शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व भूमिका रही है। विद्यालय देश में शैक्षिक वातावरण को प्रोत्साहित करने हेतु बहुत से राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों का आयोजन करता है। मैं अत्यंत प्रसन्नता से इस बात को साझा कर रहा हूँ कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्बद्ध पत्रिका ''स्पैन्ड्रल'' वास्तुकला के क्षेत्र में अब तक आदर्श रूप में स्थापित हो चुकी है। संस्थान द्वारा अभी हाल में ही स्पैन्ड्रल का 10 वां अंक ''संचार स्थापन से सीख'' की थीम पर प्रकाशित किया गया है एवं संस्थान की हिन्दी पत्रिका ''स्पन्दन'' के प्रथम अंक का भी प्रकाशन किया गया है।

मैं पूर्ण निष्ठा से हमारे अध्यक्ष महोदय, प्रो. बिमल पटेल, प्रथम अध्यक्ष अधिशासी मण्डल, (एसपीए अधिनियम 2014 के पश्चात्) को धन्यवाद देता हूँ एवं साथ ही मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा भारत सरकार के सभी अधिकारीगणों को भी धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने संस्थान के विकास में निरंतर सहयोग दिया एवं संस्थान को स्थापित कर इनके उद्देश्यों को पूर्ण किया। विद्यालय के शासी मण्डल की पूर्व अध्यक्षा श्रीमती सुनीता कोहली को संस्थान के विकास में सहयोग एवं मार्गदर्शन हेतु धन्यवाद देता हूं।

प्रो. चेतन वैद्य
निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)

1. Director's Foreword

With great satisfaction, I am presenting the Seventh Annual Report (2015-16) of School of Planning and Architecture, Bhopal. Government of India through Gazette Notification dated 18th December, 2014 declared the School of Planning and Architecture, Bhopal as an "Institution of National Importance" and now the School is governed by the aforesaid Act.

Institute has been imparting quality education by offering Under Graduate Prgrammes, Post Graduate Programme and Doctoral Progamme in Planning and Architecture. As on date, total student strength of the students is 615. Council of Architecture (COA) recognized B. Arch. Batches from 2008 to 2011 also after the SPA Act came in force. SPA Bhopal awarded its first Ph.D to Mr. Sandeep Sankat, Associate Professor on "Creating Inclusive Living Environments in Urban Residences for Indian Elderly";

The Annual Report covers activities and achievements of Department of Architecture and Planning and their faculties. This indicates the commitment of the School towards quality education and social sustenance. The Annual Report also comprises activities organized during the year as per directive of Government of India; The multidisciplinary Centres as 'Centre for Human Centric Research (CHCR) and Centre for Cultural Knowledge System (CCKS) has been functioning in consonance with the ethos of SPAB Charter of "Social Sustenance'; The School has been undertaking research project of Government of India and other Institutions throughout the country. Design Innovations Centre (DIC) and Global Initiative for Academic Network (GIAN) are the two major projects of Government of India amongst all.

It is a matter of pride that the School is completely functioning from its own campus at Bhauri with the infrastructure - three Hostel buildings, Students Amenities Block, sports ground, parking area, road network and some staff quarters in the campus. QIP Centre, Gate Complex, internal road and staff quarters are also nearing completion.

As envisaged in our charter, SPA, Bhopal has already taken a lead role in th e field of architecture and planning education in India. The School organized many national and international events to nurture the appropriate educational environment in the country. I am happy to share that our internationally refered journal called 'SPANDREL' is now established as respected 'among the architecture fraternity'. Institute has recently published 10th issue of SPANDREL on the theme "Learning from Informal Settlements : Innovations Issues and Values" and 1st issue of "SPANDAN" – annual Hindi Patrika.

I sincerely express my gratitude to our Chairman Prof. Bimal Patel, first Chairman of the Board of Governors constituted as per SPA Act of 2014, officials of MHRD, Government of India, officials of Madhya Pradesh Government and to Hon'ble members of our Board of Governors for their continued support in developing this Institute and its mission for realizing objectives for which it has been established. I also wish to place on records sincere thanks to Smt. Sunita Kohli, the outgoing Chairperson, BoG for her contribution and guidance in further growth of the School.

Prof. Chetan Vaidya
Director (Additional Charge)

2. संगठन

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय वर्ष 2008 में भारत शासन द्वारा स्थापित किया गया था एवं संसद के एक अधिनियम के तहत संस्थान को दिसम्बर 2014 में ''राष्ट्रीय महत्व के संस्थान'' के रूप में घोषित किया गया है।

संस्थान देश को ऐसे योजनाकार एवं वास्तुकार देने के लिए प्रतिबद्ध है जो वैश्विक मानकों के अनुरूप भौतिक एवं सामाजिक पर्यावरण के विकास की चुनौतियों का सामना कर सके। यह संस्थान 'सृजनात्मकता के संस्थान' के रूप में विकसित होगा, जहाँ विद्यार्थियों, अनुसंधानकर्ताओं, प्राध्यापकों एवं समाज में सर्वेक्षण की चेतना व्यापक होगी। योजना एवं वास्तुकला विद्यालय सामाजिक जीविका के लिये अंतर्राष्ट्रीय अभिकल्पना के माध्यम से, सांस्कृतिक जीविका के लिये संरक्षण के माध्यम से एवं पर्यावरण जीविका के लिये वास्तुकला, योजना एवं अभिकल्पना के अनुशासन के माध्यम से प्रयास करेगा।

संस्थान के प्रयास :

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय भोपाल एक उत्कृष्ट केन्द्र पर स्नातक, स्नातकोत्तर, डॉक्टोरल एवं पोस्ट डॉक्टोरल स्तर पर योजना एवं वास्तुकला के विषयों पर उत्तम शिक्षा प्रदान कर रहा है।

योजना एवं वास्तुकला के क्षेत्र में अनुसंधान एवं परामर्श के लिए स्वयं को राष्ट्रीय स्तर के क्षेत्र में अनुसंधान एवं परामर्श कार्य पर विशेष बल दे रहा है।

राष्ट्रीय स्तर पर तैयारी एवं कार्यान्वयन का बंदोबस्त एवं सरकार के लिये वास विकास कार्यक्रम हेतु अनुसंधान एवं डेटाबेस केन्द्र तथा निर्णय समर्थन केन्द्र का निर्माण।

वास्तुकला के अलावा एवं स्थानीय नियोजन संस्था के परामर्श हेतु मुख्य केन्द्र का निर्माण।

उच्च क्षमता के संकाय सदस्यों का संवर्ग जो शिक्षण के लिये समर्पित किया जायेगा। योजना एवं वास्तुकला के साथ अनुसंधान एवं परामर्श सभी अनुशासित ढंग से होंगे।

सामाजिक रूप से जिम्मेदार बनने के लिए संस्था मानव निवास के भौतिक विकास हेतु सरकार को अनुसंधान व फीडबैक प्रदान करेगी।

2. Organization

School of Planning and Architecture was established by the Government of India in the year 2008 and has been declared as an "Institute of National Importance" in December 2014 by an act of parliament.

The school is committed to produce best Architects and Planners for the Nation to take up the challenges of physical and socio-environmental development of global standards. This is being developed as 'University of Imagination', where a sense of inquiry prevails amongst all stakeholders/students, researchers, professors and society at large. School of Planning and Architecture will strive for Social sustenance through universal design, cultural sustenance through conservation and environmental sustenance through the discipline of Architecture, Planning and Design.

The Institute strives :

To create School of Planning and Architecture, Bhopal as a centre of excellence for imparting quality education at undergraduate, postgraduate, doctoral and post-doctoral levels in Planning and Architecture.

To create national level research and development centre with special emphasis on research and consultancy work in the field of Planning and Architecture.

To create national level research and database centre and decision support centre for the preparation and implementation of settlement and habitat development programme for the Government.

To create the nodal centre for mentoring other architecture and spatial planning institution in the central region.

To create a cadre of high caliber faculty members who will be devoted to teaching, research and consultancy in all discipline that deal with Planning and Architecture.

To become socially responsible institution providing research feedback to the Government for physical development of human settlements.

3. शासी मण्डल

डॉ. बिमल एच. पटेल
अध्यक्ष – शासी मण्डल

प्रो. चेतन वैद्य
निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)

सत्यनारायण मोहन्ती
सचिव (उच्च शिक्षा)
उच्च शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार

अमरजीत सिन्हा
अतिरिक्त सचिव (टी.ई.एल.)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार

दर्शना एम. डबराल
संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार (आई.एफ.डी.)
उच्च शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार

संजय सिंह
प्रधान सचिव
तकनीकी शिक्षा विभाग
म.प्र. शासन

प्रो. बी. के. सेनगुप्ता
प्राध्यापक एमेरिट्स
आई.आई.टी. खड़गपुर

राकेश सिंह कुशवाहा
वास्तुकार, भोपाल

डॉ. अविनाश एस. पंत
उपाध्यक्ष
अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद

Board of Governors

Dr. Bimal H. Patel
Chairman-Board of Governors

Prof. Chetan Vaidya
Director (Additional Charge)

Satyanarayan Mohanty
Secretary (HE)
Department of Higher Education,
Ministry of Human Resource Development,
Govt. of India

Amarjeet Sinha
Additional Secretary (TEL)
Ministry of Human Resource Development,
Govt. of India

Darshana M. Dabral
Joint Secretary & Financial Advisor (IFD)
Department of Higher Education,
Ministry of Human Resource Development,
Govt. of India

Sanjay Singh
Principal Secretary
Technical Education Department
Govt. of MP

Prof. B.K. Sengupta
Professor Emeritus
IIT Kharagpur

Rakesh Singh Kushwah
Architect, Bhopal

Dr. Avinash S. Pant
Vice Chairman
All India Council for Technical Education

सचिव विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	Secretary University Grants Commission
प्रो. नज़मुद्दीन इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स, इंडिया	Prof. Najamuddin Institute of Town Planners India
वास्तुकार अमोघ कुमार गुप्ता प्रतिनिधि इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ ऑर्किटेक्चर	Ar. Amogh Kumar Gupta Representative Indian Institute of Architecture
के.के. जोद्दार मुख्य योजनाकार टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग ऑर्गेनाइजेशन	K. K. Joadder Chief Planner Town and Country Planning Organization
प्रो. संजीव सिंह वास्तुकला विभाग	Prof. Sanjeev Singh Department of Architecture
डॉ. शिउली मित्रा सह प्राध्यापक, योजना विभाग	Dr. Sheuli Mitra Asso. Professor, Department of Planning
रीतिका पटेल पूर्व छात्र प्रतिनिधि योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल	Reetika Patel Alumni Representative School of Planning and Architecture, Bhopal
उजमा खान छात्र प्रतिनिधि योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल	Uzma Khan Student Representative School of Planning and Architecture, Bhopal
मधुर कुकरेजा छात्र प्रतिनिधि योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल	Madhur Kukreja Student Representative School of Planning and Architecture, Bhopal
राजेश मौज़ा सचिव एवं कुलसचिव	Rajesh Moza Secretary & Registrar

4. वित्त समिति

डॉ. बिमल एच. पटेल
अध्यक्ष

प्रो. चेतन वैद्य
निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)

डॉ. डी.एस. मेश्राम
इन्सटीटयूट ऑफ टाउन प्लानर, इंडिया
नई दिल्ली

दर्शना एम. डबराल
संयुक्त सचिव एवं वित सलाहकार (आईएफडी)
उच्च शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार

संजीव कुमार शर्मा
निदेशक (एन.आई.टी.)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार

शाजू वर्गीज़
उपकुलसचिव (वित्त एवं लेखा)

राजेश मौज़ा
सचिव एवं कुलसचिव

Finance Committee

Dr. Bimal H. Patel
Chairperson

Prof. Chetan Vaidya
Director (Additional Charge)

Dr. D. S. Meshram
Institute of Town Planner, India
New Delhi

Darshana M. Dabral
Joint secretary & Financial Advisor (IFD)
Department of Higher Education,
Ministry of Human Resource Development,
Govt. of India

Sanjeev Kumar Sharma
Director (NITs)
Ministry of Human Resource Development,
Govt. of India

Shaju Varghese
Deputy Registrar (Finance & Accounts)

Rajesh Moza
Secretary & Registrar

5. अभिषद

Senate

प्रो. चेतन वैद्य निदेशक (अतिरिक्त प्रभार), अध्यक्ष	Prof. Chetan Vaidya Director (Additional Charge), Chairman
वास्तुकार एम.एन. आशीष गंजू वास्तुकार एवं शहरी अभिकल्पनाकार	Ar. M. N. Ashish Ganju Architect and Urban Designer
प्रो. महावीर प्राध्यापक (योजना) योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, नई दिल्ली	Prof. Mahavir Professor (Planning) School of Planning and Architecture, New Delhi
वास्तुकार सविता पुन्दे प्रख्यात परिदृश्य वास्तुकार	Ar. Savita Punde Eminent Landscape Architect
वास्तुकार उजान घोष वास्तुकार एवं शहरी अभिकल्पनाकार	Ar. Ujan Ghosh Architect and Urban Designer
प्रो. जॉय सेन वास्तुकला एवं योजना विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर	Prof. Joy Sen Department of Architecture and Planning Indian Institute of Technology, Kharagpur
डॉ. डी. एस. मेश्राम अध्यक्ष इंन्सटीटयूट ऑफ टाउन प्लानर्स इंडिया नई दिल्ली	Dr. D. S. Meshram President Institute of Town Planners India New Delhi
डॉ. बिमल एच. पटेल अध्यक्ष (सेप्ट विश्वविद्यालय)	Dr. Bimal H. Patel President (CEPT University)
प्रो. राजीव मिश्रा प्रधानाचार्य सर जे.जे. कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, मुंबई	Prof. Rajiv Mishra Principal Sir J. J. College of Architecture, Mumbai
प्रो. अजय खरे अधिष्ठाता (शैक्षणिक क्रियाकलाप)	Prof. Ajay Khare Dean (Academic Affairs)

प्रो. संजीव सिंह अधिष्ठाता (छात्र क्रियाकलाप)	Prof. Sanjeev Singh Dean (Student Affairs)
प्रो. एन. आर. मण्डल अधिष्ठाता (योजना एवं विकास)	Prof. N. R. Mandal Dean (Planning & Development)
डॉ. शिउलि मित्रा अधिष्ठाता (अनुसंधान एवं विकास)	Dr. Sheuli Mitra Dean (Research & Development)
प्रो. रचना खरे विभाग प्रमुख (वास्तुकला)	Prof. Rachna Khare Head of Department (Architecture)
प्रो. बिनायक चौधरी विभाग प्रमुख (योजना)	Prof. Binayak Choudhury Head of Department (Planning)
प्रो. सविता एस. राजे प्राध्यापक (वास्तुकला)	Prof. Savita S. Raje Professor (Architecture)
डॉ. तापस मित्रा सह प्राध्यापक (वास्तुकला)	Dr. Tapas Mitra, Associate Professor (Architecture)
डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर सहायक प्राध्यापक (योजना)	Dr. Kshama Puntambekar Assistant Professor (Planning)
डॉ. विशाखा कवाठेकर सहायक प्राध्यापक (वास्तुकला)	Dr. Vishakha Kawathekar Assistant Professor (Architecture)
राजेश मौज़ा सचिव एवं कुलसचिव	Rajesh Moza Secretary & Registrar

6. भवन एवं निर्माण समिति

Buildings & Works Committee

प्रो. चेतन वैद्य
निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) एवं
अध्यक्ष

Prof. Chetan Vaidya
Director (Additional Charge) &
Chairman

प्रो. नज़मुद्दीन
इंस्टीटयूट ऑफ टाउन प्लानर, इंडिया

Prof. Najammuddin
Institute of Town Planner, India

मनोहर लाल
अधिक्षण अभियंता
सीपीडब्ल्यूडी, एमपी सर्किल, भोपाल
(प्रतिनिधि, शहरी विकास मंत्रालय)

Manohar Lal
Superintending Engineer
CPWD, MP Circle, Bhopal
(Rep. Ministry of Urban Development)

अमरजीत सिन्हा
अतिरिक्त सचिव (टी.ई.एल)
उच्च शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार

Amarjeet Sinha
Addl. Secretory (TEL)
Department of Higher Education,
Ministry of Human Resource Development,
Govt. of India

दर्शना एम. डबराल
संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार (आई.एफ.डी.)
एकीकृत वित्त धारा
उच्च शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार

Darshana M. Dabral
Joint Secretory & Financial Advisor (IFD)
Integrated Finance Section
Department of Higher Education,
Ministry of Human Resource Development,
Govt. of India

वास्तुकार सौरभ पोपली
सह अधिष्ठाता (योजना एवं विकास)

Ar. Saurabh Popli
Associate Dean (Planning & Development)

राजेश मौज़ा
सचिव एवं कुलसचिव

Rajesh Moza
Secretary & Registrar

7. संस्थान के पदाधिकारी

निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)	प्रो. चेतन वैद्य
अधिष्ठाता – शैक्षणिक क्रियाकलाप	प्रो. अजय खरे
अधिष्ठाता – छात्र क्रियाकलाप	प्रो. एन. आर. मण्डल
अधिष्ठाता – योजना एवं विकास	प्रो. संजीव सिंह
अधिष्ठाता – संकाय कल्याण	प्रो. संजीव सिंह
अधिष्ठाता – अनुसंधान एवं विकास	डॉ. शिउलि मित्रा
प्रमुख – वास्तुकला विभाग	प्रो. रचना खरे
प्रमुख – योजना विभाग	प्रो. बिनायक चौधरी
परीक्षा नियंत्रक	डॉ. संदीप संकट
सह अधिष्ठाता (योजना एवं विकास)	वास्तुकार सौरभ पोपली
प्रभारी (पुस्तकालय सेवा)	डॉ. तापस मित्रा
प्रभारी (प्रशिक्षण एवं रोजगार प्रकोष्ठ)	डॉ. आनन्द वाडवेकर
छात्रावास अधीक्षक (बायस हॉस्टल)	डॉ. देवर्षि चौरसिया
छात्रावास अधीक्षक (गर्ल्स हॉस्टल)	डॉ. रमा उमेश पाण्डे
छात्रावास वार्डन (बायस हॉस्टल)	वास्तुकार कर्ण सेन गुप्ता वास्तुकार प्रेमजीत दास गुप्ता
छात्रावास वार्डन (गर्ल्स हॉस्टल)	वास्तुकार गायत्री नंदा डॉ. काकोली साहा
सांस्कृतिक समन्वयक	आशिष पाटिल डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर
पूर्व छात्र समन्वयक	वास्तुकार नयना सिंह अमित चटर्जी
खेल समन्वयक	वास्तुकार अरविंद कुमार मील वास्तुकार सुशील कुमार सोलंकी वास्तुकार अपूर्व श्रीवास्तव वास्तुकार गरिमा श्रीवास्तव

7. Institute Functionaries

Director (Additional Charge)	Prof. Chetan Vaidya
Dean - Academic Affairs	Prof. Ajay Khare
Dean - Students Affairs	Prof. N. R. Mandal
Dean - Planning & Development	Prof. Sanjeev Singh
Dean – Faculty Welfare	Prof. Sanjeev Singh
Dean - Research & Development	Dr. Sheuli Mitra
Head - Department of Architecture	Prof. Rachna Khare
Head - Department of Planning	Prof. Binayak Choudhury
Controller of Examination	Dr. Sandeep Sankat
Associate Dean (Planning & Development)	Ar. Saurabh Popli
In-Charge (Library Services)	Dr. Tapas Mitra
In-Charge (Training & Placement)	Dr. Anand Wadwekar
Hostel Superintendent (Boy's Hostel)	Dr. Devarshi Chaurasia
Hostel Superintendent (Girl's Hostel)	Dr. Rama Umesh Pandey
Hostel Wardens (Boy's Hostel)	Ar. Karna Sengupta
	Ar. Premjeet Dasgupta
Hostel Wardens (Girl's Hostel)	Ar. Gayatri Nanda
	Dr. Kakoli Saha
Cultural Coordinators	Ashish Patil
	Dr. Kshama Puntambekar
Alumni Coordinators	Ar. Nayana Singh
	Amit Chatterjee
Sports Coordinators	Ar. Arvind Kumar Meel
	Ar. Sushil Kumar Solanki
	Ar. Apurv Shrivastava
	Ar. Garima Shrivastava

8. संकाय / Faculty

वास्तुकला विभाग / Department of Architecture

नाम	विशेषज्ञता	Name	Specialization
डॉ. अजय खरे प्राध्यापक	वास्तुकला इतिहास, शहर अभिकल्पना एवं संरक्षण	Dr. Ajay Khare Professor	History of Architecture, Urban Design & Conservation
डॉ. संजीव सिंह प्राध्यापक	वास्तुकला एवं पर्यावरण नियोजन	Dr. Sanjeev Singh Professor	Architecture & Environmental Planning
डॉ. रचना खरे प्राध्यापक	वास्तुकला एवं सार्वभौमिक अभिकल्पना	Dr. Rachna Khare Professor	Architecture & Universal Design
प्रो. सविता सुबरवाल राजे, प्राध्यापक (प्रतिनियुक्ति)	वास्तुकला एवं परिदृश्य वास्तुकला	Prof. Savita Subherwal Raje, Professor (On deputation)	Architecture & Landscape Architecture
डॉ. तापस मित्रा सह प्राध्यापक	अभिकल्पना सिद्धांत एवं आवास	Dr. Tapas Mitra Associate Professor	Design Theory & Housing
पियूष हजेला सह प्राध्यापक	शहरी अभिकल्पना एवं वास्तुकला	Piyush Hajela Associate Professor	Architecture and Urban Design
अजय कुमार विनोदिया सह प्राध्यापक	वास्तुकला एवं अवसरंचना विकास	Ajay Kumar Vinodia Associate Professor	Architecture & Infrastructural Development Planning
डॉ. संदीप संकट सह प्राध्यापक	वास्तुकार एवं इकिस्टीक्स	Dr. Sandeep Sankat Associate Professor	Architecture & Ekistics
सौरभ पोपली सह प्राध्यापक	परिदृश्य वास्तुकला	Saurabh Popli Associate Professor	Landscape Architecture
डॉ. विशाखा कवाठेकर सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला संरक्षण	Dr. Vishakha Kawathekar Assistant Professor	Architectural Conservation
डॉ. आनन्द वाडवेकर सहायक प्राध्यापक	शहरी अभिकल्पना एवं वास्तुकला	Dr. Anand Wadwekar Assistant Professor	Architecture & Urban Design
गौरव सिंह सहायक प्राध्यापक	नगर नियोजन एवं वास्तुकला	Gaurav Singh Assistant Professor	Architecture and City Planning

डॉ. देवर्षि चौरसिया सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला का इतिहास, अभिकल्पना सिद्धांत, नगर नियोजन एवं परिवहन पर विशेष	Dr. Devarshi Chaurasia Assistant Professor	History of Architecture, Theory of Design, Urban Planning with emphasis on Transportation
रमेश पी. भोले सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं भवन संरक्षण	Ramesh P Bhole Assistant Professor	Architecture and Building Conservation
डॉ. सुकान्ता मजूमदार सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं अभिकल्पना	Dr. Sukanta Majumdar Assistant Professor	Architecture & Design
मंजुषा मिश्रा सहायक प्राध्यापक	शहरी अभिकल्पना	Manjusha Misra Assistant Professor	Urban Design
संदीप अरोरा सहायक प्राध्यापक	दीर्घकालिक वास्तुकला	Sandeep Arora Assistant Professor	Sustainable Architecture
सन्मार्ग मित्रा सहायक प्राध्यापक	परिवहन नियोजन, वास्तुकला इतिहास एवं आधुनिक वास्तुकला	Sanmarga Mitra Assistant Professor	Transportation Planning, History of Architecture and Contemporary Architecture
परमा मित्रा सहायक प्राध्यापक	वातावरण व्यवहार अध्ययन, निर्मित परिवेश में सुरक्षा एवं शहरी विकास	Parama Mitra Assistant Professor	Environment Behavior Studies, Safety in built Environment and Urban Planning
नयना आर. सिंह सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं निर्माण प्रबंधन	Nayana R Singh Assistant Professor	Architecture and Construction Management
डॉ. राम सतीश पसुपुलेति सहायक प्राध्यापक (28.12.2015 तक)	स्वदेशी वास्तुकला, आपदा एवं विकास	Dr. Ram Sateesh Pasupuleti Assistant Professor (till 28.12.2015)	Vernacular Architecture, Disaster &Development
श्वेता सक्सेना सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला	Shweta Saxena Assistant Professor	Architecture
गीता विश्वकर्मा सहायक प्राध्यापक (13.10.2015 तक)	शहरी अभिकल्पना एवं वास्तुकला	Geeta Vishwakarma Assistant Professor (till 13.10.2015)	Architecture and Urban Design
सोनल तिवारी सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं परिदृश्य	Sonal Tiwari Assistant Professor	Architecture and Landscape
अरविंद कुमार मील सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं निर्माण अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन	Arvind Kumar Meel Assistant Professor	Architecture and Building Engineering and Management

गायत्री नंदा सहायक प्राध्यापक	शहरी अभिकल्पना एवं वास्तुकला	Gayatri Nanda Assistant Professor	Architecture and Urban Design
बृषभानलली रघुवंशी सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला	Brishbhanlali Raghuwanshi Assistant Professor	Architecture
कर्ण सेनगुप्ता सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं नगर अभिकल्पना	Karna Sengupta Assistant Professor	Architecture and Urban Design
सौरभ तिवारी सहायक प्राध्यापक	मूलभूत अभिकल्पना, दृश्य संचार अभिकल्पना, अभिकल्पना इतिहास एवं अवस्थापन अध्ययन	Saurabh Tewari Assistant Professor	Basic Design, Visual Communication Design, History of Design and Architecture
अपूर्व श्रीवास्तव सहायक प्राध्यापक	आधुनिक निर्माण प्रबंधन	Apurv Shrivastava Assistant Professor	Advanced Construction Management
श्वेता वर्दिया सहायक प्राध्यापक	पारम्परिक निर्माण सामग्री एवं संरक्षण प्रकिया, इतिहास एवं अवस्थापन अध्ययन	Shweta Vardia Assistant Professor	Conservation Practices and Traditional Materials, History and Settlement Study
सुशील कुमार सोलंकी सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला, अभिकल्पना एवं निर्माण प्रबंधन	Sushil Kumar Solanki Assistant Professor	Architecture, Design and Construction Management
आशिष पाटिल सहायक प्राध्यापक	दृश्य कला	Ashish Patil Assistant Professor	Visual Art
पूनम खान सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला, देशीय वास्तुकला, कार्य रूपरेखा एवं वास्तुकला शिक्षा	Poonam Khan Assistant Professor	Architecture, Vernacular Architecture, Working Drawing and Architecture Education

योजना विभाग / Department of Planning

नाम	विशेषज्ञता	Name	Specialization
डॉ. विनायक चौधरी प्राध्यापक	नगरीय एवं क्षेत्रीय अर्थशास्त्र, क्षेत्रीय विश्लेषण नगरीय प्रशासन एवं वित्त, परिमाणात्मक पद्धतियां	Dr. Binayak Choudhury Professor	Urban and Regional Economics, Regional Analysis, Urban Government and Finance, Quantitative Methods
डॉ. निखिल रंजन मंडल प्राध्यापक	शहरी नियोजन, सहभागिता नियोजन, आवास एवं लागत प्रभावक निर्माण तकनीकें	Dr. Nikhil Ranjan Mandal Professor	Urban Planning, Participatory Housing and Housing and Cost Effective Construction Technologies
डॉ. शिउलि मित्रा सह प्राध्यापक	शहरी अवसंरचना एवं यातायात सुविधाएँ, संपदा प्रबंधन	Dr. Sheuli Mitra Associate Professor	Urban Infrastructure & Transport Facilities Planning, Real Estate Management
डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर सहायक प्राध्यापक	शहरी नियोजन, भूमि प्रयोग एवं परिवहन व्यवहार	Dr. Kshama Puntambekar Assistant Professor	Urban Planning, Land use & Travel Behaviour
अशफाक आलम सहायक प्राध्यापक	शहरी एवं क्षेत्रीय नियोजन	Ashfaque Alam Assistant Professor	Urban & Regional Planning
डॉ. रमा उमेश पाण्डे सहायक प्राध्यापक	पर्यावरण एवं वास्तुकला नियोजन	Dr. Rama Umesh Pandey Assistant Professor	Architecture and Environment Planning
आरती जायसवाल सहायक प्राध्यापक	गृह नियोजन	Arti Jaiswal Assistant Professor	Housing Planning
गेविन्द एम.पी. सहायक प्राध्यापक	पर्यावरण नियोजन	Govind MP Assistant Professor	Environment Planning
अमित चटर्जी सहायक प्राध्यापक	शहरी एवं क्षेत्रीय नियोजन, महानगरीय नियोजन एवं विकास	Amit Chatterjee Assistant Professor	Urban and Regional Planning, Metropolitan Planning and Development
गरिमा श्रीवास्तव सहायक प्राध्यापक	प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, ग्रामीण एवं पर्यावरण नियोजन	Garima Srivastava Assistant Professor	Natural Resources Management, Rural Planning and Environment Planning

पौलोस एन के सहायक प्राध्यापक	यातायात नियोजन, क्षेत्रीय नियोजन एवं अवसंरचना प्रबंधन	Paulose NK Assistant Professor	Transport Planning, Regional Planning
बड़े शोमित दिलीप सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला, पर्यावरिक नियोजन एवं संवहनीय विकास	Bade Shomit Dilip Assistant Professor	Architecture, Environmental Planning, and Sustainable Development
प्रेमजीत दासगुप्ता सहायक प्राध्यापक	शहरी परिवहन एवं शहरी संचालन	Premjeet Das Gupta Assistant Professor	Urban Transport and Urban Governance
गौरव वैद्य सहायक प्राध्यापक	शहरी नियोजन एवं विकास, अवसरंचना एवं परियोजना नियोजन	Gaurav Vaidya Assistant Professor	Urban Planning & Development, Infrastructure Planning and Project Planning
डॉ. काकोली साहा सहायक प्राध्यापक	नियोजन एवं परिमाणात्मक पद्धतियों में जीआईएस एवं रिमोट सेंसिंग का अनुप्रयोग	Dr. Kakoli Saha Assistant Professor	Application of GIS & Remote Sensing in Planning and Quantitative Techniques in

9. प्रशासनिक पदाधिकारी / Administrative Functionaries

नाम	पद	Name	Designation
प्रो. चेतन वैद्य	निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)	Prof. Chetan Vaidya	Director (Additional Charge)
राजेश मौज़ा	कुलसचिव	Rajesh Moza	Registrar
शाजू वर्गीज़	उपकुलसचिव (वित्त एवं लेखा)	Shaju Varghese	Dy. Registrar (Finance & Accounts)
राजेन्द्र कुमार जेना	सहायक पुस्तकालाध्यक्ष	Rajendra Kumar Jena	Assistant Librarian
मनीष विनायक झोकरकर	सहायक कुलसचिव (क्रय एवं भंण्डार)	Manish Vinayak Zokarkar	Assistant Registrar (Stores & Purchase)
अमित खरे	सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)	Amit Khare	Assistant Registrar (Academics)
दीपाली बागची	सहायक कुलसचिव (प्रशासन)	Deepali Bagchi	Assistant Registrar (Administration)
आनंद किशोर सिंह	अनुभाग अधिकारी (प्रशासन)	Anand Kishor Singh	Section Officer (Administration)
राम प्रकाश यादव	अनुभाग अधिकारी (वित्त एवं लेखा)	Ram Prakash Yadav	Section Officer (Finance & Accounts)
प्रवीण जायसवाल	अनुभाग अधिकारी (वित्त एवं लेखा)	Praveen Jaiswal	Section Officer (Finance & Accounts)
सरिता पवार	अनुभाग अधिकारी (शैक्षणिक)	Sarita Panwar	Section Officer (Academics)
मकसूद आलम अंसारी	सहायक अभियंता सह परियोजना अधिकारी	Maqsood Alam Ansari	Asst. Engineer cum Project Officer
वैशाली हेड़ाऊ	निज सहायक	Vaishali Hedaoo	Personal Secretary
प्रतिभा सिंह	बहुप्रवीणता सहायक	Pratibha Singh	Multi Skill Assistant
अभिनव श्रीवास्तव	कनिष्ठ अधीक्षक	Abhinav Shrivastava	Junior Superintendent
डॉ. प्रमोद दुबे	कनिष्ठ अधीक्षक	Dr. Pramod Dubey	Junior Superintendent

आलिया अली	निजी सहायक	Aliya Ali	Personal Assistant
विवेकानंद सिंह	बहुप्रवीणता सहायक	Vivekanand Singh	Multi Skill Assistant
प्रेरणा जैन	लेखापाल	Prerana Jain	Accountant
कुश श्रीवास्तव	लेखापाल	Kush Shrivastava	Accountant
धन बहादुर पून	कनिष्ठ अधीक्षक	Dhan Bahadur Poon	Junior Superintendent
योगेन्द्र जोशी	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)	Yogendra Joshi	Junior Engineer (Civil)
चंद्र शेखर गुप्ता	कनिष्ठ अभियंता (विद्युत)	Chandra Shekhar Gupta	Junior Engineer (Electrical)
प्रदीप हेड़ाउ	बहुप्रवीणता सहायक	Pradeep Hedaoo	Multi skill Assistant
रामेन्द्र सिंह सिसोदिया	बहुप्रवीणता सहायक	Ramendra Singh Sisodiya	Multi skill Assistant
नवीन कुमार बिडारे	बहुप्रवीणता सहायक	Naveen Kumar Bidare	Multi skill Assistant
सिस्ता श्रीनिवास राव	निजी सहायक	Sista Srinivasa Rao	Personal Assistant
दिलीप रंगारे	कनिष्ठ अधीक्षक	Dilip Rangare	Junior Superintendent
निशा नायर	लेखापाल	Nisha Nair	Accountant
ममता सोलंकी	नर्सिंग सहायक	Mamta Solanki	Nursing Assistant
प्रिया जैन	नर्सिंग सहायक	Priya Jain	Nursing Assistant
मुकेश कुमार उपाध्याय	सहायक क्रीड़ा अधिकारी	Mukesh Kumar Upadhyay	Assistant Sports Officer
सुनील कुमार जायसवाल	हिंदी सहायक	Sunil Kumar Jaiswal	Hindi Assistant
अंकित चौरसिया	कार्यशाला/प्रसारण कक्ष सहायक	Ankit Chourasia	Workshop/ Studio Assistant
तारक नाथ साहा	कनिष्ठ सहायक	Tarak Nath Saha	Jr. Assistant
प्रशांत जायसवाल	कनिष्ठ सहायक (21.12.2015 तक)	Prashant Jaiswal	Jr. Assistant (till 21.12.2015)

स्वाति बिलैया	कनिष्ठ सहायक	Swati Bilaiya	Jr. Assistant
स्वपनिल लोवंशी	कनिष्ठ सहायक	Swapnil Lowanshi	Jr. Assistant
सुजीत कुमार बैरागी	कनिष्ठ सहायक	Sujeet Kumar Bairagi	Jr. Assistant
राम सिंह यादव	तकनीकी सहायक	Ram Singh Yadav	Technical Assistant
नेहा श्रीवास्तव	तकनीकी सहायक	Neha Shrivastava	Technical Assistant
अमित कुमार बंसल	तकनीकी सहायक	Amit Kumar Bansal	Technical Assistant
गिरीश प्रसाद सती	कनिष्ठ सहायक	Gireesh Prasad Sati	Jr. Assistant
बिन्दु सुरेश	कनिष्ठ सहायक	Bindu Suresh	Jr. Assistant
कमलेश चौरे	तकनीकी सहायक	Kamlesh Chaure	Technical Assistant
जितेन्द्र कुमार	तकनीकी सहायक	Jitendra Kumar	Technical Assistant
अशोक कुमार मिश्रा	पुस्तकालय सहायक	Ashok Kumar Mishra	Library Assistant
सुभाष शर्मा	पुस्तकालय सहायक	Subhash Sharma	Library Assistant
रिपन रंजन विश्वास	पुस्तकालय सहायक	Ripan Ranjan Biswas	Library Assistant
रेनू पाठक	पुस्तकालय सहायक	Renu Pathak	Library Assistant
जितेन्द्र बिल्लोरे	कनिष्ठ सहायक	Jitendra Billore	Jr. Assistant
गोपाल दिगम्बर साली	कनिष्ठ सहायक	Gopal Digambar Sali	Jr. Assistant
पुष्पेन्द्र सिंह	कनिष्ठ सहायक	Pushpendra Singh	Jr. Assistant
घनश्याम राय	कनिष्ठ सहायक	Ghanshyam Rai	Jr. Assistant
सुजीत कुमार सिंह	छात्रावास सहायक / कार्यवाहक	Sujeet Kumar Singh	Hostel Assistant/ Hostel Caretaker
मनीषा	छात्रावास सहायक / कार्यवाहक	Manisha	Hostel Assistant/ Hostel Caretaker
मनीष नामदेव	प्रयोगशाला परिचर	Manish Namdev	Lab Attendant

10. शैक्षणिक कार्यक्रम

शैक्षणिक वर्ष : ऑड सेमेस्टर : जुलाई – दिसम्बर, ईवन सेमेस्टर : जनवरी – मई
परीक्षा की प्रणाली : सेमेस्टर प्रणाली
अध्ययन पाठ्यक्रम : स्नातक कार्यक्रम

स्नातक कार्यक्रम :

वास्तुकला में स्नातक : वास्तुकला के स्नातक कार्यक्रम में दाखिले की प्रक्रिया अप्रैल माह में (जेईई मेन) संयुक्त प्रवेश परीक्षा सीबीएसई द्वारा आयोजित की जाती है।

पात्रता : सीबीएसई/राज्य बोर्ड से हायर सेकेण्डरी स्कूल 12 वी कक्षा का प्रमाणपत्र या समकक्ष 50 प्रतिशत अंक गणित विषय सहित।

कोर्स अवधि : 5 वर्ष रिक्त स्थान : 75

योजना में स्नातक : योजना के स्नातक कार्यक्रम में दाखिले की प्रक्रिया अप्रैल माह में (जेईई मेन) संयुक्त प्रवेश परीक्षा सीबीएसई द्वारा आयोजित की जाती है।

पात्रता : सीबीएसई/राज्य बोर्ड से हायर सेकेण्डरी स्कूल 12 वी कक्षा का प्रमाणपत्र या समकक्ष 50 प्रतिशत अंक गणित विषय सहित।

कोर्स अवधि : 4 वर्ष रिक्त स्थान : 30

परास्नातक कार्यक्रम :

वास्तुकला में परास्नातक : परास्नातक वास्तुकला में परास्नातक की प्रवेश प्रक्रिया का माध्यम संस्थान द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार है।

मौजूदा पाठ्यक्रम :

वास्तुकला में परास्नातक (संरक्षण)	रिक्त स्थान :	20
वास्तुकला में परास्नातक (परिदृश्य)	रिक्त स्थान :	20
वास्तुकला में परास्नातक (शहरी अभिकल्पना)	रिक्त स्थान :	20

पात्रता :

बी. आर्क 55 प्रतिशत एग्रीगेट/कुल अंकों सहित या बी. प्लान 1 वर्ष के अनुभव एवं 55 प्रतिशत एग्रीगेट/कुल अंकों सहित।

कोर्स अवधि : 2 वर्ष

योजना में परास्नातक : योजना में परास्नातक की प्रवेश प्रक्रिया का माध्यम संस्थान द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार है।

मौजूदा पाठ्यक्रम :

योजना में परास्नातक (पर्यावरणीय योजना)	रिक्त स्थान :	20
योजना में परास्नातक (शहरी एवं क्षेत्रीय योजना)	रिक्त स्थान :	20

पात्रता :

बी. आर्क/बी. प्लान/बी.ई./बी.टेक. सिविल इंजीनियरिंग/एमएससी/भूगोलशास्त्र से एम.ए./अर्थशास्त्र /समाजशास्त्र 55 प्रतिशत कुल अंकों के साथ।

कोर्स अवधि : 2 वर्ष

10. Academic Programmes

Academic Year : Odd Semester : July – December, Even Semester : January – May

System of Examination : Semester System

Courses of Study : Bachelor's Programme

Graduate Programme:

Bachelor of Architecture : Admission procedure for Bachelor of Architecture Programme through Joint Entrance Exam (JEE Mains) conducted by CBSE in April.

Eligibility : 12th standard Sr. School Certificate of CBSE/State Board or equivalent securing 50% aggregate with Maths.

Course Duration : 5 years Seats : 75

Bachelor of Planning : Admission procedure for Bachelor of Planning Programme through Joint Entrance Exam (JEE Mains) conducted by CBSE in April.

Eligibility : 12th standard Sr. School Certificate of CBSE/State Board or equivalent securing 50% aggregate with Maths.

Course Duration : 4 years Seats : 30

Post Graduate Programme:

Master of Architecture : Admission procedure for Master of Architecture Programme through written test & personal Interview conducted by Institute.

Existing Courses :

Master of Architecture (Conservation) Seats : 20

Master of Architecture (Landscape) Seats : 20

Master of Architecture (Urban Design) Seats : 20

Eligibility:

B.Arch with 55% aggregate marks or B.Plan with one year experience and 55% aggregate marks.

Course Duration : 2 years

Master of Planning : Admission procedure for Master of Planning Programme through written test & personal Interview conducted by Institute.

Existing Courses :

Master of Planning (Environmental Planning) Seats : 20

Master of Planning (Urban & Regional Planning) Seats : 20

Eligibility:

B.Arch./ B.Plan./ B.E./ B.Tech. in Civil Engineering/ M.Sc./ M.A. in Geography/ Economics/ Sociology with 55% aggregate marks.

Course Duration: 2 years

डॉक्टोरेट डिग्री	रिक्त स्थान	10 प्रति वर्ष

संस्थान योजना एवं वास्तुकला के क्षेत्र में शोध उपाधि प्रदान करता है।

पात्रता : परास्नातक उपाधि आर्किटेक्चर/प्लानिंग/टेक्नोलॉजी/डिजाइन डिसीप्लीन या समकक्ष डिग्री 60 प्रतिशक अंकों के साथ (55 प्रतिशत अंक अजा/अजजा/विकलांग हेतु) या बी. आर्क/बी.प्लान 60 प्रतिशत अंकों के साथ (55 प्रतिशत अंक अजा/अजजा/विकलांग हेतु), कम से कम 5 वर्षों का पेशेवर अनुभव एवं जर्नल/सम्मेलन की कार्यवाही में कम से कम एक प्रकाशन ।

DASA योजना (विदेशी छात्रों का सीधे प्रवेश) के तहत संस्थान यूजी एवं पीजी कार्यक्रमों में प्रवेश मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित DASA योजना के माध्यम से भी लेता है।

शैक्षणिक कार्यक्रमः

स्नातक कार्यक्रम	वार्षिक छात्र संख्या
वास्तुकला में स्नातक डिग्री कोर्स (पाँच वर्ष)	75
योजना में स्नातक डिग्री कोर्स (चार वर्ष)	30
परास्नातक कार्यक्रम (द्विवर्षीय)	
वास्तुकला में परास्नातक (संरक्षण)	20
वास्तुकला में परास्नातक (परिदृश्य)	20
वास्तुकला में परास्नातक (शहरी अभिकल्पना)	20
योजना में परास्नातक (पर्यावरणीय योजना)	20
योजना में परास्नातक (शहरी एवं क्षेत्रीय योजना)	20
वास्तुकला एवं योजना में वाचस्पति की मानद उपाधि	
सत्र 2015–16 में कुल नामांकित छात्र	34

31/03/2016 को योजना एवं वास्तुकला विद्यालय के छात्रों की कुल संख्या 615

Doctorate Degree Seats : 10 per year

The school offers Doctoral programme in the fields of Architecture and Planning.

Eligibility: Master's Degree in Architecture/ Planning/ Technology/ Design disciplines or equivalent degree with minimum 60% marks (55% for SC/ST/PWD) OR B.Arch./ B.Plan. degree with minimum 60% marks (55% for SC/ST/PWD), minimum five years of professional experience and at least one publication in Journal/ Conference proceedings.

DASA scheme (Direct Admission of Students abroad) institute also takes admission in UG and PG Programme through DASA Scheme of MHRD Government of India.

Academic Programmes:

Under Graduate Programmes	Annual Intake
Bachelor's Degree Course in Architecture (Five Years)	75
Bachelor's Degree Course in Planning (Four Years)	30
Post Graduate Programmes (Two Years Programmes)	
Master of Architecture (Conservation)	20
Master of Architecture (Landscape)	20
Master of Architecture (Urban Design)	20
Master of Planning (Environmental Planning)	20
Master of Planning (Urban & Regional Planning)	20
Doctoral Programme in Architecture and Planning	
Total enrolled students up to session 2015-16	34

Total Number of Students as on 31.03.2016 615

11. केन्द्रीय सुविधाएं

ग्राफिक प्रयोगशाला

आज, योजना एवं वास्तुकला जैसे बहुमुखी प्रोफेशन के लिये कई प्रकार के सॉफ्टवेयर सहायता कर रहे हैं। संस्थान में 75 से अधिक कम्प्यूटरों से सुसज्जित दो प्रयोगशालाएं हैं। प्रत्येक प्रयोगशाला का उद्देश्य प्रासंगिक एवं नवीनतम सॉफ्टवेयर के ज्ञान और अभ्यास से छात्रों को अपडेट कराना है ताकि वे डिजाइन, विकास और कार्यान्वयन से संबंधित चित्र और दस्तावेजों की दिशा में इन उपकरणों का प्रयोग कर सकें। ग्राफिक्स प्रयोगशाला नियमित कक्षाओं के लिए अत्यधिक सुविधाजनक है जैसे कि स्टाफ एवं संकायगण के सहयोग से सीएडी क्लासेस, स्केचअप क्लासेस एवं कम्प्यूटर एप्लीकेशन क्लासेस संचालित हैं। इसके अलावा प्रयोगशाला छात्र की संगोष्ठी, प्रस्तुतियों और कैड लैब जो छात्र शिक्षाविदों का हिस्सा है की परीक्षा लेने हेतु प्रयोग किया जाता है।

कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर की एक विस्तृत श्रृंखला की स्थापना योजना एवं वास्तुकला जैसे विशेष प्रोफेशन के लिये बहुत से आवशक साफ्टवेयर के साथ की गई है। जैसे ऑटोडेक्स (3 डीएस मेक्स, ऑटो कैड, इनवेंटर) ग्राफिक सॉफ्टवेयर, कोरल ड्रॉ एडोब फोटोशॉप, क्रिएटिव क्लोड एवं अन्य 2डी–3डी इमेज सॉफ्टवेयर। प्रयोगशाला में सभी कम्प्यूटरों में इंटरनेट ब्रॉडबैण्ड और वायरलेस कनेक्शन की सुविधा सतत् उपलब्ध है।

हमारे उच्च शिक्षित कम्प्यूटर स्टाफ के कारण तकनीकी सपोर्ट संकाय, स्टाफ एवं छात्रों के लिये प्रायः उपलब्ध है। निर्बाध उच्च गति (1 जीबीपीएस) इंटरनेट वाईफाई/केबल का उपयोग संस्थान में उपलब्ध है। वेब साईट, वेब डोमेन, ईआरपी एवं वेब आधारित अनुप्रयोग और सॉफटवेयर का प्रबंधन प्रयोगशाला के कर्मचारी करते हैं। संस्थान में देश के अन्य संस्थानों के साथ शैक्षिक सामग्री, शोध सेवाओं एवं पुस्तकालय की सेवाओं को साझा करने की सुविधा के लिये एनकेएन उच्च प्रदर्शन कम्प्यूटिंग सुविधाओं, ई–पुस्तकालय, आभासी कक्षाओं और बड़े डाटाबेस का एक संग्रह प्रदान करता है।

एनकेएन महत्वपूर्ण और उभरते क्षेत्रों में मानव विकास को आगे बढ़ाने के लिये, मिलकर काम करने के लिये अलग अलग पृष्ठभूमि और विविध भौगोलिक स्थानों से वैज्ञानिक शोधकर्ताओं और छात्रों को सक्षम बनाएगा।

11. Central Facilities

Graphics laboratory

Today, there are many types of software that aid the multi -faceted profession of Architecture and Planning. The institute has two fully equipped labs with more than 75 Computers. The Aim of the each lab is to equip and update the students with knowledge & practice of relevant & latest Software, so that they can use these tools towards design development and implementation related drawings and documents. Graphics lab is well facilitated for the regular Classes like CAD Classes, Sketch up Classes and Computer Application Classes with supports of faculty and staff members. Also the lab is used for the seminar presentations of the student and taking examinations of the CAD lab, which is the part of student academics.

The computers are installed with a wide range of software essential for the profession of architecture and planning, such as Autodesk (3ds Max, AutoCAD, Revit, Inventor), graphics software, Corel draw, Adobe Photoshop, Creative Cloude and other 2 -d/3-d image rendering software. All the computers in the lab are provided with internet facility. The broadband and wireless connection facilities provide a continuous internet access in the lab. Owing to our highly qualified computer administrators, technology support is always available to faculty, staff and students on one -to-one basis as well as in the form of occasionally organized training sessions on general computer literacy and internet browsing. Uninterrupted high-speed (1 Gbps) internet Wi-Fi/cable access is available throughout the institute building.

The well qualified lab staff manages, the web site, Web Domains, ERP and web based applications and Software. To facilitate sharing of educational material, research, services, and library facilities with other institutes in the country, NKN provides high performance computing facilities, e- Libraries, virtual classrooms and a collection of large database. The NKN will enable scientists, researchers and students from different backgrounds and diverse geographic locations to work closely for advancing human development in critical and emerging areas.

कम्प्यूटर सेंटर/डाटा सेंटर

नेटवर्क : एसपीए भोपाल का कम्प्यूटर सेंटर / डाटा सेंटर संस्थान की ग्राफिक लैब, जीआईएस लैब, पुस्तकालय, स्टूडियो, छात्रावास में तथा संकाय, स्टाफ एवं छात्रों को इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध कराता है। कम्यूटर सेंटर संस्थान में 1000 से अधिक प्रयोगकर्ताओं को हाईस्पीड (1जीबीपीएस) इंटरनेट वाईफाई/ केबल की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। हमें यह सुविधा नेशनल नॉलेज नेटवर्क (एनकेएन) – नेशनल इन्फारमेशन सेंटर (एनआईसी) भोपाल द्वारा दी गई हैं एवं 100 एमबीपीएस इंटरनेट स्पीड की सुचारू व्यवस्था रेलटेल कार्पोरेशन से प्राप्त हुई है।

नेशनल नॉलेज नेटवर्क हमे अन्य संस्थानों की शैक्षणिक सामग्री, अनुसंधान, सेवाएं एवं पुस्तकालय की सुविधाएं उपलब्ध कराता है। नेशनल नॉलेज नेटवर्क हमें उच्च गुणवत्ता की कम्यूटर सुविधा, इंटरनेट लायब्रेरी, आभासी कक्षायें, वृहद डाटाबेस के संग्रह एवं वह सभी शैक्षणिक सामग्री जो कि कौशल के लिये आवश्यक हैं एसपीए भोपाल में उपलब्ध कराता है। संस्थान के संकाय, स्टाफ एवं छात्रों को अतिरिक्त तकनीकी सुविधा उपब्लब्ध कराने हेतु कम्प्यूटर सेंटर स्टॉफ वेब बेस्ड ईमेल एक्सेस, वेब साईट मेन्टनेंस एवं नेटवर्क से संबंधित मुद्दे जिसमें हार्डवेयर एवं सॉफटवेयर के तकनीकी सहयोग के प्रावधान निहित हैं, का प्रबंध करता है।

सुरक्षा : संस्थान नेटवर्क उपयोगकर्ताओं की अनैतिक गतिविधियों को नियंत्रित करने हेतु विस्तृत नीति के तहत फायर वॉल की सुविधा उपलब्ध कराता है। वायरलेस नेटवर्क छात्रावास, शैक्षणिक भवन एवं कार्यालयों में नवीनतम तकनीकी की सहायता से हाई स्पीड कनेक्टिविटी उपलब्ध कराता है। ग्राफिक लैब एवं जीआईएस लैब में भी हाई स्पीड कनेक्टिविटी उपलब्ध कराता है।

सर्वर : डाटा एवं एप्लीकेशन की तीव्र प्रोसेसिंग के लिये हाई एन्ड ब्लेड सर्वर का प्रयोग किया गया है। लिब्सिस सॉफ्टवेयर का प्रयोग संस्थान पुस्तकालय में ऑनलाइन सूची एवं सहज खोज हेतु किया जाता है इस हेतु एक अलग सर्वर की सुविधा दी गई है। संस्थान का लेखा विभाग पे रोल साफ्टवेयर का प्रयोग सर्वर के माध्यम से करता है जिसमें सरल एवं टेली सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया जाता है।

Computer Centre / Data Centre

Network : The Computer Centre / Data Centre of SPA Bhopal provides internet support to Graphics Lab, GIS Lab, library, studios, hostels, faculty and staff terminals. There are more than 1000 users. High-speed (1 GBPS) internet Wi-Fi/cable access is available throughout the institute campus. This facility is offered by National Knowledge Network (NKN) - National Informatics Centre (NIC) Bhopal and also through a dedicated standby arrangement of 100mbps internet speed from RAILTEL Corporation of India Ltd.

NKN facilitates sharing of educational material, research, services, and library facilities with other institutes in the country, NKN provides high performance computing facilities, e- libraries, virtual classrooms and a collection of large database, all of which provide state-of-art access to educational material at SPA Bhopal In addition technical support is provided to students, faculty and staff of the institute. Computer center staff manages Web-based e-mail access, web site maintenance, and network related issues, including provision of technical support for hardware and software.

Security : Institute network has facility of firewall to control unethical activities in the network & institute wide policy for users, staff & faculty. Wireless Networks–provides high speed connectivity to hostels, academic buildings & offices with the help of latest technology. High speed connectivity is provided to graphics Lab & GIS Lab for data.

Server : A high-end Blade server is used for fast processing of data & applications. Dedicated Libsys software is used for institute library for online catalogue and seamless search on a separate server. Accounts department of the institute uses Payroll software on a dedicated server, using Saral and Tally software's.

जी.आई.एस. प्रयोगशाला

जी.आई.एस. प्रयोगशाला

शैक्षणिक आवश्यकता : रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस दोनों प्लानिंग एवं आर्किट्रेक्चर के छात्रों के पाठ्यक्रम का हिस्सा हैं। यह पाठ्यक्रम सामग्री का एक भाग है जो कि छात्रों को विषय से संबंधित विभिन्न पहलुओं को समझने हेतु सहायता करता है। सॉफ्टवेयर का प्रारंभिक अभ्यास शैक्षणिक परियोजनाओं को प्रारंभ करने हेतु करते हैं।

जीआईएस प्रयोगशाला का विकास : वर्ष 2010 में, अत्याधुनिक जीआईएस प्रयोगशाला की स्थापना योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल में छात्रों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए की गई। जीआईएस प्रयोगशाला के लिये 23.0 वर्ग मीटर की जगह मैनिट कैम्पस के संस्थान बिल्डिंग के प्रथम तल में आवंटित की गई थी।

वर्ष 2013 में, एक नवीन जीआईएस प्रयोगशाला का विकास एसपीए भोपाल भौरी स्थित नये कैंपस में नवीनतम संगणक आर्क जीआईएस डेस्कटॉप का नवीन संस्करण एवं ईआरडीएएस इमेजिन एवं डिजिटल जीआईएस सर्वेक्षण उपकरण क्रय किये गये।

GIS Laboratory

Academic Requirement: Remote Sensing and GIS are a part of the syllabus both for the students of Planning and Architecture. As a part of the course contents, the students are required to learn various related aspects of the subject, such as software with hands-on practice to undertake academic projects.

GIS Lab Development: In 2010, a state of the art GIS laboratory was developed at School of Planning and Architecture, Bhopal, to cater the academic needs of the students in this field. A dedicated space of around 23.0 square meters was allocated for the GIS laboratory in the first floor of the institute building, MANIT campus.

In the year 2013, a new GIS laboratory was developed at SPA Bhopal, Bhauri campus, with additional high-end workstations, latest versions of Arc GIS Desktop and ERDAS Imagine. Apart from this, digital GIS survey instruments, were purchased.

GIS Lab

वर्ष 2015–16 में प्रयोगशाला के विकास के बाद से दोनों परास्तनातक एवं स्नातक के छात्र एवं छात्रों से नवीन स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का परिचय कराने के उद्देश्य से प्रयोग शाला के विस्तार के लिए एक प्रस्ताव तीन चरणों में अनुमोदित किया गया था। प्रथम चरण का क्रय निश्चित रूप से कर लिया गया है।

प्रयोगशाला का उद्देश्य :– यह प्रयोगशाला छात्रों को नक्शे तैयार करने, विश्लेषण और स्थानिक / भौगोलिक डेटा क्वेरी के लिये रिमोट सेंसिंग, जीआईएस एवं 3 डी मॉडलिंग संसाधन उपलब्ध कराती है। प्रयोगशाला उच्च अंत हार्डवेयर, नवीनतम सॉफ्टवेयर, उच्च संकल्प उपग्रह डेटा एवं वेक्टर डेटा से लेस है। प्रयोगशाला परामर्श परियोजनाओं के लिये तकनीकी सहयोग प्रदान करती है एवं संदर्भ के लिये एक डाटा बैंक और संसाधन केन्द्र का विकास करती है।

जीआईएस प्रयोगशाला संसाधन :– वर्ष 2010 में जब प्रयोगशाला स्थापित हुई, तब से इसे लगातार उन्नत किया गया है। निम्न तालिका में उपलब्ध विवरण /उन्नत संसाधन (हार्डवेयर/सॉफ्टवेयर एवं डेटा) दिये गए हैं:–

	मद	संख्या
हार्ड वेयर	वर्कस्टेशन (एचपी Z800, DELL PRECISION17600)	18
	मॉनीटर	21
	कलर ए 3 प्रिंटर एवं स्कैनर	01
	टोपो माउस (16 बटन)	01
	3–डी गूगल (NVIDIA)	02
	ग्राफिक कार्ड (FX 1800 NVIDA)	02
	हेण्डी कैम (Sony)	02
	जीपीएस (Trimble)	05
	डीजीपीएस (Trimble, Leica)	02
सॉफ्टवेयर	आर्क जीआईएस - 10.4	20 User Licenses
	आर्क जीआईएस सर्वर - 10.4	1 Licenses
	ERDAS Imagine - 2015	10 User Licenses
	IRDISI TAIGA-16.5	15 User Licenses
	लइका फोटोग्रामेटिक सूट्स (LPS)-2015	05 User Licenses
	माइक्रो स्टेशन	05 User Licenses
	क्यूब -5.1	01 User Licenses
उपग्रह डेटा	LISS-III&IV MX,CARTOSAT-I,&II, STEREO CARTOSAT-I WORLD VIEW-2	07 Cities (Bhopal,Indore,Ujjain,Dewas, Jabalpur,Gwalior,Thimphu) Bhopal,Ashapuri,Sanchi

In 2015-16 after the increased use of lab by both masters and bachelors students and introduction of new master's courses a proposal for expanding the lab was approved in three phases. The first phase purchase is already done.

Purpose of the Lab : This laboratory provides Remote Sensing, GIS, and 3D Modeling resources useful for the students to prepare maps, analyze and query the spatial/geographic data. It is equipped with high-end hardware, latest software, high resolution satellite data and vector data.

GIS Laboratory Resources : Since the establishment of the lab in 2010, it has been constantly upgraded. The following table gives the details of the available / upgraded resources (hardware, software and data):-

	Item	Quantity
Hardware	WorkStation(HP Z800,DELL PRECISION17600)	18
	Monit ors	21
	Colour A3 Printer and Scanner	01
	Topo Mouse(16 Button)	01
	3-D Googles (NVIDIA)	02
	Graphic Card(FX 1800 NVIDA)	02
	Handy Cam(Sony)	02
	GPS(Trimble)	05
	DGPS(Trimble,Leica)	02
Software	Arc GIS -10.4	20 User Licenses
	Arc G IS Server -10.4	1 Licenses
	ERDAS Imagine -2015	10 User Licenses
	IRDISI TAIGA -16.5	15 User Licenses
	Leica Photogrammetric Suites(LPS) -2015	05 User Licenses
	Micro station	05 User Licenses
	Cube -5.1	01User Licenses
Satellite Data	LISS-III&IV MX,CARTOSAT -I, &II, STEREO CARTOSAT -I WORLD VIEW -2	07 Cities (Bhopal, Indore, Ujjain, Dewas, Jabalpur, Gwalior, Thimphu) Bhopal, Ashapuri, Sanchi

प्रशिक्षण कार्यक्रम : 30 अक्टूबर 2015 को शहरी डिजाइन द्वारा वाकअबिलिटी के संदर्भ मे महिलाओं की सुरक्षा पर एक दिवसीय कार्यशाला।

अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम : डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर, शहरी क्षेत्रों के सतत् विकास : एक भूस्थानिक दृष्टिकोण 'रिमोट सेसिंग देहरादून' ईयूआईएम सम्मेलन 26–27 फरवरी 2015 भारतीय रिमोट सेंसिंग संस्थान, देहरादून।

ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण: जीआइएस प्रयोगशाला संस्थान में संचालित परियोजनाओं के तहत छात्रों को ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण उपलब्ध कराता है।

परामर्श परियोजनाएँ : भोपाल शहर के विभिन्न क्षेत्रों के लिये सुरक्षित समुदाय का मानचित्रीकरण

जीआईएस संचालित परियोजनाएं : भोपाल शहर के विभिन्न क्षेत्रों के लिये सुरक्षित समुदाय का मानचित्रिकरण, श्याम प्रसाद मुखर्जी अर्बन मिशन रातीबड़ शंकुल म.प्र.

जीआईएस में शैक्षणिक परियोजनाएं : स्टूडियो अभ्यास जिसके सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में जीआईएस प्रयोगशाला शामिल है।

		योजना में स्नातक		योजना में परास्नातक (शहरी एवं क्षेत्रीय योजना)		योजना में परास्नातक (पर्यावरण योजना)		वास्तुकला में परास्नातक (शहरी अभिकल्पना, परिदृश्य वास्तुकला, संरक्षण)		
क्र.	वर्ष	क्षेत्रीय योजना बनाना	विकास योजना बनाना	क्षेत्रीय योजना बनाना	विकास योजना बनाना	क्षेत्रीय योजना बनाना	विकास योजना बनाना	MUD	MLA	MCO
1.	2015	अमृतसर	भुवनेश्वर	पूर्वी जैन्तिया पहाड़ियाँ	वापी	पुरी	देहरादून	स्टूडियो अभ्यास	स्टूडियो अभ्यास	स्टूडियो अभ्यास

Training Programmes : One day Workshop on Woman safety in context of walkability by urban Design on 30 October, 2015.

Other Training Programmes : Dr. Kshma Puntambekar, 'Sustainable development of urban areas: A Geospatial approach' in IUIM conference on 26-27th Feb 2015 at Indian Institute of Remote Sensing Dehradun.

Summer Training : GIS Lab provides summer training for the students under the projects in the institute.
Completed consultancy project - Safe Community mapping for different area of Bhopal city.

GIS Running Projects : Safe Community mapping for different area of Bhopal city.
Shyama Prasad Mukharji Urban Mission for Ratibad cluster MadhyaPradesh.

Academic Projects in GIS : Studio Exercise in which the GIS Lab is involved across the courses.

Participants : MUD Students, SPA
Coordinator : Dr. Ronita Bardhan, IIT Bombay
Co-coordinator : Dr. Kokali Saha, Ar. Gayatri Nanda, SPAB

		Bachelor of planning		Master of Planning (Urban and Regional Planning)		Master of Planning (Environmental Planning)		Master of Architecture (Urban Design , Landscape Architecture , Conservation)		
S. No.	Year	Reg. Plan Preparation	Development Plan Preparation	Reg. Plan Preparation	Development Plan Preparation	Reg. Plan Preparation	Development Plan Preparation	MUD	MLA	MCO
1.	2015	Amritsar	Bhubaneswar	East Jaintia Hills	Vapi	Puri	Dehradun	Studio Exercise	Studio Exercise	Studio Exercise

पुस्तकालय

संस्थान का पुस्तकालय, संस्थान की पठन–पाठन एवं अनुसंधान गतिविधियों के सहयोग में रचनात्मक एवं परिवर्तनात्मक भागीदारी के लिये कार्य करता है। इसका मुख्य उद्देश्य छात्र समुदाय की बढ़ती अपेक्षाओं को पूरा करने के लिये अग्रिम रूप से सुविधा प्रदान कर ज्ञान अर्जित कराना है। यह संस्थान अकादमिक उत्कृष्टता के लक्ष्य को पाने के लिए महत्वपूर्ण अंगों में से एक है। संस्थान के संकाय, छात्र एवं कर्मचारियों के साथ साझेदारी में अभिनव एवं गतिशील शैक्षिक परिवर्तन लाने हेतु पुस्तकालय एक अनिवार्य इकाई है।

पुस्तकालय में वास्तुकला एवं योजना से संबंधित पुस्तकें एवं पाठ्य सामग्री प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक दोनों ही रूपों में मौजूद है। पुस्तकों की शीघ्र एवं सरल प्राप्ति हेतु उन्हें विषयवार एवं डेसिमल पद्धति के आधार पर वर्गीकृत किया गया है। ओपन एक्सेस सिस्टम उपयोगकर्ता के लिये अधिक स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने और उपयोगकर्ता एवं संग्रहकर्ता के बीच अंतर को कम करने के लिये बनाया गया है। प्रलेखों को सुनियोजित ढंग से व्यवस्थित करने एवं साधनों के महत्तम उपयोग हेतु अनुभवी एवं व्यवसायिक प्रशिक्षण प्राप्त कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है। छात्र, शोधकर्ता, शिक्षक एवं कर्मचारियों को मिलाकर लगभग 850 पाठकों ने पुस्कालय की सदस्यता ली है।

पुस्तकालय संग्रह : पुस्तकालय में योजना एवं वास्तुकला के विषयों का एक समृद्ध संग्रह है जिसमें पुस्तकें (पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, रिपोर्ट, सम्मेलन की कार्यवाही, सीडी रोम आदि), पत्रिकाएं, लघु शोध, ऑन लाइन डाटाबेस आदि शामिल हैं:–

पुस्तकें एवं सूक्ष्म दस्तावेज : कुल 9853 पुस्तकों (7393 शीर्षक) का संग्रह पुस्तकालय में है जो कि वास्तुकला (5400 पुस्तकें) एवं योजना (3000 पुस्तकें) के विभिन्न उपक्षेत्रों को समाहित करती है। जैसे वास्तुकला संरचना, वास्तुकला का इतिहास, लोक संरचना, धार्मिक एवं आवासीय भवन, भवन निर्माण, संरचना प्रौद्योगिकी, परिदृश्य वास्तुकला, आंतरिक अभिकल्पना एवं सजावट, सजावटी कला, शहरी एवं

Library

The institute library serves as a creative and innovative partner to support the teaching, learning and research activities of the institute. Its main objective is to meet the rising expectations of the student community by providing unparalleled services that advance the institute's mission to create new knowledge; This is one of the vital organs of the institute to meet the mission of academic excellence. It also acts as an indispensable unit of the institute to bring an innovative and dynamic educational change in partnership with the institute's faculty, student and staff.

Library houses quite a good number of print and electronic resources in the field of Architecture and Planning. The books are arranged subject wise for easy and quick access. Open access system has been adopted to ensure more freedom to the users and reduce the gap between the user and the collection. Experienced, cooperative and professionally trained library staff are employed for systematic organization of the library documents as well as to maximize their usage. Library has around 850 users which includes students, research scholars, faculty and staff.

Library Collection : The library has a rich collection especially in the field of architecture and planning. The library collection includes books (textbooks, reference books, reports, conference library collection includes books (textbooks, reference books, reports, conference proceedings, CD-ROMs, etc.), journals, dissertations, online databases, etc:-

Books and Micro Documents : The library has a total collection of around 9853 books (7393 titles) which covers different sub-areas of Architecture (5400 books) and Planning(3000 books) like architectural structure, history of architecture , public structures, religious & residential buildings, building construction, structural engineering, landscape architecture,

क्षेत्रीय योजना, निर्माण प्रबंधन, अर्थशास्त्र, दीर्घकालिक विकास, चित्रकला, कलात्मकता आदि। इसके अलावा पुस्तकालय में लगभग 400 पुस्तकें शोध पद्धतियों से संबंधित हैं।

पत्रिकाएँ : पुस्तकालय में 130 पत्रिकाएं (44 राष्ट्रीय एवं 86 अंतर्राष्ट्रीय) सब्सक्राईब की गई हैं। जिसमें से 74 पत्रिकाएँ पूरे परिसर में आनलाइन एक्सेस की जा सकती हैं। वर्तमान पत्रिकाओं के अतिरिक्त लगभग 951 जिल्द पत्रिकाएँ भी पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। प्रमुख पत्रिकाओं के पूर्व संस्करणों को उपलब्ध करवाने का भी प्रयास किया जा रहा है।

थीसिस एवं लघु शोध : पुस्तकालय में 440 लघु शोध एवं थीसिस उपलब्ध है जिनमें बी आर्क (204), बी. प्लान. (89), एम. आर्क. (69), एम.प्लान. (70), एवं पी. एचडी. (4) सम्मिलित हैं। संस्थान परिसर में कम्प्यूटर नेटवर्क के माध्यम से डीआरएस (डिजिटल भण्डार सेवा) संपूर्ण पाठ्य अभिगम्यता सभी के लिये उपलब्ध है।

डाटाबेस : दो अंतर्राष्ट्रीय ग्रंथ सूची के डाटाबेस Avery Index to Architectural Periodicals and Pro Quest,s Theses and Dissertations *& Theses Fulltext*) एवं दो सामाजिक अर्थव्यवस्था के डाटाबेस (indiastat.com & Districtsofindia.com) पुस्तकालय द्वारा सब्सक्राइब किए जा रहे हैं।

एंटी प्लेगियरिज्म साफ्टवेयर : पुस्तकालय ने एंटी साहित्यिक चोरी साफ्टवेयर *URKUND* की सदस्यता भी थीसिस एवं लघु शोध की गुणवत्ता गृहअनुसंधान में बनाये रखने के लिये ली है।

पुस्तकालय स्वचालन एवं प्रोद्योगिकी के अनुप्रयोग : पुस्तकालय प्रबंध सॉफ्टवेयर की सहायता से पुस्तकालय सेवा एवं व्यवस्था का स्वतः संचालन किया जाता है। पुस्तकालय संग्रह एवं सेवाओं की विस्तृत जानकारी वेबसाईट (http://www.spabhopal.ac.in/Library) पर उपलब्ध है एवं नियमित रूप से अद्यतन की जाती है। पुस्तकालय सूची संपूर्ण शैक्षणिक परिसर में ऑनलाइन उपलब्ध है । नवीन अधिग्रहीत पुस्तकों एवं पत्रिकाओं को तत्काल डेटाबेस में जोड़ा जा रहा है। पुस्तकालय नवीन, प्रभावी और कुशल इकाई के रूप में स्वयं को साबित करने के लिये निरंतर सुधार के सिद्धांत का पालन करता है। इसके साथ ही पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ता समुदाय की सेवा कुशल एवं अभिनव तरीके से करने के लिये सतत् प्रयास करता है।

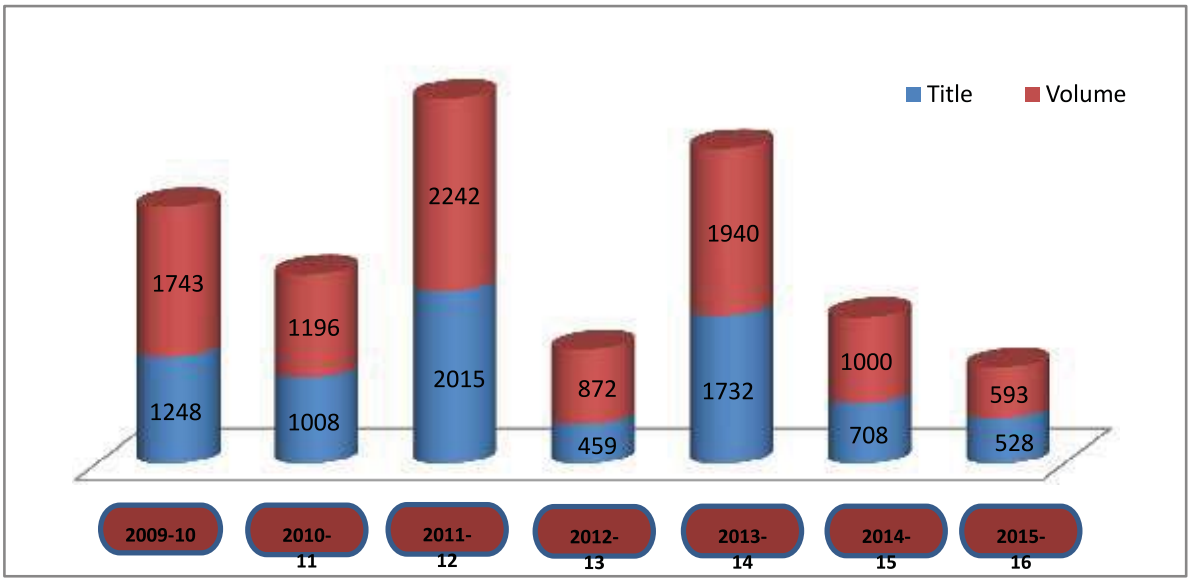

interior design & decoration, decorative arts, urban & regional planning, construction management, economics, sustainable development, drawings, paintings, classics, etc. Beside this the library has around 400 books related to research methodology.

Journals & Bound Volumes : Library subscribes 130 current journals (44 national and 86 international). It includes 74 journals which can be acceued online throughout the campus. Besides the current journals the library has around 951 bound volumes also. Procurement of journal archives of the highly used journals is under process.

Theses and Dissertations : Library has 440 dissertations and theses which includes B. Arch. (204), B. Plan. (89), M. Arch. (69), M. Plan. (70), and Ph.D. (4). Full text access to all of them is available within campus network through DRS (Digital Repository Service) developed by library.

Databases : Subscribes two international bibliographic databases *(i.e. Avery Index to Architectural Periodicals* and *Proquest Dissertations & Theses Fulltext)* and two socio-economic databases (i.e. *indiastat.com & districtsofindia.com)*.

Anti Plagiarism Software : Library also subscribes an anti plagiarism software *URKUND* to maintain the quality of in-house research dissertations and theses.

Library Automation and IT Applications : Library services and housekeeping operations are automated with the help of library management software. Detail information about the library collections and services is available in its webpage (http://www.spabhopal.ac.in/Library) and updated regularly.

The library catalogue is available online throughout the whole academic campus. Newly acquired books and journals are being added to the database on immediate basis.

Library adheres to the principle of continuous improvement and to prove itself as an innovative, effective and efficient unit in the institute. Simultaneously, there is a continuous effort by the library to serve its user community in an efficient and innovative way.

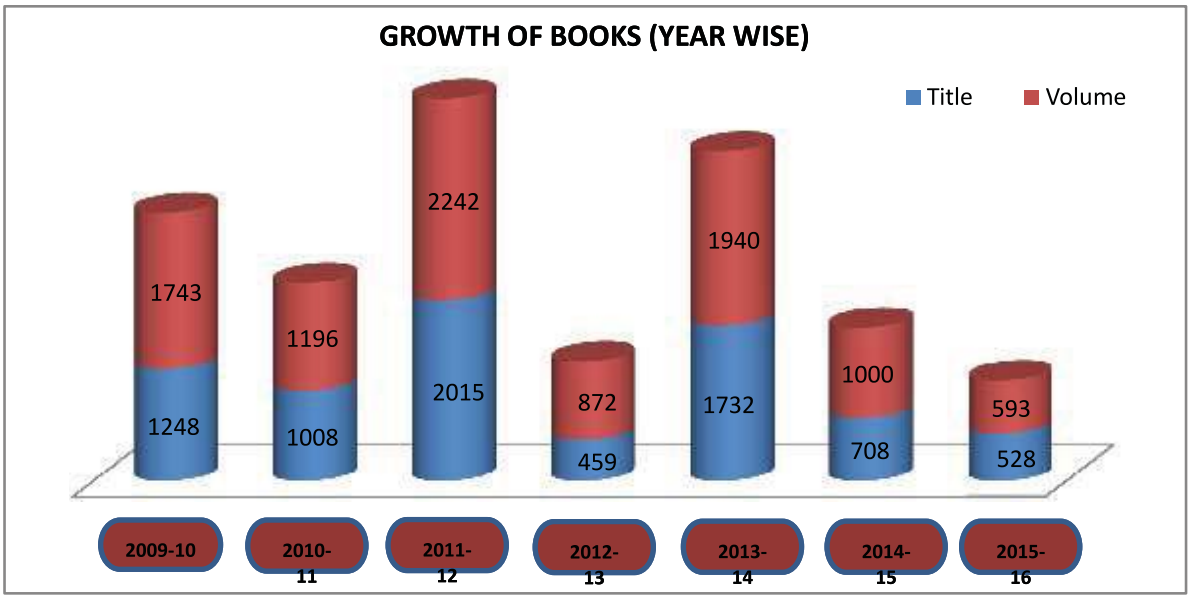

वास्तुकला कार्यशाला

एसपीए भोपाल की कार्यशाला ''करके सीखने'' का स्थान है। यह एक ऐसी जगह है जहाँ भौतिक रूप से गहन जाँच, सतत बातचीत, मूलरूप एवं मॉडल का प्रयोग कर निष्कर्ष निकाले जाते हैं। छात्र यहाँ अपने विचारों को मजबूत कर कार्य की समझ बेहतर करते हैं। ऐसे कार्य को पहचानना जो अपने विशिष्ट उद्देश्य एवं एक खास स्थान एवं समय के लिया किया जा रहा है । वे अपने मॉडल–बनाने एवं डिजाइन प्रोजेक्ट के मॉडल निर्माण के कौशल को उन्नत करने के लिये अपने विचारों और संवाद का सृजन करते हैं। गंभीरतापूवर्क, अंतर्दृष्टिकोण एवं कलात्मकता से महान गहराई एवं महत्वकांक्षा के साथ डिजाइन में लगे रहना इस अभ्यास के लिए छात्रों को प्रेरित करता है। यह एक ढाँचे की तरह हर संदर्भ की अनूठी स्थिति और प्रत्येक कार्य के व्यक्तित्व के जवाब में उनके कार्य को गाइड करता है। इस पद्धति के माध्यम से वे अपनी टीम के साथ रणनीति, स्पष्टता एवं आपसी समझ की धारणा अपनाते हैं या विशेषज्ञों के सहयोग से प्रत्येक परियोजना का उच्च स्तर पर समाधान निकालते हैं।

Architecture Workshop

Workshop at SPAB is a place of learning by making. It is a place where intense investigation, ongoing discourse, prototypes, and models are used to explore ideas through physical form. Students build things here to better understand their work; work that they recognize as being specific to their objectives and to a particular place and time. They improve their skill of model-making and produce models of their design projects to communicate their ideas and generating dialogue. This practice inspires the students to pursue design critically, insightfully, and imaginatively with great depth, breadth and ambition. It creates a framework that guides their work in ways that respond to the unique conditions of every context and the individuality of each task. Through this methodology, they arrive at strategic, clear, and mutually understood concepts within their team or with mentors and resolve each project to a high level of detail.

एसपीए भोपाल की वास्तुकला कार्यशाला का क्षेत्र 280 स्क्वेयर मीटर का है। वास्तुकला के छात्रों के लिये प्रकाशित, हवादार एवं वातानुकूलित जगह कार्य करने हेतु तीन आयामी दृश्य धारणा विकसित करने, कार्यशाला मशीन और प्रौद्योगिकी सहित उपकरण और सामग्री की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ कार्य करने हेतु विशिष्ट स्थान है। छात्र साधनों के समुचित प्रयोग जैसे, उपकरण एवं मशीन, विभिन्न मॉडल बनाने में इस्तेमाल तकनीक, सामग्री के चयन के समुचित उपयोग जानने के लिए एवं विभिन्न सामग्री का उपयोग जैसे लकड़ी, एमडीएफ, पॉलीस्ट्रेन, फॉरेक्स, एक्रिलिक, मिट्टी, प्लास्टर ऑफ पेरिस का उपयोग, कागज एवं धातु आदि साधनों से सीख हासिल कर रहे हैं। वास्तुकला कार्यशाला में अभ्यास पाठ्यक्रम नियमित रूप से संचालन की श्रृंखला को दर्शाता है। इस संचालन व्यवस्था में डिजिटल प्रोटोटाइपिंग, रंग प्रसंस्करण एवं परिष्करण, प्लास्टर एवं धातु का कार्य शामिल हैं।

कार्यशाला के उपयोग का क्रम छात्रों द्वारा एक प्रेरण सत्र एवं कार्यशाला में पाठ्यक्रम अभ्यास से होगा। प्रेरण से स्पष्ट है क्या आप एक कार्यशाला में स्वास्थ्य और सुरक्षा की उम्मीद कर सकते हैं और उपकरणों के बुनियादी कार्यों के बारे में पता कर सकते हैं एवं उन्हें उपकरणों एवं उपलब्ध साधनों के आधारभूत तरीकों से जागरूक करा सकते हैं। कार्यशाला का प्रयास परियोजनाओं के निर्माण हेतु आधारभूत कार्यशील ज्ञान देना है। परियोजना के अनुसार ये कार्य अलग अलग उपकरणों और मशीनों के उपयोग, कच्चे माल एवं चयनित माल पर विभिन्न आपरेशनों में तकनीकी का प्रयोग के विषय में बताते है। इनसे कौशल को मापने, अंकन, छिद्रण, काटने, देखने में छात्रों को मदद मिलती है। ड्रिलिंग, फिटिंग, लेजर कटिंग एवं आदि सामान्य सुरक्षा सावधानियों का छात्रों को कार्यशाला के अंदर पालन करना चाहिए। इसके अलावा कार्यशाला विभाग में सभी स्नातकीय एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए मॉडल बनाने की सुविधा प्रदान करता है। मशीनरी उपकरण, लेजर, उकेरक, प्लॉटर, हॉटवायर कटर, विद्युत उपकरण, परिशुद्धता उपकरण, सर्क्युलर सॉ, डबल व्हील ग्राइंडर, मेटल कट ऑफ, वाइड रेंज हेंड टूॅल्स, नक्काशी के लिए लिनो उपकरण, शिल्प उपकरण, फिक्सचर एवं सुरक्षा गार्ड इत्यादि उपकरण कार्यशाला में उपलब्ध हैं।

कार्यशाला में उन वस्तुओं का संग्रह भी है जिनकी वृहद श्रंखला का उपयोग निर्माण उद्योग में किया जाता है। उपरोक्त के अलावा जलवायु से संबंधित वास्तुकला विषयों को पढ़ाने के लिये जलवायु उपकरण भी इस कार्यशाला का हिस्सा हैं। कार्यशाला रविवार छोड़कर सप्ताह भर छात्रों के लिये खुली होती है। छात्रों की मांग के अनुसार कार्यशाला को अधिकारिक घंटों के बाद भी खोला जाता है।

Architectural Workshop at SPAB is 280 sq.mt. light filled, well ventilated & air conditioned work space for architecture students to help develop their three dimensional visual perception. The workshop has dedicated spaces, machinery and technologies for working with a wide range of tools and materials. The students learn proper use of tools, equipments and machines, different techniques used in model making, selection of material according to need of design project, and use of various material like wood, MDF, polystyrene, forex, acrylic, clay, plaster of Paris, paper and metal. Architectural workshop practice course in curriculum refers to a series of operations done regularly. These operations include digital prototyping, carpentry, color processing and finishing, plaster and metal work.

In order to use the workshop the students attend an Induction Session and Workshop Practice course. The induction clarifies what one can expect from the workshop, familiarizes with the health and safety codes, and make them aware of the basic functions of equipments and available tools. Workshop Practice gives the basic working knowledge required for building projects. It explains function, use and application of different working tools and machines, the technique used in different operations on raw materials and selection of material according to the project. It helps students to acquire measuring skills, marking, punching, saw cutting, drilling, fitting, laser cutting etc and general safety precautions that students should follow inside the workshop. Other than this, the workshop offers model making facility to all UG and PG programmes in the department. Machinery, equipments and tools available in the workshop are, Laser Engraver, Plotter, Hotwire Cutter, Power Tools, Precision Tools, Circular Saw,Double wheeled Grinder, Metal Cut off, Wide Ranged Hand tools, Lino Tools for Carving, Crafting Tools, Fixtures and safety Guards.

The workshop also houses a Material Library which has a rich collection of building materials used in the construction industry. Other than all above, Climatology Equipments for teaching climate related architecture subjects are also part of this workshop. Workshop facilities are accessed by student through the week except Sunday. However on student's demand workshop also opens other then official hours.

12. केंद्र

मानव केंद्रित अनुसंधान केंद्र (सी.एच.सी.आर.)

एसपीए भोपाल का मानव केंद्रित अनुसंधान बहुअनुशासन केन्द्र सामाजिक निर्वाह के संबंध में एसपीए चार्टर की लोकनीति के साथ तालमेल बनाकर कार्य कर रहा है। सीएचसीआर का उद्देश्य अनुसंधान आधारित ज्ञान की संरचना को क्षेत्रीय संस्कृति के सभी स्थानों के साथ सशक्त करना है। गुणात्मक और मात्रात्मक मानदंड का प्रयोग, विविध मानव आबादी या अतीत की अभिकल्पनाओं में प्रथाओं का समर्थन करने के लिये होता है। केन्द्र का प्रयास अभिकल्पना द्वारा समता लाना है जिसमें असुरक्षित आबादी जैसे विकलांग, बुजुर्ग, सामाजिक एवं जातीय अल्पसंख्यक शामिल है। इन उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु केन्द्र चार प्रमुख क्षेत्रों में कार्य करता है वे हैं प्राथमिक अनुसंधान क्षेत्र एवं नेटवर्किंग की पहचान, शिक्षा एवं प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं डिजाइन विकास एवं प्रसार। यह यूनेस्को, संयुक्त राष्ट्र ईएससीएपी, एनआईडी अहमदाबाद, आईआईटी खड़गपुर, यूसी बर्कले, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत अभिगम्यता अभियान, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मंत्रालय, एएसआई, एनआईओएच, आरूषि, डीआरओएनएएच, ऐबिलिटि अनलिमिटैड, एमएमसीएफ इत्यादि के साथ कार्य करता है। केन्द्र ने अंतर्राष्ट्रीय संदर्भित पत्रिका स्पैन्ड्रल का एक विशेष अंक 'सामाजिक समता से सामाजिक जीविका' प्रकाशित किया है। अन्य प्रकाशन भारत के यूनिवर्सल डिजाइन के सिद्धांत पर शामिल है, दो विशेष अंक 'डिजाइन फॉर आल इंन्सटीटयूट ऑफ इंडिया एवं एक बुक 'यूनिटिंग डिफरेंस' इन्ही गतिविधियों पर आधारित हैं। केंद्र द्वारा नियमित रूप से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशेष व्याख्यान, कार्यशालाओं, सार्वजनिक प्रदर्शनियों, का छात्र प्रतियोगिताओं एवं जागरूकता अभियान के विषय क्षेत्रों पर, आयोजन किया जाता है। केन्द्र राष्ट्रीय स्तर पर 2012 एवं 2013 में दो बार एनसीपीईडीपी – यूनिवर्सल डिजाइन पुरस्कार से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के मंत्रियों द्वारा सम्मानित किया गया था।

वर्ष 2015–16 में आयोजित इवेंट कुछ इस प्रकार हैं: 3 जून 2015 को डॉ. शुब्रत चट्टोपाध्याय एवं डॉ हेमन्ति बनर्जी, आईआईटी खड़गपुर की एक टीम ने पूर्ण पैमाने पर अनुकरण उपकरणों के साथ केंद्र की गतिविधियों और केंद्रित प्रयोगशाला के कामकाज के बारे में पता करने के लिये सीएचसीआर का दौरा किया। उन्होंने केंद्र के साथ भविष्य के सहयोग में रूचि दिखाई। बाद में केंद्र द्वारा यूनिवर्सल डिजाइन पर दो दिवसीय कार्यशाला आईआईटी खड़गपुर में 12–13 अक्टूबर 2015 को आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में सीएचसीआर के कार्यों की एक सार्वजनिक प्रदर्शनी भी रखी गई।

12. Centers

Center For Human Centric Research (CHCR)

The multidisciplinary 'Center for Human Centric Research' housed at SPA-Bhopal work in consonance with the ethos of SPAB Charter regarding 'Social Sustenance'; The objective of CHCR is to build a research based body of knowledge with all realms of the ethnographic, qualitative and quantitative experimental paradigms, to support diverse human population otherwise marginalized in the past design practices; The center practices 'equity by design' to include vulnerable populations like persons with disabilities, elderly, and social & ethnic minorities. To attain its objectives, the center functions in four major areas, 'Identification of Research Priority Areas and Networking', 'Education and Training', 'Research and Design Development' and 'Dissemination'; It has worked with UNESCO, United Nations ESCAP, NID Ahemedabad, IIT Kharagpur, UC Berkeley, Ministry of Social Justice and Empowerment, Accessibility India Campaign, National Health Mission, ASI, NIOH, Arushi, DRONAH, Ability Unlimited, MMCF etc. The center has published a special issue 'Social Sustenance by Social Equity' of SPANDREL, an international refereed journal. Other publications include calendar on Universal Design India Principles, two special issues on its activities by 'Design for All Institute of India' and a book 'Uniting Differences'; The center regularly organizes special lectures, workshops, public exhibitions, student competitions and awareness campaigns on the concerning areas at national and international level. The center was conferred upon NCPEDP-Universal Design Awards twice in 2012 and 2013 at National level, given by then Ministers of Ministry of Social Justice and Empowerment.

Some of the events organized in the year 2015-16 are as follows; On 3rd June 2015, a team from IIT Kharagpur with Dr. Shubrata Chattopadhyay and Dr. Haimanti Banerjee visited CHCR to know about the center activities and functioning of its Human Centeric Lab with full scale simulation equipments. They also expressed interest in future collaborations with the center. Later the center conducted two days hands-on Workshop on Universal Design at IIT, Kharagpur from 12th -13thOctober 2015. The event also included a public exhibition of CHCR works at IIT.

03 दिसम्बर 2015 अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस का समर्थन करने हेतु जागरूकता फैलाने के कार्यक्रम में केन्द्र ने बैंक एवं अन्य संस्थाओं में अभिगम्यता जानकारी प्रदान करके की गयी। सत्र में 40 बैंक अधिकारियों ने भाग लिया। इस इवेंट को संयुक्त रूप से मानव विकलांग केंद्र, भोपाल के क्षेत्रीय केंद्र द्वारा आयोजित किया गया था। केंद्र ने शिक्षकों को जागरूक करने के लिये 10 जनवरी 2016 को रीवा मध्य प्रदेश में रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा आयोजित एक देशव्यापी अभियान में स्कूलो के अवरोधों को मुक्त कर स्वतंत्र वातावरण प्राप्त करने हेतु व्याख्यान दिया।

केन्द्र ने मार्च 2016 में विरासतों के शहर जयपुर एवं उदयपुर में तीन दिवसीय हस्त कार्यशाला का आयोजन किया। जयपुर में जयगढ़ किले पर लेखा परीक्षा कार्यशाला एवं सार्वभौमिक डिजाइन लेखा परीक्षा कार्यशाला कनोटा के संग्रहालय में (दक्षिण एशिया का संग्रहालय में प्रवेश) जयपुर शहर में आईसीओएमओएस की साझेदारी से एवं अंतर्राष्ट्रीय समावेशी संग्रहालय संस्थान के सहयोग से महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय द्वारा 25–28 मार्च को आयोजित किया गया था। केंद्र ने उदयपुर में 20 मार्च 2016 को उदयपुर में महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउंडेशन, यूनेस्को एवं आईसीओएमओएस भारत के सहयोग से वर्ल्ड लिविंग हेरिटेज फेस्टिवल में हेरिटेज वॉक का आयोजन किया।

To support International Day for Persons with disabilities on 3rd December 2015, the center participated in awareness raising programme by sharing details on Access in Banks and Related Environments. The session was attended by 40 bank officials from M.P. The event was organized by Composite Regional Center for Persons with Disabilities, Bhopal. The center delivered a lecture to sensitize the teachers to achieve Barrier Free Environment at schools in a nation-wide campaign for achieving universal accessibility, organized by Red Cross Society on 10th-Jan-2016 at Rewa, Madhya Pradesh.

The center also conducted three hands-on workshops on Universal Design at Heritage Sites at City Palace Jaipur and Udaipur in March 2016. In Jaipur, Access Audit Workshop at Jaigarh Fort and Universal Design Audit Workshop at Kanota Museum were conducted in 'Access in Museums in South Asia', organized by Maharaja Sawai Man Singh II Museum, City Palace, Jaipur, India, in partnership with ICOMOS India and supported by the International Institute for the Inclusive Museums, from 25-28th March 2016. The center also conducted Access Audit of Heritage Walk at Udaipur as Hands-on Activity in World Living Heritage Festival at Udaipur, organized by Maharana Mewar charitable Foundation, UNESCO and ICOMOS India on 20th March 2016.

सांस्कृतिक ज्ञान प्रणाली केंद्र (सी.सी.के.एस.)

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल जो कि एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है एक जनादेश के साथ समाज को सार्वभौमिक अभिकल्पना के माध्यम से निर्वाह करता है, संरक्षण के माध्यम से संस्कृति को निर्वाह करता है एवं वास्तुकला, योजना एवं डिजाइन के अनुशासन के माध्यम से पर्यावरण को निर्वाह करता है। इसका उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने, राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान और डेटाबेस केंद्र बनाने और सामाजिक रूप से जिम्मेदार संस्था जो सरकार को अनुसंधान एवं प्रतिक्रिया उपलब्ध कराने के लिये गुणवत्ता का केन्द्र स्थापित करना है।

संस्थान के जनादेश को जारी रखते हुए योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल ने सांस्कृतिक ज्ञान प्रणाली केंद्र प्रारंभ करने का प्रस्ताव रखा है। ज्ञान प्रणाली ने लोगों के प्रतिमान में मौजूदा विरासत को समझने की दिशा, विरासत स्थल का चिन्हांकन एवं समग्र समझ के प्रमुख स्थान व समय के दृष्टिकोण को विकसित किया है। यह भारत के संरक्षण परिदृश्य की दिशा में एक संरचनात्मक ढांचा तैयार करने तथा उत्तेजना और प्रोत्साहन के माध्यम से कठोर और नए तरीकों को विकसित करेगा। यह योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में कार्य करेगा।

उद्देश्य :

सामाजिक और सांस्कृतिक जीविका के संरक्षण को समावेशी करने हेतु अभ्यास एवं बढ़ावा देना।

क्षेत्रीयता के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उचित प्रबंधन कौशल और भागीदारी संरक्षण प्रथाओं को आकार देना।

वैचारिक और दार्शनिक व्यवस्थाओं की सैद्धांतिक समझ एवं हस्तक्षेप और विभिन्न स्तरों पर इसके निहितार्थ संरक्षण के अभ्यास पर बराबर जोर बनाए रखना।

भारत के मध्य क्षेत्र में व्यापक सामग्री को विकसित करने और सभी संबंधित पक्षों के शोधकर्ताओं और संस्थाओं द्वारा संदर्भित संसाधन सामग्री के डेटाबेस को बनाए रखने हेतु अनुसंधान कार्य और विभिन्न विरासत घटकों के प्रलेखन का कार्य

संरक्षण के बदलते दायरे और विरासत की समझ में वर्तमान और नए उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान।

अनुसंधान और संरक्षण के क्षेत्र में विभिन्न पहलुओं के दस्तावेज और मौजूदा प्रथाओं के साथ लिंक स्थापित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से कौशल और क्षमताओं को विकसित करना।

केंद्र का लक्ष्य निम्नलिखित के माध्यम से प्राप्त करना है :

विशेषज्ञ की सलाह उपलब्ध कराना।

सरकारी एजेंसियों की सलाह लेना।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संपर्क स्थापित करना।

ढांचागत सुविधाओं का विकास।

लघु अवधि के पाठ्यक्रम, कार्यशालाओं, सेमिनार से जुडे रहना।

Centre for Cultural Knowledge Systems (CCKS)

School of Planning and Architecture, Bhopal itself an institute of National Importance with a mandate to strive for Social Sustenance through universal design, Cultural Sustenance through conservation and Environmental Sustenance through the disciplines of Architecture, Planning and Design. It aims to become a Centre of excellence for imparting quality education, create National Level Research and Database Centre and become a socially responsible institution providing research feedback to the Government.

In continuation to the mandate of the institute, SPA Bhopal proposes to start the "Centre for Cultural Knowledge Systems"; Knowledge system approach is a method developed towards understanding the existing heritage in the paradigm of people, place and time leading to holistic understanding and identifying the heritage of the place. This leads to stimulation and encouragement for developing rigorous and innovative methodologies towards intellectual inquiry and building a framework towards the conservation scenario of India; This shall work as 'Center for Excellence' in SPA, Bhopal.

Objectives :

To promote and practice conservation inclusive of social and cultural sustenance.

To shape appropriate management skills and participatory conservation practices at regional as well as national and international levels.

To maintain equal emphasis on theoretical understanding of the conceptual and philosophical frameworks and practice of conservation including intervention and its implication at various levels.

To undertake research and documentation of various heritage components, developing comprehensive inventories in central region of India and maintain a database of the resource materials for reference by all concerned researchers and institutions.

To undertake research in existing and new emerging areas of conservation in the changing scope and understanding of heritage.

To develop skills and abilities through workshops and training programmes for research and documentation of various aspects in the field of conservation and establishing links with existing practices.

The Centre aims at achieving this through following :

Providing specialist advice.

Advising government agencies.

Establishing links with national and international.

Developing infrastructural facilities.

Holding short term courses, workshops, seminar.

केंद्र की गतिविधियाँ :

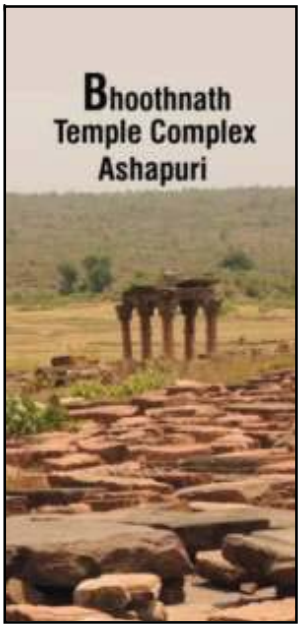

प्रकाशन : CCKS एसपीए, भोपाल ने इनटेक INTACH के साथ आसपास के सात विरासत स्थलों के ब्रोशर का एक सेट तैयार किया है। जिसमे साइट इस्लाम नगर, शाहजहांनाबाद, सांची, उदयगिरी, भोजपुर, आशापुरी और भीमबेटका भी शामिल है।

कार्यशाला :

विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर, सांस्कृतिक ज्ञान प्रणाली केंद्र, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल ने इनटैक INTACH भोपाल के सहयोग से 18 अप्रैल 2016 एवं 19 अप्रैल 2016 को गौहर महल में "विरासत संरचनाओं के रखरखाव पर कार्यशाला" का आयोजन किया था ।

कार्यशाला के सत्र में विविध विषयों पर विभिन्न व्याख्यान को शामिल किया गया जैसे कि भोपाल की विरासत में आम रखरखाव जो छात्रों विरासत गतिविधि और विरासत के मालिकों के मध्य जागरूकता फैलाने के नये अवसर लाते हैं। कार्यशाला में विद्याथियों को हाथ से कार्य करने के अनुभव का अवसर मिला जैसे पत्थर की सफाई, चूने मोर्टार, पत्थर की सफाई और विरासत संरचना, पत्थर की सफाई, पलस्तर, मोल्डिंग से पेड़ हटाने की तैयारी की दिशा में छात्रों और प्लास्टर और इशारा में नक्काशी आदि।

Activities Organized by Centre :

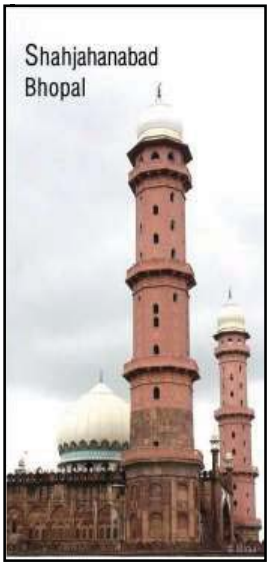

Publications : CCKS, SPA Bhopal along with INTACH Bhopal Chapter had prepared a set of Brochures of seven heritage sites in and around Bhopal. The Site includes Islamnagar, Shahjahanabad, Sanchi, Udaigiri, Bhojpur, Ashapuri and Bhimbetka.

Workshop :

On the occasion of The World Heritage Day, Centre for Cultural Knowledge System, SPA Bhopal in collaboration with INTACH Bhopal Chapter had organized a "Workshop on Maintenance of Heritage Structures" at Gohar Mahal on 18th April 2016 and 19th April 2016.

The workshop comprised of various lecture sessions on varied topics such as 'Common Maintenance issues in Heritage of Bhopal' which become the opportunity to generate awareness among the students, Heritage Activists, and Heritage owners. The workshop also became the opportunity to provide hands on experience to students towards 'Cleaning of Stones, Preparation of Lime Mortar, stone cleaning and removal of trees from heritage structure, stone cleaning, plastering, molding and carving in plaster and pointing.

13. स्टूडियो ब्रीफ

वास्तुकला विभाग

डिजाइन स्टूडियो रिपोर्ट

बी.आर्क. प्रथम वर्ष, डिजाइन 1, सेक्शन ए, प्रथम सेमेस्टर 2015–2016 बैच

उपसमन्वयक : *सुकांता मजूमदार*

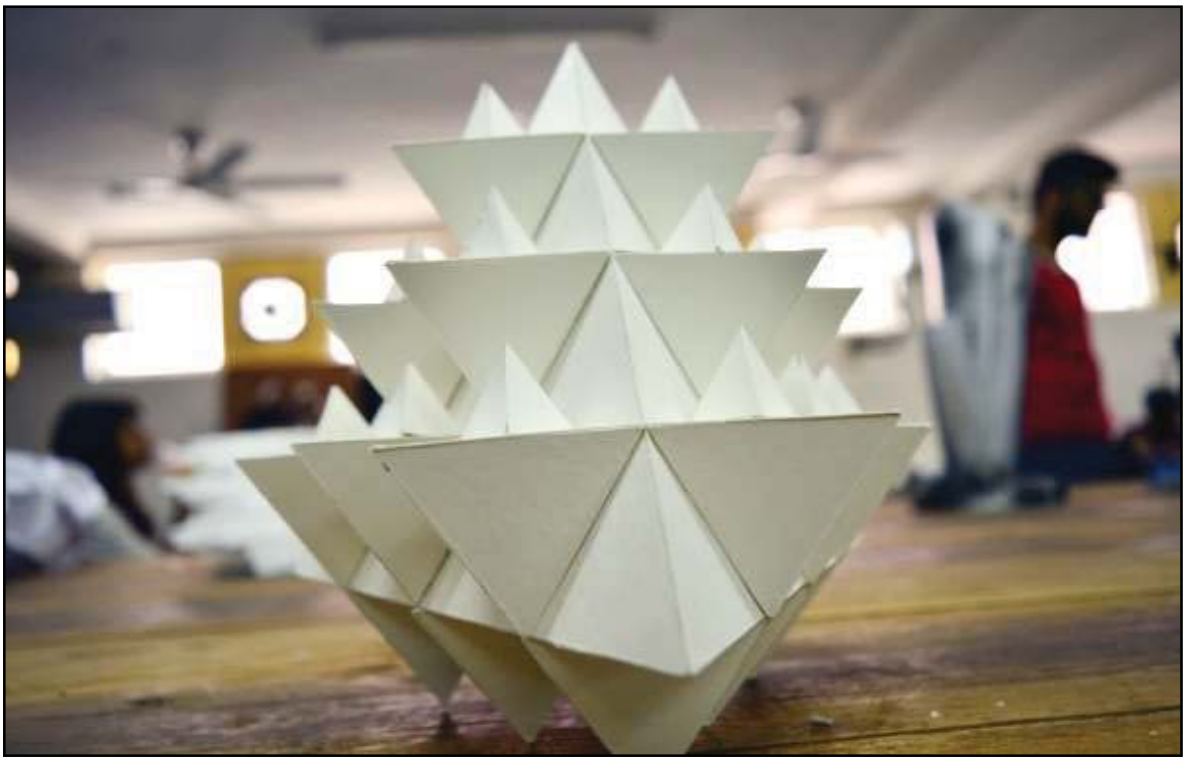

बी आर्क के प्रथम वर्ष के छात्रों को प्रथम सेमेस्टर में बेसिक डिजाईन से परिचित कराया जाता है। अधिकांश छात्र जो बी.आर्क पाठ्यक्रम में प्रवेश लेते है वे कला या वास्तुकला पृष्ठभूमि के नहीं होते। इस प्रकार, इस विषय का उद्देश्य छात्रों को दृश्य संरचना, रचनात्मक सोच और वास्तुशिल्प डिजाइन में उनके सार के बारे में पता करने के लिए किया गया था। ये असाइनमेंट छात्रों को दृश्य संरचना के विभिन्न पहलुओं का अभ्यास और डिजाइन करने के लिए उनकी सोच और रचनात्मक गतिविधियों से उन्मुख बनाने के लिए डिजाइन किए गए थे।

इस बुनियादी डिजाइन विषय के प्रारंभिक दौर में, ड्राइंग कौशल के साथ साथ स्थिर वस्तु–चित्र, बिल्डिंग संरचना, परिदृश्य आदि छात्रों को सिखाया गया, बाद में रंग सिद्धांत और उसका उपयोग सिखाया गया और दो आयामी रचनाओं के विभिन्न प्रकारों में रंग संयोजन की व्याख्याओं के निर्माण पर चर्चा की गई। उन्हें एक अभ्यास दिया गया जिसमें वे अपने प्रभाववाद की समझ का अवलोकन कर सकें, उन्हें कुछ भूदृश्य की कुछ तस्वीरें भी दी गयी और कहा गया की वे इन चित्रकारी के माध्यम से तस्वीरों को रिप्रेजेंट करें।

छात्रों को दृश्य व्याकरण और गेस्ताल्ट सिद्धांत पढ़ाया गया हैं और बताया गया की वे इस ज्ञान को दो आयामी ड्राइंग और तीन आयामी मॉडल बनाने में उपयोग करें। मॉडल बनाने के विभिन्न प्रकार की तकनीक को दिखाया और उन्हें कहा गया कि यह तकनीक पेपर सामग्री के साथ साथ प्लास्टर ऑफ पेरिस में भी लागू करें ।

अंतिम असाइनमेंट में छात्रों को मानवशास्त्रीय अध्ययन और वास्तु अंतरिक्ष से परिचित कराये गये।

13. Studio Brief

Department of Architecture

Design Studio Report

B.ARCH 1st YEAR, Design I, Section A , 1st Semester 2015-2016 batch

Sub Co-ordinator : *Sukanta Majumdar*

In the 1st semester, Basic Design is introduced to B.Arch 1st year students. Most of the students joined in this B.Arch course with no arts or architecture background. Thereby, the aim of this subject was to make the students aware of visual composition, creative thinking and their essence in Architectural Design. The assignments were designed to make the students practice various aspects of visual composition and orient their thinking to design and creative activities.

In the initial stages of this Basic Design subject, drawing skills were taught to students with still life, building composition, landscape etc. Then colour theory and its application were taught and interpretations of colour combination in various types of two dimensional compositions were discussed. They were given one exercise to observe their understanding about impressionism. They were also given few photographs of landscape and were asked to represent them through abstract painting.

Students were taught Visual grammar and Gestalt principles and asked them to use that knowledge in two dimensional drawing as well as three dimensional model making. Various kinds of model making techniques were shown to them and asked them to apply those techniques with paper material as well as Plaster of Paric. In the last assignment students were introduced to human anthropometric study and architectural space.

बी.आर्क., प्रथम वर्ष, सेक्शन बी, प्रथम सेमेस्टर, 2015–2016–बैच

उप समन्वयक : *डॉ संदीप संकट*

प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए वास्तुकला विषय नया है। मूल डिजाइन तत्वों, सिद्धांतों, वास्तुकला के अर्थ से छात्रों को परिचित कराने हेतु तथा प्रारंभिक अलंकरण और वास्तुकला डिजाइन की प्रक्रिया के लिए सावधानीपूर्ण शिक्षण की आवश्यकता है। यह रचनात्मक क्षमताओं को विकसित करने के लिए और परिवेश को अधिक चौकस बनाने के लिए रचनात्मक और उन्नतिशील 2–डी और 3–डी रचनाओं, तत्वों और डिजाइन के सिद्धांतों को समझने के लिए एक प्रयास है। स्टूडियो का विश्लेषण और चयनित वस्तु के निहित डिजाइन, स्केच और डिजाइन की व्याख्या से अभ्यास शुरू किया गया। चयनित वस्तु के डिजाइन सुधार, लक्यून (शून्य स्थान) को दूर करने और डिजाइन के बेहतर उपयोग के लिए आवश्यक हैं। इस अभ्यास के माध्यम से चयनित प्राकृतिक वस्तुओं, उनमें निहित तत्वों और सिद्धांतों की समझ को विकसित किया गया।

अभ्यास बुनियादी तत्वों से संबंधित हैं जैसे– बिंदु, रेखा, समतल आकार के तत्व और सिद्धांत, इनकी बेहतर समझ के लिए छात्रों द्वारा लगभग 25 अभ्यास किये गए। रंग सिद्धांत बड़े पैमाने पर छात्रों को रंग के पीछे बुनियादी बातों से परिचित करने के लिए सिखाया गया है। मानवमितिय–पूर्ण पैमाने सिमुलेशन उपकरण का उपयोग कर छात्रों को सिखाया गया है। पूर्ण पैमाने सिमुलेशन उपकरण बहुत प्रभावी ढंग से छात्रों द्वारा इस्तेमाल किया गया जो मानवमितिय का अध्ययन और महत्व को समझते हैं। छात्रों का अंतिम कार्य एक प्रदर्शनी के माध्यम से व्यापक रचनात्मक और छात्रों के सुंदर कार्य को प्रदर्शित किया गया जिसकी बड़े पैमाने पर सभी ने सराहना की है।

B.Arch 1st yr Section B 1st Semester 2015-2016 batch

Sub Co-ordinator : *Dr. Sandeep Sankat*

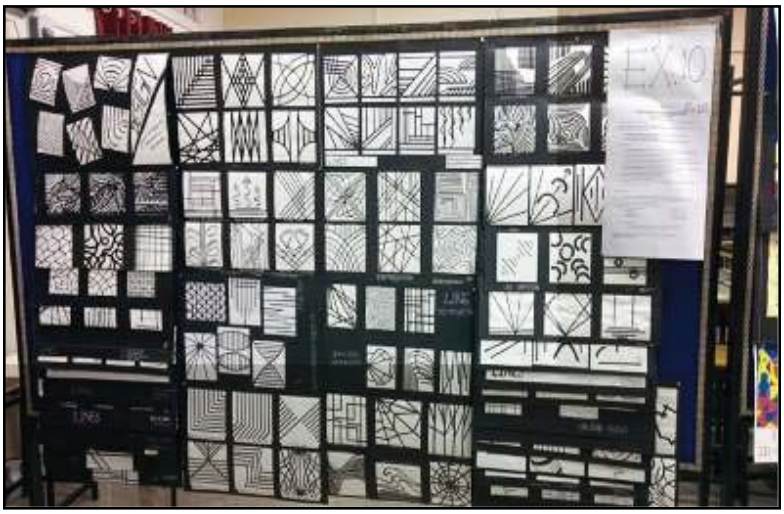

The first year students are a fresh to architecture and needed a very careful teaching for the initial grooming to familiarize the students to the meaning of architecture, to the basic design elements and principles; and the process of architecture design. It is an attempt to develop the creative abilities and to make them more observant to the surroundings and to creatively and innovatively explore the 2D and 3D compositions to understand elements and principles of design. The studio has been initiated with exercises to analyze and realize the inherent design of the selected object and to sketch and explain the design. Then they are required to improvise the design of the selected object to remove the lacunas and design for better usage. The similar exercise has been done for the selected natural objects by explaining them the inherent elements and principles in them.

Exercises related to the basic elements like point, line, plane, form were done by the students for the better understanding of elements and principles. Approximately 25 exercises have been done which were focused for the better understanding of elements and principles of design. The colour theory has been extensively taught to make students familiar with the fundamentals behind colouring. Anthropometrics has been taught to the students using the full scale simulation tool. The final work of the students has been exhibited through an exhibition to showcase the extensive and creative work done which have been appreciated by all at large.

बी.आर्क. प्रथम वर्ष, सेक्शन ए, सेमेस्टर–2, 2015–2016 बैच

उप समन्वयक : *सुकांता मजूमदार*

बी.आर्क प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए, द्वितीय सेमेस्टर में, वास्तुशिल्प डिजाइन प्रस्तुत किये गए। इस डिजाइन स्टूडियो का उद्देश्य उन्हें मानव स्थान सम्बन्ध के साथ साथ आर्किटेक्चरल बिल्डिंग के विसुअल संयोजन के प्रति संवेदनशील बनाना था, इस सेमेस्टर का दूसरा असाइनमेंट आर्किटेक्चरल अवयवों के विसुअल संयोजन से सम्बंधित था, छात्रों को 4 घनाकार ब्लॉक, 28 सेमी 14 सेमी और 7 सेमी दिए गए थे और उन्हें विसुअल व्याकरण पर विचार लिखने के लिए कहा गया। छात्रों को सबसे पहले वस्तु संरचना के रूप में संरचना डिजाइन करने के लिए कहा गया। दूसरे चरण में उन्हें स्केल्ड बिल्डिंग ब्लाक की कल्पना और निर्माण मॉडल में पैमाने के अनुसार सतहों पर सामग्री लागू करने के लिए कहा गया। दूसरे असाइनमेंट में, छात्रों ने आवासीय परियोजना तैयार की। उन्हें स्थलाकृति विवरण, जलवायु विचार, हिमाचल प्रदेश क्षेत्र में मानव गतिविधियां, तीन प्रकार के क्षेत्रों के दस्तावेज संग्रह करने के लिए कहा गया।

विभिन्न व्यक्तियों के तीन अलग–अलग स्थानों से तीन अलग–अलग ग्राहकों के लिए कल्पना कर रहे थे। छात्रों को इन तीन ग्राहकों के परिवार प्रोफाइल डिजाइन और इन तीन स्थानों से जमीन के एक टुकड़े का चयन करने के लिए कहा गया। जगह या साइट से संबंधित नियमों की कोई सीमा नहीं थी। संदर्भ के अनुसार, छात्रों द्वारा इस स्थान–संयोजन की आवासीय परियोजना को बनाया गया। उन्होंने आवासीय परियोजना को योजना, खंड, ऊंचाई और साइट योजना आदि के चित्र के रूप में प्रस्तुत करना सीखा।

B.Arch 1st yr Section A, 2nd Semester, 2015-2016 batch

Sub Co-ordinator : *Sukanta Majumdar*

In the 2nd semester, Architectural Design was introduced to B.Arch 1st year students. The aim of this Design studio is to sensitize them with human-space relationship as well as visual composition of Architectural building. Two assignments were given to the students in this semester. The first assignment was related to visual composition of Architectural elements. The students were given 4 cubic blocks of size 28 cm, 14 cm and 7 cm and were asked to compose them considering visual grammar. Students were asked to design the composition as object composition only at the first step.

In the second step they were asked to imagine the composition as scaled building blocks and apply materials on the surfaces according to scale in the constructed model. In the second assignment, students designed residential project. They were asked to document three areas with topography details, climatic consideration, types of human activities in Himachal Pradesh region. Different types of personalities were imagined for three different clients of three different places. Students were asked to design the family profile of these three clients and select a piece of land from these three places. There was no limitation of space or site related regulations. According to the context, students designed the composition of spaces of this residential project. They learnt to present the drawings of residential project in the form of plan, section, elevation and site plan etc.

बी.आर्क. प्रथम वर्ष, सेक्शन बी, द्वितीय सेमेस्टर, 2015–2016–बैच

उप समन्वयक : *डॉ. संदीप संकट*

डिज़ाइन स्टूडियो के छोटे अभ्यासों द्वारा जैसे की मिल्क बुथ का डिजाइन, चाय की दुकान, पार्क में शरण, बस स्टॉप या छात्रों के स्वयं के कमरे आदि के माध्यम से कराया गया। डिजाइन का प्रारंभ एक लघु अभ्यास के माध्यम से छात्रों के द्वारा शहरी संदर्भ में उपयोगकर्ता की जरूरतों को पहचान कर छोटे क्योस्कों को डिजाइन कर किया गया। शहरी वातावरण और लोगों की पहचान हेतु उपयोगकर्ताओं की जरूरतों का अध्ययन करने के लिए शहर के कुछ पसंदीदा क्षेत्रों को छात्रों को सौंपा गया, छात्रों को उपयोगकर्ता से संबंधित संदर्भ को समझने और उनके डिजाइन अभ्यास के लिए एक संभव कियोस्क का चयन करने के लिए आवंटित क्षेत्र का एक व्यापक अध्ययन किया गया। इसके अलावा बबल आरेख अभ्यास के विस्तारण और आपसी समझ के साथ डिजाइन की प्रक्रिया की समझ को एक कार्यात्मक और सौंदर्य की दृष्टि से सुंदर डिजाइन को प्राप्त करने की प्रक्रिया की गई। अभ्यास का परिणाम विकसित किया गया जो कि क्योस्क था, जिसे डिजाइन विकास प्रक्रिया को सीखने के साथ कार्य करने हेतु बनाया गया था।

प्रथम अभ्यास डिजाइन प्रक्रिया पर अधिक ध्यान केंद्रित करने हेतु किया गया–जो एक बहुत ही रचनात्मक और कल्पना को उड़ान देने के लिये था, दूसरा अभ्यास प्रपत्र विकास को समझने हेतु एवं कार्यात्मक समाधान की ओर ध्यान केंद्रित करने हेतु डिजाइन किया गया था। यह अभ्यास छात्रों द्वारा ब्रह्मांड में किसी भी स्थान पर स्वयं के निवास की कल्पना करने के लिए था। छात्रों को अपनी रहने की जगह के लिए चयनित वातावरण और कार्यात्मक डिजाइन कि कल्पना करनी थी।

यह छात्रों को स्वयं के निवास की कल्पना करने का अभ्यास था। वे अपने सपनों के घर का निर्माण प्रथ्वी पर कही भी अपितु मंगल ग्रह पर भी कर सकते थे। स्टूडियो सुंदर डिजाइन और समान रूप से सौंदर्य आकार डिजाइन समाधान के रूप में विकसित होने के साथ समाप्त हो गया। डिजाइन के परिणाम रंगीन हस्त निर्मित चित्र और दोनों अभ्यास के लिए खूबसूरत मॉडल के रूप में थे।

B.Arch 1st yr Section B, 2nd Semester, 2015-2016 batch

Sub Co-ordinator : *Dr. Sandeep Sankat*

The Design studio was focused to initiate the architectural design through short exercises such as design of milk booth, tea stall, shelter in park, bus stop or designing of students own room etc. The attempt to design such small exercise has been done to familiarize the students with the urban context, understand the needs of the people through user study and with identification of the need to decide their small kiosk design. For this few areas of the city has been assigned (by choice) to the students to study the urban environment and the users for the identification of peoples need. The students did an extensive study of the assigned area to understand the context with respect to the user and select a possible kiosk for their design exercise. Further the exercise has progressed with an understanding of the design process with elaborations of bubble diagram exercise and the interrelationship understandings to achieve a functional and aesthetically beautiful design. The exercise resulted in form developed for the kiosks, which has been made functional with the learning's of design development process.

The first exercise was more focused towards the design process Thus, to give wings to the student creative imagination, the second exercise was designed focused to words the understanding of form development with a functional solution. It was an exercise to imagine students own space of living at any place in universe. Students were suppose to choose a context of their own choice, imagine their living space in the selected environment and design to achieve an extensively functional but aesthetically beautiful form for their own living space.

Students have been asked to pen down their dream environment and with an understanding of the selected environment, to design their dream space. The students came up with very innovative and creative ideas of placing their dream space of living at various places not only at earth but at mars too. Form development was the focus of the exercise giving equal importance to the design process learned in the previous exercise. The studio ended with beautiful designs and equally aesthetic form developed as design solutions. The outcomes of designs were in the form of colourful handmade drawings and beautiful models for both the exercises.

बी.आर्क., द्वितीय वर्ष, सेक्शन ए, तृतीय सेमेस्टर, 2015–2016 बैच

उप समन्वयक : *प्रो. संजीव सिंह, श्वेता सक्सेना*

महाराष्ट्र में आदिवासी गांव वर्धना और रामटेक का प्रलेखन।

स्थानीय वास्तुकला की तर्ज पर छात्रों को एक सेवा निवृत्त पति पत्नि के लिये घर डिजाइन करना था। जो शहर में कई साल बिताने के बाद अपने गांव वापस आना चाहते थे। डिजाइन किये गए घर में स्थानीय वास्तुकला के गुणों के साथ–साथ पारंपरिक अनुभवों को भी प्रतिबिंबत करना था। शहरी संस्कृति से प्रभावित होने की वजह से घर में स्थानीय व आधुनिक वास्तुकला के गुणों का मेल छात्रों को बिठाना था।

इस डिजाइन के पीछे छात्रों की समझ को विकसित करने के लिए स्थानीय वास्तुकला तत्वों और आधुनिक जीवन की जरूरतों का तालमेल बिठाना जरूरी था। स्थानीय भवन निर्माण सामग्री, निर्माण प्रौद्योगिकी ओर समकालीन निर्माण सामग्री के साथ छात्रों को ऐसा समाधान खोजना था जो रहवासी को स्थिरता, स्थायित्व और सुरक्षा प्रदान कर सके।

B.Arch 2nd yr, Section A, 3rd Semester, 2015-2016 batch

Sub Co-ordinator : *Prof. Sanjeev Singh, Shweta Saxena*

Documentation of Tribal Village in Waradha and Ramtek, Maharashtra.

On the lines of vernacular architecture, students were required to design a house for a couple who want to move back to a village they belong to after retirement. After spending many years in city, they wish to establish a connection to their roots. The design should reflect the qualities of vernacular in imagery as well as experiences in the house.

Having influenced by city culture, the space-function program of the house should be an amalgamation or hybrid of spaces in a typical village house and unique needs of the user.

The idea behind this design problem is to develop understanding for: Techniques for translation of indigenous architectural elements, style, proportions to fit a different program the design should. Suitable fit between modern and the vernacular. Vernacular building materials, construction technology and its layering with contemporary building materials to be provided for strength, stability, durability and security.

बी.आर्क. द्वितीय वर्ष, सेक्शन बी, तृतीय सेमेस्टर, 2015–2016 बैच

उप समन्वयक : *आर्क. राम सतीश पाशुपुलेती, आर्क. बृषभानलली रघुवंशी*

अमरकंटक में स्थानीय वास्तुकला का प्रलेखन।

यह अध्ययन आवासों की कल्पना, योजना एवं अवधारणा पर केंद्रित है। यह अभ्यास अलग–अलग पीढ़ियों द्वारा बदलती जरूरतों के अनुसार संशोधित होते आवासों पर केंद्रित है। इस अध्यन के लिए अमरकंटक के आस–पास के गोंड आदिवासी क्षेत्रों का अध्ययन करना था। पीढ़ी से चले आ रहे इन जनजातीय आवासों का छात्रों ने भौतिक प्रलेखन किया। हर एक आवास का प्रति इकाई प्रलेखन दो छात्रों ने किया।

इस अभ्यास के द्वारा गोंड आदिवासियों की कहानी को समझना, उनके तथ्यों का विश्लेषण करना और डिज़ाइन के द्वारा नवपरिवर्तन करना था। स्थानीय आवासों के प्रलेखन के आधार पर छात्रों को अमरकंटक क्षेत्र स्थित पर्यटक आवसों के डिजाइन के लिए अभिनव समाधान ढूँढना था। इस प्रकार स्थानीय वास्तुकला तथा आधुनिक सोच न्यायसंगत डिजाइन का निर्माण करना था।

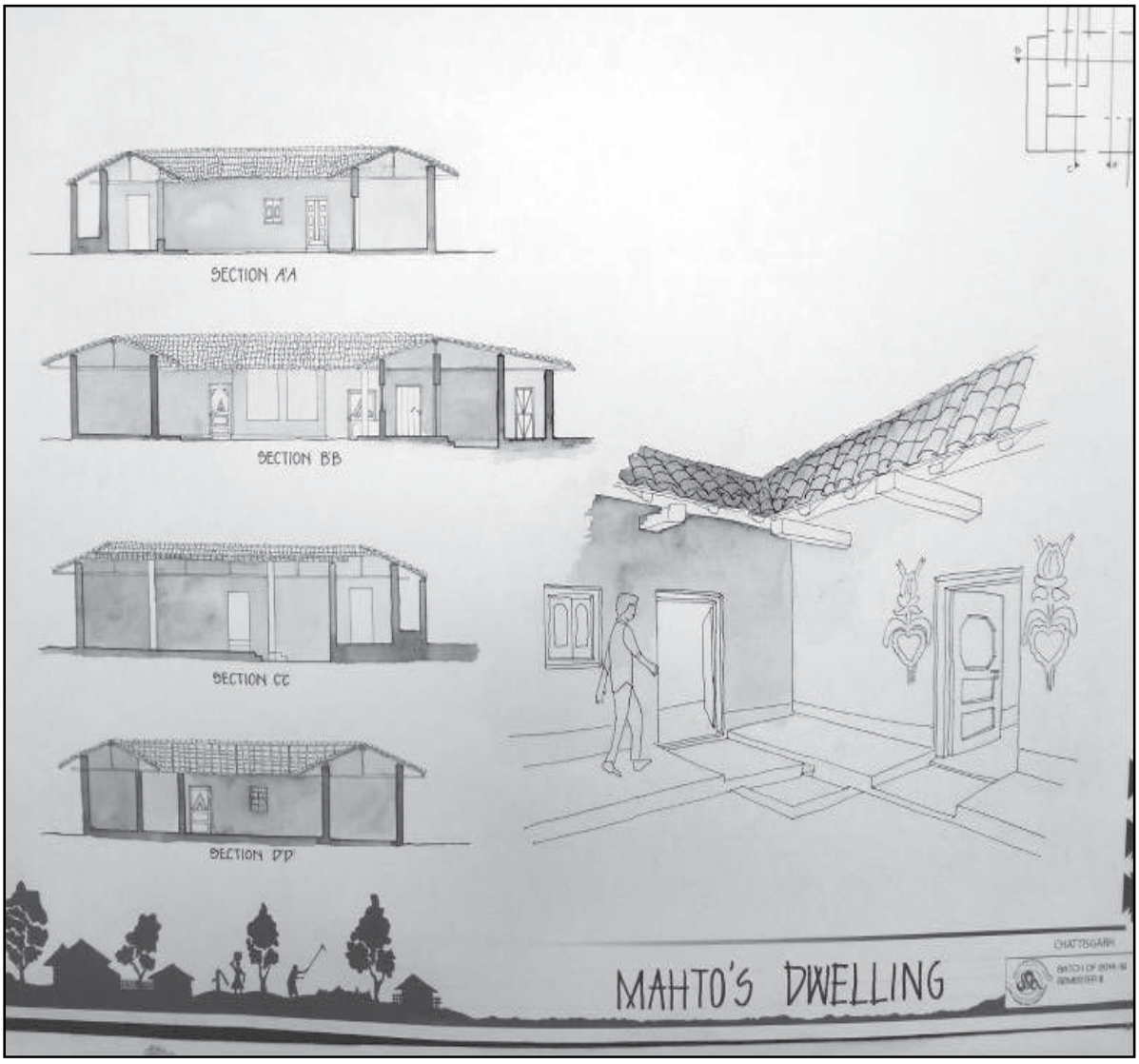

B.Arch 2nd yr, Section B, 3rd Semester, 2015-2016 batch

Sub Co-ordinator : *Ar. Ram Satheesh Pasupalti, Ar. Brishbhanlali Raghuvanshi*

Documention of Vernacular Architecture of Amarkantak.

This study was planned by envisioning the concept of dwelling, how it has been shaped and modified by different generations with their changing needs. For this, Gond Tribal areas in and around Amarkantak region have been identified. Tribal Dwellings which have sustained from generations will be physically documented by the student groups. Two students will document one dwelling unit.

The study of vernacular architecture and traditional settlements provides the staging ground for formulating new approaches towards understanding of indigenous local knowledge that have shaped cultural environments, and shows a way for examining problems and creating new methodologies which could inform the practice of design. this Design studio is focussed on three important tasks. Understand the stories, Analysise the facts and Innovate - By Design.

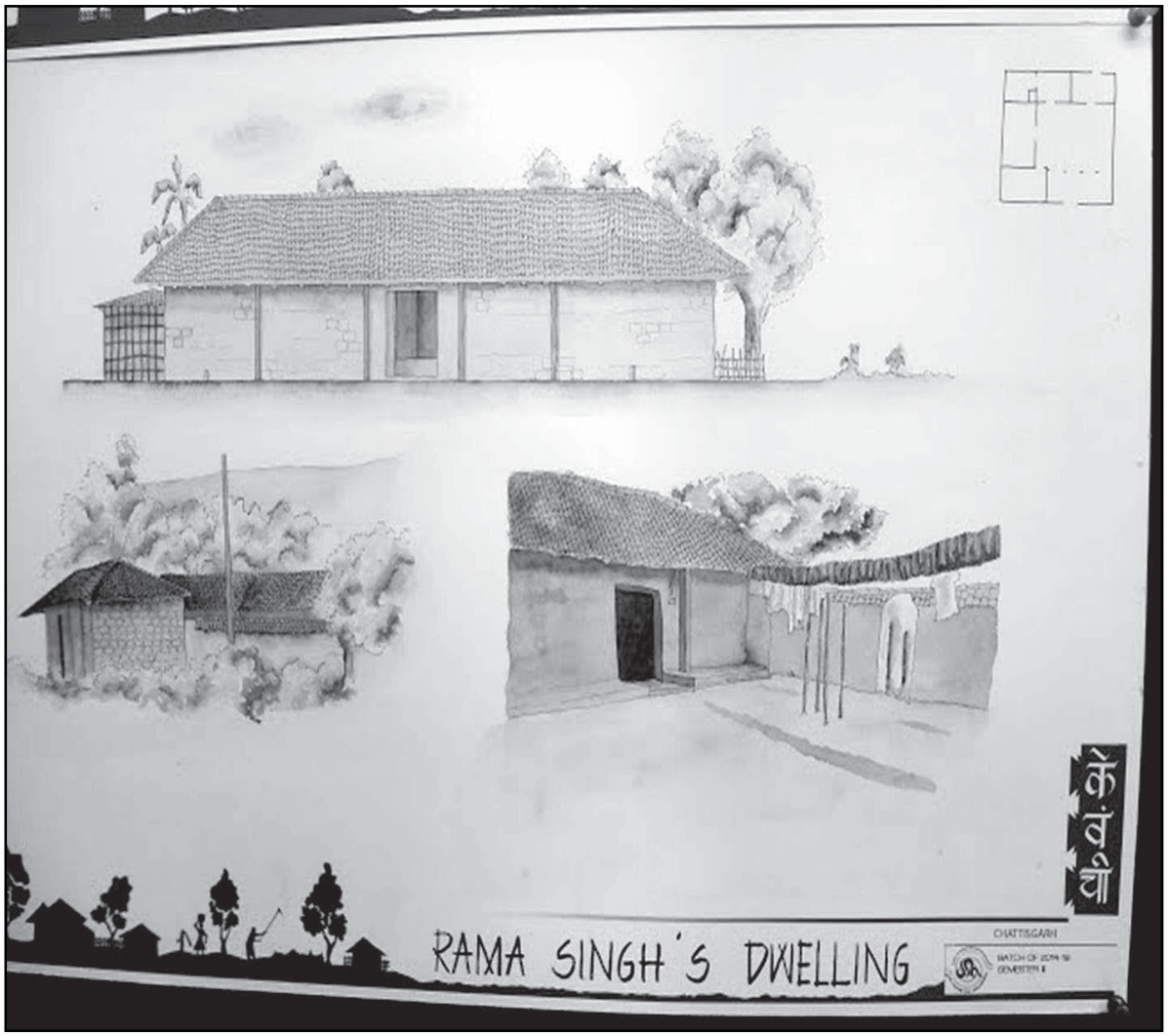

बी.आर्क. द्वितीय वर्ष, सेक्शन–ए, चतुर्थ सेमेस्टर, 2015–2016 बैच

प्राथमिक शाला, भोपाल का डिजाइन : *देवर्षि चौरसिया, अपूर्व श्रीवास्तव*

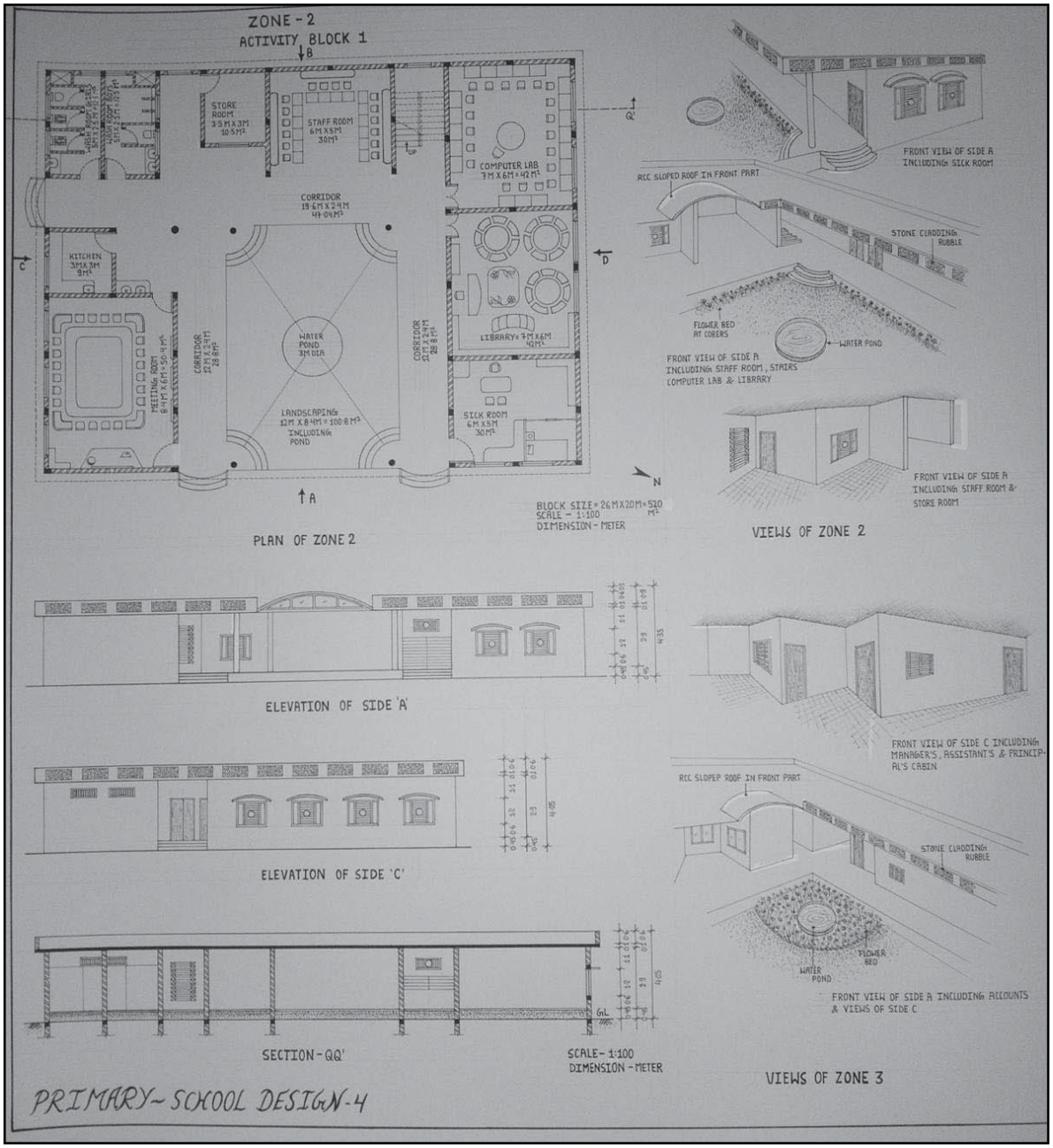

एक प्राथमिक विद्यालय वह जगह है जहां बच्चे प्रथम चरण पर अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करते है। जिसे प्रारंभिक या प्राथमिक शिक्षा कहा जाता है। हमारा उद्देश्य 03 से 13 वर्ष तक के बच्चों की सीख एवं विकास को प्रोत्साहित करने हेतु बड़े पैमाने पर शैक्षिक माहौल (विद्यालय) का डिजाइन उपलब्ध कराना था। इस विद्यालय में नर्सरी से पांचवी तक कक्षायें होंगी जिनके साथ अन्य सुविधॉएं जैसे सभागृह, शिक्षकों के कैबिन और खुली जगह भी होगी। छात्रों को विभिन्न प्राथमिक विद्यालयों के अध्ययन के साथ उनके डिजाइन मानकों के बारे में अभ्यास कराया गया। प्राथमिक विद्यालयों में अलग–अलग जगहों की सूझबूझ बढ़ाने हेतु विभिन्न अभ्यास कराए गए।

B.Arch 2nd yr, Section A, 4th Semester, 2015-2016 batch

Design of Primary School at Bhopal : *Devrishi Chaurasia, Apurv Srivastava*

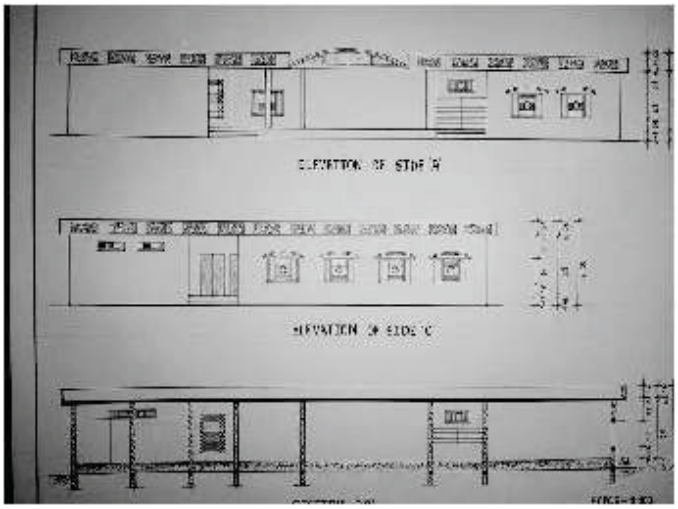

A primary school is an institution in which children receive the first stage of compulsory education known as primary or elementary education. Our goal is to provide a richly and carefully resourced learning environment designed to stimulate learning and development of young children 3 years to 13 years of age. The students were asked to design for Nursery to 5th standard, along with other facilities like assembly hall, faculty cabin and open spaces. Detail studies were carried out along with literature and live case studies to make the students aware of the various design standards of the school. Various exercises were carried out in the form of models to understand the play of spaces in the school.

बी.आर्क. द्वितीय वर्ष, सेक्शन–बी, सेमेस्टर–4, वर्ष 2015–2016 बैच
उप समन्वयक : *वास्तुविद् सनमार्ग मित्रा, वास्तुविद् स्वेता सक्सेना, वास्तुविद् अंकित कुमार*

डिज़ाईन स्टूडियो आवासीय डिज़ाईन और पुनरावृत्ति मॉड्यूलर स्थानों पर केंद्रित हैं। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए डिज़ाईन स्टूडियो को तीन भागों में विभाजित किया गया था और डिज़ाईन को निम्नलिखित रूप में कराया गया :

असाईनमेंट 1: मौजूदा आवासीय इमारतों का आरेखण और अध्ययन
इस असाईनमेंट में छात्रों को उनकी छुट्टियों के दौरान स्वयं के आवास या फिर अपने पसंद की एक आवासीय इकाई का मापित आरेखण का अध्ययन करना था। यह वर्तमान घर तथा उसके जलवायु के अध्ययन को प्रलेखित करने की पद्धति थी।

असाइनमेंट 2: भौंरी, भोपाल में प्रस्तावित निवास
भौंरी के पारस मिडास परिसर में एक छोटे परिवार के घर का डिज़ाईन बनाना उनका दूसरा असाईनमेंट था। छात्रों को कहा गया कि वे अपनी पसंद का एक व्यवसाय (डाक्टर, सरकारी कर्मचारी, वकील इत्यादि) चुने तथा उसके अनुसार संक्षिप्त प्रपत्र तैयार करने के लिए कहा गया। उन्हे कम से कम 3 बीएचके, लघुकार्यालय तथा कारपार्किंग की जगह मुहैया करानी थी। छात्रों को यह डिज़ाईन अधिकतम 9 मीटर की ऊंचाई तथा बहुमंजिला इमारत में बनाने की स्वतंत्रता थी।

असाईनमेंट 3: मोटल डिज़ाईन – इंदौर राजमार्ग पर – डोडी भोपाल में
इस असाईनमेंट में छात्रों को डोडी में मौजूदा मोटल सुविधाओं को पुनः बढ़े हुए आवास सुविधा के साथ डिज़ाईन करने के लिए कहा गया। इसमें अतिथियों के लिए रेस्टॉरेंट सुविधा के साथ ठहरने के लिए 20 कमरों के मोटल के डिज़ाईन की आवश्यकता थी।

B.Arch 2nd yr Section B, 4th Semester, 2015-2016 batch

Sub Co-ordinator : *Ar. Sanmarg Mitra, Ar. Shweta Saxena, Ar. Ankit Kumar*

The design studio focused on residential design and repetitive modular spaces. To achieve this objective, the design studio was divided into three parts and design problem was introduced as per following:

Assignment 1: Measured Drawing and Study of Existing Residential Buildings

In this assignment Students were required to do measured drawing and study of their own residence OR any one residential unit of their choice during their holidays. The methodology was to document the existing house along with climatic study of the same.

Assignment 2: Proposed Residence at Bhauri, Bhopal

A residence for a small family was to design at Paras Midas campus in Bhauri in their second assignment. The students were asked to select any profession of their choice like, Lawer, Doctor, Governmet Servant etc, and prepare a brief accordingly. They had to provide minimum 3 BHK, along with a small office space for the professional and relevant car parking space. The students were free to design all these spaces in multiple floors with height restriction to 9 Meters.

Assignment 3 : Design of a Motel at Dodi on Bhopal – Indore Highway

In this assignment the students were asked to re-design the existing motel facility at Dodi on the Bhopal – Indore highway with some increased accommodation facility. The requirements were to design a motel for 20 Rooms along with restaurant facilities for the user.

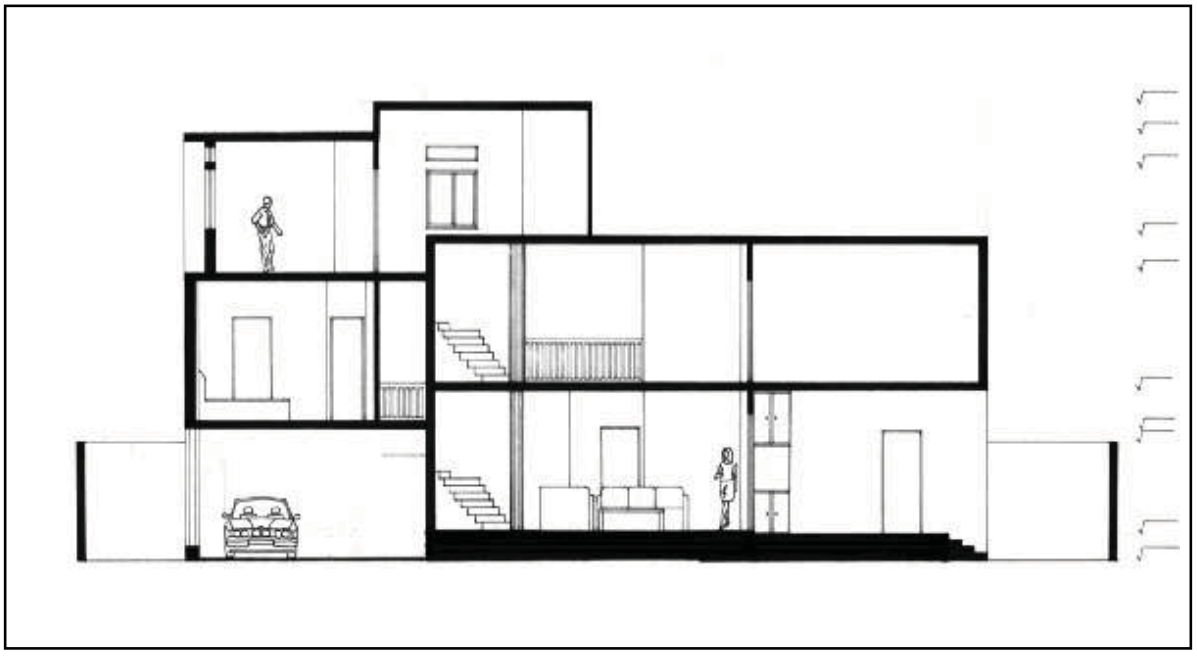

बी.आर्क. तृतीय वर्ष, सेक्शन ए एवं बी, पांचवा सेमेस्टर 2015–2016 बैच,

सेक्शन ए : *डॉ. रचना खरे, वास्तुविद् सुशील कुमार सोलंकी, वास्तुविद् सन्मार्ग मित्रा*

सेक्शन बी : *वास्तुविद् परम मित्रा, वास्तुविद् पूनम खान*

अभ्यास 1: उदयपुर सिटी पैलेस के लिए सर्वत्र सुलभ व्याख्या केंद्र का डिजाइन

इस अभ्यास में, संकाय सदस्यों के साथ साथ छात्रों ने उदयपुर सिटी पैलेस का दौरा किया और 3 दिनों तक अध्ययन किया। इस अभ्यास में महल का हिस्सा खासा रसोड़ा की मापी गई ड्राइंग शामिल थी।

डिजाइन का अभ्यास, पुराने शाही रसोई या खासा रसोड़ा को पुनः प्रयोग के माध्यम से एक सर्वत्र सुलभ व्याख्या केन्द्र के रूप में परिवर्तित किया जा सकता था। छात्रों ने पहले उनके द्वारा माप चित्र के आधार पर चित्र तैयार किया। डॉ. अजय खरे सहित, अन्य संकायों ने संरक्षण विषय पर विशेष व्याख्यान दिये व पुनः अनुकूली प्रयोग पर व्यवस्था की गई। अंत में आवश्यकताओं के अनुसार केंद्र बनाया गया।

अभ्यास 2: रविंद्र भवन, भोपाल के स्थल पर सभागार सहित सांस्कृतिक परिसर का डिजाइन

इस अभ्यास में छात्रों द्वारा सांस्कृतिक परिसर रविन्द्र भवन, भोपाल को एक नया स्वरूप देना था। डिजाइन के अंतर्गत 800 लोगों के कला कार्यशाला का क्षेत्र, प्रदर्शनी क्षेत्र, प्रशासनिक क्षेत्र, किराया पर अस्थायी प्रदर्शनी हेतु जमीन और पार्किंग शामिल थे।

B.Arch 3rd yr Section A & B 5th Semester 2015-2016 batch

Section A : *Dr. Rachna Khare, Ar. Sushil Kr. Solanki, Ar. Sanmarg Mitra*

Section B: *Ar. Parama Mitra, Ar. Poonam Khan*

Exercise 1: Design of Universally Accessible Interpretation Centre for Udaipur City Palace

As part of this exercise, students along with the faculty members visited Udaipur City Palace and studied it for 3 days. It included measured drawing of the Khasa Rasoda part of the palace.

As design exercise, the old royal kitchen or Khasa Rasoda had to be converted into a universally accessible interpretation centre through adaptive reuse. Students first prepared base drawings on basis of their measured drawings. Special lectures of Master of Conservation faculty members, including Dr. Ajay Khare, were arranged on Adaptive Reuse. Finally they designed the centre as per the requirements.

Exercise 2: Design of Cultural Complex including Auditorium at the site of Ravindra Bhawan, Bhopal.

In this exercise, students were required to redesign a cultural complex at the site of Ravindra Bhawan, Bhopal. The design included an auditorium for 800 people, exhibition area, art workshop area, administrative area, temporary exhibition-cum-fare ground and parking.

बी.आर्क. तृतीय वर्ष सेक्शन ए, सेमेस्टर छः, 2015–2016 बैच,

संकाय : *वास्तुविद् संजीव सिंह, वास्तुविद् सुशील कुमार सोलंकी, वास्तुविद् अजय विनोदिया*

उद्देश्य : प्रस्तावित डिजाइन में अभ्यास अध्ययन, होटल और अस्पताल आदि की तरह एक बहु मंजिला इमारत को शहर में स्थापित करना। किसी भी जटिल परियोजना को डिजाइन करने के लिए संबधित अन्य डिजाइन मुद्दे की समझ, (1) जैसे कि लिफ्टों, सीढ़ियां आदि संचलन क्षेत्रों का ब्यौरा। (2) संरचनात्मक और निर्माण के विवरण के साथ डिजाइन के एकीकरण। इस के लिए, परियोजना संरचनाओं और भवन निर्माण की कक्षाओं के साथ एकीकृत करने के लिए प्रस्तावित किया गया था।

डिजाइन प्रस्ताव 1: फोर स्टार होटल कम रिसार्ट

होटल एक प्रतिष्ठान है जो कि एक अल्प अवधि के आधार पर सुविधा प्रदान करती है। उपलब्ध कराई गई सुविधाओं में अटैच बाथरूम की लक्जरी सुविधाएं (एक बुनियादी बिस्तर और कपड़ों के लिए भंडारण) हो सकती हैं। बड़े होटलों में इस तरह एक स्विमिंग पूल, व्यापार केन्द्र, बच्चों की देखभाल, सम्मेलन सुविधाएं और सामाजिक समारोह सेवाओं के रूप में अतिरिक्त अतिथि सुविधाएं उपलब्ध करा सकता है। होटल के संचालन के आकार, समारोह और लागत में भिन्नता होती है। अधिकांश होटल और प्रमुख आतिथ्य कंपनियों ने होटल का प्रकार वर्गीकृत करने के लिए उद्योग के मानकों को स्थापित किया है। एक सुविधा पूर्ण होटल सेवा लक्जरी सुविधाओं, पूर्ण सेवा के आवास, साइट पर पूर्ण सेवा जलपान गृह, और व्यक्तिगत सेवा के उच्चतम स्तर प्रदान करता है।

छात्र निम्नलिखित उद्देश्यों पर विचार कर एक 4 सितारा होटल की इमारत को डिजाइन करने वाले थे : विभिन्न आवश्यकताओं के लिए संरचनात्मक सिस्टम और डिजाइन की खोज, कानूनों द्वारा निर्माण के लिए संवेदनशीलता का विकास करना, विविध संरचनात्मक निर्माण सिस्टम को समझने के लिए, एक शहरी व्यवस्था में डिजाइन के बारे में समझ विकसित करने के लिए।

उद्देश्यों को पूरा करने के लिए छात्रों ने समीक्षा की और होटल के मौजूदा अध्ययन और प्रासंगिक डेटा का आकलन किया था। इसके अलावा, होटल, समारोह, उपयोगिता और होटलों के भौतिक संयंत्र शर्तों के साथ परिचित बनने के लिए सुविधाओं का दौरा किया, अध्ययन किया और होटल डिजाइनर/डेवलपर्स का साक्षात्कार किया। पूर्ण समीक्षा और परियोजना के विश्लेषण की शहर में आवश्यकता है एवं शहरी बनावट के संदर्भ में परियोजना की आवश्यकताओं पर रणनीतिक इनपुट प्रदान किये गए है। प्रस्तावित होटल और रिसॉर्ट के कार्यक्रम विकसित करने हेतु छात्रों ने सुविधा एवं उपयोग की एक समझ विकसित की है।

डिजाइन प्रस्ताव 2: 100 बिस्तरों वाला अस्पताल

भारत सरकार के उद्देश्य को पूरा करने हेतु 100 बिस्तरों वाला अस्पताल जो आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं से लैस हो को विदिशा, मध्य प्रदेश में स्थापना करने का निर्णय लिया गया है। 70450 वर्गमीटर साइट क्षेत्र में सभी आवश्यक सेवाओं और परिसर में कर्मचारियों के आवास सहित समर्थन सुविधाओं, हॉस्टल आदि अस्पताल उचित चिकित्सा प्रौद्योगिकी का गठबंधन होगा, संयुक्त अस्पताल 339.0 मीटर, 210 मीटर जमीन के एक टुकड़े पर विकसित किया जाएगा। समकालीन वास्तुकला, कुशल कर्मचारियों, कुशल ऑपरेटिंग सिस्टम और प्रेरित काम के माहौल अत्यंत कुशलता और अर्थव्यवस्था के साथ सेवाओं का अधिकतम उपयोग होगा। अस्पताल क्षेत्रीय आबादी की आसान पहुंच के भीतर समकालीन चिकित्सा लाएगा और सभी के लिए स्वास्थ्य के लक्ष्य को हासिल करने में अपनी सही भूमिका निभाएगा इस संबंध में छात्रों को अस्पताल पर ध्यान केंद्रित कर आवास हॉस्टल आदि को साइट प्लान में दिखाया जायेगा।

परिणाम : डिजाइन सहित विकसित संकुल, जिसमें वास्तु, इंटीरियर, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और पाइपलाइन इत्यादि की सुविधा मुहैया कराई गई हो। यह योजना, उन्नयन या रेखाचित्र, वर्गों, और डिजाइन आख्यान शामिल होंगे। डिजाइन अवधारणाओं की प्रस्तुतियों, साइट / विस्तार मॉडलों के साथ अंतिम चित्र छात्रों को प्रस्तुत किया।

B.Arch 3rd yr Section A 6th Semester 2015-2016 batch,

Faculty : *Ar. Sanjeev Singh, Ar. Sushil Kumar Solanki, Ar. Ajay Vinodia*

Objective: The proposed design exercise had involved the study and design of a multi-storied building like hotel and hospital etc. The focus was on understanding how to design any complex project for an urban setting. Other design issues addressed were. (1) Detailing of circulation areas like lifts, staircases etc. to develop sensitivity to horizontal as well as vertical circulation requirements in a multi story building. (2) Integration of design with structural and construction details. For this, the project was proposed to integrate with the structures and building construction classes.

Design proposal 1: Four Star Hotel cum Resort

Hotel is an establishment that provides lodging paid on a short-term basis. Facilities provided may range from a basic bed and storage for clothing, to luxury features like en-suite bathrooms. Larger hotels may provide additional guest facilities such as a swimming pool, business centre, childcare, conference facilities and social function services. Hotel operations vary in size, function, and cost. Most hotels and major hospitality companies have set industry standards to classify hotel types. An upscale full-service hotel facility offers luxury amenities, full service accommodations, on-site full service restaurant(s), and the highest level of personalized service.

Here, students were supposed to design A-4 star hotel building considering the following objectives: Exploring and designing structural spanning systems for different requirements. To develop sensitivity to building by laws. To understand varied structural building systems. To develop understanding about how to design in an urban setting.

To meet the objectives: students had reviewed and assessed the existing studies and relevant data's hotels. Also, visited facilities to become familiar with guests, function, utility and physical plant conditions of hotels. Studied and interviewed to the hotel designer/ developers. Complete review and analysis of project need in the city and provided strategic input on project requirements in context of urban fabric. Students had developed an understanding of the facility, use, and programs of proposed hotel and resort.

Design proposal 2: 100 Bedded Hospital

To meet the laudable objective of strengthening and modernizing health care facilities in the region, the Govt. of Madhya Pradesh has decided to set up a 100 bedded general Hospital in Vidisha with modern amenities and essential diagnostic and therapeutic facilities. The combined Hospital will be developed on a piece of land measuring 339.0 m x 210 m (site area: 70450 Sqm) and will comprise of all essential services and support facilities including on campus staff housing, hostels etc. The Hospital will combine appropriate medical technology, contemporary architecture, skilled staff, efficient operating system and motivating work environment to facilitate optimum utilization of its services with utmost efficiency & economy.

The hospital will bring contemporary Medicare within easy reach of the regional population and play its rightful role in detaining the goal of "Health for all by the year 2000 A.D." In this regards students were expected to concentrate on Hospital only and blocks like housing, hostels etc. were shown in the site plan only.

Outcome : Developed design packages, including: architectural, interior, mechanical, electrical and plumbing. This will include plans, elevations or sketches, sections and design narratives. Presentations of design concepts, final drawings along with site/detail models.

बी.आर्क. तृतीय वर्ष, सेक्शन बी, सेमेस्टर 6, 2015–2016 बैच,

संकाय : *वास्तुविद् आनंद वाडवेकर, वास्तुविद् नयना सिंह*

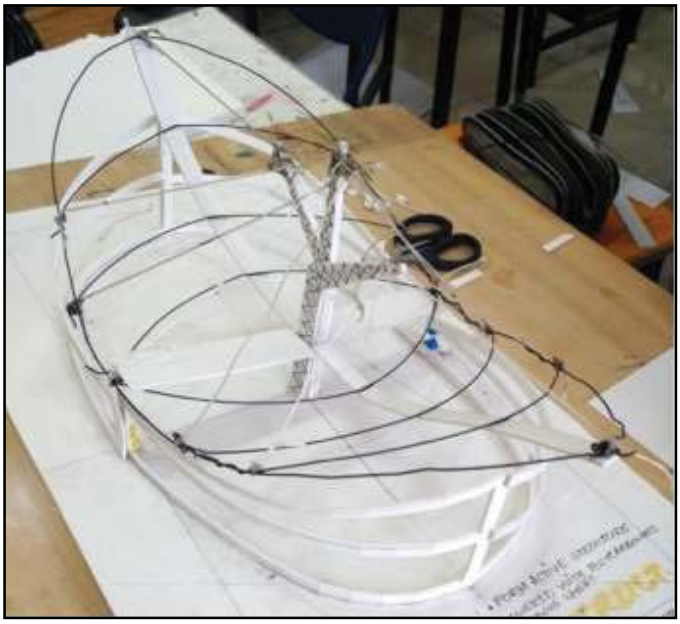

सेमेस्टर के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, लंबी अवधि संरचना के मुख्य विषय पर एक डिजाइन स्टूडियो के कल्पना की गई। लंबी अवधि संरचना के विभिन्न पहलुओं से छात्रों को रूबरू करने के लिए वास्तुकला के तीसरे वर्ष के छात्रों के लिए एक शैक्षणिक टूर दिल्ली और चंडीगढ़ में 2015 में आयोजित किया गया। डिजाइन स्टूडियो के अध्ययन के पहलुओं, विभिन्न योजनाओं, लंबी अवधि इमारतों के वर्गों की पहले से योजना बनाई गई थी । टूर पर इन मुद्दों पर छात्रों द्वारा अध्ययन किया जाना था। प्रगति मैदान, नई दिल्ली में सर्व प्रथम सीटू की बुनियादी बातों को समझने के लिए अध्ययन किया गया था।

प्रख्यात संरचनात्मक डिजाइनर श्री महेंद्र राज खुद ने संरचनात्मक डिजाइन की मूल बातें साझा करने हेतु छात्रों के साथ 2 दिन बिताये। सम्मेलन में भाग लेने के बाद छात्रों को संरचनात्मक जटिलता का एहसास हुआ।

मजबूत शहरी संदर्भ के उद्देश्य से चंडीगढ़ के सेक्टर 10 में चयनित एक साइट को डिजाइन किया जा रहा था, जिसमें अपने विचार रखना छात्रों के लिए एक बड़ी चुनौती थी। डिजाइन कार्य के दो सेट उड्डयन संग्रहालय और पब्लिक लाइब्रेरी के रूप में थे। बुनियादी आवश्यकताओं के लिए क्षेत्र की प्रोग्रामिंग करने के बाद, छात्रों ने बुनियादी मॉडल के साथ ही वास्तविक आयाम तैयार करके बड़े अवधि संरचनाओं के लिए वैचारिक डिजाइन के साथ शिविर किया। एक गहन विश्लेषण के द्वारा हवा और अन्य संरचनात्मक बलों के साथ लोड वितरण और संरचना की स्थिरता की छात्रों को जाँच करनी पड़ी। कई निर्धारकों के साथ,एक बुनियादी संरचनात्मक प्रणाली को और अधिक सेवाओं और वास्तु रिक्त स्थान के साथ विस्तृतीकरण के लिए अंतिम रूप दिया गया। प्रमुख विचार डिजाइन सोच का रूबरू संरचनात्मक गतिशीलता रखा गया था। पूरी प्रक्रिया में विद्यार्थी सामग्री के संदर्भ और अपने निहित संरचनात्मक व्यवहार में विभिन्न संभावनाओं का पता लगाया। इसके अलावा पारंपरिक कंक्रीट से, छात्रों को लकड़ी, पोर्टल फ्रेम, निलंबन केबल आदि की तरह सामग्री का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

B.Arch 3rd yr Section B 6th Semester 2015-2016 batch,

Faculty : *Ar. Anand Wadwekar, Ar. Nayana Singh*

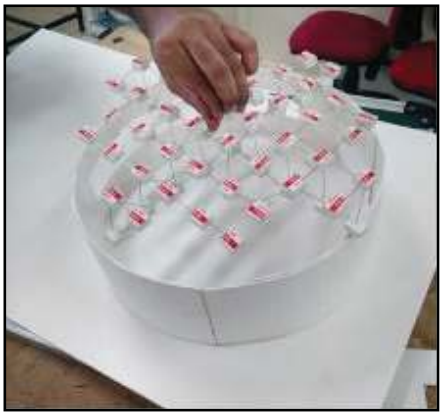

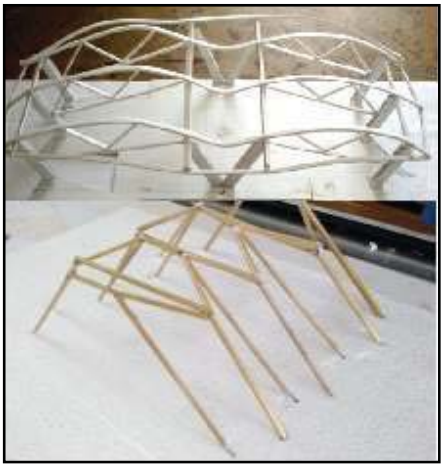

Keeping in focus the objective of the semester, a design studio was conceived on the main theme of large span structure. In order to expose the students to the various facets of long span structure, an academic tour of third year architecture students was conducted in Dec-2015 to the various places of interests and study in Delhi and Chandigarh. The study aspects of the design studio was planned beforehand by giving students various plans, elevations, sections of large span buildings/works to be studied on the tour. Case study at Pragati Maidan, New Delhi was the first building on the tour to understand the fundamentals of various in-situ structural dynamics. A case study report was made students to learn the various possibilities of integrating services and large span structure.

The eminent and legendary structural designer Mr. Mahendra Raj him self spent 2 days with SPA Bhopal students by sharing basics of structural design. After attending the conference "Structure: An essence of architecture" at New Delhi, students further realized the complexity of thinking in structural ways.

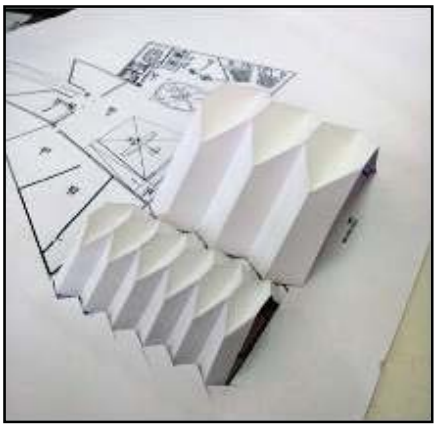

A site selected at Sector-10 in Chandigarh posed a greater challenge to the students to further put their thoughts in design which is being done in strong urban context. Two sets of design assignments were introduced as Aviation Museum and Public Library, both focusing on large span structure. After doing area programming for basic requirements, students camp up with conceptual designs for large span structures by preparing basic models in virtual as well as real dimensions. A thorough analysis was done by students to check the load distribution and stability of structure with respect to wind and other structural forces. After negotiating with multiple determinants, a basic structural system was finalized for further detailing with services and architectural spaces. The major idea was to put structural dynamics as the core of design thinking. Student in the whole process explored various possibilities in terms of material and its inherent structural behavior. Apart from conventional concrete, students in the class were also encouraged to use materials like wood, portal frames, suspension cables etc.

बी.आर्क. चतुर्थ वर्ष सेक्शन ए और बी और खंड ब VII सेमेस्टर

संकाय समूह :

सेक्शन : अ – *देवर्षि चौरसिया, नयना सिंह, जय सिंह* (विजिटिंग फैकल्टी)

सेक्शन : ब – *संदीप अरोड़ा, अपूर्व श्रीवास्तव, रोहित गिरी* (विजिटिंग फैकल्टी)

चतुर्थ वर्ष के छात्रो को एक हाउसिंग परियोजना (बहु मंजिला) को वृहद स्तर पर हल कर संबोधित करने के लिए दी गई जैसे कि हाउसिंग ग्रुप, व्यावसायिक परिसर आदि। अभ्यास में डिजाइन प्रस्तावों का अध्ययन किया गया और विस्तृत अध्ययन से लोगों को आवागमन, सेवाऐं, अपशिष्ट निपटान के प्रबंधन जैसे मुद्दों को बताया गया। नमूने के तौर पर एक अल्प अभ्यास प्रारूप का प्रयोग किया गया। छात्रों को दो अभ्यास कराये गये। प्रथम अभ्यास में छात्रों को ग्रुप हाउसिंग और उससे संबंधित विचारो के अर्थ से परिचित कराया गया तथा दूसरे अभ्यास में गहन अध्ययन और डिजाइन की सभी आवश्यकताओं के बारे में बताया गया जिसमें विभिन्न कियाविधि, साहित्य और जीने के तरीकों का अध्ययन और उनके डिजाइन प्रस्तावों से संबंधित मुद्दों को शामिल किया गया। उक्त अभ्यास में दो डिजाइन खंड छात्रों को दिए गये थे ।

मध्य और उच्च आय वर्ग के लिए आवास।

यह उपयोगकर्ता का वह समूह है जो इस तरह की सुविधाओ के साथ एक वर्ग निर्माण के साथ एक घर की खरीद के लिए खर्च कर सकते है साथ ही व्यायामशाला, स्वीमिंगपूल, मनोरंजक गतिविधियो, पॉवर बेक अप, लिफ्टों, सुरक्षा उपकरणों को इस डिजाइन प्रस्ताव में शामिल किया गया। डिजाइन प्रस्ताव विभिन्न आकारों और स्टूडियो अपार्टमेंट, 5–6 बैडरूम प्रत्येक स्वरूपों के साथ विला (आवास) जैसे विकल्पों के हो सकते हैं।

आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग के लिए आवास।

ईडब्ल्यूएस आवास एवं झुग्गी झोपडी के उन्नयन की भारी मॉग एवं जरूरत है जिसमें मंत्रालय द्वारा जनादेश में प्रकाश डाला जा चुका है "सभी के लिए आवास 2022 तक" जैसा की माननीय राष्ट्रपति जी के भाषण के पैरा 32 में उल्लेखित है। देश अपनी स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने तक हर परिवार को पानी कनेक्शन, शौचालय की सुविधाए, 24x7 (चौबीस घंटे सातो दिन) बिजली की आपूर्ति और उपयोग के लिए एक पक्का मकान होगा। इसके अलावा जेएनएनयूआरएम (JNNURM), आरएवाय (RAY), एएचपी (AHP) और विभिन्न रिपोर्टो में बार–बार भारत के विभिन्न राज्यों में आवास के लिए आवश्यकताओं का उल्लेख किया है उसी तर्ज पर सेगमेंट (खंड) के तहत डिजाइन समस्या आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आवास पर ध्यान केंद्रित करने और या झुग्गी उन्नयन पर जाएगा। इस अभ्यास पर विचार करने हेतु प्राथमिक उद्देश्य झुग्गीवासियों या ईडब्ल्यूएस की आय प्रतिवर्ष कम से कम 1,00,000 रूपये हो। आवास और 'शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय 2012 के अनुसार उपयोगकर्ता की खरीदने की क्षमता इस डिजाइन का जवाब है, जिसका निर्माण कार्य किया जाएगा साथ ही वास्तविक जरूरतों के साथ इस खंड में छात्र प्रस्तावित स्लम पुनर्वास परियोजना या ईडब्ल्यूएस आवास पर काम कर सकते हैं। इस अभ्यास के बाद डिजाइन समस्या दो वर्गो के लिए वितरित कि गई है वे इस प्रकार है ।

खंडः अ

नवीबाग, भोपाल में बहु उपयोग हेतु उच्च आवासीय टावर्स

भोपाल विकास प्राधिकरण द्वारा प्रस्तावित ईडब्लूएस आवासीय परियोजनायें

खंडः ब

द्रोणाचार्य पहाडियों, आवासीय परिसर, नेवाड़ी, भोपाल में 250 इकाइयों वाले डुप्लेक्स एवं फ्लेट्स

झुग्गी स्थानांतरण परियोजनायें

B.Arch 4th yr Section A & Section B VII th Semester,

Faculty Group :

Section : A- *Devarshi Chaurasia, Nayana Singh, Jai Singh* (Visiting Faculty)

Section : B- *Sandeep Arora, Aprurv Shrivastava, Rohit Giri* (Visiting Faculty)

In the 4th Year; a housing project was given to students that would address the solution to a large-scale multi storey project like group housing, commercial complex etc. Design proposals studied and addressed issues like movement of people and traffic, services, waste disposal management through detailed case studies.
Using the typical one major and one minor exercise format, two exercises were given to students. Intent of first exercise was to introduce and familiarize students with the meaning of group housing and related notions. Second exercise was an in-depth study and design solution which responds to the all requirements. The Methodology followed was through various literature and live case studies and then incorporating all the related issues into their design proposals. There were two design segments given to students:

Housing for Middle and Higher income groups.
This will include housing for the user group which can afford to purchase a house with A-class construction, with amenities such as gymnasium, swimming pool, recreational activities, power back up, lifts, security devices. Design proposal can provide housing option with in various sizes and formats ranging from studios, apartments, duplexes to 5-6 bedded individual villas.

Housing for economically weaker section.
Huge demand EWS housing and need for Slum up gradation has been highlighted in the ministry mandate " Housing for all by 2022", as well as in President's Speech, Para 32: "By the time the nation completes 75 years of its Independence, every family will have a pucca house with water connection, toilet facilities, 24x7 electricity supply and access." Furthermore, various reports on JNNURM, RAY and AHP have repeatedly mentioned the requirements for housing across various states of India.

On the same lines, the design problem under this segment would focus on housing for economically weaker section and /or slum up gradation. The idea primary objective of exercise would be to produce a design that responds to user affordability (slum dwellers or EWS with income less that 1,00,000 per year, as per MoHUPA, 2012) as well as his actual needs. In this segment students can work on an ongoing/proposed slum relocation project or EWS housing. After this exercise the design problem was distributed to the two sections as follows:

Section A

Mixed use- High-rise residential towers at Navibagh, Bhopal
EWS housing projects proposed by Bhopal Development Authority.

Section-B

Dronachal hills Residential campus, Newari, Bhopal, 250 units duplexes and flats
Slum- relocation projects

बी.आर्क. चतुर्थ वर्ष, सेमेस्टर VIII, 2015–2016 बैच

संकाय : *डॉ. आनंद वाडवेकर, डॉ. निखिल आर. मण्डल*

संस्थान के प्रशिक्षण एवं रोजगार प्रकोष्ठ के प्रमुख डॉ. निखिल रंजन मण्डल, अधिष्ठाता (छात्र मामले) और डॉ. आनंद वाडवेकर प्रो प्रभारी (प्रशिक्षण एवं रोजगार प्रकोष्ठ) स्नातक छात्रो के लिए पेशेवर प्रशिक्षण शुरू कर उपयुक्त संगठनों को, जो सुविधाजनक एवं पेशेवर नियुक्ति देने के लिए प्रतिबद्ध होते है, का चयन करने में एवं स्नातक छात्रों की नियुक्ति हेतु सहायता करता है। प्रशिक्षण एवं रोजगार प्रकोष्ठ सभी कार्यक्रमो जो कि छात्रों के पाठ्यक्रम का हिस्सा है, का व्यावसायिक समन्वय करता है।

संस्थान के सभी व्यवसायिक पाठ्यक्रमों का समन्वय करके प्रशिक्षण संस्थानों की सूची तैयार की जाती है। ट्रैनिग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा प्रशिक्षण मैनुअल तैयार किया गया है जिसमें सरकारी एवं निजि क्षेत्र के तमाम संस्थानों में प्रशिक्षण के अनुपालन एवं मूल्यांकन की सहज प्रणाली को विस्तृत एवं संयोजित तरीके से समझाया गया है। प्रकोष्ठ समय समय पर छात्रों के लिए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के संगोष्ठी एवं प्रशिक्षण व्यवस्था के आयोजन करती है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी (वर्ष 2016–17) में छात्रों ने जर्मनी, फ्रांस, अर्जेंटिना, मैक्सिको, श्रीलंका और ओमान के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संगठनो में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। साथ ही साथ राष्ट्रीय महत्व के तमाम संस्थानों एवं शहरों में प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

B.Arch 4th yr VIII Semester 2015-2016 batch

Faculty : *Dr. Anand Wadwekar, Dr. Nikhil R. Mandal*

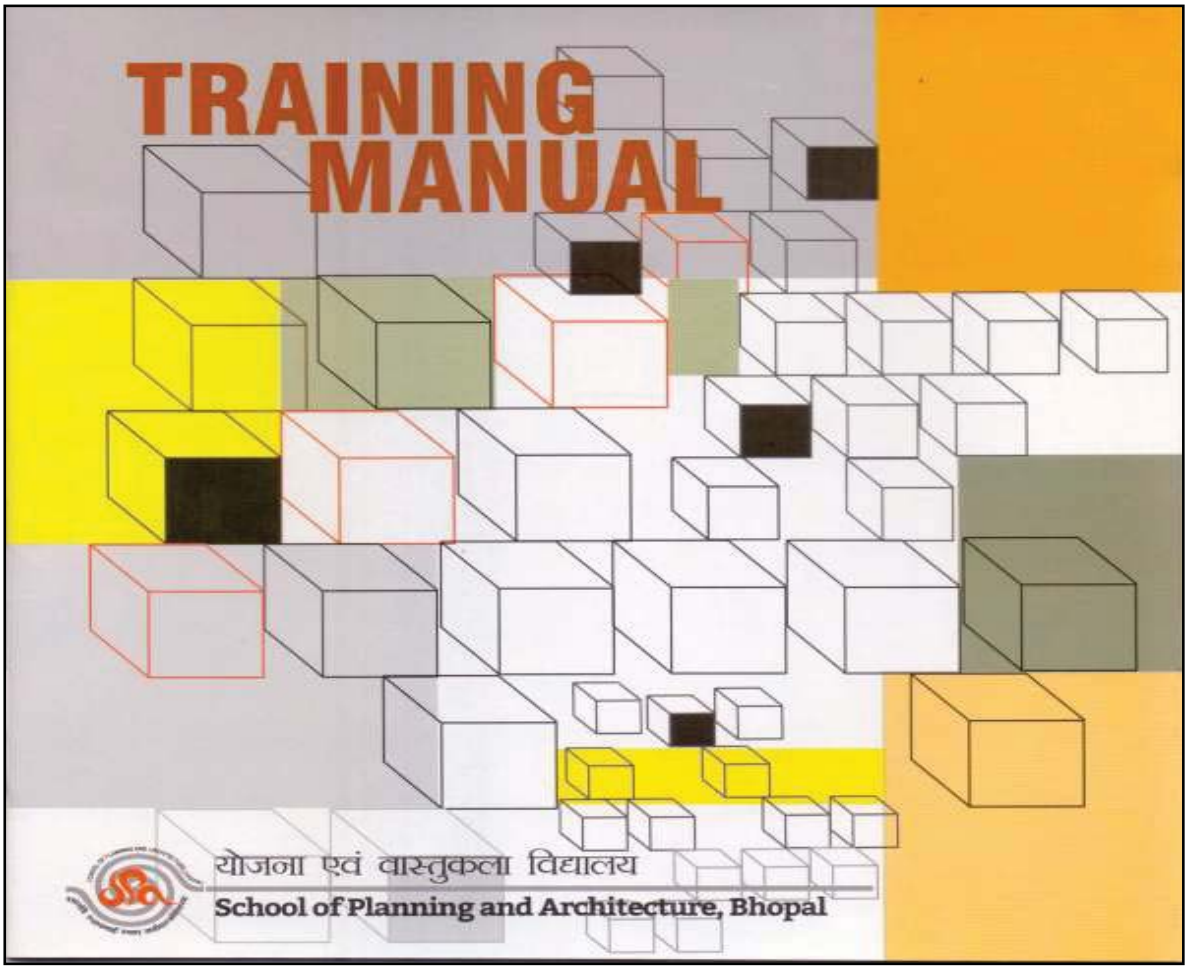

The Institute has a Training and placement Cell Headed by Dr. Nikhil R. Mandal, Dean (Students Affairs) and Dr. Anand Wadwekar, Prof-in-Charge (T&P Cell) which assists students in selecting suitable organizations for undertaking professional training and facilitates the placement of graduating students.

The Training and Placement Cell coordinates the Professional Training of students of all the programmes, which are part of their course curriculum. A Training Manual is designed by the Cell for compliance by students of all courses to streamline a system of evaluating deliverables worked upon in an industrial setup outside the curriculum. Students have been training in reputed National and International organizations both in the government and private sector and across a wide range of organizations including consultants, developers, research organizations and NGOs. Skype interactive session for the students have also organized for getting training opportunities in national and international organizations. This year (8th Semester, 2016-17 batch) also students have been placed for training in reputed international organizations of Germany, France, Argentina, Maxico, Shrilanka and Oman. New Delhi & NCR, Ahmedabad and Mumbai remains to be the most sought after choices for training.

डिजाइन (अभिकल्पन) शिल्पशाला का विवरण
बी.आर्क. पंचम वर्ष सेमेस्टर IX, 2015–2016 बैच
संकाय सदस्य : *आर्कि. मंजूषा मिश्रा* (समन्वयक), *आर्कि. गौरव सिंह, आर्कि. गायत्री नंदा, आर्कि. विनीत चड्ढा, आर्कि. ज्योतिका सेन गुप्ता*

कलियासोत नदी के भविष्य के लिए शहर की डिजाइन परिकल्पना

यह अभ्यास परिकल्पना पर केंद्रित था जिसे एक समूह लीडर एवं सम्पूर्ण समूह द्वारा संपन्न किया गया। चूंकि इस अभ्यास में कई तकनीकी पहलु थे, अतः इसे अलग–अलग छात्रों द्वारा अलग–अलग पहलुओं पर उनके विचारों को पूर्ण रूप से योजना के अनुसार परिभाषित कर प्रदर्शित किया गया।
इस तकनीक से छात्रों को शहरी मुद्दों की जटिलताओ को समझने में तथा एक जुटता के साथ कार्य करने की सीख मिली। साथ ही डिजाइन (अभिकल्पन) की युक्ति एवं संरचना को विकसित करने एवं उनकी परियोजना के अनुसार संरचना अनुरूप दूसरे वास्तुविद् को इनके डिजाइन (अभिकल्पन) के नियम को परिभाषित करने की समझ विकसित करने में सहायक सिद्ध हुई। कोलार रोड क्षेत्र, भोपाल सबसे तेजी से विकसित होने वाले क्षेत्रों में से एक है। इस क्षेत्र का विकास सन् 1995 से प्रारंभ हो गया था जबकि तब यह क्षेत्र शहरी क्षेत्र के बाहर था इस अभ्यास का संबंध शहरी क्षेत्र के संदर्भ का अभिमूल्यन, क्षेत्र के निर्माण एवं संपर्क संरचनाओं का विस्तृत अध्ययन करके पूर्ण किया गया तथा दूरदर्शितापूर्ण सकारात्मक विकासोन्मुखी अभिकल्पना को तैयार किया गया।

बी.आर्क पंचम वर्ष सेक्शन 'ए' X वां-सेमेस्टर 2015–2016 बैच,
संकाय सदस्य : *डॉ. रचना खरे , आर्कि. गौरव सिंह, आर्कि. परम मित्रा, आर्कि. संदीप अरोरा, आर्कि. अरविंद कुमार मील, आर्कि. पूनम खान*

वास्तुकला स्नातक शोध परियोजना, वर्ष – 5 वास्तुकला अभिकल्पना के शिक्षण का अंतिम स्तर : शोध 2016 अंतिम वर्ष के छात्रों द्वारा क्रमानुगत चार वर्षों की कड़ी मेहनत से किये गए शोध को प्रदर्शित करती है। वास्तुकला के समस्त क्षेत्रों में विस्तृत रूप से शोध परियोजना व डिजाइन (अभिकल्पन) कठोर परन्तु सुनियोजित प्रक्रिया के तहत चयनित की गई। संपूर्ण शोध, शोध समन्वयकों के एक दल द्वारा संचालित की गई जो कि प्रो. रचना खरे, विभागाध्यक्ष, वास्तुकला विभाग के मार्गदर्शन में की गई तथा योजना एवं वास्तुकला विद्यालय भोपाल के सभी संकाय सदस्यों ने 2 से 3 छात्रों का मार्गदर्शन किया ।

छात्रों को प्रेरित व प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक विशेष व्याख्यान व परस्पर सत्र का आयोजन किया गया । इस सत्र में शिफ्ट स्टूडियो, नई दिल्ली से आर्कि. संजय प्रकाश, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय नई दिल्ली से प्रो. मनोज माथुर एवं चंडीगढ़ के प्रसिद्ध वास्तुकार आर्कि. शिव दत्त शर्मा जैसे ख्यातिलब्ध शोधकर्ता एवं पेशेवर व्यक्तित्व को छात्रों से चर्चा हेतु अपने क्षेत्र संबंधित अमूल्य अनुभवों को

B.Arch 5th yr IXth Semester 2015-2016 batch,

Faculty: Ar. Manjusha Misra (Coordinator), Ar. Gaurav Singh, Ar. Gayatri Nanda, Ar. Dr. Vineet Chaddha, Ar. Jyotika Sen Gupta

Urban Design Vision for the future of Kaliasot River

The exercise was a vision oriented, which can be done in group or by a group leader and entire group confirms to it. Since it has various typical conditions, it can be picked up by individuals to demonstrate their ideas confirming with overall plans.

It has help students to understand the complexity of urban issues, work in team and develop design strategy and evolve a frame work, design rules to allow any other architects to work within the framework by demonstrating their project. Kolar road is the one of the fastest growing areas of new Bhopal. The area started developing in 1995, even while it was outside the Urban Area. In this study, the contract of the concerened urban area was evaluated by detail study of urban struchered urban linkages. The praposal aimed at positive dweloprint orinted vision.

B.Arch 5th yr Section A Xth Semester 2015-2016 batch,

Faculty: *Dr. Rachna Khare, Ar. Gaurav Singh, Ar. Parma Mitra,*

Ar. *Sandeep Arora, Ar. Arvind K.Meel, Ar.Poonam Khan*

Bachelor of Architecture Thesis Project is the final stage in the 5-year process of learning Architectural Design : Thesis 2016 marks the 4th consecutive year of hard work and innovation exhibited by final year students. A wide range of thesis projects from all realms of architecture were selected and designs were produced after a rigorous yet systematic process. Overall thesis was coordinated by a team of thesis coordinators led by Prof. Rachna Khare, HOD, Architecture, and all members of faculty at SPA Bhopal guided about 2-3 students each.

As a measure to encourage and inspire students, special lectures and one-to-one interaction sessions were conducted. In these sessions, eminent scholar and practitioners such as Ar. Sanjay Prakash from Shift Studio, Delhi, Prof. Manoj Mathur from SPA Delhi and Ar. Shiv

साझा करने हेतु आमंत्रित किया गया। अंतिम चरण में प्रस्तुत डिजाइन (अभिकल्पन) शोध, पूर्व विस्तृत कार्ययोजना को प्रदर्शित करती है। वास्तुकला डिजाइन (अभिकल्पन) व निर्माण के क्षेत्र में जिस प्रकार विचारों को वास्तुकला का मूर्त रूप दिया गया है वह डिजाइन (अभिकल्पन) का सटीक उदहारण है । शोध परियोजना इस प्रकार से चुनी गई है जिसमे कि छात्रों को डिजाइन (अभिकल्पन), शोध, तकनीकी सामंजस्य , प्रासंगिक जागरूकता को प्रदर्शित व प्रकट करने के लिए बेहतर अवसर प्रदान किये गए है।

शोध परियोजना का विस्तृत प्रकार निम्नसूची से स्पष्ट है :

विषय कोड : बी.आर्क 1001			विषय, नाम : थीसिस डिजाइन
क्र.	छात्र सं.	नाम	थीसिस का विषय
01	2011 बी.आर्क. 0001	नोएल क्रेज वुडवार्ड	आधुनिक समाधि स्थलः यादों का एक परिदृश्य, नई दिल्ली
02	2011 बी.आर्क 0003	निखिल मित्तल	गृह विकास, बैंगलोर, कर्नाटक (माड्यूलर कन्सट्रक्शन)
03	2011 बी.आर्क 0004	हिमांशु गौरव	सामुदायिक रिसोर्ट : टैरेकोल की संस्कृति का एक प्रतिबिंब, गोवा
04	2011 बी.आर्क 0007	अपूर्व सूद	पारंपरिक कला और शिल्प केन्द्र बड़ाग्राम, कुल्लू, हिमांचल प्रदेश
05	2011 बी.आर्क 0008	कनिष्का कांत सिरीश	आई.टी. पार्क, नागपुर, महाराष्ट्र
06	2011 बी.आर्क 0009	निलेश सुमन	पलिया रेलवे स्टेशन, इंदौर, म.प्र.
07	2011 बी.आर्क. 0010	कनिसेट्टी वेंकटेश	आंध्र प्रदेश विधान सभा, अमरावती, आंध्रप्रदेश
08	2011 बी.आर्क 0011	मनीष जायसवाल	सैनिक स्कूल मैनपुरी, उत्तर प्रदेश
09	2011 बी.आर्क 0013	दुर्गा प्रसाद गुप्ता	जिला मेडिकल कॉलेज, दतिया, म.प्र.
10	2011 बी.आर्क 0014	हर्ष प्रताप सिंह	समकालीन भारतीय बाजार, पटना, बिहार
11	2011 बी.आर्क 0016	अफीफ हुसैन एम.	गूगल कैम्पस, हैदराबाद, तेलंगाना
12	2011 बी.आर्क 0017	सुकृति गुप्ता	मिश्रित प्रयोग विकास, हैदराबाद, तेलंगाना
13	2011 बी.आर्क 0019	विजयंत लकरा	नया रायपुर, मॉडल हाई स्कूल, नया रायपुर छत्तीसगढ़
14	2011 बी.आर्क 0020	लोकेश पवार	गया एअरपोर्ट, गया, बिहार
15	2011 बी.आर्क. 0021	नर्सिंग चेतन रेड्डी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,तिरूपति, आंध्रप्रदेश
16	2011 बी.आर्क. 0022	प्रतीक गंगवार	सामाजिक सांस्कृतिक केन्द्र, नई दिल्ली
17	2011 बी.आर्क 0023	रविन्दर	शीघ्र अंतःक्षेप संसाधन केन्द, भोपाल म.प्र.
18	2011 बी.आर्क 0024	झनकार	धारावी स्लम का पुनर्विकास, मुम्बई, महाराष्ट्र

Datt Sharma, a renowned Chandigarh based Architect were invited to have discussions with students and also to share valuable experiences from field. Designs presented at final stage clearly reflect the extensive pre-design research, strong ability to translate ideas into architecture and awareness for best practices in the field of architectural design and construction. The Thesis projects chosen were of sufficient complexity to provide the students with an opportunity to demonstrate their skills pertaining to design, pre-design research, technical coordination, contextual awareness, presentation and communication.

The breadth of the thesis project types is evident from the list given below :

Sub. Code: BARC1001			Sub. Name : Design Thesis
S. No.	Scholar No.	Name	Thesis Topic
1	2011BARC001	Noel Craig Woodward	The Modern Cemetery : A Landscape of Memories, New Delhi.
2	2011BARC003	Nikhil Mittal	Housing Development, Bangalore, Karnataka (Modular Construction).
3	2011BARC004	Himanshu Gaurav	Community Resort : A Reflection of the Culture of Tiracol, Goa.
4	2011BARC007	Apoorv Sood	Centre for Traditional Arts and Crafts at Badagram, Kullu, Himachal Pradesh.
5	2011BARC008	Kanishka Kant Sireesh	IT Park, Nagpur, Maharashtra.
6	2011BARC009	Nilesh Suman	Railway Station at Paliya, Indore, MP.
7	2011BARC010	Kanisetti Venkatesh	Andhra Pradesh Legislative Assembly, Amaravati, Andhra Pradesh.
8	2011BARC011	Manish Jaiswal	Sainik School, Mainpuri, Uttar Pradesh.
9	2011BARC013	Durga Prasad Gupta	District Medical College (100 Seats) & Hospital (350 Beds), Datia, Madhya Pradesh.
10	2011BARC014	Harsh Pratap Singh	Contemporary Indian Bazaar, Patna, Bihar.
11	2011BARC016	Afeef Husain M	Google Campus, Hyderabad, Telangana.
12	2011BARC017	Sukruti Gupta	Mixed-use Development, Hyderabad, Telangana.
13	2011BARC019	Vijayant Lakra	Naya Raipur Model High School, Naya Raipur, Chhattisgarh.
14	2011BARC020	Lokesh Pawar	Gaya Airport, Gaya, Bihar.
15	2011BARC021	Narsing Chetan Reddy	Indian Institute of Technology, Tirupati, Andhra Pradesh.
16	2011BARC022	Prateek Gangwar	Socio Cultural Center, Dwarka, New Delhi.
17	2011BARC023	Ravinder	Early Intervention Resource Centre, Bhopal, Madhya Pradesh.
18	2011BARC024	Jhankar	Redevelopment of Dharavi Slums, Sector-3, Phase-3, Mumbai, Maharashtra.

19	2011 बी.आर्क 0026	यशश्विनी	कैदी पुनर्वास केन्द्र, भोपाल म.प्र.
20	2011 बी.आर्क 0027	श्रेया सुमन	कला एवं शिल्प केन्द्र वाराणासी, उत्तर प्रदेश
21	2011 बी. आर्क 0028	प्रवलिका, सर्वदेवाभाटिया	मलिन बस्तियों का पुर्नद्धार सामाजिक एवं आर्थिक विकास का एक केंद्र, धोभी घाट, मुम्बई
22	2011 बी.आर्क. 0030	दाक्षी सिंह	मेडिटेशन सेंटर, गोवा
23	2011 बी.आर्क 0031	अंकित भरद्वाज	ई–स्पोर्ट्स प्रावधान के साथ बहुउद्देशीय इंडोर स्टेडियम
24	2011 बी.आर्क 0032	अमलन कर	फिल्म संग्रहालय
25	2011 बी.आर्क 0033	रनंजय सिंह	ईको पर्यटन रिसोर्ट, बीकानेर
26	2011 बी.आर्क. 0034	सैकत मेहतो	फुटबॉल ट्रैनिंग एकेडमी, इंदौर म.प्र.
27	2011 बी.आर्क. 0035	इमलीनोचेट वालिंग	बीओसी मार्केट क्षेत्र, कोहिमा, नागालैंड का पुनर्विकास
28	2011 बी.आर्क 0036	सिद्धार्थ	आर्ट गैलरी, नई दिल्ली
29	2011 बी.आर्क. 0037	नितेश कुमार कमल	विकलांगों के लिये व्यवसायिक प्रशिक्षण/पुनर्वास केंद्र
30	2011 बी.आर्क 0038	देव सैनी	फ्री फूड शेल्टरः डायनिंग हॉल, अमृतसर पंजाब के साथ मेगा रसोई
31	2011 बी.आर्क 0039	अंकिता थोडिमेला	राष्ट्रीय जैव विविधता संग्रहालय, हैदराबाद, तेलंगाना
32	2011 बी. आर्क 0040	जी. महेश्वर राव	बहु मंजिला आवासीय परिसर, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश
33	2011 बी. आर्क 0042	वेपा मनोज कुमार	गोंडवाना जनजाति संग्रहालय एवं अनुसंधान केन्द्र
34	2011 बी. आर्क 0043	सुमित यादव	सांस्कृतिक केन्द्र, तिनसी, सागर (म.प्र.)
35	2011 बी. आर्क 0044	अपूर्व गौतम	कार्पोरेट कार्यालय भवन, गुड़गांव, हरियाणा
36	2011 बी. आर्क 0045	सुरभि चॉवला	फैशन हब, नई दिल्ली
37	2011 बी. आर्क 0046	रफा मुसाधिक	एसएम रोड का पुनर्विकास, कालीकट, केरल
38	2011 बी. आर्क 0048	जी. प्रानथि	उस्मानिया जनरल अस्पताल, हैदराबाद, तेलंगाना, का पुनर्विकास
39	2011 बी. आर्क 0050	निकिता कुमार	मिश्रित प्रयोग विकास, टी.टी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश
40	2011 बी. आर्क 0051	वमिका जैन	वन रिसोर्ट, पेंच, मध्यप्रदेश
41	2011 बी. आर्क 0052	हरजोत सिंह	स्वास्थ्य रिसोर्ट, लहरपुर, भोपाल, मध्यप्रदेश
42	2011 बी. आर्क 0053	अक्षय अग्रवाल	प्रकाश कला संग्रहालय, बैंगलोर
43	2011 बी. आर्क 0057	अखिल नवानी	खेल परिसर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

19	2011BARC026	Yashaswini	Prisoner's Rehabilitation Centre, Bhopal, Madhya Pradesh.
20	2011BARC027	Shreya Suman	Centre for Arts and Crafts, Varanasi, Uttar Pradesh.
21	2011BARC028	Pravalika Sarvadevabhatla	Revitalization of Slums as a centre for social and Economical Development, "Dhobhi Ghat", Mumbai.
22	2011BARC030	Dakshi Singh	Meditation Centre, Goa.
23	2011BARC031	Ankit Bharadwaj	Multi-purpose Indoor Stadium with Provision for E-Sports.
24	2011BARC032	Amlan Kar	Film Museum.
25	2011BARC033	Rananjai Singh	Eco-Tourism Resort, Bikaner.
26	2011BARC034	Saikat Mahato	Football Training Academy, Indore, Madhya Pradesh.
27	2011BARC035	Imlinochet Walling	Redevelopment of BOC Market Area, Kohima, Nagaland.
28	2011BARC036	Siddharth	Art Gallery, New Delhi.
29	2011BARC037	Nitesh Kumar Kamal	Vocational Training/ Rehabilitation Centre for people with Disability.
30	2011BARC038	Dev Saini	Free Food Shelter : Mega-Kitchen with Dining Hall, Amritsar, Punjab.
31	2011BARC039	Ankita Thodimela	National Biodiversity Museum, Hyderabad, Telangana.
32	2011BARC040	G. Maheshwara Rao	Multi-storey Residential Complex, Vishakhapatnam, Andhra Pradesh.
33	2011BARC042	Vepa Manoj Kumar	Gondwana Tribal Museum and Research Centre, Nagpur.
34	2011BARC043	Sumit Yadav	Cultural Centre at Tinsi, Sagar (M. P.).
35	2011BARC044	Apoorva Gautam	Corporate Office Building, Gurgaon, Haryana.
36	2011BARC045	Surbhi Chawla	Fashion Hub, New Delhi.
37	2011BARC046	Rafa Musadhik	Redevelopment of SM Street, Calicut, Kerala.
38	2011BARC048	G.Pranathi	Redevelopment of Osmania General Hospital, Hyderabad, Telangana.
39	2011BARC050	Nikita Kumar	Mixed-use Development, T.T. Nagar, Bhopal, Madhya Pradesh.
40	2011BARC051	Vamika Jain	Jungle Resort, Pench, Madhya Pradesh.
41	2011BARC052	Harjot Singh	Health Resort, Laharpur, Bhopal, Madhya Pradesh.
42	2011BARC053	Akshay Aggarwal	Light Art Museum, Bangalore.
43	2011BARC057	Akhil Nawani	Sports Complex, Lucknow, Uttar Pradesh.

44	2011 बी. आर्क 0058	बसीरेड्डी, धरनीश रेड्डी	मिल्स का पुर्नरूद्धार, गिरनगांव, मुम्बई, महाराष्ट्र
45	2011 बी. आर्क 0060	दिशा छटरथ	पारगमन उन्मुख विकास, (सामाजिक अधोसंचना) कड़कड़डूमा, नई दिल्ली
46	2011 बी. आर्क 0061	योगेन्द्र कुमार	ए.पी.जे. अब्दुल कलाम मेमोरियल, रामेश्वरम, तमिलनाडू
47	2011 बी. आर्क 0062	अद्रिश नस्कर	राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश
48	2011 बी. आर्क 0063	कार्तिकेय सोनकर	धार्मिक समूहों के भीतर सामूहिक स्मृति पुनर्भाषित : बाबरी मस्जिद एवं राममंदिर, अयोध्या, उत्तर प्रदेश का एक प्रकरण
49	2011 बी. आर्क 0064	सुरई सोरन	बहुमंजिला आवास, डुमडुमा
50	2011 बी. आर्क 0065	ज्योति किरन	जनजातीय स्कूल, सिहोर, मध्य प्रदेश
51	2011 बी. आर्क 0066	अतुल कुमार	लाल इमली मिल का पुर्नद्धार, कानपुर
52	2011 बी. आर्क 0067	सचिन प्रताप सिंह	नोएडा पर्यावास केन्द्र, नोएडा, उ.प्र.
53	2011 बी. आर्क 0069	विशाखा अग्रहारी	शिल्पग्राम, नोएडा, उ.प्र.
54	2011 बी. आर्क 0070	हिमानी ठाकुर	आई.टी. पार्क, नया रायपुर
55	2011 बी. आर्क 0071	दिव्यांशी राजौरिया	बच्चों का खोज संग्रहालय एवं खेल मैदान, अहमदाबाद, गुजरात
56	2011 बी. आर्क 0072	निपुण प्रभाकर	दंगे के बाद पुनर्वास, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
57	2011 बी. आर्क 0073	एल. चिंखुबा	गुवाहाटी पर्यावास केन्द्र, गुवाहाटी, असम
58	2011 बी. आर्क 0074	स्मृति गुप्ता	भारतीय प्रबंध संस्थान, अमृतसर, पंजाब
59	2011 बी. आर्क 0076	प्रियंक सोनी	सामुदायिक गतिविधि केन्द्र, हिसार, हरियाणा
60	2011 बी. आर्क 0077	अदरीजी डेका	भारतीय रसोईकला संस्थान, नोएडा, उत्तर प्रदेश
61	2010 बी. आर्क 0036	प्रनीता गेरा	शेराटन, उपहारों का शहर, गांधीनगर, गुजरात

44	2011BARC058	Basireddi Dharaneesh Reddy	Revitalization of United Mills at Girangaon, Mumbai, Maharashtra.
45	2011BARC060	Disha Chatrath	Transit Oriented Development (Social Infrastructure), Karkardooma, New Delhi.
46	2011BARC061	Yogendra Kumar	APJ Abdul Kalam Memorial, Rameshwaram, Tamil Nadu.
47	2011BARC062	Adrish Naskar	National Institute of Design, Bhopal, Madhya Pradesh.
48	2011BARC063	Kartikeya Sonkar	Redefining the Collective Memory within Contrasting Religious Groups : The Case of Babri Masjid & Ramjanmabhumi, Ayodhya, Uttar Pradesh.
49	2011BARC064	Surai Soren	Multi-storied housing, Dumduma.
50	2011BARC065	Jyoti Kiran	Tribal School, Sehore, Madhya Pradesh.
51	2011BARC066	Atul Kumar	Revitalization of Lal Imli Mill, Kanpur.
52	2011BARC067	Sachin Pratap Singh	Noida Habitat Centre, Noida, UP.
53	2011BARC069	Vishakha Agrahari	Shilpgram, Noida, UP.
54	2011BARC070	Himani Thakur	IT Park, Naya Raipur.
55	2011BARC071	Divyanshi Rajauria	Children's Discovery Museum & Playground, Ahmedabad, Gujarat.
56	2011BARC072	Nipun Prabhakar	Post-riot Rehabilitation, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh.
57	2011BARC073	L. Chingkhuba	Guwahati Habitat Centre, Guwahati, Assam.
58	2011BARC074	Smriti Gupta	Indian Institute of Management, Amritsar, Punjab.
59	2011BARC076	Priyank Soni	Community Activity Centre, Hissar, Haryana.
60	2011BARC077	Adreeja Deka	Indian Culinary Institute, Noida, Uttar Pradesh.
61	2010BARC036	Pranita Gera	Sheraton, Gift City, Gandhinagar, Gujrat.

एम. आर्क (संरक्षण)
प्रथम सेमेस्टर, जनवरी 2016 से मई 2016, एसपीए, भोपाल
ताज–उल–मस्जिद, भोपाल

आज ताज–उल–मस्जिद दुनिया में बेहतरीन इमारतों के बीच में शुमार है। बेगमें, मस्जिद भवन की वास्तुकला के मूर्त क्षेत्र को ऊपर से एक नजर देखने के प्रयास में थी जो कि बहुत ही अमूर्त था एवं इसके भागों के विभिन्न अर्थ निकलते थे। 18 वीं शताब्दी में मुगल सल्तनत की ढलती पृष्ठभूमि के समय का किया गया निरीक्षण मस्जिदों के निर्माण को अधिक महत्व देता है।

संरक्षण स्टूडियो उद्देश्यः ऐतिहासिक इमारतों के क्षेत्रों की पहचान, समस्यायें एवं मुद्दों का समाधान।

ऐतिहासिक इमारतों/साइट को समझना।
ऐतिहासिक स्थलों का सीमांकन और आसपास के क्षेत्रों में संबंध बनाना।
भवन एवं निर्माण सामग्री की संरचना को समझना।
समारोह, उपयोग और इमारतों/साइट की हालत को पहचानना।
ऐतिहासिक इमारत/साइट के महत्व का विवरण।
बनाये गये फार्म के साथ जुड़े विभिन्न ऐतिहासिक भागों को पहचानना।
साइट और निर्माण के लिए वैचारिक डिजाइन प्रस्ताव (विभिन्न मॉडल)।
साइट और निर्माण के लिए प्रबंधन योजना तैयार करना।

इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए, आवश्यक अध्ययन इस प्रकार हैं :
पृष्ठभूमि अध्ययन : समाज में इस्लाम के मूल का अध्ययन, मस्जिद की भूमिका और उसके महत्व, मस्जिद के साथ जुड़ी शब्दावली, मस्जिदों के प्रकार और भारत, मस्जिदों के पवित्र परिदृश्य, पवित्र ज्यामिति, मस्जिदों में संरचनात्मक प्रणाली और संबंधित शामिल ताज–उल–मस्जिद के संदर्भ में अध्ययन आदि।

साइट स्तर पर अध्ययन और सर्वेक्षण : शाहजहॉनाबाद में ताज–उल–मस्जिद के संदर्भ और पड़ोस अध्ययन, गतिविधि मानचित्रण, उपयोगकर्ता आंदोलन और सेवाओं सहित साइट अध्ययन का परिचय दिया गया।

M. Arch. (Conservnation)

Semester I, Jan 2016 to May 2016, SPA Bhopal

Taj-ul-Masajid, Bhopal

Today the Taj-ul-masjid ranks amongst the finest buildings in the world. The Begums' mosque building endeavors permit one to look beyond the tangible sphere of architecture to a more abstract and complex under layer of multiple meanings. The building of the mosques acquires greater significance when examined against the backdrop of waning Mughal authority in the 18th century.

Conservation Studio Objective: The objective is to experience and identify the problems and issues confronting historic buildings/ site:

Understanding historic buildings/site.
Demarcation of historic sites and its relationship to surroundings.
Understanding the building and composition of building materials.
Identification of function, use and condition of the buildings/site.
Statement of significance of historic building/site.
Identify the various historical layers associated with the built form.
Conceptual design proposal (different models) for the site and building.
Preparing a management plan for the site and building.

In order to achieve this, the studies required are as under :

Background Studies : It included study of origin of Islam, role of mosque in society and its importance, terminology associated with mosque, types of mosques and the evolution of mosque typology in India, sacred landscape of mosques, sacred geometry, structural system in mosques and relating the study in the context of Taj-ul-Masajid.

Studies and survey at Site Level : Introduction to the Taj-ul-Masajid in context of Shahjehanabad and site study including neighborhood study, activity mapping, user movement, and services.

बिल्डिंग स्तर पर अध्ययन और सर्वेक्षण : ताज–उल–मस्जिद के माप ड्राइंग, संरचनात्मक प्रणाली, शैलीगत विश्लेषण, आकलन सामग्री, हालत मूल्यांकन, प्रबंधन योजना और वैचारिक प्रस्ताव के अध्ययन को प्रलेखन के माध्यम से किया गया।

साइट सर्वेक्षण : 28 जुलाई से 1 नवम्बर के मध्य नियमित अंतराल पर किए गए साइट सर्वेक्षण। साइट सर्वेक्षण में ऐतिहासिक इमारत, हालात मानचित्रण, साइट और आसपास के सर्वेक्षण के माप ड्राइंग, दैनिक और उत्सव गतिविधियों के मानचित्रण पर ध्यान केंद्रित किया गया। साइट सर्वेक्षण और माप चित्र विमान, मेज और विकोणमान जैसे उपकरणों का उपयोग कर अच्छी तरह से मैन्युअल रूप से किया गया। साइट टिप्पणियों में फोटो दस्तावेजीकरण शामिल हैं मानचित्रण, साइट नोट और नमूने सहित दृश्य टिप्पणियों के माध्यम से प्रलेखन किया गया।

ऐतिहासिक इमारत/साइट के महत्व का विवरण : यह विवरण, विरासत मूल्य और मस्जिद के चरित्र के परिभाषित तत्वों को संक्षेप में प्रस्तुत करेंगे। क्या मस्जिद का महत्व अपने पहलुओं से परे है और कैसे लोगों को सहयोगी मूल्य बाहर खोजने में मदद मिलेगी इस पर महत्वपूर्ण बयान मस्जिद के संरक्षण को सुनिश्चित करेगा।

स्टूडियो आदान और समीक्षा: नियमित स्टूडियो और समीक्षा जो स्टूडियो संकाय के साथ पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में आयोजित की गई। जिसके विषय समन्वयक के रूप में प्रोफेसर अजय खरे, डॉ विशाखा कवाठेकर, वास्तुविद् श्वेता वर्डिया, वास्तुविद् बालाजी व्ही. और वास्तुविद् रमेश भोले आदि थे।

संरक्षण स्टूडियो,
द्वितीय सेमेस्टर, जनवरी 2016 से मई 2016, एस.पी.ए. भोपाल

अजमेर और पुष्कर का अध्ययन

विभिन्न प्रथाओं और परंपराओं को स्थापित करने में धर्म की भूमिका का अध्ययन करने के लिए धार्मिक स्थल / शहर के बीच प्रतिक्रियाओं की समझ विकसित करना। अजमेर और पुष्कर की मूर्त और अमूर्त विरासत के रखरखाव, प्रबंधन और संरक्षण के लिए रणनीति का प्रस्ताव एवं नेतृत्व करना।

संरक्षण स्टूडियो का उद्देश्य : द्वितीय संरक्षण स्टूडियो का उद्देश्य समस्याओं और अजमेर व पुष्कर के ऐतिहासिक / धार्मिक कोर के मुद्दों का परिचय करना है। अतः स्टूडियो का उद्देश्य निम्नलिखित हैः

ऐतिहासिक शहर अजमेर की एक दरगाह बाजार एवं लक्ष्मी रोड का अध्ययन और पुष्कर के ब्रह्मा घाट मंदिर की रास्तों के क्षेत्रीय संदर्भ को समझना।

ऐतिहासिक कोर को एवं अन्य ऐतिहासिक कोरों तथा विकसित शहर के संबंधों को समझना।

वास्तुकला की शर्तों, क्षेत्र एवं भूमि सीमांकन, खुली जगह, क्षितिज, ऐतिहासिक लेयरिंग और स्थापत्य कला के अध्ययन के माध्यम से भूमि, पानी और संक्रमण सहित इंटरफेस के संदर्भ में वास्तुकला के अध्ययन को समझना।

Studies and survey at Building Level : Documentation through measured drawing of the Taj-ul-masajid, study of structural system, stylistic analysis, material assessment, condition assessment, management plan and conceptual proposal.

Site Surveys : The site surveys were carried out on regular intervals from 28th July to1st November. The site surveys concentrated on the measured drawing of the historic building, condition mapping, site and surrounding survey, mapping of daily and festive activities.

The site survey and measured drawings were carried out manually as well by using instruments like plane table and theodolite. Site observations include photographic documentation; documentation through visual observations including mapping, site notes and sketches.

Statement of significance of Historic building/site : It will summarize the description, heritage value and character defining elements of the mosque. It will help us finding out how people associate value with the mosque and what importance it has beyond its physical aspects. The significance statement will ensure the conservation and preservation of mosque.

Studio Inputs *and Reviews :* Regular Studios and Reviews were conducted as a part of curriculum with Studio Faculty including Prof Ajay Khare, Dr. Vishakha Kawathekar, Ar.Shweta Vardia, Ar.Balaji V and Ar. Ramesh Bhole as the subject coordinator.

CONSERVATION STUDIO,

Semester II, Jan 2016 to May 2016, SPA Bhopal

Study of Ajmer and Puskar

To develop understanding of relationship and responses between religious site/city and; to study the role of religion in the establishing of different practices and traditions. This shall lead to proposing the strategies for maintenance, management and conservation for the tangible and intangible heritage of Ajmer and Pushkar.

Conservation Studio Objective : The objective of the conservation studio II is to introduce the problems and issues confronting historic/ religious core of Ajmer and Pushkar. Hence the studio aims to build the following:

Understanding the regional context, the historic city and study of a Dargah Bazar and Laxmi street at Ajmer and street from Brahma temple to Brahma ghat at Pushkar .

Understanding historic cores and its linkage to other historic cores and developing city.

Understanding the historic core in terms of architecture, site and plot boundaries, built, open spaces, skyline, interfaces including land and water and transitions through historic layering and study of architecture.

भवनों /साइट/एतिहासिक कोर के उपयोग के उपयोग एवं उनकी स्थिति, कार्यों को चिन्हित करना।

पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के संबंधों और अमूर्त विरासत की पहचान करने हेतु स्थानों की संस्कृति को समझना।

मौजूदा शहर के भीतर इंटरफेस बनाने में विभिन्न पारंपरिक प्रथाओं को स्थापित करने में धर्म की भूमिका तलाश करना ।

महत्व का विवरण : रखरखाव, प्रबंधन और संरक्षण के दिशा निर्देश। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए, आवश्यक अध्ययन इस प्रकार हैं :

क्षेत्रीय स्तर पर अनुसंधान :

इस क्षेत्र की पहचान और प्रशासनिक सीमाओं, भाषा, ऐतिहासिक क्षेत्रीय सीमाओं, वास्तु समानताएं / विशिष्टता आदि जैसे सीमांकन के लिए मानदंड।

प्रशासन, राजनीतिक प्रभाव, चिकित्सा सुविधाएं, बाजार (थोक / खुदरा), परिवहन, कला और शिल्प, धर्म सहित क्षेत्रीय परस्पर निर्भरता, त्योहार, विवाह आदि।

क्षेत्र के ऐतिहासिक विकास।

शहरी स्तर पर अध्ययन :

स्थलाकृति (स्थान, ढलानों) वनस्पति, जलवायु, स्थानीय सामग्री–प्रकार और संसाधनों के लिए शहर सहित भूमि को समझना।

समय के साथ शहर के विकास सहित ऐतिहासिक प्रगति। शहर और शहर का आकार देने पर इसके प्रभाव के भीतर धार्मिक कोर के उद्भव।

रक्षा, शाही, नेटवर्क, पानी, पवित्र, और शैक्षिक प्रणाली सहित वास्तु ज्ञान प्रणालियां।

शहर में शाही और सार्वजनिक बाड़ों की समझ सहित बनाये गये फार्म, वास्तु भाषा, क्षितिज, निर्माण सामग्री, निर्माण तकनीक, मुद्दों के अध्ययन और परिभाषित विरासत लोगों की धारणा का निर्माण।

जगह की संस्कृति।

पारंपरिक ज्ञान प्रणालियां।

अध्ययन और पड़ोस स्तर पर साइट सर्वेक्षण :

दरगाह बाजार और लक्ष्मी स्ट्रीट अजमेर का अध्ययन और ब्रह्मा मंदिर से ब्रह्मा घाट पुष्कर में क्षेत्र की स्ट्रीट का सीमांकन।

ओपन और निर्मित अंतरिक्ष संबंध (संगठित और असंगठित)।

सड़कों और स्ट्रीट वर्गों के पदानुक्रम।

अंतरिक्ष पदानुक्रम

Identification of function, use and condition of the buildings/site/historic cores.

Understanding the culture of the places including linkages of traditional knowledge systems and identifying of intangible heritage.

Exploring the role of religion in establishing of different traditional practices; in creating interface within an existing town.

Statement of Significance : Maintenance, Management and Conservation guidelines. In order to achieve this, the studies required are as under:

Research at Regional level :

Identification of the region and the criteria for demarcation like administrative boundaries, language, historical regional boundaries, architectural commonalities / distinctiveness etc.

Regional interdependency including administration, political influence, medical facilities, market (wholesale/retail), transportation, art and craft, religion, festivals, marriages etc.

Historical Development of the region.

Studies at City Level :

Understanding the land including topography (location, Slopes), vegetation, climate, local Material-types & resources for the city.

Historic progression including development of the city over time. Emergence of religious core within the town and its impact on the shaping of the city.

Architectural Knowledge Systems including defense, royal, networks, water, sacred and educational system.

Study of built form including understanding the royal and public enclosures in the city, architectural language, skyline, building materials, construction techniques, issues and defining built heritage the people's perception.

Culture of the place

Traditional knowledge systems

Studies and Site survey at Neighborhood Level :

Demarcation of the study area of the Dargah Bazaar and Laxmi Street at Ajmer and Street from Brahma temple to Brahma Ghat at Pushkar

Open and built space relationship (organized and unorganized)

Hierarchy of roads and Street sections

Space hierarchy

क्षितिज

आर्किटेचरल टेपोलॉजी और उपयोग (भूमि के प्रयोग और उपयोग) के अनुसार विभिन्न संरचनाओं, स्थायी अस्थायी और संक्रमणकालीन का अध्ययन।

इमारत की उम्र के अनुसार विभिन्न संरचनाओं, निर्माण सामग्री, निर्माण तकनीक, प्रवेश द्वार, कॉलम, दरवाजे और खिड़कियां, मेहराब, रूपांकनों और अलंकरण, संरचनात्मक प्रणाली, नींव, देहली, सरदल, छतों, छत, रेलिंग आदि सहित वास्तुशिल्प तत्वों का अध्ययन ।

भवन / जटिल स्तर पर अध्ययन

ऐतिहासिक अजमेर में दरगाह बाजार में अढ़ाई दिन का झोपड़ा की संरचना का विस्तार से अध्ययन किया गया। परिसर के पुनरोद्धार के लिए रणनीति का प्रस्ताव।

प्रस्ताव

दरगाह बाजार और लक्ष्मी स्ट्रीट अजमेर तथा ब्रह्मा घाट, बह्मा मंदिर पुष्कर के संरक्षण के दिशा निर्देश।

महत्व का वक्तव्य।

अढ़ाई दिन के झोपड़ा के पुनरोद्धार के लिए प्रस्ताव।

संरक्षण स्टूडियो

सेमेस्टर तृतीय, अगस्त 2015 से दिसंबर 2015 , योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल

भीमबेटका के सांस्कृतिक परिदृश्य।

भीमबेटका पाषाण आश्रय पाषाण काल के एक पुरातात्विक स्थल, भारतीय उपमहाद्वीप पर मानव जीवन का जल्द से जल्द निशान प्रदर्शन और इस तरह के दक्षिण एशियाई पाषाण युग की शुरुआत कर रहे हैं। यह रायसेन जिले में मध्य प्रदेश, ओबेदुल्लागंज कस्बे के पास के भारतीय राज्य में और रातापानी वन्यजीव अभयारण्य के अंदर स्थित है। कम से कम आश्रयों के कुछ 1,00,000 से अधिक साल पहले होमो इरेक्टस द्वारा बसे हुए थे। पाषाण युग रॉक भीमबेटका पाषाण आश्रय के बीच पाया चित्रों में से कुछ लगभग 30,000 साल पुराने हैं। गुफाएं भी नृत्य के प्रारंभिक सबूत देने के लिए तत्पर हैं। इसे 2003 में एक विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया।

लक्ष्य और एक ज्ञान प्रणाली दृष्टिकोण के साथ सांस्कृतिक परिदृश्य की अवधारणा को समझने के लिए भीमबेटका और आसन्न गांवों के क्षेत्रीय स्तर के अध्ययन का संचालन इस प्रकार करने के लिए एक टिकाऊ भविष्य हेतु विरासत प्रबंधन रणनीति तैयार करते हैं।

संरक्षण स्टूडियो के उद्देश्य :

संरक्षण स्टूडियो III का उद्देश्य समस्याओं और सांस्कृतिक परिदृश्य से जुड़े मुद्दों का परिचय कराना है। इसलिए स्टूडियो के निम्नलिखित उद्देश्य हैंः–

क्षेत्रीय संदर्भ, ऐतिहासिक विकास को समझना।

महत्वपूर्ण क्षेत्र, वनस्पतियों और जीवों पर आपसी निर्भरता का सीमांकन।

Skyline

Study of various structures as per architectural typology and usage (land use and utilization), permanent, temporary and transitional.

Study of various structures as per age of the building, building material, construction techniques, architectural elements including entrance gateways, columns, doors and windows, arches , motifs and ornamentation, structural system, foundation ,sill, lintel, roofs , ceilings , parapet etc.

Studies at Building/ Complex Level

A detail study of the historic structure of Adhai Din ka Jhopda at Dargah Bazar at Ajmer were undertaken. Strategies for revitalization of the complex are proposed.

Proposals

Conservation guidelines for the Dargah Bazaar and Laxmi Street at Ajmer and Street from Brahma temple to Brahma ghat at Pushkar.

Statement of Significance.

Proposals for revitalization of Adhai Din ka Jhopda.

Conservation Studio

Semester III, Aug 2015 to December 2015, SPA Bhopal

Cultural Landscape of Bhimbetka.

The Bhimbetka rock shelters are an archaeological site of the Paleolithic, exhibiting the earliest traces of human life on the Indian subcontinent and thus the beginning of the South Asian Stone Age. It is located in the Raisen District in the Indian state of Madhya Pradesh, near Obedullaganj town and inside the Ratapani Wildlife Sanctuary. At least some of the shelters were inhabited by Homo erectus more than 100,000 years ago. Some of the Stone Age rock paintings found among the Bhimbetka rock shelters are approximately 30,000 years old. The caves also deliver early evidence of dance. They were declared a World Heritage Site in 2003.

To conduct regional level study of Bhimbetka and the adjacent villages to understand the concept of cultural landscape with a knowledge system approach and thus, prepare Heritage Management Strategy for a sustainable future.

Conservation Studio Objective :

The objective of the conservation studio III is to introduce the problems and issues confronting the cultural landscape. Hence the studio aims to build the following:

Understanding the regional context, the historic evolution.

Demarcation of significant region and mutual dependency on the flora and fauna.

वास्तुकला की शर्तों, क्षेत्र एवं भूमि सीमांकन, खुली जगह, क्षितिज, ऐतिहासिक लेयरिंग और स्थापत्य कला के अध्ययन के माध्यम से भूमि, पानी और संक्रमण सहित इंटरफेस के संदर्भ में वास्तुकला के अध्ययन को समझना।

इमारतों / साइटों की हालत की पहचान व प्रयोग।

पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के संबंधों और अमूर्त विरासत की पहचान करने हेतु स्थानों की संस्कृति को समझना।

महत्व का विवरण :

रखरखाव, प्रबंधन और संरक्षण के दिशा निर्देश

इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए, आवश्यक अध्ययन इस प्रकार हैं :

क्षेत्रीय स्तर पर अनुसंधान :

शहर, तहसील और गांव अधिकार क्षेत्र की सीमाओं को समझना।

स्थलाकृति (स्थान, ढलानों), वनस्पति, जलवायु, स्थानीय सामग्री–प्रकार और संसाधनों के लिए शहर सहित भूमि को समझना।

इस क्षेत्र की पहचान और गांवों, जंगलों की प्रशासनिक सीमाओं और इस तरह की भाषा का

अध्ययन, ऐतिहासिक क्षेत्रीय सीमाओं, वास्तु समानताएं / विशिष्टता आदि जैसे सीमांकन के लिए मानदंड।

प्रशासन, राजनीतिक प्रभाव, चिकित्सा सुविधाएं, बाजार (थोक/खुदरा), परिवहन, कला और शिल्प, धर्म सहित क्षेत्रीय परस्पर निर्भरता, त्यौहार, विवाह आदि।

जिला, गांव और वन क्षेत्रों में अंतर संबंध जोड़ने वाले संबंधों को समझना।

निपटान के पैटर्न और पिछले दशकों में रूपात्मक परिवर्तन को समझना।

जिला स्तर पर अध्ययन :

बस्तियों के स्थान और उनके अंतर निर्भरता को समझना।

जिलों में परिवहन के सार्वजनिक साधनों और पिछले दशकों में हस्तक्षेप के स्तर से गांवों तक पहुँच को समझना।

अध्ययन और पड़ोस स्तर पर साइट सर्वेक्षण :

ज्ञान प्रणालियों और स्वदेशी संसाधनों और वनस्पति–जीव–जंतुओं पर परस्पर निर्भरता को समझना।

सामाजिक–सांस्कृतिक संपर्क और लोगों के बीच प्रभाव को समझना।

बिल्डिंग स्तर पर अध्ययन :

आर्किटेचरल टेपोलॉजी और स्थानीय सामग्री का उपयोग समझ ।

ओपन और निर्मित अंतरिक्ष संबंध (संगठित और असंगठित)।

सड़कों और स्ट्रीट वर्गों के पदानुक्रम।

अंतरिक्ष पदानुक्रम।

प्रस्ताव :

महत्व का वक्तव्य।

संरक्षण के दिशा निर्देशों।

प्रबंधन योजना

Understanding the region in terms of architecture, site and plot boundaries, built and open spaces, skyline, interfaces including land and water and transitions.

Identification of function, use and condition of the buildings/site.

Understanding the culture of the place including its linkages of traditional knowledge systems and identifying the intangible heritage

Statement of Significance :

Maintenance, Management and Conservation guidelines

order to achieve this, the studies required are as under :

Research at Regional level :

Understanding city, tehsil and village jurisdiction boundaries.

Understanding the land including topography (location, Slopes), vegetation, climate, local Material-types & resources for the city.

Identification of the region and the criteria for demarcation like administrative boundaries of villages, forests and thus studying language, historical regional boundaries, architectural commonalities / distinctiveness etc.

Regional interdependency including administration, political influence, medical facilities, market (wholesale/retail), transportation, art and craft, religion, festivals, marriages etc.

Understanding the linkages connecting the districts, village and forest areas and inter relation of the above.

Understanding the settlement pattern and the morphological changes over the past decades.

Studies at District Level :

Understanding location of settlements and their inter dependency.

Understanding the accessibility to villages from the districts, public modes of transportation and the level of intervention over the past decades.

Studies and Site survey at Neighborhood Level :

Understanding knowledge systems and interdependency on the indigenous resources and flora-fauna.

Understanding the socio-cultural interaction and impact amongst the people.

Studies at Building Level :

Understanding the architectural typology and use of local materials.

Open and built space relationship (organized and unorganized).

Hierarchy of roads and Street sections

Space hierarchy

Proposals :

Statement of Significance

Conservation guidelines

Management Plan

थीसिस का उद्देश्य :

विकास और संरक्षण के माध्यम से संरक्षण परियोजनाओं या वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में विशेष ज्ञान प्राप्त करने का उद्देश्य।

थीसिस का मुख्य शैक्षणिक प्रयास और सभी जानकारी की परिणति और तकनीक पिछली छमाही में सीखी गई।

संरक्षण के किसी भी विषय से थीसिस का चयन होगा चाहे वह सैद्धांतिक, तकनीकी, प्रबंधन परिचालन या विषय हो।

डेटा संग्रह और प्राथमिक सर्वेक्षण के साथ–साथ कार्य करने की आशा है।

स्टूडियो की आवश्यकता के आधार पर यह आशा की जाती है कि वस्तोवजीकरण, विष्लेषण एवं कृतिम रचना जैसे विषयो पर एवं संबंधित कार्यों के माध्यम से कार्यवाई की जाती है। सुपरवाइजर के मार्गदर्शन पर विभागवार एवं समेस्टर पाठ्यक्रम पूर्ण किया जाता है। अंत में मौखिक परीक्षा आंतरिक एवं बाह्य परीक्षकों द्वारा ली जाती है।

प्रगतिशील मूल्यांकन सेमेस्टर के अंतराल पर समीक्षा के दौरान बाहरी और आंतरिक जूरी सदस्यों के एक पैनल द्वारा किया जावेगा।

थीसिस का जमा और डेफेन्स चित्र रिपोर्ट, अध्ययन सीटों, मोडल और डिजीटल प्रस्तुतियों और अन्त में मौखिक संचार के अध्ययन की समीक्षाओं के द्वारा होता है।

बैच 2014 – 2016 छात्रों के नाम और थीसिस का विषय :

क्र.	स्कालर नं.	छात्र का नाम	थीसिस का शीर्षक
01	2014 एमसीओ 001	आस्था खरे	महेश्वरी हथकरघा बुनाई की परम्परा का संवर्धन
02	2014 एमसीओ 003	कल्यानी रॉय	पश्चिम बंगाल के डेओल टेराकोटा मंदिर के लिए संरक्षण दिशानिर्देश
03	2014 एमसीओ 004	अवनी मिलिंद कुलकर्णी	चंद्रपुर किले का संरक्षण
04	2014 एमसीओ 005	शिवि जोशी	कलचुरी, रतनपुर, छत्तीसगढ़ स्पिट ताल तलैया संरक्षण नीति
05	2014 एमसीओ 006	अपूर्वा डांडे	अंबाला झील और रामटेक के मंदिर के लिए संरक्षण योजना
06	2014 एमसीओ 008	रितिका कपूर	लखनऊ और रचनात्मक शहर आर्ट ऑफ गेस्ट्रोनॉमी
07	2014 एमसीओ 010	सुकीर्ती गुप्ता	लखनऊ में खुले स्थान को पुनःस्थापित करने के लिए एक उपकरण के रूप में अवध के एतिहासिक उद्यान को समझना
08	2014 एमसीओ 011	देवकुमारी टी	लुचुआलिस्टिक लेंडस्केपः कलामेजूथ, केरला
09	2014 एमसीओ 012	उजमा खान	रस्मों की स्थानिक अभिव्यक्तिः सूफी दरगाह
10	2014 एमसीओ 014	मीरा जे जबनपुत्रा	मध्यप्रदेश के भील समुदाय की स्वदेशी वास्तु ज्ञान प्रणाली की निरंतरता
11	2014 एमसीओ 015	सिद्धार्थ सिंह जादोन	पुराने ग्वालियर, लखेरा गली का पुनरोद्धार का प्रस्ताव
12	2014 एमसीओ 016	अपूर्व भार्गव	नवाज कालीन भोपाल के ईंटों से किए निर्माण कार्य का संरक्षण दिशानिर्देश

Thesis objective :

The objective is to develop and acquire more specialized knowledge in the field of conservation through conservation projects or scientific research.

Thesis is the main academic effort and culmination of all information and techniques learnt in the preceding semesters.

Selection of thesis topic shall be from any aspect of Conservation whether theoretical, technical, management, operational or intervention.

It is expected to undertake original work including data collection and primary surveys

As part of the studio requirements, it is expected to go through a process of documentation, analyses and synthesis related to the specific topic and related area of work· It is required to work under the guidance of a supervisor allotted by the department and complete the requisite work in the course of the semester, ending in a viva-voce exam by a panel of examiners both external and internal.

Progressive evaluation would be done by a panel of external and/or internal jurors during reviews held at intervals during the course of the semester.

Submission and defense of the thesis through drawings, reports, study sheets, models and digital presentations and verbal communications in all the reviews and the final viva-voce.

Batch- 2014-2016: Student's name and thesis topics :

S.No	Scholar No	Name of student	Title of the thesis
1	2014 MCO001	AsthaKhare	Strengthening The Maheshwari Handloom Weaving Tradition
2	2014 MCO003	Kalyani Roy	Conservation Guidelines For Deul Temple Of Terracotta In West Bengal
3	2014 MCO004	AwaniMilind Kulkarni	Restoration of Fort Wall of Chandrapur
4	2014 MCO005	Shivi Joshi	Conservation Strategy For Taria's(Water Tanks) Of Kalchuri's At Ratanpur, Chhattisgarh
5	2014 MCO006	ApoorvaDandge	Conservation Plan For Ambala Lake And The Surrounding Temple, Ramtek
6	2014 MCO008	Ritika Kapoor	Lucknow As Creative City : Art of Gastronomy
7	2014 MCO010	Sukriti Gupta	Understanding Historic Gardens of AwadhAs A Tool For Restoring The Open Spaces In Lucknow
8	2014 MCO011	Devakumar T.	Ritualistic Landscape of *Kalamezuth Paatt* of Kerala
9	2014MCO012	Uzma Khan	Sufism: Spatial Manifestation of The Rituals Performed At The Sufi Sites - Dargaahs
10	2014 MCO014	Mira J. Jobanputra	Continuity of Indigenous Architectural Knowledge System of Bhil Community In Its original and Migrated Settlements In Madhya Pradesh
11	2014 MCO015	Siddharth Singh Jadon	Revitalization of LakheraGali, Old Gwalior
12	2014 MCO016	Apoorva Bhargava	Conservation guidelines for brickwork during *Nawabi* period of Bhopal

एम. आर्क. (लेण्डस्केप)
परिदृश्य डिजाइन स्टूडियो
प्रथम सेमेस्टर, एमएलए 0106 जुलाई–दिसम्बर 2015
स्टूडियो, परिदृश्य वास्तुकला के वैचारिक ज्ञान पर केन्द्रित अवधारणाओं के परिचय एवं विकास पर ध्यान केन्द्रित करता है।

पहले अभ्यास में, छात्रों को लगभग 6 एकड़ के समोच्चरेखित स्थल पर विशेषज्ञ के लिए एक कन्ट्री रिट्रीट डिजाइन करना था। स्थल के पैमाने को, छात्रों के स्थल डिजाइन एवं स्थानिक संगठन के प्राथमिक विचारों को चुनौती देने के हिसाब से, ध्यान से चुना गया था। स्टूडियो, सांसारिक बाधाओं से मुक्त, ताजा एवं मूल विचारों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया था।

दूसरा अभ्यास, एक सुंदर स्थल पर एक परिदृश्य इन्सर्ट डिजाइन करना था जो परिसर में छात्रों के स्वयं के उपयोग के लिए अभिप्रेरित एवं छात्रों के स्थल योजना एवं परिदृश्य डिजाइन के नए कौशल को चुनौती देना था। मुख्तसर, एक वैचारिक हस्तक्षेप की परिकल्पना थी जो कैम्पस के कैन्टीन के पास ऐसे क्षेत्र में थी जहाँ सब का आना जाना था। यह अभ्यास, उन स्थलों में डिजाइन कौशल विकसित करने के लिए था जिन्हें एकाधिक उपयोगकर्ताओं एवं विशेषताओं ने जटिल बना दिया था।

जैसे जैसे स्टूडियो आगे बढ़ा, एक तीसरा परिदृश्य डिजाइन अभ्यास, एक खेल क्षेत्र 8 से कम के बच्चों के लिए प्रस्तावित किया गया जो छात्रों को पार्श्ववत एवं विविध उपयोगकर्ताओं के लिए उनकी सोचने की क्षमता का विकास करने के लिए था। यह अभ्यास, जो कि बच्चों के लिए था, छात्रों को प्रारंभिक और मध्य बचपन में विकास के चरणों के बारे में सीखने और तत्वों और संगठनों की एक परिदृश्य शब्दावली सीखने के साथ समापन हुआ। इस प्रकार स्टूडियो संकाय द्वारा, प्रथम सेमेस्टर के छात्रों को परिदृश्य डिजाइन की अनावृत्ति प्रदान करने के लिए, धीरे–धीरे जटिलता के स्तर में वृद्धि के साथ तीन अभ्यासों का उपयोग किया गया।

लेंडस्केप डिजाइन स्टूडियो–2 (शहरी स्केल)
जबलपुर में ऐतिहासिक शहरी जल निकायों के आसपास परिदृश्य डिजाइन :
स्टूडियो समन्वयक : *सविता राजे,* एसोसिएट संकाय : *सोनल तिवारी*

एक पूर्व अध्ययन दौरा कार्य 5 – 10 दिसंबर 2014 के दौरान आयोजित किया गया ताकि छात्र सूचित व्यक्तियों के रूप में स्थल का दौरा करें। जबलपुर का अध्ययन दौरा (स्थल की पढ़ाई के लिए) अमरकंटक एवं कान्हा नेशनल पार्क के साथ संदर्भ को समझने के लिए 11–19 दिसंबर 14 तक हुआ। स्थल के अध्ययन में मैक्रो से माइक्रो दृष्टिकोण, समस्त शहर की यात्रा से दो ऐतिहासिक जल निकायों सुपाताल (गोंड की अवधि) एवं हनुमानताल (मराठा अवधि) तक आना शामिल था। दोनों स्थलों पर निम्नलिखित पर्यवेक्षण रिकॉर्ड किये गए।

सर्वे ऑफ इंडिया के विशेषज्ञ एवं रेखाचित्र, चित्र, तस्वीरों एवं विडियो के साथ पानी की धार तथा अर्बन एज से जल स्रोत का टोटल स्टेशन सर्वेक्षण।
जल स्रोत की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धारणाओं के जवाब के लिए निवासियों का साक्षात्कार।

M. Arch. (Landscape)

Landscape Design Studio

1st Semester , MLA 0106 July-Dec 2015

The studio focused on introducing and developing concepts centered on the domain knowledge of Landscape Architecture.

In the first exercise, students were required to design a country retreat for a connoisseur, over a contoured site of 6 acres approximately. The scale of the site was carefully chosen in order to challenge the student's a priori ideas regarding site design and spatial organization. The studio was encouraged to develop fresh and original ideas free of mundane constraints.

The second exercise was to design a landscape insert on a scenic site intended for student's own use on campus and challenged the students with newly acquired skills of site planning and landscape design. The brief envisaged a conceptual intervention, near the campus canteen in an area well frequented by everyone. This exercise focused on developing design skills in sites made complex by multiple users and attributes.

As the studio progressed, a third landscape design exercise, a Play area for children under 8 was introduced, for students to expand their capacity to think laterally and for diverse users. This exercise culminated with the students learning about development stages in early and middle childhood and learning a landscape vocabulary of elements and organizations, intended for children. Thus, the studio faculty used three exercises with gradually increasing levels of complexity in order to provide landscape design exposure to 1 st Semester students.

Landscape Studio-II (Urban Scale)

Landscape Design around historic urban waterbodies at Jabalpur :

Studio Co-ordinator: Savita Raje, Associated Faculty: Sonal Tiwari

A Pre-study tour work from 5-10 Dec-14 was conducted so that the students visit the site as informed persons. The study tour to Jabalpur (for site studies) happened from 11th to 19th Dec'14 including Amarkantak and Kanha National Park for understanding the context. The site studies included the macro to micro approach, from the visit of the entire city, zooming down to two historic water bodies, viz. Supataal (Gond period) and Hanumantaal (Maratha period). The following site observations were recorded at both the sites:

Interviews of the residents responding to the water body/ cultural and historical perceptions.

Identification and study of the trees, shrubs and ground covers at the water edge and the urban edge with a resource person from the State Forest research institute.

राज्य वन अनुसंधान संस्थान के विशेषज्ञ के साथ, वृक्षों, झाड़ियों और पानी के किनारे तथा अर्बन एज पर जमीन के कवर की पहचान एवं अध्ययन।

पोस्ट स्थल अध्ययन दौरा कार्य में, विभिन्न परतों के माध्यम से परिदृश्य को समझने के रूप में डेटा एवं टिप्पणियों का समेकन करना था। स्थल के अध्ययन के बाद परिदृश्य के डिजाइन में बनी, स्थल विश्लेषण और निष्कर्ष की ड्रॉइंग हुई। कक्षा को दो समूहों में बाँटा गया था, एक सूपाताल पर एवं दूसार हनुमनताल पर कार्य कर रहे थे। स्टूडियो, विवरण और रोपण योजना के साथ, दोनों शहरी जल निकायों के लिए डिजाइन योजना की प्रस्तुति में समापन हुआ।

लेंडस्केप डिजाइन स्टूडियो–3 (क्षेत्रीय स्केल)

परिदृश्य प्रबंधन एवं ओम घाटी की संरक्षण योजना, मध्य प्रदेश

स्टूडियो समन्वयक : *प्रो. सविता राजे*

एसोसिएट संकाय : *सोनल तिवारी एवं श्रीकांत भोले*

ओम घाटी, भोपाल के दक्षिण में एक क्षेत्र है, जहाँ एक विशाल घाटी संस्कृत के पत्र ओम जैसी पहाड़ियों की एक श्रंखला द्वारा निहित है और जहाँ से घाटी को उसका नाम मिला है। इस घाटी में कई ऐतिहासिक स्थल जैसे भोजपुर, आशापुरी, विश्व विरासत स्थल (सांस्कृतिक) भीमबैठिका गुफाएं, वन्य जीव अभ्यारण्य एवं आरक्षित वनों के साथ अत्यधिक ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और वन परिदृश्य है। घाटी में कुछ कस्बे भी जैसे – मण्डीदीप, औबेदुल्लागंज, गौहरगंज आदि एवं कठोतिया गाँव की ईकोटूरिज्म साइट के साथ कुछ गाँव भी घाटी में आते हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग 12 इस घाटी से निकलता है एवं भोपाल शहर भी इसका तेजी से विस्तार कर रहा है। कुछ नदियाँ एवं जल निकाय भी इस घाटी से होकर निकलते हैं, जहाँ, राजा भोज द्वारा निर्मित ऐतिहासिक सागर ताल एक बार अस्तित्व में था। ये सभी नदियाँ एवं जल निकाय बेतवा नदी में मिलते हैं।

परिदृश्य स्टूडियो का उद्देश्य, इस नाजुक परिदृश्य एवं दिशा निर्देशों और संरक्षण और ओम घाटी के प्रबंधन की दिशा में सिफारिशों की एक श्रंखला का निर्माण करना था ताकि इसकी पर्यावरणीय विशेषता को, भविष्य के लिए बरकरार रखा जा सके। इस क्रिया में, ऐतिहासिक परिदृश्य का अध्ययन, इसका सांस्कृतिक प्रसंग, महत्वपूर्ण घटक, सीमाओं को परिभाषित, परिदृश्य में महत्वपूर्ण घटकों को परिभाषित, मानव संचालन कोरिडोर, विकास और प्रशासनिक नियंत्रण, भूवैज्ञानिक संरचना, हाइड्रोलॉजिकल संरचना, वनस्पति एवं जीव, आधार नक्शे की तैयारी, सभी परतों के अतिव्यापी द्वारा निष्कर्ष, विकास के दिशा–निर्देशों को ईजाद करना एवं आगे का रास्ता। LMPP (परिदृश्य प्रबंधन और संरक्षण योजना) ओम घाटी के लिए एक समूह कार्य था।

The post site study tour work included the consolidation of the data and observations in the form of drawings and understanding of the landscape through various layers. The site studies were followed by Site analysis and the drawing of inferences, culminating in the design of the landscape.

Total station survey with resource person from Survey of India and site observations through sketches, drawings, photographs and videos of the water edge and urban edge to the water body. The class was divided into two groups, one working on Supatal and the other on Hanumantal. The studio culminated into presentation of the design schemes for both the urban water bodies, along with details and planting plan.

Landscape Studio-III: (Regional Scale)
Landscape Management and Protection Plan of Om Valley, Madhya Pradesh
Landscape Studio Co-ordinator: *Prof. Savita Raje*
Associate faculty: *Sonal Tiwari and Shrikant Bhale*

Om valley is a region towards the south of Bhopal, where a vast valley is contained by a range of hills resembling the Sanskrit letter OM and from which the valley gets its name. This valley has intense historic, cultural and forest landscapes, including a number of historic sites viz. Bhojpur, Ashapuri, World Heritage sites (cultural) of Bhimbaithika caves, Wildlife sanctuaries and reserved forests. The valley also holds some towns like the industrial township of Mandideep, Obeidullaganj, Gauharganj, etc and a number of villages including the ecotourism site of Kathotiya village. National Highway 12 cuts through the valley and the city of Bhopal is fast expanding into it. A number of rivers and rivulets, water bodies run through/ dot this valley, where, the historical Sagar taul built by Raja Bhoj once existed. All these rivers and rivulets empty into the Betwa River.

The Landscape studio involved in the complete study of this fragile landscape and to build up a series of guidelines and recommendations towards the protection and management of the Om Valley, to retain its environmental quality for the future. The process included the study of the historic landscape, its cultural context, important components, defining the boundaries, defining the important players in the landscape, Human movement corridors, developmental and administrative controls, geological structure, hydrological structure, Flora and fauna, preparation of the base map, inferences drawn by overlapping of all layers, devising of the development guidelines and way forward. LMPP (Landscape management and Protection Plan) for Om Valley was a class (group) exercise.

छात्रों द्वारा निम्नलिखित विषयों पर एमएलए थीसिस पूर्णः

क्र.	छात्र संख्या	छात्र का नाम	विषय
1	2014एमएलए001	तनु	परिदृश्य डिजाइन के माध्यम से अस्पतालों में एक चिकित्सा वातावरण की प्रेरणा
2	2014एमएलए002	श्रुति सुभाष हिप्पलगोअंकर	लोनार क्रेटर के माध्यम से परिदृश्य वास्तुकला की पहचान बढ़ाना
3	2014एमएलए003	अंचल नरेश अग्रवाल	नाग नदी का कायाकल्प, नागपुर शहर
4	2014एमएलए004	सोनू बदन बोथे	महाराष्ट्र के केन्द्रीय अर्ध शुष्क क्षेत्र के लिए जल प्रबंधन योजना
5	2014एमएलए005	तनवी सुधीर देशपांडे	रुद्रप्रयाग का मामलाः हिमालय क्षेत्र में संवेदनशील स्थलों को विकसित करने के लिए परिदृश्य हस्तक्षेप
6	2014एमएलए006	अदिति सुधीर गलांडे	बीदर में ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण के लिए परिदृश्य योजना
7	2014एमएलए007	राहुल खंडेलवाल	चित्तौड़गढ़ किले के परिदृश्य के अनुभव को बढ़ाने के लिए शहर के माध्यम से संपर्क किया गया
8	2014एमएलए009	हरपाले सरवारी मिलिंद	आलंदी की योजना व एतिहासिक विरासत
9	2014एमएलए010	आकांक्षा वर्मा	बच्चों के खेल के लिए
10	2014एमएलए011	पशयंती रूपकला	कैंसर रोगियों के स्वास्थ्य लाभ हेतु अस्पतालों का वास्तुकला परिदृश्य
11	2014एमएलए013	श्वेता आनंद	गंडक नदी तट का पुनरोद्धार, हाजीपुर, बिहार
12	2014एमएलए014	दीपाली सोनी	खाद्य शहरी परिदृश्यः भोपाल में शहरी कृषि डिजाइन दिशा निर्देशों के लिए एक खोज
13	2014एमएलए016	इधा शर्मा	तीर्थयात्रा मार्गों में परिदृश्य अनुभव को बढाना
14	2014एमएलए017	अप्रे नेहा शशिकांत	एक शहरी संदर्भ में विरासत स्थल का पुनरोद्धार
15	2014एमएलए018	रक्तिम साहा	परिदृश्य उत्थान और टिकाऊ स्ट्रीटस्केप के माध्यम से द्वारका के शहरी क्षेत्र में हस्तक्षेप

The students have successfully completed their MLA Thesis on the topics as listed below:

S.No.	Scholar No.	Name	Topics
1	2014MLA001	Tanu	Induction of a healing environment in hospitals through landscape design
2	2014MLA002	Shruti Subhash Hippalgaonkar	Enhancing the identity of Lonar Crator through landscap designing
3	2014MLA003	Anchal Naresh Agrawal	Rejuvenation of Nag River Corridor, Nagpur city
4	2014MLA004	Sonu Baban Bothe	Water management plan for the central semi-arid region of Maharashtra
5	2014MLA005	Tanvi Sudhir Deshpande	Landscape intervention for developing vulnerable sites in lesser Himalayan region: a case of Rudraprayag
6	2014MLA006	Aditi Sudhir Galande	Creation of Open Space Network To Improve The Quality of Urban Environment In The Walled City of Bidar
7	2014MLA007	Rahul Khandelwal	To enhance the landscape experience of Chittorgarh fort as approached through the city
8	2014MLA009	Harpale Sarvari Milind	Reviving the heritage setting of Alandi
9	2014MLA010	Aakanksha Verma	Design for Children's' play
10	2014MLA011	Pashyanti Rupakula	Therapeutic landscapes of convalescent homes for cancer patients
11	2014MLA013	Shweta Anand	River front revitalization of Gandak river, Hajipur, Bihar
12	2014MLA015	Deepti Soni	The Edible Urban Landscape: An Exploration for Urban Agriculture design guidelines in Bhopal
13	2014MLA016	Ms. Idha Sharma	Enchancing The Landscape Experiences In The Pilgrimage Routes
14	2014MLA017	Apre Neha Shashikant	Revitalization of the heritage place in an urban context
15	2014MLA018	Mr. Raktim Saha	Landscape upliftment and intervention in the urban precinct of Dwarka through sustainable streetscape

अभिकल्प शिल्पकक्ष की रिपोर्ट

एम. आर्क. (शहरी डिजाइन)

पहली छमाही

अभिकल्प शिल्पकक्ष – 1

स्नातकोत्तर वास्तुकला (शहरी अभिकल्प)

सत्र जुलाई – दिसम्बर, 2015

अवधि – 20 अगस्त – 27 अगस्त, 2015

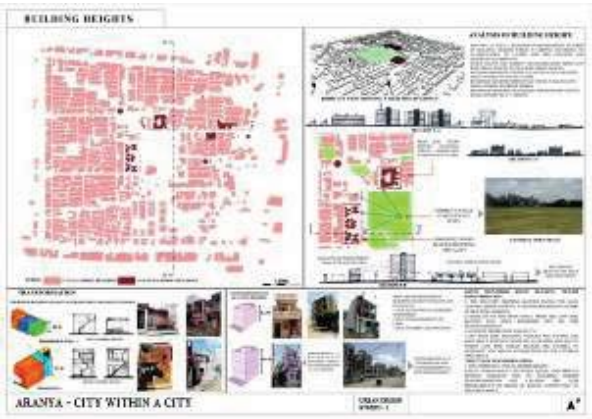

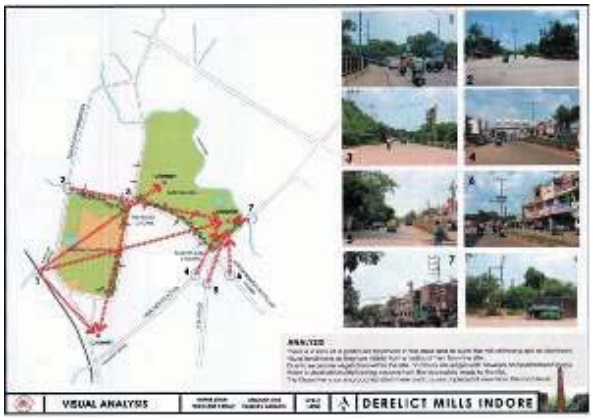

शहरी अभिकल्प पहली छमाही के आरंभिक शिल्पकक्ष के लिए इन्दौर शहर को एक स्थल के रूप में लिया गया था। स्टूडियो करने के लिए अभिकल्प की प्रक्रिया की जटिलताओं को उजागर करके उनमें शहरी अभिकल्प के दायरे को लागू करना स्टूडियो का उद्देश्य था। एक शहर के रूप में इन्दौर की विभिन्न भौतिक, सामाजिक, आर्थिक भूमिका की समझ पैदा करने के लिए चयन किया गया था और शहर के भीतर आधारभूत संरचनात्मक घटकों को छात्रों ने इन्दौर में दिये गये साइटों की जाँच पड़ताल कर, स्वतंत्र रणनीतियां प्रस्तावित की और निम्नलिखित साइटों का चयन किया गया :

शहर में एक नदी : स्टूडियो ने शहर को जोड़ने के लिए नदी को एक तत्व के रूप में देखा। शहर और नदी के बीच के संबंधो का गंभीर विश्लेषण कर स्टूडियो ने क्षेत्रों को प्रमाणित कर हस्तक्षेप किया कि नदी शहर के साथ संलग्न है।

एक शहर के भीतर एक शहर : अरान्या, टाउनशिप शहर के भीतर शहर बी.वी. दोशी के द्वारा डिज़ाइन की गई है। कैसे पेरन्ट शहर अब नयी बस्ती के साथ नये संबंध स्थापित कर रहा है, लघु शहर का पुनः नियोजन और समीक्षकों द्वारा समय में अधिक विश्लेषण करने का उद्देश्य था।

शहर में एक चिह्न : बंद मिल की भूमि, इन्दौर में शहरी विकास के लिए प्रमुख चिन्ता का विषय है। इस तरह बड़े शहर और मिल्स मृत बन गये, शहरों से मिलों का रिश्ता बदल गया। शहरी डिजाइन स्टूडियो ने यह अनुभव किया कि शहर और मिल की भूमि को लगातार सम्पर्क में होने की आवश्यक्ता है।

Design Studio

M. Arch. (Urban Design)

First Semester

Design Studio-I

Master of Architecture (Urban Design)

Session July-Dec 2015

Duration of Visit: 20 August – 27 August, 2015

For the introductory studio of the urban design first semester, city of Indore was taken as site. The objectives of the studio were to introduce the studio to the realm of urban design by exposing them to the complexities of the design process. Indore as a city was selected in order to instill an understanding of the role of various physical, social, economic and infra structural components within the city. Students explored the given sites in Indore through an examination, analysis ultimately proposing the independent design strategies.

The following three sites were selected:

A River in the City : The studio looked at river as knitting element of the city. Critically analyzing the relationship between the river and the city, studio demonstrated intervention areas that engages river with the city.

A city within a City : Aranya, a township designed by B.V. Doshi is a city within a city. The objective was to revisit this miniature city and critically analyze the settlement growth over the period of time and how the parent city has now reestablished new relationship with the settlement.

An Icon in the City : Derelict mill lands in Indore are major concern for urban development. As the city grew and mills became defunct, it changed the iconic relationship of the mills to the city urban. This urban design studio looked at that relationship where city and mill land need to be constantly engaged in dialogue.

एम. आर्क. (शहरी डिजाइन)

एम. ए. यू. डी. डिजाइन स्टूडियो (शहरी नेटवर्क और सिस्टम)

2015 द्वितीय छमाही कार्यक्रम

संकाय : *वास्तुकार पियूष हजेला, वास्तुकार गायत्री नंदा*

मदुरै के समकालीन महत्व को जोड़ती एक दैवीय रूप से उत्पन्न साइट जिसका इतिहास तीसरी सदी ईसा पूर्व के रूप में अपनी धार्मिक प्रमुखता लिये हुए है एवं अगले पाँच वर्षों में 98 स्मार्ट शहर बनाने के लिये भारत एक नए शहरों का एजेंडा, इन दोनों को शहरी डिजाइन स्टूडियो में लिया गया है। बैगाई नदी के किनारे पर स्थित, यह सबसे पुराने बसे हुए शहरों में से एक है। बहुलता का शहरी घटक – इसकी ऐतिहासिकता, संस्कृति, सामाजिक वैश्विक प्रभाव मामले एक आदर्श भारतीय शहरों की जटिलता को समझने के लिए है। दोनों एक दैवीय रूप से उत्पन्न साइट के रूप में अपने धार्मिक महत्व के शहर मदुरै के समकालीन महत्व को जोड़ती है और अगले पाँच वर्षों में 100 स्मार्ट शहर बनाने के लिए जगत में इस शहर की महत्वपूर्ण धरोहर माना जाता है। (इतिहास काल – निर्धारित तीसरी सदी ईसा पूर्व) और अलग – अलग समय पर pandyou chotas मदुरै सल्तनत, विजय नगर राज्य, मदुरै नायक, Caratic साम्राज्य और ब्रिटिश द्वारा शासन किया गया।

JNNURM योजना की PEARL पहल के तहत शहर को एक विरासत के रूप में घोषित किया गया था। वैगई नदी के किनारे पर स्थित, मदुरै दुनिया में सबसे पुराने बसे हुए शहरों में से एक है। जिसका रोम और ग्रीस के साथ व्यापार संबंध था। जल निकायों के साथ सजी इसकी तीन पहाड़ियां सीमा के रूप में, शहर में प्रचुर मात्रा में भूमि की प्राकृतिक परतें समझने के लिए गुंजाइश प्रदान करती हैं। इस स्टूडियो का उद्देश्य मदुरै शहर को व्यवस्थित शहर बनाने में है। यह स्टूडियो एक शहर में विभिन्न शहरी अभिनेताओं के संगठन पर ध्यान केंद्रित करता है। उदाहरण के रूप में लोगों, समूहों, समाज, प्राधिकारी इत्यादि। नेटवर्क के निर्माण के विकास की प्रक्रिया पर शहर के अंतर्गत दोनो भौतिक और अभौतिक प्रकृति पर जोर दिया गया है । स्टूडियो के अंत में शहरी डिजाइन परियोजनाओं में शहर स्तर के हस्तक्षेप की जटिलताओं को समझने के लिए छात्रों को तैयार किया गया।
स्नातकोत्तर वास्तुकला (शहरी डिजाइन)

स्नातकोत्तर वास्तुकला (शहरी डिजाइन)

2015 तृतीय छमाही कार्यक्रम

संकाय : वास्तुकार पियूष हजेला, वास्तुकार कर्णसेन गुप्ता

स्टूडियो ने सुधार पर ध्यान केंद्रित कर अभ्यास किया। इस स्टूडियो ने शहर में शहरी नवीकरण, सामाजिक धार्मिक संरचना का डिजाइन का इंटरवेशन के माध्यम से पता लगाया।

टीटी नगर की साइट चयन की गई जो भोपाल का उत्तरी क्षेत्र है।

टीटी नगर का पुर्नघन्वीकरण क्षेत्र चिंता का विषय था और भोपाल के उत्तरी क्षेत्र में शहरी ट्रांसफॉर्मेशन

M. Arch. (Urban Design)

M.A.U.D. - Design Studio (Urban Networks & Systems)

2015 Second Semester Program

Faculty : *Ar. Piyush Hajela, Ar. Gayatri Nanda*

The contemporary significance of Madurai combines both its religious prominence as a divinely originated site whose recorded history dates back to 3rd century BCE and its introduction in India's new urban agenda to create 98 smart cities in the next five years for which it was taken up in the city studio. Located on the bank of River Vaigai, it is one of the oldest continuously inhabited cities. The multiplicity of the urban components- its historicity, culture, socio-political patterns, economic dynamism, ecological, environmental and global influences provided an ideal case for understanding the complexity of Indian cities. The contemporary significance of the city of Madurai combines both its religious prominence as a divinely originated site and its introduction in India's new urban agenda to create 100 smart cities in the next five years. A complex microcosm in itself, this city is believed to be of significant antiquity (recorded history dating back to 3rd century BCE) and has been ruled, at different times, by the Pandyas, Cholas, Madurai Sultanate, Vijayanagar Empire, Madurai Nayaks, Carnatic kingdom, and the British.

The city had also been declared as heritage city under the PEARL initiative of the JNNURM scheme. Located on the banks of River Vaigai, Madurai is one of the oldest continuously inhabited cities in the world which had trade links with Rome and Greece. Adorned with water bodies and having 3 hills as its city boundary, the city also provides abundant scope to understand the natural layers of the land. This Studio aims at creating a systematic view of the city of Madurai. This studio focuses on organization of various urban actors in a city, e.g. people, groups, society, authorities. It stresses on evolutionary process of creation of networks within city of both physical and non-physical nature. At the end of the studio students shall be equipped to understand kind of complexities to be addressed in city level intervention urban design projects

Master of Architecture (Urban Design)

2015 Third Semester Program

Faculty : Ar.Piyush Hajela, Ar. Karna Sengupta

The studio exercise focused on regeneration. Urban renewal, socio-religious structure in the city to be explored in this studio through design intervention.

The Site was selected in T.T Nagar which is northern region of Bhopal.

The Area of Concern was Re-densification of T.T Nagar – and Urban transformations in the

(क्षेत्र लगभग अयोध्या बाई पास) स्टूडियो शहरी परिदृश्य के दो क्षेत्रों को देखेगा : पुर्नघनत्वीकरण प्रक्रिया और शहरी विकास टीटी नगर क्षेत्र के चारों ओर एवं शहरी विकास परिदृश्य भोपाल के उत्तरी भाग के साथ हवाई अड्डे के विकास से प्रभावित है। छात्र समूह दो समूहों में विभाजित होंगे स्थानिक प्रतिक्रियाएं और हितधारक समझ के अलावा सामाजिक सर्वेक्षण पर विचार करेंगे।

शहरों के क्षेत्रों में शहरी परिवर्तनों पर ज्यादा प्रभाव शहरी डिजाइन स्टूडियो से निहित है और इसके प्रभाव जो कि साइट अध्ययन और सर्वेक्षण पर आधारित एक विश्लेषणात्मक रूपरेखा का गठन किया गया था स्टूडियो अभ्यास छात्रों को निम्नलिखित दिये गये थे :

साइट और संदर्भ को समझने और प्रस्तुति के काम का उत्पादन करने के लिए उपयुक्त ।

एक विश्लेषणात्मक रूपरेखा, संदर्भ और क्षेत्र के विश्लेषण के लिए उपकरण बनाने।

एक शहरी डिजाइन रणनीति और कार्यक्रम विकास गठन (गुणात्मक और मात्रात्मक)

स्थानिक विकल्प विकसित करने और उनकी उपयुक्तता का मूल्यांकन।

विकास के परिदृश्यों को अंतिम रूप देना।

डिजाइन हस्तक्षेप क्षेत्र का ब्यौरा।

स्नातकोत्तर वास्तुकला (शहरी डिजाइन)

थीसिस छमाही, चतुर्थ सेमेस्टर कार्यक्रम

शहरी डिजाइन थीसिस छात्रों के साथ शहरी डिजाइन में स्वतंत्र अनुसंधान प्रारंभ करने के लिए एक अवसर प्रदान करता है। इसके अलावा ग्रेजुएटों को एक उन्नत स्तर पर शहरी डिजाइन के सिद्धान्त को लागू करता है। शहरी सेटिंग्स की एक किस्म उत्पन्न प्रस्तावों और जटिल शहरी डिजाइन समस्याओं के समाधान और शहरी डिजाइन प्रस्ताव की क्षमता का प्रदर्शन है। यह थीसिस शहरी डिजाइन के विषय पर एक आत्म निर्देशित अन्वेषण है जो एक अनुसंधान थीसिस के रूप में परीक्षा के लिए जमा किया जा सकता है अथवा एक लिखित डिजस्टेशन का डिजाइन प्रस्ताव है। जो अंतिम समीक्षा के लिए एक बाहरी जूरी प्रस्तुत कर रही है। जहां छात्र समकालीन शहरी डिजाइन सिद्धांत के संदर्भ में उनके काम की उम्मीद कर रहे है और उनके शोध निष्कर्ष की सुरक्षा हेतु अथवा डिजाइन प्रस्ताव समकालीन शहरी डिजाइन सिद्धांत के साथ छात्र लिखित मास्टर थीसिस को स्वतंत्र रूप से पूरा करेंगे। इस प्रक्रिया में वे स्वयं विकास करेंगे और अपने दृष्टिकोण से संबंधित अवधारणा, योजना अथवा थीम डिजाइन से अपने शोध वे तैयार करेंगे । छात्र स्वयं से विषय को चयन करेंगे और एक अनुसंधान प्रस्ताव विकसित करेंगे।

northern region of Bhopal – (Area around Ayodhya by pass). The studio would look into two areas of urban scenarios: Re-densification process and urban development around T.T Nagar area and urban development scenario in the northern part of Bhopal with influences from the airport development, by pass road and newer connections to the city core. The student groups would be divided into two groups. Spatial responses would also consider social surveys and stakeholder understanding.

The urban design studio lies its major emphasis on urban transformations in areas of cities and its impact thereof. Emphasis was made forming an analytical framework based on the site study and survey. The studio exercises were given to students upon broadly the following emphasis:

Understand the site and context and appropriate presentation to produce the work.
Forming an analytical framework and tool for analyzing the context and the area.
Forming a urban design strategy and program development (Qualitative and quantitative).
Developing spatial options and evaluating their appropriateness.
Finalizing development scenarios.
Detailing the design intervention areas.

Master of Architecture (Urban Design)
Thesis Semester, Fourth Semester Program

The Urban Design thesis provides students with an opportunity to undertake independent research in urban design, also enabling graduates to apply principles of urban design at an advanced level; generate proposals and solutions to complex urban design issues in a variety of urban settings; and demonstrate an ability to critique urban design propositions. This thesis is a self-directed exploration of an urban design topic of the students' choice, which may be submitted for examination in the form of a Research Thesis Alone OR a Written Dissertation, Plus a Design Proposal. Both types of products are presented to an external jury for final review where students are expected to position their work in the context of contemporary urban design theory and to defend their research conclusions and/or design propositions with context to application of the contemporary urban design theory. The students will work on and complete the written master thesis independently. In the process, they will develop their own position and viewpoint with regard the concept-, planning-, or design-oriented theme that they have drawn from their research and practical experience.

(डिजाइन के द्वारा पूछताछ बाहर की जा सकती है और शोध के तरीके द्वारा) और अंततः एक डिजाइन में निष्कर्ष अथवा एक लिखित थीसिस और उन्नत स्तर के ज्ञान के विषय क्षेत्र शहरी डिजाइन में प्राप्त करने के लिए संगत करना चाहिए। यह शोध अथवा अनुप्रयोग उन्मुख हो सकता है। काम का स्कोप दिखना चाहिए कि एक समाधान तक कैसे पहुंचा जा सकता है। मास्टर की थीसिस एक थीम पर होनी चाहिए ताकि एकीकृत योजना के आधार पर रणनीतिक अवधारणा जनरेट की जा सके और डिजाइन पर आधारित निर्माण स्थानिक परिणाम तक पहुंचा जा सके। छात्रों द्वारा दी गई प्रस्तुति मास्टर की थीसिस वैज्ञानिक थीम पर डिजाइन आधारित होनी चाहिए।

छात्रों द्वारा निम्नलिखित विषयों पर एमयूडी थीसिस पूर्ण :

क्र.	छात्र सं.	छात्र का नाम	थीसिस का विषय
01	2014 एमयूडी 001	पारूल व्यास	शहरी ध्रुवीकरण : दंगा प्रभावित प्रकरण, अहमदाबाद
02	2014 एमयूडी 002	प्रजक्ता सतीश भाट	आंतरिक शहर का शहरी पुनर्विकासः मंडई, पुणे
03	2014 एमयूडी 005	अश्भा तसनीम	एम.ओ.जी. लाइन्स की एक समावेशी शहरी क्षेत्र– पुनर्विकास के माध्यम से खंडित शहरी वातावरण का एकीकरण, इंदौर
04	2014 एमयूडी 006	कुलकर्णी तेजश्री मोहन	नदी के साथ सार्वजनिक दायरे का पुनर्गठन, पुणे
05	2014 एमयूडी 007	श्वाति मधुकर बहले	पेरी शहरी क्षेत्रों में समावेशी विकासः पेरी शहरी टाउन पुनर्गठन
06	2014 एमयूडी 008	नीलम नरवरिया	मिलों की भूमि का कायाकल्प, अहमदाबाद का प्रकरण
07	2014 एमयूडी 009	प्रियंका गायन	कलकत्ता के परिवर्तित औपनिवेशिक केन्द्र के स्थानों की समझ को पुनर्परिभाषित करनाः धरमताला का प्रकारण
08	2014 एमयूडी 011	कीर्ति वर्मा	कठपुतली कालोनी, दिल्ली में निर्माण शैली एवं समुदाय की पहचान के मध्य संबंध
09	2014 एमयूडी 012	कल्याणी केशवराव वानखेड़े	समुदाय के पुनर्विकास के लिए एक दृष्टिकोण के रूप में क्रिएटिव सिटी – आंतरिक नागपुर का प्रकरण
10	2014 एमयूडी 013	खान उसामा	पुराने स्थानों की जगह नये स्थान लेना, भोपाल का प्रकारण
11	2014 एमयूडी 015	आयुषि अग्रवाल	एक लचीला समुदाय एवं शहरी सिस्टम के रूप में गुवाहाटी की पहाड़ियों की संरचना
12	2014 एमयूडी 016	केशव योगिता सुभाष	शहरी और प्राकृतिक प्रणालियों की उभरती हुई एकीकृत उपनगरीय परिदृश्य की संरचना
13	2014 एमयूडी 017	आकांक्षा कटारे	महाराज बाड़ा का पुनर्गठन : वाणिज्यिक केन्द्र का निर्माण, ग्वालियर
14	2014 एमयूडी 018	राजीव पराशर	सांस्कृतिक राजधानी मथुरा का स्वरूप संरक्षण के माध्यम से सांस्कृतिक संरक्षण
15	2014 एमयूडी 019	रोहनी पिन्निका	पैदल चलने योग्य शहरी मार्गों का डिजाइनः हैदराबाद का प्रकरण
16	2014 एमयूडी 020	सालुंके रोहित अनिल	जल उत्तरदायित्व शहरीकरणः औरंगाबाद

The students will choose the theme themselves develop a research proposal on it (the enquiry might be carried out by design or by research methods) and eventually concluding in a design or a written thesis and it should correspond to the advanced level of knowledge gained in the subject area Urban Design. It may be research or application-oriented. The scope of work should include showing how a solution can be reached. The master's thesis should be based on a theme that generates integrated planning-based, strategic-conception and/or design-based constructional-spatial results. The thesis presentation given by the students should place the theme of the master thesis in a scientific, design-based context.

The students have successfully completed their MUD Thesis on the topics as listed below :

S.No.	Scholar No	Name of Student	Thesis Topic
01	2014MUD001	Parul Vyas	The Urban Polarisation : Case of Riot Affected Ahmedabad
02	2014MUD002	Prajakta Satish Bhat	Urban Redevelopment in the city core :Mandai, Pune
03	2014MUD005	Ashba Tasneem	Integrating Fragmented Urban environments through an inclusive urban realm- Redevelopment of M.O.G. Lines, Indore.
04	2014MUD006	Kulkarni Tejashree Mohan	Restructuring Public Realm with River as a Spine- Case of Pune
05	2014MUD007	Swati Madhukar Bahale	Inclusive Development In Peri-urban Areas: Restructuring the Peri-urban Town, Uran Navi Mumbai
06	2014MUD008	Neelam Narwariya	Rejuvenating Mill Lands , Case of Ahmedabad
07	2014MUD009	Priyanka Gayen	Redefining the sense of place of the transforming colonial core of Kolkata : Case of Dharamtala
08	2014MUD011	Kirti Verma	The relationship between built form and community identity in Kathputli Colony, Delhi
09	2014MUD012	Kalyani Keshaorao Wankhede	Creative city as an approach to community redevelopment – Case of old core of Nagpur
10	2014MUD013	Khan Usama	Place-making of transforming of old areas, Case of Bhopal
11	2014MUD015	Ayushi Agarwal	Structuring the hills of Guwahati as a Resilient Community and Urban System
12	2014MUD016	Kaswa Yogita Subhash	Structuring an emerging suburban landscape integrating urban and natural systems
13	2014MUD017	Akanksha Katare	Restructuring Maharaj Bada – Place making of the commercial center ,Gwalior
14	2014MUD018	Rajeev Parashar	Cultural preservation through character conservation of Cultural Capital- Mathura
15	2014MUD019	Rohini Pinnika	Designing Walkable Urban Thoroughfares- Case of Hyderabad
16	2014MUD020	Salunke Rohit Anil	Water Responsive Urbanism - Aurangabad

योजना विभाग

द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर

बी. प्लान. 0301 : योजना स्टूडियो ।।। (पड़ोस एवं साइट योजना)

स्टूडियो समन्वयक : *डॉ. आरती जायसवाल, सहयोगी* प्राध्यापक : *डॉ. काकोली साहा*

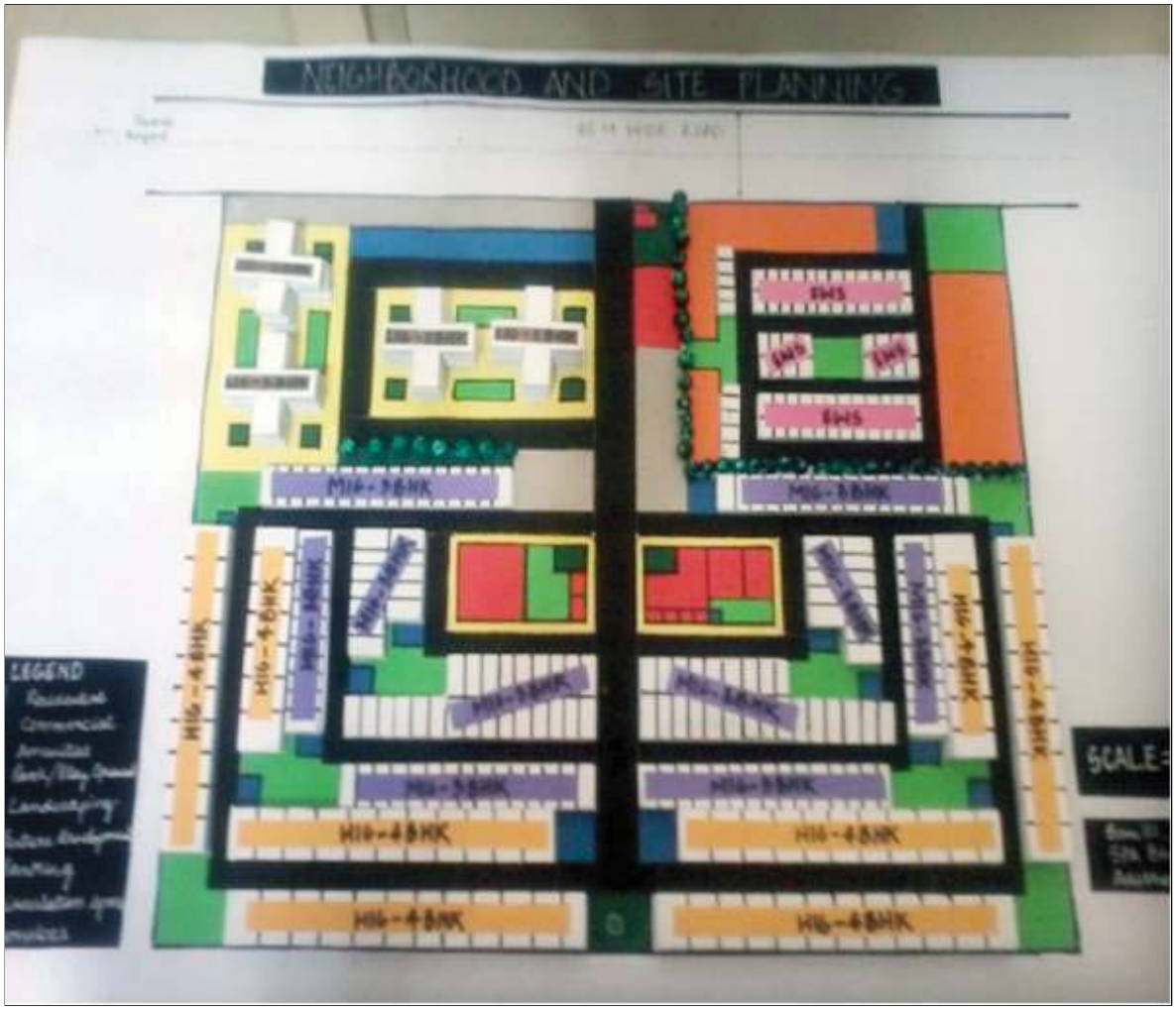

स्टूडियो उद्देश्य : इस स्टूडियो अभ्यास का उद्देश्य छात्रों को नेबरहुड लेवल पर सबसे छोटी इकाई, अर्थात् आवासीय इकाई की योजना एवं डिज़ाइन करना हैं। इसमें साथ ही साथ उस नेबरहुड के तमाम आवासीय इकाईयों को जोड़ते हुए एक पूर्ण आवासीय समुह का गहन अध्ययन एवं उसकी पुनर्योजना बनाने की समझ को विकसित करने का प्रयास किया गया है। भोपाल के ऐयरोसिटी क्षेत्र के कई आवासीय परिसरों को इसमें शामिल कर छात्रों द्वारा आवासीय डिजाइन तथा उससे जुड़ी मूलभूत आवश्यकताओं की गहनता से जांच करके, उसमें सुधार के लिए नई योजना बनाई गई है। छात्रों को डीसीआर व बिल्डिग बाई लॉ आदि की समझ देकर नए डिजाइन बनाने की तकनीकें सिखाई गई है।

Department of Planning

SECOND YEAR : THIRD SEMESTER

BPLN-0301 : Planning studio III (Neighborhood and Site Planning)

Studio co ordinator : *Dr. Aarti Jaiswal,* Faculty: *Dr. Kakoli Saha*

Studio Objective : Introduce students to the basics of site planning of neighborhood scale including detail site planning , detail designing of units and preparation of necessary presentation drawings. Students are expected to Plan an Integrated Housing Project scheme starting with preparation of Design brief to Preparation of complete detail drawings of individual units and Complete Site plan highlighting integration of all facilities and amenities. Aims to make students of planning stream, learn How smallest unit of neighborhood that is Dwelling unit is planned and designed and learn how to make presentation drawings for single unit by documenting existing Units. Students are expected to do the case study of existing dwelling units within Bhopal in a group of two students. As an outcome of an exercise planning students will learn about important design details. In the process they would know about proportions and scale of different units of apartment unit. Finally it would be compared with existing design standards.

बी–प्लान, 5 सेमेस्टर, जुलाई–दिसंबर, 2015

अध्ययन क्षेत्र : वार्ड–75 (बदवई), जोन–17, भोपाल नगर निगम, भोपाल

स्टूडियो समन्वयक : *प्रो. गौरव वैद्य*

अन्य सहयोगी अध्यापक : *प्रो. अशफाक आलम*

74 वें संविधान संशोधन अधिनियम में शहरी स्थानीय निकायों को सशक्त करने के लिए तमाम सुधार सुझाये गए, उसमें से एक है स्थानीय क्षेत्र योजना (लोकल एरिया प्लानिंग)। योजना बनाने की कार्यवाही इस स्टूडियो अभ्यास में छात्रों ने भोपाल नगरनिगम के जोन क्र. 17, वार्ड क्र. 75, बदबई गाँव नाम के स्थानीय क्षेत्र का विस्तृत अध्ययन करके स्थानीय क्षेत्र योजना बनाई। राज्य सरकार द्वारा इसी क्षेत्र में भोपाल शहर का इन्फारमेशन टेक्नालॉजी पार्क बनाने का कार्य शुरू किया है। साथ ही साथ इसी क्षेत्र में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय एवं कई अन्य महत्वपूर्ण उच्च शिक्षा संस्थान कार्यरत हैं। इस क्षेत्र में दोनों तरफ भोपाल मेट्रो रेल एवं बी.आर.टी.एस. चलाने का भी प्रस्ताव राज्य सरकार से मंजूर किया जा चुका है। इस क्षेत्र से निकलने वाले मुख्य मार्ग – माधव राव सिंधिया मार्ग (भूतकाल में बाईपास रोड) के दोनो ओर भोपाल के प्रस्तावित विकास योजना में मिक्स लेंडयूज देने का प्रस्ताव रखा जा रहा है।

उपरोक्त विकास की गति को देखते हुए यह उत्तर भोपाल का भविष्य का ग्रोथ सेन्टर के रूप में देखा जा रहा है इसलिए इस क्षेत्र का छात्रों ने गहनता से अध्ययन कर तमाम सर्वे के आधार पर एक
संवर्धित विकास प्रारूप तैयार किया। जिसमें कि वहां के स्थानीय रहवासियों की उम्मीदों एवं अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए स्थानीय क्षेत्र योजना बनाई गई।

B. Plan V-Semester, July-Dec 2015

Study Area : Ward 75 (Badwai), Zone 17, Bhopal Municipal Corporation, Bhopal

Studio Coordinator : *Prof. Gaurav Vaidya*

Studio Co-coordinator : *Prof. Ashfaque Alam*

The 74th Constitutional Amendment Act, which mainly aimed at the decentralization of the power upto local level by empowerment of Urban Local Government. The local area plans are basically the micro level execution plans of Master Plan in the hierarchy.

The vision of the Local Area Plan was to develop the social and physical infrastructure in the area to support the upcoming development with expected Residential boom with planned approach along with community participation. This area has various education institutes at the same time various economic activities are coming in the area; IT Park, Skill Development Centre. Metro Rail & BRTS services are already proposed adjoining to study area through Airport road to Gandhinagar via Asaram Chauraha and Hamidiya Road to Berasia via Karond Chauraha, which also promoting the development in the study area.

More focus had been laid on density distribution and complimentary infrastructure development, with taking into consideration the intensive community participation at various levels.

ईवेंट – रत्नागिरी क्षेत्र की यात्रा

छठा सेमेस्टर स्टूडियो (शहरी विकास योजना)

उपस्थित कक्षा : बी.प्लान, छठा सेमेस्टर

स्टूडियो समन्वयक : *प्रेमजीत दास गुप्ता*

अन्य सहयोग अध्यापक : *प्रो. बिनायक चौधरी, अमित चटर्जी*

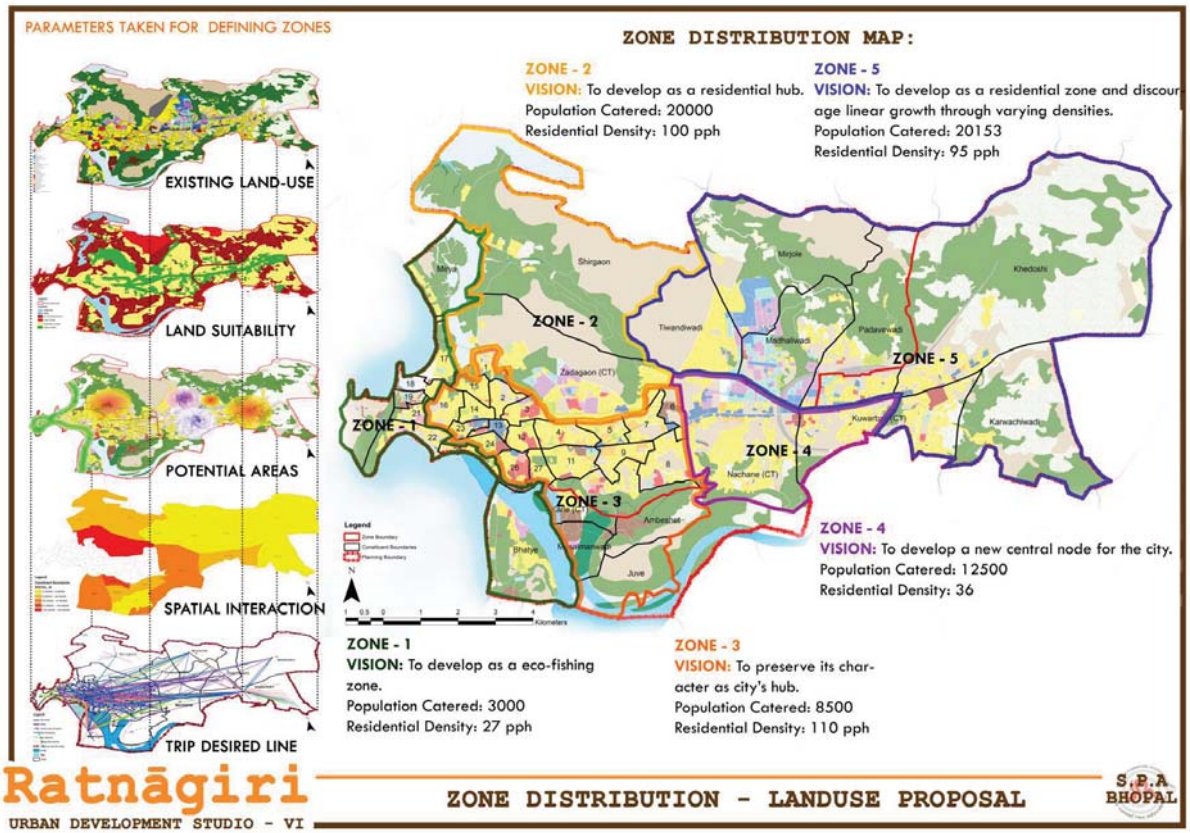

कोंकण तट पर स्थित रत्नागिरी एक प्रशासनिक केन्द्र, पर्यटकों के लिए कोंकण का प्रदेश द्वार तथा प्रमुख मछली पकड़ने का केंद्र है। इस शहर की खासियत यह है कि इसकी नगर निगम सीमा अपेक्षाकृत छोटी है परंतु यह तमाम बड़े उपनगरों एवं गावों से घिरी हुई है। महाराष्ट्र राज्य टाउन प्लानिंग अधिनियम के तहत रत्नागिरी की स्वीकृत विकास योजना में केवल नगर क्षेत्र विस्तार ही शामिल है जबकि विकास योजना अपना तयशुदा कार्यकाल पूर्ण कर चुकी है।

छात्रों को इस अभ्यास में महाराष्ट्र राज्य का लेंडयूज कोड, भूमि एवं शहर सर्वेक्षण, टाउन प्लानिंग स्कीम, टी.डी.आर. तथा प्रीमियम एफ.एस.आई. इत्यादि के बारे में जानने समझने का मौका मिला। रत्नागिरी के कलेकटर ने छात्रों को संबोधित किया तथा उनसे उनके कार्य योजना की जानकारी ली। साथ छात्रों के कार्य एवं प्रश्नों की प्रशंसा की। छात्रों को पंचायत स्तर के प्रशासनिक व्यवस्थाओं के बारे में भी जानने को मिला। इस स्टुडियो टूर में छात्रों में रत्नागिरी शहर एवं उसके आसपास के विभिन्न एतिहासिक महत्व के पर्यटन स्थलों की यात्रा की जिसमें एलीफेन्टा की गुफाएं भी शामिल हैं।

Event- Field visit to Ratnagiri as part of B. Plan. VI Sem studio (Urban Development Plan)

Attended by: Students of B. Plan. VI Sem

Supervised by : *Premjeet Das Gupta (Studio Coordinator)*

Studio Co-coordinator : *Prof. Binayak Choudhury and Amit Chatterjee*

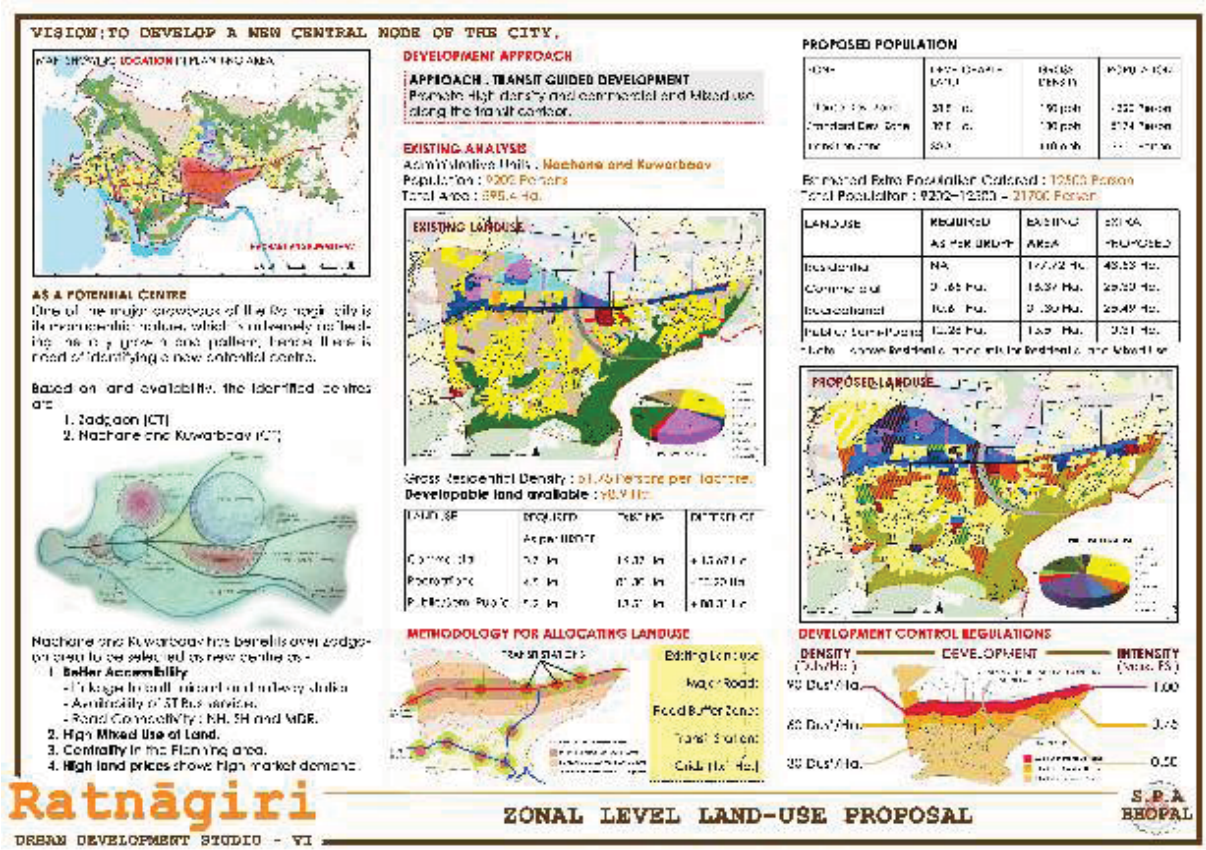

Situated on the Konkan coast, Ratnagiri is an administrative centre, tourist gateway and hub of fishing activities. The peculiarity of the city is that the municipal limits are relatively small but there are a number of large Census towns and villages around it which are governed as Panchayats. Sanctioned DP of Ratnagiri under MRTP Act includes only Municipal area and is outdated.

Students got first-hand knowledge of Maharashtra urban land use code, cadastral survey and City Survey, concepts like AR, TDR, premium FSI and TP Scheme from Town Planning Dept. Collector Ratnagiri addressed the students at the end of the tour and apprised himself of the students' observations. Students also learnt about Panchayat administration from a visit to a Gram Panchayat. The tour also included visits to Mumbai (NGMA - to see State of the Practice exhibition and World Heritage site Elephanta caves) and various tourist spots in Ratnagiri district.

स्टूडियो अभ्यासः अमृतसर एवं पंजाब जिले की क्षेत्रीय विकास की रणनीति

बैचलर ऑफ प्लानिंग (सातवें सेमेस्टर) के छात्रों द्वारा पंजाब राज्य के अमृतसर जिले में क्षेत्रीय विकास की रणनीति तैयार करने हेतु एक स्टूडियो अभ्यास की तैयारी जुलाई–दिसम्बर 2015 के दौरान आयोजित की गई थी। इस संबंध में एक क्षेत्रीय सर्वेक्षण 34 छात्रों द्वारा तीन संकाय सदस्यों डॉ बिनायक चौधरी, श्री पौलोस एन. के. और श्री अमित चटर्जी के साथ मिलकर 15 अगस्त से 26 अगस्त, 2015 के दौरान किया गया। क्षेत्र सर्वेक्षण के दौरान विचार विमर्श की एक श्रृंखला पंजाब सरकार के अधिकारियों के साथ भी आयोजित की गई।

इस स्टूडियो अभ्यास का मुख्य उद्देश्य थेः 1) सीमा क्षेत्र में क्षेत्रीय योजना की समझ के अनुसार प्रासंगिक एवं वैचारिक ढांचे तैयार करना, 2) योजना दृष्टिकोण एवं डेटा खोजने के विश्लेषण में जीआईएस प्रौद्योगिकी का उपयोग करना, और 3) पंजाब के अम्रतसर जिला के क्षेत्रीय विकास के लिए रणनीत की तैयारी। विस्तृत विश्लेषण और प्रस्तावों के लिए छात्रों को विभिन्न उपसमूहों (भूमि–उपयोग, पर्यावरण, परिवहन, बुनियादी–ढांचा, पर्यटन आदि) में विभाजित किया गया। अंत में लक्ष्यों को हासिल कर एवं सीमा क्षेत्र नियोजन की संरचना में क्षेत्रीय योजना तैयार की गई।

8 वा सेमेस्टर बी. प्लानः बैचलर ऑफ प्लानिंग थीसिस

बैचलर ऑफ प्लानिंग, थीसिस 8 वे सेमेस्टर बी. प्लान का समन्वय प्रो. पौलोस एन. के. और प्रो. अमित चटर्जी ने किया। अंतिम वर्ष के 31 छात्रों ने वाइब्रेंट थीसिस विषयों के विभिन्न समकालीन योजना के मुद्दों पर अध्ययन किया। थीसिस के मुख्य विषयों में परिवहन एवं सुरक्षा, प्रवेश तकनीक, किफायती आवास, विरासत संरक्षण, भूमि उपयोग के कोड का उल्लंघन, स्लम सुधार, आर्थिक विकास में शामिल आदि विषयों को शामिल किया गया। सातवें सेमेस्टर के प्रयास स्वरूप यह थीसिस प्रोग्रामिंग की परिणति थी।

प्रो. पौलोस एन. के. और प्रो. अमित चटर्जी ने थीसिस प्रोग्रामिंग का समन्वयन किया एवं छात्रों को 7 वें सेमेस्टर में थीसिस प्रोग्रामिंग को अंतिम रूप देने हेतु तैयार किया। प्रो. सेजल पटेल सेप्ट यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद एवं श्री मयंक दुबे एसपीए दिल्ली को बाह्य परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया। योजना के संकायों द्वारा छात्रों की देखरेख की गई। छात्रों के विशेष अनुरोध पर एक सह गाइड जिसे वास्तुकला के विषय पर अच्छा ज्ञान हो को नियुक्त किया गया।

Studio Exercise on preparation of Regional Development Strategy for Amritsar District of Punjab

A studio exercise of Bachelor of Planning (seventh semester) was conducted for preparation of Regional Development Strategy for Amritsar District of Punjab during July-December, 2015. A field survey was done during 15th August to 26th August, 2015 by thirty four students accompanied by three faculty members, Dr. Binayak Choudhury, Mr. Paulose N.K. and Mr. Amit Chatterjee (studio coordinator). During field visit a series of discussion were held with the officials of the Govt. of Punjab. The main objectives of this studio exercise were to: i) make understandable the contextual and conceptual framework of regional plan in boarder area, ii) use of GIS technology in analysis of data finding of planning perspectives, and iii) preparation of Regional Development Strategy for Amritsar District of Punjab. Students were divided into various subgroups (landuse, environment, transport, infrastructure, tourism etc.) for detailed analysis and proposals. Finally the objectives achieved and regional plan prepared in the context of boarder area planning.

8th Semester B.Plan: Bachelor of Planning Thesis

Bachelor of Planning thesis of the 8th semester B.Plan was coordinated by Prof. Paulose N Kuriakose and Prof. Amit Chatterjee. Vibrant thesis topics from various contemporary planning issues were studied by 31 students of the final year batch. Major thesis themes include transport and safety and accessibility, affordable housing, heritage conservation, land use code violation, slum improvement, economic development of communities etc. It was the culmination of the thesis programming efforts started in the seventh semester. Professor Premjeet Das Gupta and Paulose N Kuriakose coordinated the thesis programming in the seventh semester to prepare students for their final thesis. Shaswat Bandopadhyay were invited as the final external examiners. Students were supervised by faculties from Planning. Upon special request from students a co guide was allocated with co-guides from Architecture Department as well.

छात्रों द्वारा निम्नलिखित विषयों पर थीसिस पूर्ण :

क्र.	छात्र सं.	छात्र का नाम	थीसिस का विषय
01	2011 बी.प्लान 004	विष्णु पी. विनय	स्थानिक– शहरी गर्मी का अस्थायी विश्लेषण द्वीप में भू– स्थानीय तकनीक का उपयोग करते हुए, भोपाल के प्रकरण का अध्ययन
02	2011 बी.प्लान 034	दिशम ज्योति दास	अधोसंरचना एवं सीमा व्यापार के लिये योजना, दारंगा व्यापारिक बाजार, असम का प्रकरण
03	2012 बी.प्लान 001	प्रसाद पाक्रिसमय	बसों के औचित्य स्थापन्न के साथ मैट्रो कॉरिडोर का प्रस्ताव : कोच्चि का एक प्रकरण
04	2012 बी.प्लान 004	विशाल केहरी	पूर्वी दिल्ली के लिये अपशिष्ट जल प्रबंधन
05	2012 बी.प्लान 007	मौरे भूमिका पी	सूखा प्रभावित क्षेत्र में वाटरशेड योजना – जलना जिले में वारटरशेड प्रकरण का अध्ययन
06	2012 बी.प्लान 008	महक अग्रवाल	सार्वजनिक स्थलों में जीवन शक्ति बढ़ाने हेतु एम.पी. नगर जोन 1, भोपाल का अध्ययन
07	2012 बी.प्लान 009	अशोक कुमार	विजयवाड़ा शहर में प्रमुख सड़कों के लिये सेवा और सुझावों के स्तर का आकलन
08	2012 बी.प्लान 010	सुमित कुलियाल	सरकारी प्राइमरी स्कूल के लिये माता–पिता/अभिभावक की वरीयताओं के प्रभावित कारकों की पहचान, भोपाल का अध्ययन
09	2012 बी.प्लान 011	सानया पदमाकर	सार्वजनिक स्थलों में स्काई वाक्स हेतु योजना पर एक दृष्टिकोण
10	2012 बी.प्लान 012	अभिषेक सिंह	आसपास के क्षेत्र में शॉपिंग मॉल्स का प्रभाव : भोपाल का अध्ययन
11	2012 बी.प्लान 013	रोमित सिंगला	कृषि बाजार क्षमता में सुधार : रोहतक जिला
12	2012 बी.प्लान 014	पार्थ बंसल	गंगटोक शहर में भूकंपी जोखिम और उसे कम करने वाले उपायों का मूल्यांकन
13	2012 बी.प्लान 015	ब्रायन बसुमतरै	बीएसयूपी अंतर्गत पुनर्वासित झुग्गी बस्तियों के प्रदर्शन का आंकलन : भोपाल का अध्ययन
14	2012 बी.प्लान 016	रिया कुमारी	बुनकर समूहों के विकास के लिये योजना रणनीतियां, गया, बिहार
15	2012 बी.प्लान 018	स्वर्णली दिहिंगिया	एक एतिहासिक शहर के पर्यटन स्थलों में चलने योग्य रास्तों में सुधार, उदयपुर, राजस्थान का अध्ययन

The students have successfully completed their Thesis on the topics as listed below :

S. No.	Scholar No.	Name	Thesis Title
1	2011BPL004	Vishnu P. Vinay	Spatio- temporal analysis of urban heat island using geo- spatial techniques and its mitigation strategies – a case study of Bhopal
2	2011BPL034	Dhiman Jyoti Das	Planning for Infrastructure and facilities for border trade A case study of Darranga Trade Market in Assam
3	2012BPL001	Prasad Packirisamy	Route rationalization of buses along the proposed metro corridor : A case of Kochi
4	2012BPL004	Vishal Kehri	Wastewater Management for East Delhi
5	2012BPL007	Morey Bhumika P	Planning for watershed in drought prone area - case study of Jalna District watershed
6	2012BPL008	Mehak Aggarwal	Enhancing Vitality of Public Spaces Case Study of MP Nagar Zone-1, Bhopal
7	2012BPL009	Ashok Kumar	Assessment of level of service and suggestions for the major arterial roads in the city of Vijaywada
8	2012BPL010	Sumit Kuliyal	Identification of factors impacting the preferences of parents/guardian for government primary school : A case study of Bhopal
9	2012BPL011	Sanya Padmakar	An Approach towards Planning for Skywalks in Public Places
10	2012BPL012	Abhishek Singh	Impact of Shopping Malls on the surrounding area : case study of Bhopal
11	2012BPL013	Romit Singla	Improving the Agricultural Market Efficiencies- A case study of Rohtak district
12	2012BPL014	Parth Bansal	Seismic Vulnerability Assessment of Gangtok City and its Mitigation Measures
13	2012BPL015	Brian Basumatary	Performance Assessment of slum Rehabilitated under BSUP - A case study of Bhopal
14	2012BPL016	Riya Kumari	Planning Strategies for the Development of Weaving Clusters in Gaya, Bihar
15	2012BPL018	Swarnali Dihingia	Improving Walkability of Tourist Destinations in a Historic City; A case study of Udaipur, Rajasthan

16	2012 बी.प्लान 019	हिमानी तिवारी	सड़क दुर्घटना में जोखिम का आकलन : भोपाल का अध्ययन
17	2012 बी.प्लान 020	गार्गी मिश्रा	एकीकृत नगरपालिका अपशिष्ट जल प्रबंधन प्रणाली के लिये योजना, इंदौर शहर का अध्ययन
18	2012 बी.प्लान 021	रोहित रैना	पेरी शहर के आवासी पड़ोस में मनोरंजन की खुली जगह के सुनियोजित विकास : भोपाल के मामले का अध्ययन
19	2012 बी.प्लान 022	अभिनव एम.	खोये हुए स्थान का कायाकल्प : भोपाल का अध्ययन
20	2012 बी.प्लान 023	अपूर्व चौहान	मुम्बई में शहर के आंतरिक क्षेत्रों के पुनर्विकास के लिये एक वैकल्पिक दृष्टिकोण
21	2012 बी.प्लान 024	कुशाग्र सिन्हा	कार्यों के अवसर के लिये शहरी परिवहन की पहुंच पर एक आंकलन :भोपाल का अध्ययन
22	2012 बी.प्लान 025	मधुर कुकरेजा	दिल्ली एमआरटीएस के लिए इंटीग्रेटेड फीडर प्रणाली
23	2012 बी.प्लान 026	शिवानी जयंत खडके	कामकाजी महिलाओं के लिये सहायक भौतिक वातावरण के लिये योजनाः आईटी, बीपीओ क्षेत्र पुणे के मामले का अध्ययन
24	2012 बी.प्लान 027	दिनेश पटैल	तूफान जल प्रबंधन : जोधपुर शहर का अध्ययन
25	2012 बी.प्लान 028	नंदिता सुमन	शहरी अनौपचारिकता का रिक्त स्थानों पर चुनाव : भोपाल का अध्ययन
26	2012 बी.प्लान 029	गौरव भाटिया	आपूर्ति के विभिन्न साधनों का उपयोग करके आवास की मांग और आवास की पूर्ति के मध्य अंतर ज्ञात करना
27	2012 बी.प्लान 031	अमन नौटियाल	जल आपूर्ति के बुनियादी ढांचे के आधार पर घनत्व वितरण की दिशा में एक दृष्टिकोण : भोपाल का अध्ययन
28	2012 बी.प्लान 032	कीर्ति	शहरी समाजिक सुविधाओं में स्थान, सेवा और शासन के पहलु : भोपाल के सार्वजनिक शौचालयों का अध्ययन
29	2012 बी.प्लान 033	मो . सलमान	स्थानिक एवं मूल्य की अवधारणा के पहलुओं पर पार्किंग प्रबंध योजना की एक रूपरेखा : इंदौर शहर का अध्ययन
30	2012 बी.प्लान 034	इशिता आर्यन	शहरी भूमि के उपयेाग के विचलन को कम करने के लिये रणनीतियों का मूल्यांकन एवं सूत्रीकरण : भोपाल अध्ययन
31	2012 बी.प्लान 044	सौविक भट्टचरजी	अनौपचारिक क्षेत्र नगरपालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन : भोपाल में चीर बुनने वालों के मामले का अध्ययन

16	2012BPL019	Himani Tiwari	Assessment of Road accident Vulnerability: A case study of Bhopal
17	2012BPL020	Gargi Mishra	Planning for Integrated Municipal Wastewater Management System- A case study of Indore city
18	2012BPL021	Rohit Raina	Planned development of recreational open spaces in peri urban residential neighborhoods- case study of Bhopal
19	2012BPL022	Abhinav M	Rejuvenation of Lost Spaces – A case study of Bhopal
20	2012BPL023	Appurva Chauhan	An Alternative Approach to redevelopment in Inner City Areas of Mumbai
21	2012BPL024	Kushagra Sinha	An assessment of Urban Transportation Accessibility to Work Opportunities – Case Study of Bhopal
22	2012BPL025	Madhur Kukreja	Integrated Feeder System for Delhi MRTS
23	2012BPL026	Shivani Jayant Khadke	Planning for supportive physical environment for working women – A Case study of IT- BPO sector, Pune.
24	2012BPL027	Dinesh Patel	Storm Water Management – A case Study of Jodhpur City
25	2012BPL028	Nandita Suman	Contested Spaces of Urban Informality – A case of Bhopal
26	2012BPL029	Gaurav Bhatia	Bridging the Gap between Housing Demand and Housing Supply by using different modes of supply
27	2012BPL031	Aman Nautiyal	An Approach towards Water Supply Infrastructure Based Density Distrubution: Case Study of Bhopal
28	2012BPL032	Kirti	Location, Service Level and Governance Aspects in Urban Social Amenities Case of Public Toilets in Bhopal
29	2012BPL033	Mohd Salman	A framwork for parking management plan through spatial & pricing aspects: case of Indore city
30	2012BPL034	Ishita Aryan	Assessment and formulation of Strategies for mitigating urban land use deviation- Case study of Bhopal
31	2012BPL044	Souvik Bhattacharjee	Informal sector and Municipal solid waste management- rote of rag pickers case study Bhopal

स्टूडियो ब्रीफ : एम. प्लान
(पर्यावरण नियोजन)
द्वितीय सेमेस्टर (प्रथम वर्ष पर्यावरण नियोजन बैच)
पर्यावरण स्टूडियो – 1 (क्षेत्रीय मुद्दे)
कच्छ जिले में जल संवेदन विकास योजना

भारत में, देश के चारों ओर डिग्री के परिवर्तन से 68 प्रतिशत भाग में सूखे का खतरा है। अतः सूखा प्रभावित जिले में जल की संवेदशीलता के विकास, उत्पादकता, सशक्तिकरण की ओर ध्यान केंद्रित करते हुए स्टूडियो अभ्यास की तैयारी की गई एवं इस संबंध में योजना बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया। कच्छ लंबे समय से एक सूखा प्रभावित जिला रहा है इस जिले में एक स्टूडियो अभ्यास की तैयारी छात्रों द्वारा की गई जिसके तहत जल संवेदनशीलता विकास योजना के तहत शुष्क जलावयु के हालात, सीमित जल संसाधन एवं जलवायु का सुधार हो सके। इस अभ्यास में विकासात्मक गतिविधियों एवं स्वदेशी प्रथाओं का उपयोग कर जल संसाधनों के उचित प्रयोग हेतु योजना बनाई गई एवं पर्यावरण की चिंता और विकास के बीच संतुलन बनाये रखने हेतु क्षेत्र वार प्रस्ताव तैयार कर एकीकृत प्रस्ताव जल संवेदन विकास हेतु तैयार गया।

स्टूडियो ब्रीफ : मास्टर ऑफ प्लानिंग
(पर्यावरण नियोजन)
तृतीय सेमेस्टर (द्वितीय वर्ष पर्यावरण नियोजन 2014–16 बैच)
पर्यावरण स्टूडिया – 2 (क्षेत्रीय मुद्दे)
देहरादून शहर के लिये अनुकूल जलवायु योजना

शहरों के बढ़ते हुए विकास एवं संसाधनों की कमी के कारण पर्यावरण क्षरण और जलवायु परिवर्तन का सामना हमें करना पड़ रहा है। मानव पर्यावरण प्रदूषण के संयोजन से हुए जलवायु परिवर्तन से प्रभावित हुआ है जिसका अपरिहार्य प्रभाव शहरों पर पड़ेगा। भविष्य में विकास के लिये पर्याप्त क्षमता वाले एक शहर में पर्यावरण क्षरण और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने हेतु समझ विकसित करने के लिये शहर में जलवायु का संगत विकास करना इस स्टूडियों का मुख्य उद्देश्य था। इस अभ्यास हेतु उत्तराखंड स्थित तीव्र गति से विकास की ओर बढ़ने वाले शहर देहरादून को चुना गया जहां शहर का बेतरतीब विकास हुआ है एवं वनस्पति और जनजीव के प्रदूषण के स्तर में वृद्धि हुई है और शहर की जलवायु में गिरावट के साथ नेचुरल सेटिंग्स प्रभावित हुई है। शमन और रणनीतियों के महत्वपूर्ण क्षेत्र जैसेः परिवहन, भूमि का उपयोग परिवर्तन, शहरी वानिकी और नदियों का पुनरूद्धार, देहरादून शहर के विकास के लिये संगत विकास गतिविधियों को प्रस्तावित किया गया।

Studio Brief : M. Plan (Environmental Planning) Second Semester (1st Year Environmental Planning 2015-17 Batch) Environmental Studio-I (Regional Issues) Water Sensitive development Plan for Kutch District

In India, around 68% of the country is prone to drought in varying degrees. Hence, the focus of studio exercise was preparation of water sensitive development so as to propose planning interventions for enhancing resilience, productivity and sustainability of drought prone district. Kutch being chronically drought prone district is undertaken for the studio exerciseto prepare a 'Water Sensitive Development Plan of Kutch District' considering economic growth and limited water resources in arid climate condition. Planning interventions for sustainable utilization of natural resources for developmental activities and rejuvenation of water resources using indigenous practices were proposed by integrating Sectoral proposals for maintaining the balance between environmental concerns and development.

Studio Brief : Master of Planning (Environmental Planning) Third Semester (2nd Year Environmental planning 2014-16 Batch) Environmental Studio-II (Sectoral Issues) Climate Compatible Development Plan for Dehradun City

Cities are growing rapidly and lack the resources to address the challenges of environmental degradation and climate change. Human-induced climate change, in conjunction with environmental degradation will have unavoidable effects on cities. The focus of studio exercise therefore was to prepare a 'Climate Compatible Development Plan for a City' with a thrust to develop an understanding for challenges posed by environmental degradation and climate change to a city having substantial potential for future growth. The study area selected for this exercise was one of the fast growing, biggest city of Uttrakhand viz, Dehradun city.The Haphazard Growth of the city has affected the Climate and natural settings of the city evidently with rise in pollution level and degradation of it flora and fauna. Mitigation and adaptation strategies for critical sectors such as: transportation, land use change, urban, forestry and revitalization of rivers, were proposed to have climate compatible development activities for Dehradun city.

छात्रों द्वारा निम्नलिखित विषयों पर थीसिस पूर्ण :

क्र.	छात्र सं.	छात्र का नाम	थीसिस का विषय
1	2014 एमईपी 001	कृति जैन	शहरी आवासीय क्षेत्र में ऊर्जा दक्षता के लिये योजना : भोपाल का अध्ययन
2	2014 एमईपी 002	तापस भार्गव	भोपाल शहर में अपशिष्ट जल प्रबंधन के माध्यम से ऊर्जा का संचयन
3	2014 एमईपी 003	कीर्ति मनीषा	एक शहरी जलनिकाय के जलग्रहण क्षेत्र विकास विनियमन : तालाब भोपाल
4	2014 एमईपी 004	व्ही. रामकृष्ण शर्मा	शहरी गर्मी द्वीप प्रभाव को कम करने हेतु ग्रीन अधोसरंचना के उपाय : हैदराबाद शहर
5	2014 एमईपी 006	सोवमिया फिलिप	तिरूवंतपुरम में नगर कचरे के माध्यम से जैविक खाद का प्रबंध
6	2014 एमईपी 008	पिंकी रोक	पेरी शहर क्षेत्र में पर्यावरण के सतत् विकास के लिये सामरिक रूपरेखा : कोलकता महानगर क्षेत्र के मामले का अध्ययन
7	2014 एमईपी 009	प्रखर तोमर	शहर स्तर पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन : अलीगढ़ के मामले का अध्ययन (गाइडः श्रीमती गरिमा श्रीवास्तव)
8	2014 एमईपी 011	आमिल खान	मानव स्वास्थ्य पर कम प्रभाव पड़ने का आकलन : पॉट बांध निर्माण परिदृश्य
9	2014 एमईपी 012	योगेश कुमार शर्मा	मानव बस्तियों पर खनन का प्रभाव कम करने हेतु गोवा के चयनित गांवों एवं शहरों का अध्ययन
10	2014 एमईपी 014	कृति वेश्णव	ग्रीन अधोसंरचना के माध्यम से शहर के लचीलेपन में सुधार :ग्वालियर शहर का अध्ययन
11	2014 एमईपी 014	अंशुल अग्रवाल	सौर ऊर्जा संयंत्रों के लिये सामाजिक पर्यावरण दृष्टि से उत्तरदायी योजना

The students have successfully completed their Thesis on the topics as listed below :

S. No.	Scholar No.	Name	Thesis Topic
1	2014MEP001	Kruti Jain	Planning for Energy Efficiency in Urban Residential Sector: A case of Bhopal
2	2014MEP002	Tapas Bhargava	Harvesting Energy Through Waste Water Management in Bhopal City
3	2014MEP003	Keerti Manisha	Development Regulation for the Catchment Area of an Urban Water Body : Upper Lake Bhopal
4	2014MEP004	V. Rama Krishna Sharma	Green Infrastructure Measures to Mitigate Urban Heat Island Effect : A case of Hyderabad City
5	2014MEP006	Sowmia Philip	Management of Municipal Organic Waste through Composting in Thrivananthapuram (Guides : Mr. Paulso N.K. & Mr. Shomit Dilip Bade)
6	2014MEP008	Pinky Rome	Strategic Framework for Environmentally Sustainable Development in the Peri Urban Area Case Study – Kolkata Metropolitan Area
7	2014MEP009	Prakhar Tomar	Managing Solid Waste at a City Level : Case of Aligarh
8	2014MEP011	Aamil Khan	Assessing and Mitigating the Impacts on Human Health- Pot Dam Construction Scenario
9	2014MEP012	Yogesh Kumar Sharma	Mitigating the Effects of Mining on Human Settlement – A case study of Selected Villages and Town in Goa
10	2014MEP014	Krati Varshney	Improving Resillience of the City through Green infrastructure – Study of Gwalior City
11	2014MEP015	Anshul Aggrawal	Socio- environmentally Responsive Planning for Solar Power Plants

कार्यक्रम : एम. प्लान (शहरी एवं क्षेत्रीय नियोजन)
प्रथम वर्ष, द्वितीय सेमेस्टर, रीजनल प्लानिंग स्टूडियो
छात्रों की संख्या : एमपीयूआर, द्वितीय सेमेस्टर के 15 छात्र
स्थान : अलाप्पुजा जिला, केरल, यात्रा दिनांक 1–14 फरवरी 2016

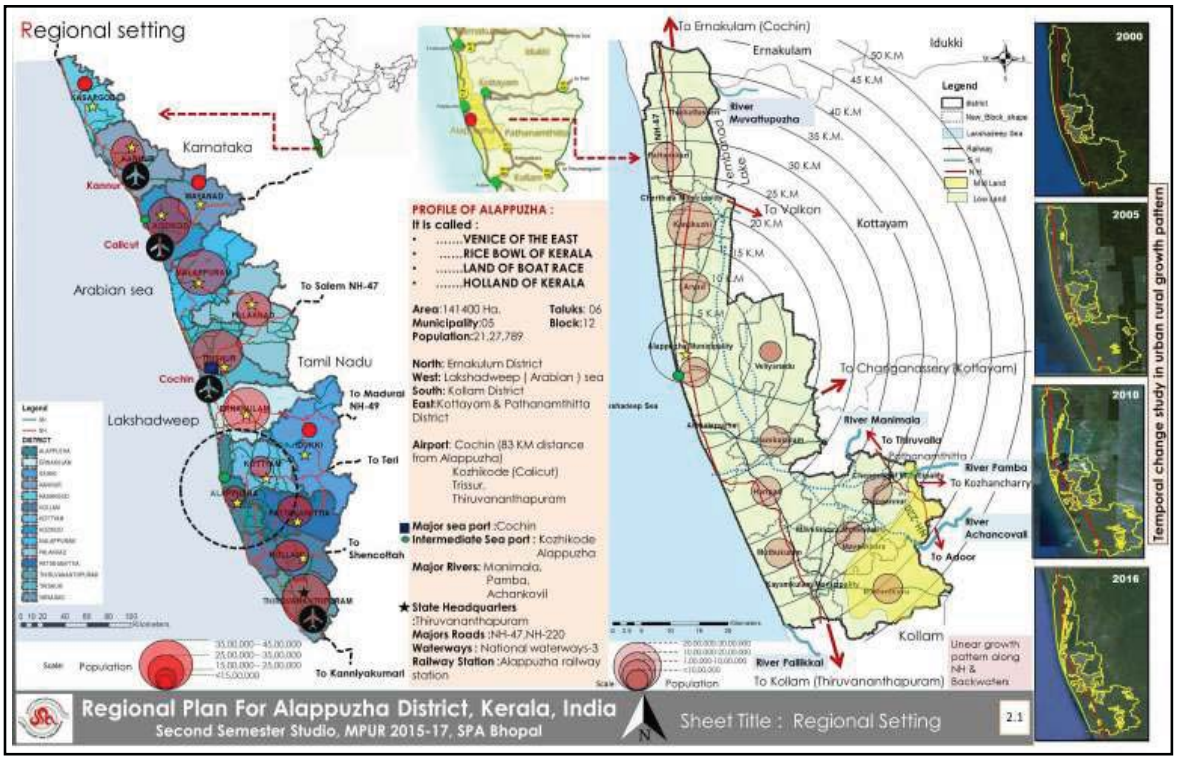

स्टूडियो का क्षेत्र एवं उद्देश्यः

हमारे जिले के क्षेत्रीय नियोजन स्टूडियो का ध्यान केंद्र योजना के इतिहास का पता लगाने, योजना की थ्योरी को समझने, क्षेत्रीय श्रंखला को प्राथमिक आधार पर एक विशिष्ट स्थानीय क्षेत्र के लिये एकीकृत व्यापक विकास योजना की नियोजन गतिविधि पर केंद्रित है। स्टूडियो का उद्देश्य अलाप्पुजा जिला, केरल की क्षेत्रीय योजना तैयार करने के साथ वहां की प्रकृति पर ध्यान केंद्रित करना है कि वह अपने क्षेत्रीय संसाधनों का सामाजिक आर्थिक लाभ ले पा रहे हैं या नहीं। निम्नलिखित बिंदु के द्वारा स्टूडियो का लक्ष्य पूर्ण किया गया।

अध्ययन रेखा अनुपात एवं जिले की क्षेत्रीय सेटिंग।

समस्या/मुद्दों एवं प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग के विकल्प से आर्थिक सुधार हेतु क्षेत्रीय पोषण क्षेत्र की पहचान करना।

पर्यावरण के अनुकूल प्रस्ताव तैयार करने हेतु मौजूदा तटीय विरासत पुनर्स्थापित करना।

स्टूडियो परिणाम : हांलाकि अलाप्पुजा जिले का 83 प्रतिशत कृषि क्षेत्र है तथा यह जिला धान के कटोरे के रूप में जाना जाता है। पर्यटन एवं उद्योग दो क्षेत्र जिले के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान दे रहे हैं इसलिये इन दोनों क्षेत्रों को जिले के विकास हेतु मजबूत करने का सुझाव दिया गया है। यहां का औद्योगिक क्षेत्र मुख्यतः नारियल की जटा, नारियल का तैल और कपास पर आधारित है। अतः उक्त उपज में वृद्धि करने हेतु आवश्यक कदम उठाये गए हैं। एकीकृत कृषि क्षेत्र में एक–धान, एक– मछली, एक–पशुधन के आधार पर उत्पादकता बढ़ाने एवं आय बढ़ाने हेतु प्रस्ताव तैयार किया गया। समुद्र तट का विकास, अलेप्पी समुद्र तट का पुनर्विकास, मेढ़ सौंदर्यीकरण आदि ऐंसे क्षेत्र पर्यावरण की दृष्टि से अनुकूल हो को पर्यटन क्षेत्र में बढ़ाने हेतु प्रस्ताव तैयार किया गया।

Programme : M. Plan (Urban and Regional Planning)

First year, second semester, Regional Planning Studio

Number of students: 15 students of second semester of MPUR

Place of visit: Alappuzha district of Kerala visited during 1st to 14th February, 2016.

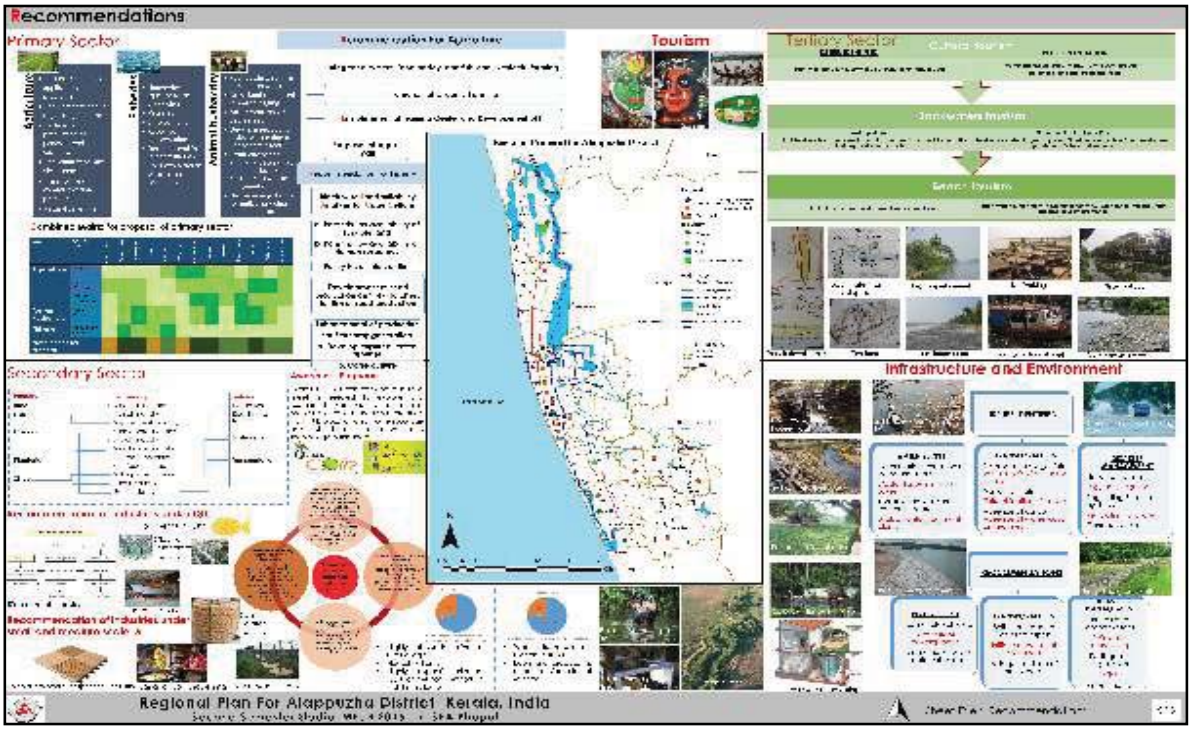

Studio thrust area and objectives:

The focus of our District Regional Planning Studio is to explore the impact of planning history, understanding of planning theories, application of planning techniques to develop an integrated comprehensive development plan (greater than an individual city or town) primarily based on the regional context. The aim of the studio was to prepare a District Regional Plan for Alappuzha district of Kerala with a focus to nurture its regional resource potential to yield socio-economic benefits. The following objectives had been formulated to achieve the aim:

To study base line scenario and regional setting for the district.

To identify problems/issues & regional potential thrust areas for economic growth by optimum utilization of natural resources.

To make an environmentally viable proposal, this also restores existing coastal heritage.

Studio outcome : Though 83 percent of the land of Alappuzha district is under agriculture, and Alappuzha is known as the rice bowl of Kerala; tourism and industry are the two main sectors which are contributing maximum in the district GDP. Therefore it has been suggested to strengthen these two sectors for future development of Alappuzha district. Since the industrial sector is mainly based on coir, coconut oil and cotton, measures have been taken to strengthen the agriculture sector also. In agriculture sector integrated 'one-paddy-one fish-one livestock' farming was recommended to increase productivity and income. Proposals have been given to push tourism sector by beach front development, redevelopment of Alleppy beach, backwater beautification etc making the proposals environmentally and economically viable.

कार्यक्रम : एम.प्लान (शहरी एवं क्षेत्रीय नियोजन)
द्वितीय वर्ष, तृतीय सेमेस्टर, शहरी नियोजन स्टूडियो
छात्रों की संख्या : 14 एम.पी.यू.आर, तृतीय सेमेस्टर के 14 छात्र
यात्रा स्थानः वलसद वापी उम्बेरगांव, औद्योगिक क्षेत्र गुजरात

वलसद वापी उम्बेरगांव, जो कि गुजरात का एक औद्योगिक क्षेत्र है, को एम प्लान, शहरी नियोजन के छात्रों के स्टूडियो अध्ययन हेतु चुना गया। दक्षिण गुजरात में वलसद वापी उम्बेरगांव को दिल्ली मुंबई विकास प्राधिकारण लिमि. द्वारा औद्योगिक क्षेत्र के रूप में चिन्हांकित किया गया है।

दिल्ली मुंबई विकास प्राधिकरण के बाहर की श्रंखला में प्रथम चरण पर उप क्षेत्रों के मूल्यांकन का अवसर प्राप्त हुआ। जिसमें उप क्षेत्रों (बस्तियों का विश्लेषण, अधिसूचित औद्योगिक क्षेत्र और ग्रामीण घटक) का चित्रण शामिल था। उप क्षेत्रों में औद्योगिकीकरण का विकास एवं इतिहास का अध्ययन, डीएमआईसी के आलोक में उप क्षेत्रों के भविष्य की संभावित रूप रेखा, विस्तृत अध्ययन के लिए शहर के उपक्षेत्रों का चयन एवं औद्योगिक/आवासीय बस्तियों कि उपक्षेत्र जो कि 100 वर्ग किमी के क्षेत्र में हो उन स्थानों की पहचान की गई।

दूसरे चरण में वलसद अर्बन ग्रुप के लिये एक विस्तृत विकास योजना तैयार की गई। वलसद दो मुख्य शहरों का केंद्र (वलसद उम्बेरगांव औद्योगिक क्षेत्र एवं वापी) है। वलसद का उद्देश्य वापी के पास की औद्योगिक गतिविधियों के माध्यम से आवासीय एवं व्यवायिक शहरी क्षेत्र को विकसित एवं ग्रीन क्षेत्र में रूपांतरित करना था। वलसद के सीमा क्षेत्र एवं शहरी क्षेत्र में सूक्ष्म एवं छोटे पैमाने के औद्योगिक विकास केंद्रों का प्रस्ताव भी दिये गए।

वलसद जिले के योजना कार्यालय, नगर परिषद, कलेक्टर महोदय एवं गुजरात सरकार की सहायता से स्टूडियो अभ्यास जिले के बाहर कराया गया। छात्रों को पारसियों का विरासती गांव उदवाड़ा, वापी का औद्योगिक क्षेत्र, आम प्रवाह उपचार संयंत्र, दमन एवं नारगोल समुद्री तट का दौरा भी कराया गया।

Programme : M. Plan (Urban and Regional Planning)

Second year, third semester, City Planning Studio

Number of students: 14 students of third semester of MPUR

Place of visit: Valsad-Vapi-Umbergaon Industrial Area of Gujarat

The broad area selected for the studio was the Valsad- Vapi-Umbergaon Industrial Area of Gujarat. An approximately 50 km long corridor along NH-8 stretching from Valsad to Umbergaon (Umargram) in south Gujarat has been identified as Valsad Umbergaon Industrial Area (VUIA) by Delhi Mumbai Industrial Corridor Development Corporation Ltd. (DMICDCL) which is entrusted with developing the Delhi Mumbai Industrial Corridor (DMIC) along the Dedicated Freight Corridor (a new rail connection for freight transport) being constructed from Dadri in UP to Mumbai. VUIA is one of the 24 identified nodes in the DMIC, to be developed in the second phase of the DMIC project. As such the area presented an opportunity for a planning exercise focused on industry-driven urban growth.

In the first stage a sub-regional assessment of opportunities in the context of DMIC was carried out, which involved delineation of the sub-region, analysis of settlements within the sub-region (the cities, the industrial notified areas, and the rural component), study of the history and pattern of industrial growth in the sub-region, outlining the future potential of the sub-region in the light of DMIC, selection of a city within the sub-region for detailed study and identification of location for a 100 sq. km. industrial/logistics township within the sub-region.

In the second stage a Detailed Development Plan was prepared for Valsad Urban Agglomeration. Valsad is one of the two main urban centres within the VUIA, the other being Vapi. The vision for Valsad was to develop it into a clean and green urban area to cater to residential and commercial growth to complement the industrial activity which is mainly centred around Vapi. Proposals for micro and small-scale industrial growth centres in the peripheral areas of Valsad UA were also given.

The studio exercise was carried out with the assistance of Collector, Valsad District; the Valsad District Town Planning Office, Government of Gujarat; and the Valsad Municipal Council. Students also visited the Parsi heritage village of Udvada, Vapi Industrial Estate, Common Effluent Treatment Plant in the Vapi Industrial Estate, Daman and Nargol beach.

छात्रों द्वारा निम्नलिखित विषयों पर थीसिस पूर्ण :

क्र.	छात्र सं.	छात्र का नाम	थीसिस का विषय
1	2014 एमयूआरपी 001	विशाल क्षत्री	निर्माण व्यवसाय हस्तक्षेप और स्वास्थ्य समुदायों के प्रति दृष्टिकोणः भोपाल का अध्ययन
2	2014 एमयूआरपी 002	शुभंकर कुमार	सांस्कृतिक साइट पर माल विक्रेताओं के लिये योजना :वाराणासी के मामले का अध्ययन
3	2014 एमयूआरपी 003	अंशुमन मुदुली	आपूर्ति की कमी का समाधान द्वारा आवास की कमी का संबोधन : भुवनेश्वर का मामला
4	2014 एमयूआरपी 004	विराट भूते	एनएमए सार्वजनिक परिवहन के लिये एक वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत के रूप में जेट्रोफा जैव डीजल की उपयोगिता
5	2014 एमयूआरपी 005	श्रबना दास	एक पुराने शहर के क्षेत्र के लिये आपदा प्रबंधन योजना : बरो पांच, कलकत्ता के एक मामले का अध्ययन
6	2014 एमयूआरपी 007	मनिता पूर्ति	ब्लाक में आजीविका संवर्धन : झारखंड का एक मामला
7	2014 एमयूआरपी 012	महिन्दर बवरिया	अपराध पैटर्न और जिम्मेदार कारकों के मध्य संबंध
8	2014 एमयूआरपी 015	इर्तिका अंजुम	शैक्षणिक संस्थान बसें एवं अन्य परिवहन सेवाओं का एकीकरण : भोपाल का मामला
9	2014 एमयूआरपी 019	नितीश कुमार	भोपाल सहित संकुल आधारित आर्थिक विकास योजना : इंदौर सुपर इकोनोमिक कॉरिडोर
10	2014 एमयूआरपी 020	शमीर निजार एम.	निर्मित पर्यावरण एवं सक्रिय परिवहन एकीकरण हेतु योजना : चैन्नई का मामला
11	2014 एमयूआरपी 021	आकांक्षा जैन	शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच व क्षमता का अध्ययन : भोपाल का मामल
12	2014 एमयूआरपी 022	रूपसा चक्रवर्ती	सार्वजनिक परिवहन कॉरिडोर में पार्क और सवारी सुविधा के लिये योजना : कलकत्ता का एक मामला
13	2014 एमयूआरपी 023	शालंका दुबे	महिलाओं की सुरक्षा हेतु ट्रांजिट कॉरिडोर

The students have successfully completed their Thesis on the topics as listed below :

S. No.	Scholar No.	Name	Thesis Topic
1	2014MURP001	Vishal Chettry	Built environment intervention and approach towards healthy communities – case of Bhopal
2	2014MURP002	Shubhankar Kumar	Planning for street vending on cultural site : A case study of Varanasi
3	2014MURP003	Anshuman Muduli	Addressing housing shortage by resolving supply side constraints: A case of Bhubaneswar
4	2014MURP004	Virat Bhute	Feasibility of Jatropha bio- diesel as an alternate energy source for Public Transportation of NMA
5	2014MURP005	Shrabana Das	Planning for Disaster Management of an Old City Area – Case Study of Borough 5, Kolkata
6	2014MURP007	Manita Purty	Enhancing existing livelihood in block – A case of Jharkhand
7	2014MURP012	Mahinder Bawaria	Determining the relationship between crime pattern and responsible factors
8	2014MURP015	Irtiqa Anjum	Integration of Educational Institution Buses and Public Transportation Services – Case of Bhopal
9	2014MURP019	Nitish Kumar	Planning for cluster based economic development along Bhopal – Indore super economic corridor
10	2014MURP020	Shameer Nizar M	Planning for Built Environment and Active Transportation Integration- Case of Chennai
11	2014MURP021	Akanksha Jain	A Study of Accessibility to Health & Education Services Case of Bhopal City
12	2014MURP022	Rupsa Chakraborti	Planning for Park and Ride Facility in public transport corridors – A case of Kolkata
13	2014MURP023	Shalaka Dubey	Planning interventions for women safety in a transit corridor

14. शैक्षणिक दौरे

अध्ययन यात्रा – प्रथम वर्ष अनुभाग A – B (बी.आर्क.)

संकाय टीम : वास्तुविद् आशीष पाटिल, वास्तुविद् सुकांता मजूमदार, मोमिता दास
यात्रा में शामिल कक्षा : बी.आर्क प्रथम वर्ष (अनुभाग ए)
यात्रा की अवधि : 10–12–2015 to 18–12–2015
यात्रा गंतव्य : हिमाचल प्रदेश

यात्रा का उद्देश्य बी. आर्क प्रथम वर्ष के छात्रों को पहाड़ी क्षेत्रों के वास्तुकला से अवगत कराना था। जिसमें इन क्षेत्रों में मानव गतिविधियों के परिचलन जो कि स्थानीय संदर्भ, जलवायु, स्थानीय निर्माण सामग्री तथा स्थानीय निर्माण तकनीक पर आधारित है आदि का अध्ययन निहित है। वास्तुकला की दृष्टि से महत्वपूर्ण भवन जैसे कि कोटखई तथा रामपुर का राजदरबार, धर्मशाला स्थित बौद्ध प्रांगण, चंबा के मंदिर तथा चंबा एवं डलहौजी स्थित चर्च आदि का अवलोकन किया गया जो छात्रों को भविष्य में संबंधित विषयों के साथ तारतम्य बिठाने में मददगार होगा।
आगामी सत्र में भवन डिजाइन हेतु कोटखई, जनजेहली तथा पंडोह क्षेत्रों में एक– एक परिसर का चयन तथा अध्ययन किया गया। छात्र इन तीनों में से कोई एक परिसर का चयन कर सकेगा। इसके अतिरिक्त, जहाँ तक संभव हुआ भवनों के संरचनात्मक पहलू एवं स्थानीय निर्माण विद्या आदि छात्रों को समझाया गया।

संकाय टीमः वास्तुविद् प्रशांति राव (विजि. फैकल्टी), वास्तुविद् आशुतोष कुमार (रिसर्च स्कॉलर)
यात्रा में शामिल कक्षा : बी. आर्क. प्रथम वर्ष (अनुभाग बी)
यात्रा की अवधि : 10–12–2015 से 18–12–2015
यात्रा गंतव्य : शिमला – मनाली– कुल्लू– चिंतापुरणी– धर्मशाला

इस यात्रा का प्रमुख उद्देश्य अवलोकन, चित्रकारी तथा छायांकन के माध्यम से सीखना तथा विगत प्रथम सत्र के दौरान सीखे गए डिजाइन के मूलभूत सिद्धांतों का पुनः मूल्यांकन था इसके अलावा आगामी सत्र में डिजाइन विषय हेतु परिसर का चयन तथा अध्ययन भी इस यात्रा के उद्देश्य में समाहित है जिसके अंतर्गत शहरी क्षेत्रों के चरित्र को समझना तथा आमजन की आवश्यकताओं को चिन्हित करना था उपरोक्त आशय से छात्रों ने प्रस्ताव दिया कि छोटे विक्रय स्थान/गुमटी के डिजाइन द्वारा लोगों की आवश्यकता पूर्ण की जा सकती है।

चूंकि अध्ययन यात्रा प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण, विषय धरातल तथा प्रमुख दर्शनीय स्थल है इस कारण से शिमला –मनाली–धर्मशाला में गुमटी के लिये उपयुक्त स्थान को चयन करना छात्रों के लिए अत्यंत आकर्षक अनुभव होगा। छात्रों ने चयनित परिसर के पास निर्मित भवनों का छायांकन तथा अवलोकन भी किया। यात्रा के अंतर्गत चिंतापूर्णी मंदिर के समीप स्थित गावों को समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा अंग्रेजी एवं पुर्तगाली कालीन वास्तुकला में निर्मित भवनों का अवलोकन किया गया। छात्रों को इस बात से अवगत कराया गया कि किस तरह से स्थानीय तौर पर उपलब्ध स्लेट पत्थर तथा देवदार की लकड़ी का उपयोग कर सूखी चिनाई की गई ताकि भवन भूकम्प के झटकों को सहन कर सके छात्रों ने विख्यात मंदिरों तथा कुल्लू के नगरकोट में लकड़ी द्वारा भवन निर्माण की तकनीक को भी समझा इसके अलावा छात्रों ने शिमला में वायसराय के भवन को भी देखा तथा स्थानीय संदर्भ एवं भवन वास्तुकला के प्रगाढ़ संबंध को भी समझा। अतिरिक्त गतिविधियाँ के अंतर्गत छात्रों ने सोलंग घाटी तथा धर्मशाला का भ्रमण किया तथा व्यास नदी पर नौकायन किया। यात्रा ने छात्रों को निर्मित तथा अनिर्मित स्थान की वास्तुकला से संबद्धता को समझने में मदद की।

14. Educational Tours

Study Tour – 1st Year Section A & B (B.Arch.)

Faculty team: Ar. AshishPatil, Ar. Sukanta Majumdar, Moumita Das
Class accommodated for trip : 1st year B-arch , Section – A
Trip duration : 10-12-2015 to 18-12-2015
Trip destination : Himachal Pradesh

The aim was to introduce the pattern of hill architecture of Himachal Pradesh to students of B.Arch 1st Year - Section A inclusive of the human activity pattern based on local context, climatic conditions, locally available materials and construction techniques etc.
Some architectural buildings like, Rajdarbar of Kotkhai and Rampur, Buddhist campus of Dharamsala, Shikhara style temple of Chamba, Churches of Chamba and Dalhousie were visitedtohelp students correlate in the future.
Three sites were selected from Kotkhai, Janjehli and Pandoh for the purpose of residence design. Students were supposed to select one for design in the upcoming semester.
Further, structural aspects and construction with local materials were explained to students wherever possible.

Faculty team: Ar. PrashantiRao (Visiting Faculty), Ar. Ashutosh Kumar (Research Scholar)
Class accommodated for trip : 1st year B-arch , Section – B
Trip duration : 10-12-2015 to 18-12-2015
Trip destination : Shimla-Manali-Kullu-Chintapurani-Dharamshala

The major goal of this tour was to learn through observations / photography/ sketching and to revise and review the first semester learning of basic design principles. Further, the tour inculcated site study of the next design exercise for the upcoming semester with an intent of understanding the character of urban space/s and identifying the needs of the people. Based on these, the students came up with a proposal to fulfil the needs of the people with the help of a small kiosk design. Since the sites were full of natural scenic beauty with complex topography and tourist destinations, it became interesting for the students to identify site for kiosk in Shimla-Manali-Dharamshala. They also captured and observed the built forms on the sites. The tour included visits to villages rich in cultural heritage with many built forms reflecting English and Portuguese architecture near Chintapurani. The students were also introduced to use of dry masonry with locally available stones like slate with pine wood to exemplify how they helped in bearing earthquakes. Students also learnt about Timber construction techniques in famous temples and Nagar castle near Kullu. Apart from this they also visited Viceroy building in Shimla and understood the relevance of the place in terms of context and building architecture. Extracurricular activities included destinations like Solang valley and Dharamshala and river rafting in Vyas River. The study tour helped students understand the relevance of built and un-built spaces in Architecture.

अध्ययन यात्रा – दूसरा वर्ष अनुभाग A (बी.आर्क.)

शिक्षकगण : प्रो संजीव सिंह, वास्तुविद् कृतिका राजदरकर एवं वास्तुविद् स्नेहा बोधनकर, नागपुर
यात्रा में शामिल कक्षा : बी.आर्क. द्वितीय वर्ष (अनुभाग–ए)
यात्रा गंतव्य : लोंसावली, पर्व (वर्धा जिला), बापूकुटी – सेवाग्राम , महाराष्ट्र

हमारे संस्थान के तृतीय सेमेस्टर के छात्रों का यह स्टूडियो, नागपुर के एसएमएमसीए संस्थान के भी तृतीय सेमेस्टर के छात्रों के साथ संयुक्त अध्ययन था। यह स्टूडियो स्थानीय वास्तुकला (वर्नाकुलर) के अध्ययन पर अभिकेंद्रित था। स्थानीय वास्तुकला लोगों द्वारा बनाये उन घरों तथा अन्य भवनों को समाहित करता है जो उनके पर्यावरण स्थानीय उपलब्ध संसाधन तथा परंपरागत निर्माण विधि से संबंध रखते है। इस तरह के भवनों का निर्माण व्यक्तिगत आवश्यकताओं की पूर्ति, मूल्यों का संधारण वित्तीय तथा सांस्कृतिक जीवन शैली की पूर्ति हेतु किया जाता है। श्री सोहन पाण्डया (सीएसची वर्धा) ने शोध कार्य तथा गावों के चयन में सहयोग किया। 35 छात्रों को महाराष्ट्र के ''बाडा वास्तुकला'' से अवगत कराया गया। छात्र वर्धा जिले से 25 किमी दूर स्थित लोंसावली गांव में गये तथा लोंसावली के परंपरागत बाड़े में स्थित विभिन्न तरह के घरों का छायांकन तथा प्रलेक्षण किया।

दूसरे दिन वर्धा जिले से 200 मिली दूर स्थित पर्वा नामक शहर में ''पर्वेकर का बाड़ा'' देखने गये। वास्तुविद् सुजाता तथा नीता ने भी स्टूडियो में आकर छात्रों का मार्गदर्शन किया तथा विस्तृत प्रलेक्षण हेतु मदद की। अंत में, सीएसवी केंद्र की एक विनिर्माण इकाई का दौरा किया, जहां छात्रों को एक निर्माणाधीन इमारत में गन्ना टाइल्स का इस्तेमाल किया जा रहा था देखने को मिला इसके उपरांत बापू कुटि सेवाग्राम के लिए एक यात्रा की जहां छात्रों को स्थानीय निर्माण सामग्री और इसके निर्माण की तकनीक के बारे में जानने का मौका मिला।

Study Tour – 2nd Year Section A (B.Arch.)

Faculty team: Prof. Sanjeev Singh Ar. Krutika Rajderkar and
Ar. Sneha Bodhankar S.M.M.C.A., Nagpur
Class accommodated for trip: 2nd year B-arch, Section – A
Trip destination : Lonsawali, Parva (Wardha district), BaapuKuti– Sevagram, Maharashtra

The studio of III semester students was a joint studio with students of III Semester, Department of Architecture, S.M.M.C.A., Nagpur. This studio concentrates on vernacular architecture. Vernacular architecture comprises of dwellings and other buildings of people which relates to their environment and available resources using traditional technology. They are built to meet specific needs, accommodating their values, economics and ways of living of the cultures that produce them.

Mr. Soham Pandya, CSV Wardha assisted in researching and finalising this village. 35 students were in troduced to traditional Wada architecture of Maharashtra. They visited *Lonsawali* village, around 25 Km away from Wardha district. The students documented the traditional wada of *Lonsawali*village and also found different typologies of houses in. On the second day, *Parva*, a small town having a famous wada of Parvekar's was visited which is located approximately 200 km from Wardha. Ar. Sujata Godbole and Ar. Neeta Lambe both joined the studio for that visit and helped students documented Parvawada in detail. Lastly, a manufacturing unit of CSV centre was visited where students got to see an under-construction building in which *gunna* tiles were being used. This was followed by a visit to Baapu Kuti, Sevagram where the students got to learn about vernacular materials and its construction techniques.

अध्ययन यात्रा – दूसरा वर्ष अनुभाग B (बी.आर्क.)

संकाय टीम : डॉ. राम सतीश पासुपलेटी, वास्तुविद् बृषभानलली रघुवंशी,
वास्तुविद् शिखा पाटीदार (विजिटिंग फैकल्टी)
यात्रा में शामिल कक्षा : बी.आर्क, द्वितीय वर्ष, (अनुभाग – बी)
यात्रा की अवधि : 06–08–2015 से 11–08–2015
यात्रा गंतव्य : अमरकंटक, मध्य प्रदेश

बी. आर्क द्वितीय वर्ष (अनुभाग–बी) के 36 छात्रों के साथ अमरकंटक की अध्ययन यात्रा की गई। अध्ययन का उद्देश्य भवन की अवधारणा संबंधी विस्तारपरक विश्लेषण करना था जिसके अंतर्गत यह जानना कि किस तरह से भवन को आकार दिया गया तथा अलग ओराओं अलग पीढ़ियों ने अपनी परिवर्तनशील जीवन शैली तथा आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु इन भवनों में किस तरह के परिवर्तन किये। विभिन्न जनजातीय समुदाय जैसे कि गोंड, बैगा, अगरिया तथा ओराओं आदि के ग्रामीण बसाहट का अध्ययन किया गया। इन बसाहटों के उन घरों को जो पीढ़ियों से संरक्षित हैं उन्हें प्रलेखित किया गया ये भवन स्थानीय निर्माण सामग्री तथा स्थानीय तकनीक से बने अवलोकन से ऐसा प्रतीत होता है कि बसाहट का उद्भव, विकास विस्तार क्षेत्र के जलवायु तथा लोक संस्कृति के अनुसार हुआ।

अध्ययन यात्रा – रिपोर्ट तृतीय वर्ष अनुभाग A (बी.आर्क.)

संकाय टीम : वास्तुविद् सुशील कुमार सोलंकी, वास्तुविद् अजय कुमार विनोदिया
वास्तुविद् प्रत्यूश माधवी (रिसर्च स्कॉलर)
यात्रा में शामिल कक्षा : बी.आर्क, तृतीय वर्ष, (अनुभाग–ए)
यात्रा की अवधि : 10–12–2015 जव 18–12–2015
यात्रा गंतव्य : चंडीगढ़ – धर्मशाला – मक्लिओडगंज

Study Tour - 2nd Year Section B (B.Arch.)

Faculty team: Dr. Ram Sateesh Pasupuleti, Ar. Brishbhanlali Raghuwanshi, Ar. Shikha Patidar (Visiting Faculty)
Class accommodated for trip: 2nd year B-arch, Section – B
Trip duration: 06-08-2015 to 11-08-2015
Trip destination: Amarkantak, Madhya Pradesh

A study tour of Amarkanatak was conducted with 36 students of B.Arch 2nd year. The study envisioned on elaborating about the concept of dwelling, how it has been shaped and modified by different generations with their changing lifestyle and requirements. The village settlements with different tribes namely Gond, Baiga, Agaria, Oraon were studied. In this settlement, the dwellings which have sustained from generations were documented. They were made up of locally available materials and construction techniques. It was observed that the settlements evolved as per the culture and climate of the region.

Study Tour Report – 3rd Year - Sec A (B.Arch.)

Faculty team: Ar. Sushil Kumar Solanki, Ar. Ajay Kumar Vinodia
Ar. Pratyoosh Madhavi (Research Scholar)
Class accommodated for trip : 3rd year B-arch, Section – A
Trip duration: 10-12-2015 to 18-12-2015
Trip destination: Chandigarh – Dharmashala–Mcleodganj

स्टूडियो का उद्देश्य था कि ऐसे भवनों का अध्ययन किया जाए जिनमें विभिन्न प्रकार की सेवाएं (जल–मल, विद्युत आदि) की प्रमुखता हो तथा साथ ही छात्रों को शहरी योजना तथा रिहायशी भवनों के विन्यास संबंध में अनुभव मिल सके। चंडीगढ़ के मैदानी तथा हिमांचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में अध्ययन किया गया। चंडीगढ़ में छात्रों नें (द ललित) नामक होटल का अवलोकन किया जिसमें वातानुकूलन संयत्र, अग्निशामक संयत्र, जल–मल संबंधी व्यवस्था, विद्युतीकरण आदि सेवा के विन्यास तथा निर्माण संबंधी बारीकी को समझा दूसरे अध्ययन में चंडीगढ़ के प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र पीजीआई देखने गये। यहां पर छात्रों ने विभिन्न समूह बनाकर अस्पताल परिसर में स्थित विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं के विभागों (जिनमें नेत्र, दुर्घटना, सामान्य, प्रसव, हृदय संबंधी) आदि विभागों का अध्ययन किया।

पीजीआई के स्थानीय वास्तुविद आर्की. संगीत शर्मा जी ने छात्रों को अस्पताल डिजाइन के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रस्तुत की जिससे छात्रों को अत्यंत लाभ मिला। इसके पश्चात चंडीगढ़ के राजधानी परिसर का भ्रमण किया जहाँ विश्वविख्यात वास्तुविद श्री (ल कार्बूजियर) द्वारा डिजाइन किये गऐ केपिटल काम्पलेक्स, राज्य संग्रहालय हाईकोर्ट आदि भवनों का अवलोकन किया साथ ही स्वतंत्र भारत के पहले नियोजित शहर के विन्यास तथा वी 7 सड़कों के डिजाइन संबंधी जानकारी भी मिली। धर्मशाला में नैसर्गिक सौंदर्य के अवलोकन के साथ साथ मेक्ल्योडगंज में अंग्रेजी हुकूमत के दौरान किये गये अनेक प्रसिद्ध वास्तुकला के द्वारा महत्वपूर्ण भवनों का अवलोकन किया। बौद्ध विहार, मंदिर, चर्च तथा

मशहूर कांगड़ा के किले को भी छात्रों ने देखा तथा उनकी वास्तुकला को प्रलेखित किया।
इसके उपरांत हिमांचल के नद्दी ग्राम जो कि समुद्र तल से 2000 मीटर ऊपर स्थित पहाड़ी क्षेत्र है उसका अवलोकन किया तथा गांव की बसाहट तथा भवन निर्माण की तकनीक, स्थानीय वास्तुकला तथा निर्माण सामग्री आदि का छायांकन तथा प्रलेखन किया। यात्रा के दौरान किये गये सभी तरह के अवलोकन तथा अध्ययन छात्रों को आगामी सत्र में पढ़ाये जाने वाले विषयों प्रमुखतः डिजाइन हाउसिंग तथा टाऊन प्लानिंग आदि के लिये अत्यंत उपयोगी साबित होंगे।

अध्ययन यात्रा – तृतीय वर्ष अनुभाग B (बी.आर्क.)

संकाय टीम : डॉ आनंद वाडवेकर वास्तुविद् कर्णसेन गुप्ता, वास्तुविद् ज्योतिका(रिसर्च स्कॉलर)
यात्रा में शामिल कक्षा : बी.आर्क, तृतीय वर्ष (अनुभाग–बी)
यात्रा की अवधि : 09–12–2015 से 19–12–2015
यात्रा गंतव्य : दिल्ली, चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश

तृतीय वर्ष के छात्रों का शैक्षणिक अध्ययन यात्रा 9 दिसम्बर से 19 दितम्बर तक दिल्ली, चंडीगढ़, तथा हिमांचल प्रदेश के क्षेत्रों में की गई जिसका प्रमुख लक्ष्य आगामी शैक्षणिक सत्र में की जाने वाली डिजाइन के आधार पर पूर्व अध्ययन करना था।

यात्रा से पूर्व सम्पूर्ण यात्रा का विवरण तैयार किया गया तथा यात्रा के दौरान अध्ययन किये जाने वाले भवनों के नक्शे छात्रों को दिये गये। विख्यात संरचना विद् श्री महेन्द्र राज जी एसपीए के छात्रों के साथ 2 दिन तक समय बिताया तथा संरचना डिजाइन की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने छात्रों की आईआईसी दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी जिसका शीर्षक Structure – anessence of architecture था उसमें विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया।

चंडीगढ़ में छात्रों ने विख्यात वास्तुविद कॉबूजिए द्वारा बनाए भवनों का अवलोकन किया तथा सेक्टर 10 में सिटी संग्रहालय के बाजू में स्थित जमीन का अध्ययन किया जो उनके आगामी डिजाइन हेतु प्रस्तावित थी। इसके उपरांत छात्रों ने डलहौजी, चंबा तथा खज्जर के पहाड़ी क्षेत्रों का भ्रमण किया तथा वहां स्थित ऐतिहासिक तथा वास्तुकला महत्व के भवनों का अवलोकन किया तथा परंपरागत नियोजन की पद्धति को समझा।

The aim was to study service oriented buildings and getting exposure of town planning and housing pattern of Chandigarh and Hilly regions of Himachal Pradesh. At Chandigarh, Hotel (The Lalits) was visited with aim to observe services like housekeeping, AC Plant room, fire fighting system, Pool, Parking, Electrical & Plumbing services. Another study was at PGI Chandigarh in which, small groups of students studied various hospitals of the campus (such as, Trauma, Eye, Dental, General, OPD, etc.). Student also benefited from a presentation on hospital design by local architect (Ar. Sangeet Sharma) before visit to PGI. Visit to capitol complex, state museum, Le-Corbusier center and experiences of city roads (v7) were motivational to understand planned city. At Dharamshala, apart from the sightseeing of nature at Mcleodganj and visit to some famous architectural buildings like, Buddhist Monastery, temples & Churches and Kangda fort, student have also conducted a study of NADDI Village to understand settlements in hilly regions (2000 mtrs ASL) with local climatic context along with visual documentation of vernacular design of a typical house of the village. All the studies conducted were beneficial in the next semester in design of service oriented buildings as well as for subjects like housing and town planning.

Study Tour – 3rd Year Sec B (B.Arch.)

Faculty team: Dr.Anand Wadwekar, Ar. Karna Sen Gupta, Ar. Jyotika (Research Scholar)
Class accommodated for trip : 3rd year B-arch , Section – B
Trip duration: 09-12-2015 to 19-12-2015
Trip destination: Delhi, Chandigarh and Himachal Pradesh

An academic tour of IIIrd year architecture students was conducted from 9 Dec.to 19 Dec 2015 to the various places of interests and study in Delhi, Chandigarh and Himachal Pradesh with a special focus on themes of design studio of the coming sixth semester.

The study aspects of the complete tour was planned before hand by giving students various plans, elevations, section of buildings/works to be studied during the tour. The eminent and legendary structural designer Mr. Mahendra Raj generously spent almost 2 days with SPA Bhopal students by sharing his experiences and anecdotes from his critical practice. Mr. Raj specifically invited SPA Bhopal students as special guests to the conference on “Structure: an essence of architecture” at IIC New Delhi.

Visits to various icons in Le Corbusier’s only conceived city in world were enjoyed by students and was significant as the site for next design studio is next to City Museum designed by Corbusier in Sector-10.

Also, the visits to Dalhousie, Chamba and Khajjiar were mainly included to study the aspects of town planning in hilly areas, colonial & historical architecture and traditional paintings.

अध्ययन यात्रा – मास्टर ऑफ अर्किटेक्चर (संरक्षण) (द्वितीय सेमेस्टर)

संकाय टीम : रमेश भोले (समन्वयक), डॉ विशाखा कवाठेकर, श्वेता वार्दिया और वी बालाजी

यात्रा में शामिल कक्षा : एम.आर्क (संरक्षण), द्वितीय सेमेस्टर (15 छात्रं)

यात्रा की अवधि : 14 से 27 जनवरी, 2016

यात्रा गंतव्य : अजमेर और पुष्कर

धार्मिक स्थल तथा शहर के मध्य उपस्थित संबंधों तथा प्रतिक्रियों के समझने के लिये अजमेर तथा पुष्कर शहर को क्षेत्रीय स्तर के स्टूडियो हेतु चयनित किया गया जहाँ विभिन्न कार्य पद्धतियों तथा परम्पराओं को स्थापित करने में धर्म की भूमिका का अध्ययन किया गया।

संरक्षण स्टूडियो (द्वितीय सत्र) का प्रमुख उद्देश्य अजमेर व पुष्कर के ऐतिहासिक तथा धार्मिक केन्द्र संस्थान की समस्याओं तथा विरोधाभास के मुद्दों को उजागर करना था। अजमेर सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरहाग जो कि दरगाह बाजार में स्थित है एक धार्मिक स्थल है जहां प्रतिवर्ष पूरे देश भर से बड़ी संख्या में तीर्थयात्री आते हैं।

पुष्कर अजमेर से 14 किमी दूर उत्तर –पश्चिम में स्थित शहर है। पुष्कर का मुख्य मंदिर ब्रह्मा मंदिर है जो पुष्कर सरोवर के पास स्थित है। पुष्कर सरोवर 52 धाराओ से घिरा है जहॉ कार्तिक पूर्णिमा के दौरान पुण्य स्नान हेतु तीर्थयात्री बड़ी संख्या में यहां आते हैं। यहाँ पुष्कर का पशुमेला आयोजित है जो सम्पूर्ण विश्व से तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है। शहरी स्तर पर योगदान हेतु 9 वी शताब्दी की एक मस्जिद जिसे अढ़ाई दीन का झोपड़ा के नाम से जानते है उसका छात्रों द्वारा विस्तृत प्रलेखन किया गया।

प्रवास के दौरान छात्रों द्वारा अजमेर में दरगाह बाजार की गली, लक्ष्मी चौक गली का प्रलेखन किया गया।

संरक्षण वास्तुविद नेहा सक्सेना की मदद से पुष्कर शहर की विरासत की सैर की गई तथा संरक्षण वास्तुविद श्री यश शेखावत ने किशनगढ़ के ऐतिहासिक शहर का भ्रमण कराया। छात्रों ने किशनगढ़ में आर. के. मार्बल की मार्बल संयत्र का अवलोकन किया तथा सामग्री का अध्ययन किया। इसके अतिरिक्त, स्थल विशेष पर ही विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान तथा स्टूडियो संचालित किया गया।

Study Tour – Master of (Conservation) Architecture (IInd SEM)

Faculty team: Ramesh Bhole (Coordinator), Dr. Vishakha Kawathekar, Shweta Vardia and V. Balaji Class accommodated for trip : M Arch (Conservation), II Semester (15 students)

Trip duration: 14th January to 27th January, 2016

Trip destination : Ajmer and Pushkar

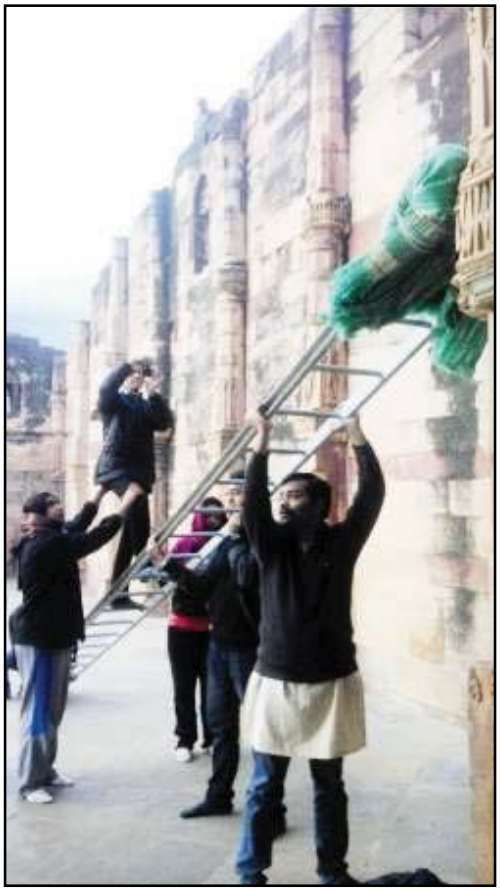

Ajmer and Pushkar towns were chosen for the area level studio to develop understanding of the relationship and responses between the religious site and city; and to study the role of religion in establishing different practices and traditions. The objective of the conservation studio II is to introduce the problems and issues confronting historic/ religious core of Ajmer and Pushkar. Ajmer is a centre of pilgrimage for the Dargah of Khwaja Moinuddin Chishti (a sufi saint) located in the Dargah Bazar which experiences a large no. of pilgrims from the country every year.Pushkar is a town situated 14 km northwest of Ajmer. The main temple of the town is Brahma Temple, situated near the Pushkar Sarovar, which is surrounded by 52 ghats, where large no. of pilgrims take holy bath during the Kartik Poornima. Also, the Pushkar cattle fair is an important event and attracts pilgrims and tourists across globe. For intervention at Urban scale a 9th century monument, a mosque known as Adhai din ka Jhompra was documented in detail by the students.

During the stay the students surveyed and documented the Dargah bazaar street and Lakshmi chowk street from Ajmer and a street leading from Brahma temple to Pushkar sarovar through bazaar street in Pushkar. A heritage walk of Pushkar was guided by Conservation Architect Neha Saxena through Pushkar town and Conservation Architect Yash Shekhawat for historic city of Kishangadh. Students also visited the marble factory of R K Marbles in Kisangarh, for material studies. Further, studio and theory classes were conducted on site by the experts.

अध्ययन यात्रा – मास्टर ऑफ अर्किटेक्चर (परिदृश्य) (द्वितीय सेमेस्टर)

शिक्षकगण : प्रो. सविता राजे, सहायक प्रो. सोनल तिवारी
यात्रा में शामिल कक्षा : एम.एल.ए द्वितीय सेमेस्टर
यात्रा की अवधि : 21 से 28 जनवरी 2016
यात्रा गंतव्य : बेंगलुरू और मैसूर

यात्रा का उद्देश्य था कि छात्र परिदृश्य वास्तुकला के बेहतरीन कार्यों से अवगत हो सकें साथ ही मैसूर तथा बेंगलुरू में स्थित ऐतिहासिक तथा समकालीन सार्वजनिक पार्कों का अध्ययन कर सकें। इसके अंतर्गत ISOLA के वार्षिक अधिवेशन में उपस्थित होकर ISOLA की हरित विरासत यात्रा में शामिल हो ना भी था। यात्रा के दौरान लालबाग के एतिहासिक वनस्पति उद्यान का अध्ययन किया गया साथ ही कब्बन पार्क, बन्नेरघटा राष्ट्रीय उद्यान, चिड़ियाघर तथा तितली उद्यान का अवलोकन किया गया। परिदृश्य वास्तुविद श्री रोहित मरोल के सान्निध्य में छात्रों ने ओरियन मॉल परिसर में समकालीन सार्वजनिक स्थान के डिजाइन का अध्ययन भी किया।

मैसूर जाते समय हमने रामनगर के (शोले फिल्म में दर्शित) चट्टानी परिदृश्य, गोसाई धार पक्षीवन तथा श्रीरंगपट्नम के एतिहासिक किले का दर्शन किया जहॉ मशहूर संरक्षण वास्तुविद श्री रवि गुड्डूराव ने परिदृश्य संरक्षण पर अल्पकालीन व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने मैसूर के ऐतिहासिक परिसर में परिदृश्य विरासत पर एक चलित–वाचन किया तथा कुकराहल्ली झील, चामुंडी पर्वत, वृंदावन उद्यान तथा मैसूर का महल आदि का अवलोकन किया गया।

Study Tour – Master of Architecture (Landscape) (II SEM)

Faculty team: SavitaRaje, Professor and Sonal Tiwari, Assistant Professor

Class accommodated for trip : M.L.A., II Semester

Trip duration : 21st to 28th January 2016

Trip destination : Bengaluru and Mysore

The aim was to see outstanding works of landscape architecture and to study the historical and contemporary public parks and places at Bengaluru and Mysuru. It included the attendance in the ISOLA annual conference and the ISOLA Green Heritage walks. The Lalbagh historic botanical garden was studied along with observations of Cubbon Park; Bannerghata National Park, Zoo and the Butterfly garden. The contemporary Public place (Orion Mall precinct) was studied in presence of its designer Mr.RohitMarol, Landscape Architect.

On way to Mysuru, we saw the rocky landscape of Ramnagar (Sholey fame), Gosaighats, Bird Sancturary and the historic fort of Srirangapatna, where a short studio on landscape conservation was conducted by the renowned conservation architect Mr. Ravi GunduRao. He conducted a Landscape heritage walk-and-talk in the historic precinct of Mysuru, with a visit to the Kukrahallilake. Chamundi Hills, Vrindavan gardens and Mysore palace were also visited.

अध्ययन यात्रा – मास्टर ऑफ अर्बन डिज़ाईन (दूसरा सेमेस्टर)

शिक्षकगण : गायत्री नंदा (स्टूडियो समन्वयक), प्रो पीयूष हजेला

यात्रा में शामिल कक्षा : एम.आर्क. (शहरी योजना), दूसरा सेमेस्टर

यात्रा की अवधि : जनवरी 16 – 29, 2016

यात्रा गंतव्य : मदुरई

मदुरई एक समकालीन महत्व का शहर है जो एक ओर ईसापूर्व तीसरी सदी के इतिहास में दर्ज एक धार्मिक महत्व की दैवीय उद्गम स्थल है वहीं दूसरी ओर इसका भारत के नये शहरी विकास बिंदु जिसके अंतर्गत आगामी पाँच वर्षों में 98 स्मार्ट शहर बनाये जाने है में शामिल होना इन दोनों को समाहित करता है। इसी कारण से इसे आगामी शैक्षणिक सत्र की डिजाइन स्टूडियो में लिया गया है।

बैगई नदी के किनारे स्थित यह शहर प्राचीन काल से सदा बसाहट रखने वाला एक शहर है। इस शहर में शहरी घटकों की बहुलता है जैसे कि इसका इतिहास, संस्कृति, सामाजिक – राजनैतिक विन्यास, आर्थिक गतिशीलता, परिस्थितिकी तंत्र, पर्यावरण एवं वैश्विक प्रभाव आदि इन्ही कारणों से इसे शहरी विषमताओं तथा क्लिष्टता को समझने के लिये एक आदर्श उदाहरण के रूप में चयन किया गया। आरंभिक दो दिनों तक शहर का अवलोकन करने के पश्चात प्रो. जी बालाजी जो कि त्यागराजा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के प्रोजेक्ट डायरेक्टर (शहर धरोहर विकास) ने शहर के उद्भव तथा उत्थान/विकास क्रम तथा अपनों द्वारा तैयार की गई धरोहर विकास योजना पर व्याख्यान दिया। अगले छः दिनों तक छात्रों ने विभिन्न उपक्रमों/विभागों में जाकर आवश्यक जानकारियां एकत्र की तथा विभिन्न पहलुओं का अध्ययन किया। अंतिम दिन श्री विल्लाप्पन रामानाथन जी जो कि एक अर्बन डिजाइनर हैं तथा जिन्होंने शहर के केंद्र स्थान में स्थित सांस्कृतिक धरोहरों के पुनरूद्धार में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया था ने छात्रों के साथ विचार विमर्श किया तथा शहर में पूर्ण किये गये शहरी योजनाओं की जानकारी दी। मीनाक्षी मंदिर का अद्भुत प्रवेश द्वार तथा शानदार भोज्य पदार्थों की विभिन्नता इस शहर को अवश्य देखने की प्रेरणा देती है।

Study Tour – Master of Urban Design (II SEM)

Faculty team: Gayatri Nanda (Studio Coordinator), Prof. Piyush Hajela

Class accommodated for trip : M. Arch (Urban Design), IInd Semester

Trip duration: January 16 - 29, 2016

Trip destination: Madurai

The contemporary significance of Madurai combines both its religious prominence as a divinely originated site whose recorded history dates back to 3rd century BCE and its introduction in India's new urban agenda to create 98 smart cities in the next five years because of which it was taken up in the city studio. Located on the bank of River Vaigai, it is one of the oldest continuously inhabited cities.

The multiplicity of the urban components - its historic significance, culture, socio-political patterns, economic dynamism, ecological, environmental and global influences provided an ideal case for understanding the complexity of Indian cities. After initial study of the city for two days, Prof. G. Balaji of Thiyagaraja College of Engineering (Project Director for Preparing Heritage Development plan for the City) gave a lecture on the evolution of the city and its heritage development plan. The students went to various organizations to collect the required data and studied the varied aspects of the city in detail for the next six days. On the last day, Ar. Valliappan Ramanathan (a practicing architect and Urban Designer who has contributed in revitalizing the heritage core of the city) interacted with the students and told about the various urban projects implemented in the city.

The enchanting Gopurams of the Meenakshi temple and the awesome variety of food makes this city a must visit place.

15. एस.पी.ए. प्रेस / SPA Press

संस्थान द्वारा प्रकाशित प्रत्रिका
''स्पैन्ड्रल'' अंक 10
संपादकः संदीप अरोरा, श्वेता सक्सेना

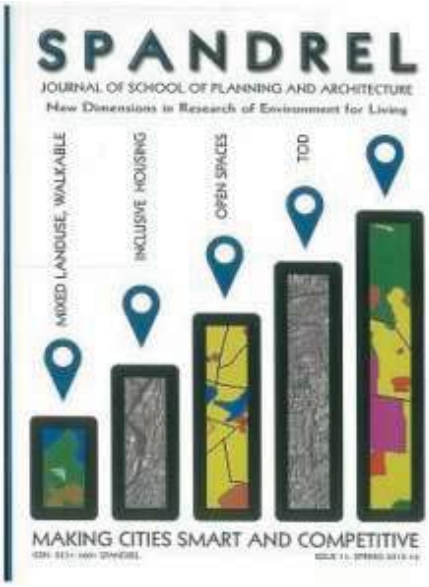

संस्थान द्वारा प्रकाशित प्रत्रिका
''स्पैन्ड्रल'' अंक 11 संपादकः निखिल
रंजन मंडल, अमित चटर्जी

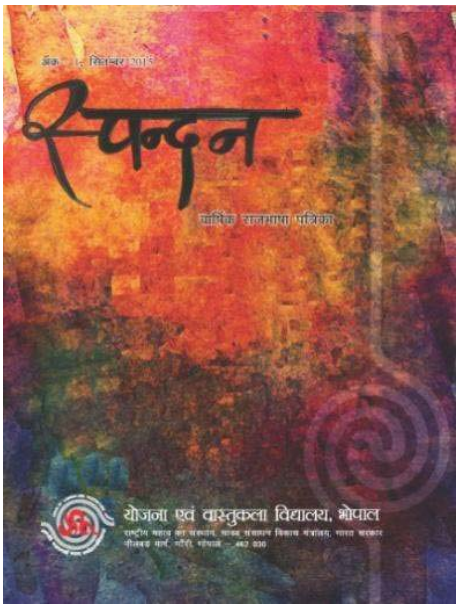

संस्थान द्वारा प्रकाशित हिंदी प्रत्रिका
''स्पन्दन'' का प्रथम अंक संपादकः
राजेन्द्र जेना एवं राजभाषा समिति सदस्य

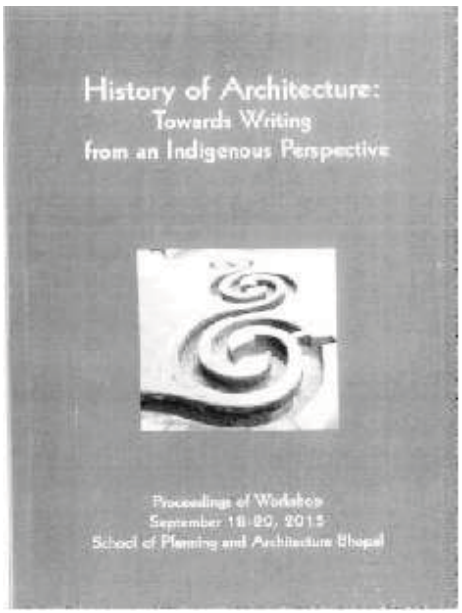

संस्थान द्वारा प्रकाशित प्रत्रिका ''वास्तुकला का
इतिहास : एक स्वदेशी दृष्टिकोण से लेखन की दिशा में''
संपादकः एम. एन. आशीष गंजू, सुनीता कोहली, शिउलि मित्रा

मीडिया कवरेज / Media Coverage

School of Planning and Architecture organizes Yoga workshop

IGRMS में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 11 दिसंबर से

स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) का सुनहरा का कॉन्वोकेशन

धरोहरों को संभालना हमारी जिम्मेदारी

गौहर महल में एक्सपर्ट्स ने हैरिटेज बचाने पर की चर्चा

हैरिटेज के मेंटेनेंस की समस्याओं पर हुई बातचीत

EXPERTS TALK

सिटी रिपोर्टर • कई हैरिटेज के मौके पर स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) और सेंटर फॉर कल्चरल नॉलेज सिस्टम ने भोपाल के हैरिटेज के संरक्षण विषय पर वर्कशॉप का आयोजन किया। सोमवार को गौहर महल में आयोजित वर्कशॉप में इस विषय पर कई विशेषज्ञों के लेक्चर हुए। इस मौके पर हैरिटेज के मेंटेनेंस में आने वाली समस्याओं पर चर्चा हुई। यहां मौजूद हैरिटेज एक्सपर्ट, एक्टिविस्ट और कई हैरिटेज के मालिक मौजूद रहे। यहां स्टूडेंट्स को पत्थरों की सफाई, लाइम स्टोन से मसाला बनाना और पत्थर के बीच पनपे पौधों को हटाने संबंधी कई जानकारी भी दी गई। वर्कशॉप में एसपीए के डीन डॉ. अजय खरे, इंटैक भोपाल के कॉन्वेनर डॉ. एमएम उपाध्याय, इंटैक के ओपी मिश्रा और सेंटर फॉर कल्चरल नॉलेज सिस्टम के प्रमुख डॉ. विशाखा केवलेकर मौजूद रहे। यहां पचास से अधिक हैरिटेज एक्सपर्ट, एक्टिविस्ट और स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

Hindi Fortnight ends at School of Planning and Architecture

Hindi Fortnight concluded at School of Planning on Thursday.

■ Staff Reporter

HINDIfortnight 2015, which was being celebrated from 14 days,concluded on September 17 at School of Planning and Architecture. On this occasion, various competitions, including essay competition, debate, official vocabulary and calligraphy writing were organised for students, teachers, employees and workers. Institute Director Professor Vinod Kumar Singh was present as chief guest of programme. Senior author Dr. Urmila Shirish launched her new magazine 'Spandan'. At the end, winners were awarded by the dignitaries. Registrar and Official

Language Committee President Rajesh Mauja introduced Committee's activities for the development of official language.

एसपीए भी करेगा शहर के हवा, पानी और ध्वनि प्रदूषण की मॉनीटरिंग

200 साल में बने थे आशापुरी के 26 मंदिर

वर्कशॉप में जुटे मैनिट व एसपीए के स्टूडेंट्स

सिटी रिपोर्टर • योजना एवं वास्तुकला विद्यालय (एसपीए), भोपाल की ओर से रविवार को सिम्पोजियम कार्यशाला और प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट) और एसपीए के स्नातकोत्तर छात्रों ने पंजीयन कराया था इसमें स्टूडियो कार्यक्रम, रिपोर्ट राइटिंग, पेंटिंग, फोटोग्राफी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

देश के बेजोड़ वास्तुकला स्मारकों का इतिहास भोपाल में लिखा जाएगा

16. प्रशिक्षण एवं रोजगार प्रकोष्ठ

संस्थान के प्रशिक्षण एवं रोजगार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. निखिल आर. मण्डल, अधिष्ठाता (छात्र क्रियाकलाप) एवं डॉ आनंद वाडवेकर, प्रभारी (प्रशिक्षण एवं रोजगार प्रकोष्ठ) हैं। प्रकोष्ठ पेशेवर प्रशिक्षण के लिये संगठनों का चयन करने में छात्रों की सहायता करता है और छात्रों को स्नातक के बाद रोजगार की सुविधा देता है।

प्रशिक्षण एवं रोजगार प्रकोष्ठ छात्रों के पेशेवर प्रशिक्षण के सभी कार्यक्रम जो कि उनके पाठ्यक्रम का हिस्सा है का समन्वय करता है। एक प्रशिक्षण मैनुअल प्रकोष्ठ द्वारा सभी पाठ्यक्रमों के छात्रों द्वारा उनके प्रशिक्षण के दौरान किये गए कार्यों के मूल्यांकन की एक प्रणाली को कारगर बनाने के लिये बनाया गया है। इस प्रशिक्षण से छात्रों को पाठ्यक्रम के अलावा एक औद्योगिक वातावरण में कार्य करने का अनुभव मिला है। छात्रों को सरकारी और निजी क्षेत्र में एवं सलाहकार, डेवलेपर्स, अनुसंधान संगठनों और गैर सरकारी संगठनों सहित, संगठनों की एक विस्तृत रेंज में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में प्रशिक्षण दिया गया है। छात्रों के लिये स्काइप इंटरैक्टिव सत्र में भी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त करने के लिये आयोजित किया जाता है। इस वर्ष भी छात्र जर्मनी, फ्रांस, अर्जेंटीना, मेक्सिको, श्रीलंका और ओमान के प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में प्रशिक्षण के लिए गए हैं।

प्रशिक्षण एवं रोजगार प्रकोष्ठ सभी स्नातक व परास्नातक छात्रों का प्रोफाइल के साथ हर वर्ष एक प्लेसमेंट ब्रोशर प्रकाशित करता है और बड़े पैमाने पर पेशेवरों के लिये इस डाटा बेस के साथ उद्योग के प्रसार में मदद करता है। स्नातक छात्रों का चयन प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा कैम्पस साक्षात्कार के दौरान चयनित किया जाता है। पूर्व छात्र प्रतिष्ठित संगठनों में पहले से नियुक्त हो चुके है, औद्योगिक शिक्षा का लिंक तेजी से पेशेवर बंधुता में पूर्व छात्रों की बढ़ती संख्या की स्वीकृति के साथ मजबूत बनाया जा रहा है। संस्थान एवं प्रशिक्षण व रोजगार प्रकोष्ठ का मुख्य उद्देश्य मानव संसाधन विकास है एवं प्रशिक्षण एवं रोजगार प्रकोष्ठ वास्तुकला और योजना व्यवसायों की मांगों को जीवंत उद्योग की शिक्षा से पूरा करने का प्रयास है।

इस वर्ष, प्रकोष्ठ पिछले साल की तुलना में सफल प्लेसमेंट गतिविधि कार्यक्रम चलाने में सफल रहा। विभिन्न 25 शैक्षणिक संस्थानों और अग्रणी संगठनों ने स्नातक छात्रों को डायरेक्ट कॉल करके, व्यक्तिगत एवं स्काइप साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार की गतिविधियों का संचालन करने के लिए रूचि दिखाई। संस्थान के द्वारा आयोजित कैम्पस गतिविधि से स्नातक एवं परास्नातक सेसन के 20 छात्र प्रतिष्ठित संगठन आईआईएससी बैंगलोर, बोयांट्स सौल्यूसन प्रा.लि. गुड़गांव, आईटीएम यूनीवर्स–बडोदरा, पूर्णिमा यूनिवर्सिटी जयपुर, एन.एम.पी. डिजाइन दिल्ली, ए.के.डी.एफ. दिल्ली में चयनित हुए।

16. Training and Placement Cell

The Institute has a Training and placement Cell headed by Dr. Nikhil R. Mandal, Dean (Students Affairs) and Dr. Anand Wadwekar, Prof-in-Charge (T&P Cell) which assists students in selecting suitable organizations for undertaking professional training and facilitates the placement of graduating students.

The Training and Placement Cell coordinates the Professional Training of students of all the programmes, which are part of their course curriculum. A Training Manual is designed by the Cell for compliance by students of all courses to streamline a system of evaluating deliverables worked upon in an industrial setup outside the curriculum. Students have been training in reputed National and International organizations both in the government and private sector and across a wide range of organizations including consultants, developers, research organizations and NGOs. Skype interactive session for the students have also organized for getting training opportunities in National and International organizations. This year also students have gone for training in reputed International organizations of Germany, France, Argentina, Maxico, Shri Lanka and Oman.

The Training and Placement Cell publishes a Placement Brochure every year providing the profile of all graduating students of UG and PG programmes helps in disseminating this data base to professionals and the industry at large. Graduating students have been selected by several reputed firms and consultants both in Campus interviews and off campus. With students of the earlier batches already placed in reputed organizations, the industry-academia links are being rapidly strengthened with the acceptance of our growing numbers of alumni in the professional fraternity. Human Resource development is a key objective of the institute and the Training and placement Cell strives to meet the demands of the Architectural and Planning professions by facilitating a vibrant industry-academia interface.

This year, the Cell could able to run successful Placement activity programmes compared with previous years. 25 nos of various Academic institutions and leading organizations were shown their interest to conduct placement activities by direct call, personal and Skype interview for graduating students. 20 students from UG and PG sessions have got selections in reputed organizations like IISc-Bangalore, Voyants Solutions (P) Ltd-Gurgaon, ITM Universe-Badodara, Poornima University-Jaipur, NMP Design Delhi, AKDF Delhi through placement activities conducted in our own campus at Bhauri.

17. संस्थान कार्य विभाग (आई.डब्ल्यू.डी.)

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय भोपाल के संस्थान कार्य विभाग की स्थापना अगस्त 2009 में एसपीए भोपाल की गतिविधियों को विकसित करने हेतु की गई। प्रो. संजीव सिंह, अधिष्ठाता (योजना एवं विकास) संस्थान कार्य विभाग के प्रमुख हैं। वास्तुकार, सौरभ पोपली, सह अधिष्ठाता, (योजना एवं विकास) उनके सहयोगी के रूप में अक्टूबर 2015 से कार्यरत हैं।

संस्थान कार्य विभाग ने परिसर के लिये डिजाइन परामर्श भी उपलब्ध कराया है।
निदेशक भवन, 4 नग प्राध्यापक आवास, 57 नग ग्रुप ए, ग्रुप बी एवं ग्रुप सी स्टाफ आवास भवन एवं गेट कॉम्पलेक्स इत्यादि विगत वर्ष ही पूर्णतः निर्मित हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त 44 आवास संकाय, स्टाफ एवं अन्य हेतु अब तक संस्थान द्वारा उपलब्ध करा दिये गये हैं। गुणवत्ता विकास कार्यक्रम (क्यूआईपी सेंटर) की निकट भविष्य में बुनियादी ढांचागत सेवाओं के साथ–साथ प्रशासनिक गतिविधियों के लिए केन्द्र बनने की उम्मीद है।
पिछले वर्षों में निम्न कार्य पूर्ण हो चुके हैं;

क्र.	आरंभ एवं पूर्ण	स्थिति	आरंभ एवं चल रहे हैं
1	33KV HT स्थाई लाइन कनेक्शन	पूर्ण	
2	संस्थान पार्किंग	पूर्ण	
3	फुटबॉल का मैदान	पूर्ण	
4	बॉस्केट बॉल कोर्ट	लगभग पूर्ण	
5	स्ट्रीट लाइट	पूर्ण	
6	सीवर लाइन	पूर्ण	
7	पानी की आपूर्ति लाइन	लगभग पूर्ण	
8			मुख्य टैंक – पानी
9	आंतरिक सड़क	पूर्ण	
10	जलापूर्ति		नाबदान
11	जलापूर्ति		ओवर हेड टेंक (OHT)

परिसर का बागवानी विकास भी अब चरणबद्ध तरीके से चल रहा है। उदाहरण के लिये 16 जुलाई 2015 को विधायक, हुजूर श्री रामेश्वर शर्मा की सक्रिय भागीदारी के साथ राजधानी परियोजना प्रशासन (सीपीए) के वृक्षारोपकण कार्यक्रम के तहत बड़े पैमाने पर विभिन्न प्रजातियों के 4000 पौधे संस्थान परिसर में विभिन्न स्थानों पर लगाये गए थे।

17. Institute Works Department (IWD)

The Institute Works Department of SPA Bhopal was established in August 2009 for development activities for the campus of SPA Bhopal. Prof. Sanjeev Singh, as Dean (Planning and Development) is the head of Institute Work Department (IWD). Saurabh Popli, Associate Professor has assisted him as Associate Dean (Planning and Development) since October 2015.

Institute Works Department of SPA Bhopal has provided design consultancy for the campus.

The Director's Bungalow, 4 nos. Professor accommodation, as well as 57 nos. Group A, Group B & C staff accommodation, Gate Complex, etc. have been completed in the past year. In addition 44 faculty, staff & other functions of Institute at present occupy accommodation provided by the Institute. Quality Improvement Program (QIP Centre) is expected to become the hub for administrative activities along with basic infrastructural services in the near future.

In the past year, the following works have been initiated & completed;

S.No.	Initiated & Completed	Status	Initiated & Ongoing
1	33KV HT Permanent Line Connection	Completed	
2	Parking for Institute	Completed	
3	Football Ground	Completed	
4	Basketball Court	Nearly Completed	
5	Street Light	Completed	
6	Sewer Line	Completed	
7	Water Supply Line	Nearly Completed	
8			Main Tank - Water
9	Internal Road	Completed	
10	Water Supply		Sump
11	Water Supply		Over Head Tank (OHT)

Horticulture development of campus is also now underway in phased manner, for instance, on July 16, 2015, with the active participation of Shri. Rameshwar Sharma, MLA, Huzur, as many as 4000 plants of different species were planted at various locations in the campus, under the mass plantation programme of Capital Project Administration (CPA).

18. अनुसंधान एवं विकास

वर्ष 2015–16 में योजना एवं वास्तुकला विद्यालय में अनुसंधान एवं विकास पर निम्नलिखित विषयों पर गतिविधियां हुई।

अनुसंधान उमक्रम : वर्तमान में संचालित एवं नये परामर्श परियोजनाएं

परामर्श परियोजनाएँ

क्षमता वर्धन एवं प्रशिक्षण उपक्रम

अनुसंधान उपक्रम :

सशक्तिकरण, सार्वभौमिक पहुंच, रिमोट सेंसिंग, जीआईएस एवं विरासत संरक्षण के क्षत्र में यहां पूर्व से संचालित अनुसंधान परियोजनाएं या तो पूर्ण हो चुकी है या समाप्ति के निकट हैं।

वर्ष 2015–16 में प्रमुख अनुसंधान उपक्रम इस प्रकार हैं :

अनुसंधान उपक्रम पर आधारित डिज़ाइन अनुसंधान केन्द्र, (डीआईसी) मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित है। एसपीए भोपाल योजना एवं वास्तुकला के विषयों में केंद्रीय संस्थान एसपीए दिल्ली का एक स्पोक इंस्टीटयूट है। एसपीए भोपाल के अनुसंधान के विषय 'सभी के लिये आश्रय' एवं 'विरासत के लिये सार्वभौमिक डिजाइन का नवीनीकरण' है इस परियोजना में उत्पादों के डिजाइन एवं नवीकरण की प्रक्रिया को प्रचार प्रसार के साथ तीन वर्षों में परिणाम निकाला जावेगा।

एक स्वदेशी परिप्रेक्ष्य से वास्तुकला के इतिहास पर संस्थान से वित्त पोषित परियोजना, जिसे कार्यशाला की एक श्रंखला के रूप में देख रहे हैं एवं उपस्थित बहुअनुशासनिक छात्रों के शैक्षणिक विकास के ढांचे के इतिहास को पुनः देखा जा रहा है

एसपीए भोपाल एवं कार्डिफ यूनिवर्सिटी एवं द्रोन्ह के सहयोग से भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद का एक अनुसंधान हेतु अनुदान, अजमेर शहर में सतत नियोजन एवं संरक्षण कार्य हेतु प्राप्त हुआ है।

विशेष कार्यों के लिये आवास प्रौद्योगिकी के प्रस्तुतिकरण हेतु, आवास क्षेत्रों में अनुसंधान एवं क्षमता निर्माण हेतु एक समझौता ज्ञापन आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय के साथ हस्ताक्षरित किया गया।

एक समझौता ज्ञापन तारू के साथ (एक राष्ट्रीय स्तर का सलाहकार संस्थान, रॉकफेलर के अंतर्गत, एशिया जलवायु शहर श्रंखला द्वारा वित्त पोषित) अनुसंधान गतिविधियों को शामिल करने, शहरी जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में प्रशिक्षण एवं क्षमता वर्धन करने हेतु हस्ताक्षरित किया गया।

एसपीए भोपाल एवं एनटीएनयू नार्वे ने एक एग्रीमेंट इरास्मस + ग्लोबल मोबाइलिटी प्रोग्राम के अंतर्गत दाखिल किया। जो कि अनुसंधान एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों हेतु संकाय एवं पीएचडी विद्वावानों के आदान प्रदान की सुविधा देता है।

परामर्श परियोजनाएँ :

संरक्षण के क्षेत्र, मूल्यांकन एवं शहरी नियोजन का विरासत पर प्रभाव (सेवा वितरण सुधार) के विषयों पर कुछ परामर्श परियोजनाएं संचालित हैं एवं कुछ परियोजनाए प्रक्रियाधीन है।

18. Research & Development

In the year 2015-16 the activities associated with Research & Development of the School of Planning and Architecture, Bhopal may be broadly classified under the following heads:

Research Initiatives : Ongoing and New

Consultancy Projects

Capacity Building & Training Initiatives

Research Initiatives :

There are several ongoing research projects from earlier years which have either been completed or are nearing completion in the areas of sustainability, universal access, remote sensing and GIS and conservation and heritage.

Major research initiatives in the year 2015-16 are as follows:

The Design Innovation Centre, (DIC) is an MHRD funded research initiative. SPA Bhopal is a spoke institute to the hub institute SPA Delhi under the theme of Architecture and Planning. The research themes for SPA Bhopal are 'Shelter for All' and 'Universal Design Innovation for Heritage' and the project would culminate in designing of products and process innovations with mechanisms of dissemination over a period of 3 years.

An institute funded project on 'History of Architecture from an Indigenous Perspective', which has seen a series of workshops attended by a milieu of multi-disciplinary scholars developing an academic framework of relooking at the history of the sub-continent. A publication of workshop proceedings was its outcome.

A research grant from Indian Council of Historic Research for SPA, Bhopal in collaboration with Cardiff University and DRONAH, has been received for work on the city of Ajmer, for its sustainable planning and conservation.

An MoU has been signed with the Ministry of Housing and Urban Poverty Alleviation, for the Technology sub-mission of the Housing for All mission, for research and capacity building support in the domain of housing.

An MoU with TARU, a national level advisory institution, under the Rockefeller funded Asia Climate Cities Network has been signed for activities encompassing research, training and capacity building in the field of Urban Climate Change Resilience (UCCR).

SPA Bhopal and NTNU Norway have entered into an Agreement under the Erasmus + Global Mobility Programme which facilitates exchange of faculty and Ph. D scholars for research and other academic activities.

Consultancy Projects :

Few consultancy projects have been undertaken and are in process in the domains of conservation, heritage impact assessment and urban planning (service delivery improvement).

क्षमता वर्धन एवं प्रशिक्षण उपक्रम :

ग्रीन संरचना के विषय का परिचय, ग्रीन बिल्डिंग एवं ग्रीन परिवहन पर सशक्त शहरी आवास पर एक सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन योजना विभाग, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम को म.प्र क्लीन डेवलेपमेंट मेकनिज़्म एजेंसी (एमपीसीडीएमए), मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रायोजित किया गया। एसपीए भोपाल ने इस कार्यक्रम में तीन दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न सरकारी विभागों एवं शहरी स्थानीय निकायों और संवेदनशील शिक्षाविदों एवं अनुसंधान हेतु शहरी क्षेत्रों के लिये विकासात्मक गतिविधियों में लगे हुए विद्वानों के तकनीकी कर्मियों का क्षमता निर्माण करना है।

कार्यशाला दिनांक 09–04 मार्च 2015 को सफलतापूर्वक आयोजित की गई थी एवं कार्यशाला का प्रारंभ स्वर्गीय पद्मभूषण एम.एन. बुच ने किया था। 'सशक्त शहरी आवास' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला दिनांक 08 अगस्त 2015 को आयोजित की गई।

भोपाल की अन्य शासकीय एजेंसी जैसे भोपाल विकास प्राधिकरण, मध्यप्रदेश स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कार्पोरेशन के सहयोग से सलाह सेवा, परामर्श, क्षमतावर्धन एवं प्रशिक्षण गतिविधि करने के लिये राज्य सरकार के संबंधित क्षेत्रों में वास्तुकला, शहरी नियोजन एवं विकास हेतु एसपीए भोपाल के साथ समझौता ज्ञापन हुआ।

संचालित एवं पूर्ण अनुसंधान एवं परामर्श परियोजनाओं की सूची, अप्रैल 2015 – मार्च 2016 :

क्र.	परियोजना का नाम	पक्षकार / सहयोगी / प्रायोजक	स्थिति	प्रारंभ दिनांक
1	उत्तरीय भारतीय मंदिरः खोये हुए मूलों का पुनःनिर्माण	ब्रिटिश एकेडमी (अनुसंधान में सहयोगीः कार्डिफ यूनिवर्सिटी)	चल रही है	12 अप्रैल 2014
2	वास्तुकला मंदिरों की नगारा परंपराएंः निरंतरता, परिवर्तन, नवीकरण	लेवरहम ट्रस्ट, यूके (अनुसंधान में सहयोगीः कार्डिफ यूनिवर्सिटी)	चल रही है	24 जुलाई 2014
3	यूनिवर्सल एक्सेस, सिटी पैलेस परिसर, एक अनुसंधान एवं डिजाइन विकास परियोजना	महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउण्डेशन	चल रही है	जुलाई 2015
4	भोपाल एवं मुंबई में सुरक्षित समुदाय को बढ़ावा देने हेतु जीआईएस मेपिंग एवं विश्लेषण	बच्चों के पर्यावरण पर कार्रवाई, नई दिल्ली, यूनिसेफ द्वारा वित्त पोषित	चल रही है	मई 2015
5	एक स्वदेशी परिप्रेक्ष्य परियोजना से वास्तुकला का इतिहास	संस्थान द्वारा प्रायोजित परियोजना	पूर्ण हो चुकी है	मई 2015 से दिसम्बर 2015

Capacity Building & Training Initiatives :

A "Sensitization programme on Sustainable Urban Habitat" addressing the themes of Green Infrastructure, Green Building and Green Transport was organized by the Department of Planning, School of Planning and Architecture Bhopal, sponsored by M.P. Clean Development Mechanism Agency (MPCDMA), Government of Madhya Pradesh. SPA Bhopal had organized one conference and three two days workshops under this programme. The programme aimed at the capacity building of technical personnel of various Government Departments and urban local bodies and sensitizing academicians and research scholars engaged in developmental activities for urban areas.

The workshops were conducted successfully during 9th - 14th March 2015 and inaugurated by Padmabhushan late Shri M.N. Buch. The one day conference on 'Sustainable Urban Habitat' was conducted on 8th August 2015.

Other government agencies in Bhopal such as Bhopal Development Authority, Madhya Pradesh State Tourism Development Corporation have set up collaborations through agreements and MoUs with SPA Bhopal for advisory services, consultancy, capacity building and training activities for state government personnel in areas related to architecture, urban planning and development.

A detailed list of ongoing projects and institutional tie-ups and MoU's for 2015-16 is included:

LIST OF ONGOING AND COMPLETED, RESEARCH AND CONSULTANCY PROJECTS APRIL 2015 - MARCH 2016				
S.No	Project Name	Client/Collaborator/ Sponsor	Status	Date of Initiation
1	Northern Indian Temple Forms: Reconstructing Lost Origins	British Academy (research collaborator: Cardiff University)	Ongoing	12 April, 2014
2	The Nagara Traditions of temple architecture: Continuity, transformation, Renewal	Leverhulme Trust, UK (research collaborator: Cardiff University)	Ongoing	24 July, 2014
3	Universal Access at City Palace Complex, Udaipur, A Research and Design Development Project	Maharana Mewar Charitable Foundation	Ongoing	July, 2014
4	GIS mapping and Analysis for "Promoting Safe Communities" in Bhopal and Mumbai	Action for Children's Environment, New Delhi, funded by UNICEF	Ongoing	May, 2015
5	History of Architecture from an Indigenous Perspective Project	Institute Sponsored Project	Completed	May, 2015 to December, 2015

6	डीआईसी			
	थीम 1 : सभी के लिये आश्रय	एसपीए नई दिल्ली, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित	चल रही है	नवम्बर 2015
	थीम 2 : विरासतों के लिये सार्वभौमिक डिजाइन नवीकरण	एसपीए नई दिल्ली, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित		
7	म.प्र. के 16 यूएलबी की तैयारी के लिये सेवा वितरण सुधार योजना रिपोर्ट	पीएसी बैंगलोर, डीएफआईडी द्वारा वित्त पोषित	पूर्ण हो चुकी है	अक्टूबर 2015 से दिसम्बर 2015
8	ऐतिहासिक शहर अजमेर/पुष्कर, एतिहासिक भागों को मापना, सशक्त योजना एवं संरक्षण के प्रयोग एवं अर्थ	आईसीएचआर, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत शासन, (सहयोगी एजेंसी : द्रोनह, वेल्स स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, कार्डिफ यूनिवर्सिटी यूके)	चल रही है	दिसम्बर 2015
9	हैदराबाद गोल्फ कोर्स के प्रस्तावित विस्तार के लिये गोलकुण्डा किले के विरासत मूल्य के प्रभावों का मूल्यांकन	हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन	चल रही है	जनवरी 2016
10	एतिहासिक भवनों का वास्तुकला दस्तावेजीकरण	मध्य प्रदेश स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कार्पोरेशन	चल रही है	मार्च 2016

6	DIC		Ongoing	July, 2015
	Theme 1 : Shelter for All	SPA, New Delhi, funded by MHRD		
	Theme 2 : Universal Design innovation for Heritage	SPA, New Delhi, funded by MHRD		
7	Service Delivery Improvement Plan report for preparation of 16 ULBs of MP	PAC Bangalore, funded by DFID for UADD MP	Completed	October,2015 to December, 2015
8	Historic City of Ajmer/Pushkar: Mapping layers of History, Use and meanings for Susainible Plannig & Conservation	ICHR, MHRD. GoI (Collaborating Agency: DRONAH, Welsh School of Architecture, Cardiff University, UK)	Ongoing	December, 2015
9	Heritage Impact Assessment for the impact of proposed extension of Hyderabad Golf course on the Heritage value of Golconda Fort for Hyderabad Golf Association	Hyderabad Golf Association	Ongoing	January, 2016
10	Architectural Documentation of Historic Buildings	Madhya Pradesh State Tourism Development Corporation	Ongoing	March, 2016

19. संस्थान की गतिविधियाँ

द्वितीय दीक्षांत समारोह

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय (एस.पी.ए.), भोपाल का द्वितीय दीक्षांत समारोह 4 अक्टूबर 2015 को आयोजित हुआ। दीक्षांत समारोह का आरम्भ संस्थान गान से हुआ। कार्यक्रम के शुभारम्भ की घोषणा संस्थान के निदेशक प्रो. विनोद कुमार सिंह ने स्वागत ज्ञापन व प्रतिवेदन से की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आई. आई. टी. कानपुर के पूर्व निदेशक पद्मश्री प्रो. संजय गोविंद धांडे ने दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

दीक्षांत समारोह में वर्ष 2010, 11 व 13 बैच के मास्टर आफ आर्किटेक्चर (अर्बन डिजाइन), मास्टर आफ आर्किटेक्चर (कन्जर्वेशन), मास्टर आफ आर्किटेक्चर (लैंड्स्केप), मास्टर आफ प्लानिंग (अर्बन एवं रीजनल प्लानिंग), मास्टर आफ प्लानिंग (इन्वायरमेंटल प्लानिंग) बैचलर आफ आर्किटेक्चर, बैचलर आफ प्लानिंग के कुल 149 स्नातकों को उपाधि दी गई जिनमें से 129 स्नातक दीक्षांत समारोह में उपस्थित थे। दीक्षांत समारोह में वर्ष 2010, 11 व 13 शैक्षणिक सत्र के सात स्नातकों को स्नातक व परा–स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए प्रवीणता स्वर्ण पदक दिये गये। वर्ष 2010 शैक्षणिक सत्र के बैचलर आफ आर्किटेक्चर के स्नातक सिद्धार्थ मंडल को चेयरपर्सन मेडल दिया गया।

19. Institutional Activities

Second Convocation

The Second Convocation of School of Planning and Architecture, Bhopal was organized on 4th October, 2016. Convocation was started with Institution song. Inauguration of the convocation was announced by the then Director Prof. Vinod Kumar Singh with welcome address and progress report of the Institute. Chief Guest of the Convocation Padmshri (Prof.) Sanjay Govind Dhande, Ex Director, IIT Kanpur addressed the Convocation Programme.

During Convocation, degrees were awarded to 149 students of the year 2010, 2011 and 2013 Batch of Master of Architecture (Urban Design), Master of Architecture (Conservation), Master of Architecture (Landscape), Master of Planning (Urban and Regional Planning), Master of Planning (Environmental Planning), Bachelor of Architecture and Bachelor of Planning. Out of 149 Student, 129 students were present in the convocation. Gold Medals were given to seven students of UG and PG Programme for the Academic year 2010, 2011 and 2013 and The Chairperson Medal for the Academic year 2010 was awarded to Shri Shidharth Mandal, Bachelor of Architecture.

साउथ एशियन स्टूडेंट डिज़ाइन प्रतियोगिता (SASDC) एवं साउथ एशियन वर्नाकुलर आर्किट्रेक्चर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (SAVA)

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय (S.P.A.) भोपाल द्वारा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय (I.G.R.M.S.) एवं भारतीय ग्रामीण विरासत एवं विकास ट्रस्ट (I.T.R.H.D.) के सहयोग से दक्षिण एशियाई छात्र डिज़ाइन प्रतियोगिता (SASDC-2015) का आयोजन दिनांक 10 दिसम्बर 2015 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के परिसर में किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु विभिन्न वास्तुकला विद्यालयों से 60 से अधिक छात्रों ने पंजीयन कराया। प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागी को प्रथम 80,000/– रूपये, द्वितीय 50,000/– रूपये एवं तृतीय 30,000/– रूपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

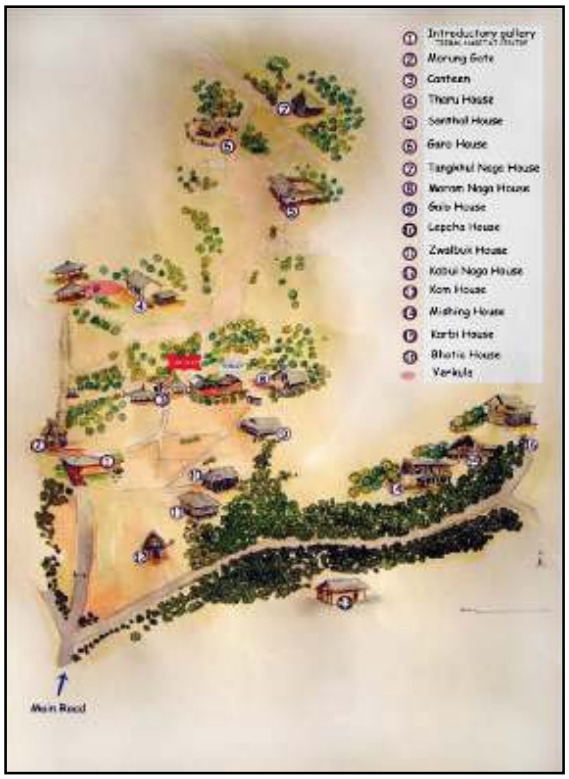

इसी तारतम्य में दक्षिण एशिया की स्थानीय वास्तुकला पर केंद्रित सम्मेलन (SAVA) का आयोजन दिनांक 11–13 दिसम्बर 2015 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के परिसर में किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि माननीया श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया जी, मंत्री, वाणिज्य उद्योग एवं रोजगार, सार्वजनिक उपक्रम, खेल और युवक कल्याण, धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग मध्य प्रदेश थीं। कार्यक्रम का शुभारंभ देश की जानी मानी इंटीरियर डिज़ाइनर और एस.पी.ए. भोपाल के शासी मण्डल की अध्यक्षा पद्म श्री श्रीमती सुनीता कोहली ने किया।

उक्त प्रतियोगिता एवं सम्मेलन में दक्षिण एशिया के देश भारत, नेपाल, पाकिस्तान, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान और मालदीव से वास्तुविद्, कलाकार, क्राफ्ट्समैन, डिजाइनर, शिक्षाविद, उद्यमी आदि ने भाग लिया। सम्मेलन का उद्देश्य आज के युग में स्थानीय वास्तुकला की चुनौतियों की जाँच एवं भविष्य के लिए अपनी निरंतरता और अनुकूलन हेतु रणनीति विकसित करने हेतु रखा गया था।

South Asian student Design Competition (SADC) and South Asian Vernacular Architecture Conference (SAVA)

The School of Planning and Architecture, Bhopal (SPAB) in collaboration with Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya (IGRMS) and Indian Trust for Rural Heritage and Development (ITRHD) organised South Asian Students Design Competition (SASDC), 2015 on 10th Dec 2015 to examine the challenges that vernacular architecture faces today and to evolve strategies for its continuity and adaptation for the future. More than 60 students from various architecture colleges participated in the competition. Winners of the competition received first prize of 80,000/-, second prize 50,000/- and third prize of 30,000/-.

In the similar context South Asian Vernacular Architecture (SAVA) conference was organized in IGRMS from 11th to 13th Dec 2015. Chief Guest on the occasion was Honorable Ms Yashodhara Raje Sindhiya Minister of Commerce, Industries and Employment, PSU Enterprises, Sports and Youth Welfare, Religious Trust and Endowment Departments. Renowned Interior Designer and Chairperson Board of Governors, SPA Bhopal Padmshri Sunita Kohli was pursidedover the event.

Architects, Craftsman, Designer and Academician from different Nepal, Pakistan, Bhutan, Bangladesh, Sri Lanka, Afganistan and Maldives. attended the conference Objective of the conference was to examine the challenges in today's world and for the future of the local architecture.

हिन्दी पखवाड़ा

संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा–2015 का आयोजन माह सितम्बर 2015 में किया गया जिसके अंतर्गत दिनांक 01.09.2015 से हिंदी भाषा के ज्ञान के संवर्धन एवं व्यापक प्रचार प्रसार हेतु छात्र–छात्राओं, शिक्षकों, अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएँ जैसे निबंध, सुलेख, प्रशासनिक शब्दावली, टिप्पण, वाद–विवाद इत्यादि आयोजित की गई व इसमें संस्थान के सभी सदस्यों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया, समापन–समारोह के अवसर पर संस्थान के तात्कालिक निदेशक डॉ. विनोद कुमार सिंह, मुख्य अतिथि डॉ. उर्मिला शिरीष, वरिष्ठ साहित्यकार ने संस्थान की प्रथम हिंदी पत्रिका के प्रथम अंक का विमोचन किया। विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गए।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

संस्थान में 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' दिनांक 26–31 अक्टूबर 2015 के मध्य अत्यंत जोश एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस वर्ष सतर्कता जागरूकता का विषय ''सतर्कता निवारण ही सुशासन का उपाय है'' था। इस कार्यक्रम पर संस्थान ने सामान्य जागरूकता के लिए छात्रों की भागीदारी के साथ सुशासन के माध्यम से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए बहुत सी गतिविधियाँ की।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का प्रारंभ प्रो. चेतन वैद्य, निदेशक एस.पी.ए. भोपाल एवं श्रीमती सुनीता कोहली पूर्व अध्यक्ष एस.पी.ए. भोपाल की उपस्थिति में छात्रों, शिक्षकों, अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण द्वारा शपथ लेने के साथ किया गया। एक वाद–विवाद कार्यशाला का आयोजन भ्रष्टाचार और उसकी रोकथाम हेतु अपने विचारों को साझा करने एवं छात्रों के जीवन में नैतिकता की भूमिका के उद्देश्य से किया गया।

श्रीमती अनुराधा शंकर सिंह, भारतीय पुलिस सेवा की उपस्थिति में संस्थान के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। श्रीमती सिंह ने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया और युवा वर्ग को सभी स्तर पर भ्रष्टाचार के उन्मूलन हेतु आगे आने के लिए अपील की। जागरूकता फैलाने के लिये छात्रों द्वारा पोस्टर प्रदर्शनी और नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।

Hindi Pakhwada

Institute celebrated "Hindi Pakhwada-2015" from 1 st – 14th Sep 2015 in the campus. Like every year, "Hindi Pakhwada" was organized to create awareness on the importance of Rajbhasha in official activities and to enhance its knowledge. Several competitions such as, hand writing, typing, translation, administrative and technical teriminologies, debate, etc were organized for students, faculty and staff. First issue of "Spandan" (Hindi Patrika) was also launched on this occasion. Employees and students participated in all activities with great enthusiasm. Prizes were given away to the winners. All participants were also acknowledged with participation certificates.

Vigilance Awareness Week

As per Government of India directives, Institute celebrated 'Vigilance Awareness Week' from 26th to 31st October, 2015 on the theme "Preventive vigilance as a tool of good Governance". On this occasion, various activities were organized by the Institute to create awareness on how to curb the corruption through good governance.

The observance of vigilance awareness week was started with pledge taking by students, faculty and staff. Prof. Chetan Vaidya, Director & Mrs. Sunita Kohli, Chairperson were also present on this occasion. A debate was also organized on "Role of Ethics in students life" where in students shared their thoughts on corruption and their prevention.

A talk by Mrs Anudadha Shankar Singh, Indian Police Services (Railways) was delivered on the above theme. Students, faculty and staff were present in large numbers. Mrs. Anuradha Singh shared initiatives of Government of India to curb the corruption and appealed young students to came forward for eradication of corruption at all levels .

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

गणतंत्र दिवस समारोह

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 26 जनवरी 2016 को प्रातः 9 बजे से संस्थान में गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया। समारोह में संस्थान के संकायगण सदस्य, प्रशासनिक स्टाफं व संस्थान के छात्र–छात्राएं सम्मिलित हुए।

स्वच्छ भारत अभियान

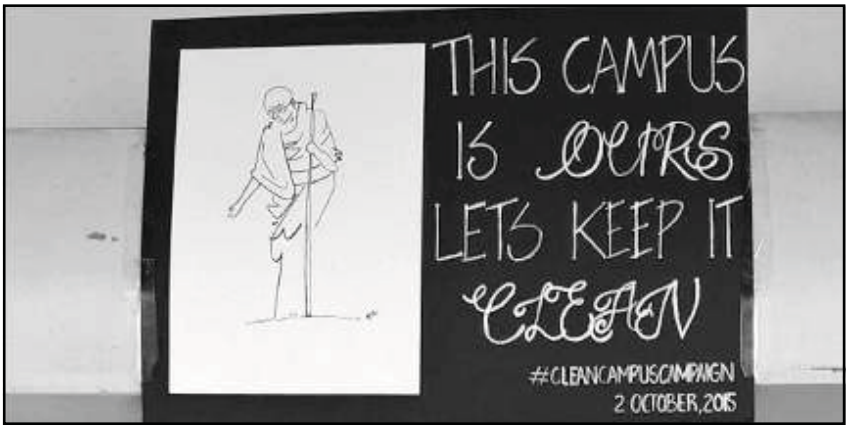

"स्वच्छ भारत अभियान" के तहत संस्थान में महात्मा गांधी जी की जयंती के अवसर पर दिनांक 2 अक्टूबर 2015 को "स्वच्छ परिसर अभियान" का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अपशिष्ट प्रबंधन समिति, कुलसचिव, अधिष्ठाता, एसपीए भोपाल के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों द्वारा संचालित किया गया। इस अभियान की शुरूआत परिसर में टॉप एंड टाउन के परिसर को साफ करके की गई जिसमें लगभग 75 विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों व कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

International Day of Yoga

Republic Day Celebration

Institute celebrated 67th Republic Day of the Nation on 26th January, 2016 at the campus. This celebration was attended by faculty, staff and students in large number.

Swachchha Bharat Abhiyaan

On the occasion of Mahatma Gandhi Jayanti on 2nd October 2015, Institute organized a "Swachchhata campaign" under Swaccha Bharat Mission of the Government of India. Students, faculty and staff participated in the drive and made efforts to clean the area in and around canteen of the Institute, on the occasion.

इंटर एस.पी.ए. स्पोर्ट्स मीट

एस.पी.ए. भोपाल द्वारा प्रथम बार इंटर एस.पी.ए. स्पोर्ट्स मीट का आयोजन किया गया जिसमें एस. पी.ए दिल्ली एवं एस.पी.ए. विजयवाड़ा सहित एस.पी.ए. भोपाल ने अपनी भागीदारी रखी। प्रतियोगिता का आयोजन 4–6 मार्च 2016 को किया गया। जिसमें बॉलीबाल, फुटबाल, टेबल टेनिस एवं बैडमिंटन खेलों की प्रतियोगिताएँ हुई। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में सभी एस.पी.ए. की टीमें अपने ध्वज एवं रंगबिरंगी पोशाकों में एकत्रित हुई। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रभारी निदेशक महोदय एवं अधिष्ठाता (शैक्षणिक क्रियाकलाप) द्वारा मशाल प्रज्वलित कर किया गया। सभी खिलाड़ियों द्वारा मार्च पास्ट किया गया। सभी प्रतिभागी टीमों ने अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन दिया।

प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह प्रभारी निदेशक महोदय, अधिष्ठाता शैक्षणिक क्रियाकलाप एवं कुलसचिव महोदय एवं संस्थान के अन्य पदाधिकारीगण की उपस्थिति में किया गया। एसपीए भोपाल को ओवर ऑल चैम्पियनशिप ट्रॉफी प्रदान की गई तथा कार्यक्रम की मशाल एसपीए दिल्ली/विजयवाड़ा को सौपी गई जिससे इंटर एसपीए स्पर्धा का आयोजन निरंतर चलता रहे।

स्पिक मैके

स्पिक मैके (सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ इंडियन क्लासिकल म्यूजिक एंड कल्चर अमंग यूथ) की गतिविधियों के अंतर्गत संस्थान के परिसर में दिनांक 30 सितंबर 2015 को एक संगीत संध्या का आयोजन किया गया जिसमें प्रसिद्व संतूर वादक पंडित भजन सोपोरी एवं उनके सहयोगियों ने प्रस्तुति दी इस कार्यक्रम में संस्थान के छात्र, शिक्षक व कर्मचारीगण ने भारी संख्या में उपस्थित होकर संगीत संध्या का आनंद लिया।

Inter SPA Sports Meet

School of Planning and Architecture, Bhopal organized SPA Inter Sports Meet for three SPAs (Bhopal, Delhi and Vijayawada) from 4 th to 6 th March, 2016 at Bhauri Campus, Bhopal. Competitions on Football, Volleyball, Cricket and Badminton were held amongst students of three SPAs. During the inaugural ceremony, all teams were assembled with their flags at the campus of SPA, Bhopal and Director (In-charge) lightened the lamp on the occasion.

On the concluding day of the sports meet, prizes were given away to the winning teams in presence of Director, In-charge, Registrar and officers of SPA Bhopal. Champion Trophy was awarded to SPA Bhopal and torch (mashaal) of the programme was given to SPA Delhi and SPA Vijaywada as a symbol to maintain continuity of organizing Inter Sports Meet among SPAs.

SPIC MACAY

As a part of the activities under SPIC MACAY (Society for Promotion of Indian Classical Music and Culture amongst youth) musical concert by an eminent Santoor Player Pandit Bhajan Sopori & his Colleagues was organised in the campus on 30th Sept, 2015. An ancient stringed musical instrument **'Santoor'** performance was given by Pandit Bhajan Sopori and his colleagues.

स्वतंत्रता दिवस समारोह

सुगम्य भारत अभियान

रेडक्रास सोसाईटी, रीवा (म.प्र.) के तत्वाधान में दिनॉक 10 जनवरी 2016 को भारत के होनहार देशव्यापी अभियान (सुगम्य भारत अभियान) के अन्तर्गत एक संगोष्ठी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिला स्तरीय स्कूल के अध्यापकों को वास्तुकला की दृष्टि से अवरोध मुक्त विद्यालय का निर्माण कैसे किया जाएगा और सभी स्तर के छात्र/छात्राओं को कैसे सर्व–सुविधाएँ प्रदान की जाएगी, आदि बातों पर जोर दिया गया। योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल के सहायक प्राध्यापक (वास्तुकला) श्री सुशील कुमार सोलंकी ने इस विषय के संबंध में वास्तुकला की नई तकनीकों और निर्माण कार्यों में मापदण्डों को कैसे उपयोग में लाया जाए इस विषय पर जानकारी दी।

वर्ल्ड आर्किटेक्चर फेस्टिवल

वास्तुकला के क्षेत्र में वर्ल्ड आर्किटेक्चर फेस्टिवल वास्तुकला छात्रों को एक मंच प्रदान करता है। इस वर्ष वर्ल्ड आर्किटेक्चर फेस्टिवल 2015 की थीम "ऐंटीसिपेटिंग ऑफ अनएक्सपेक्टेड" थी। इस प्रतियोगिता में हमारे संस्थान के 6 छात्रों को चुना गया और उन्होनें अपनी थीम "पास्ट, प्रजेन्ट एंड फ्यूचर रिइमेजिंग द सिटी ऑफ लेक" के लिए जीत हासिल की और संस्थान का नाम रोशन किया । संस्थान से प्रो. संजीव सिंह छात्रों की इस उपलब्धि में उनके साथ वहाँ उपस्थित थे।

Sugamya Bharat Abhiyaan

Under Accessible India Campaign a seminar and training programme was organized in collaboration with Red Cross Society, Riva (MP) on 10th January, 2016 at SPA Bhopal. In this programme, discussion on barrier free environment and basic amentities for disabled students was held. Mr. Sushil Kumar Solanki, Assistant Professor, SPA Bhopal apprised about the architect norms and new technique for constructing barrier free buildings in the country.

World Architecture Festival

World Architecture festival provides a platform to the students of Architecture In this Year, the theme of World Architecture festival 2015 was "Anticipating of unexpected". Six students of SPA Bhopal were selected to participate in the competition. They were declared winner for their presented theme on "past present and future and reimaging the city of lake". Prof. Sanjeev Singh, Department of Architecture accompanied students during this prestigious Event.

एस.पी.ए. भोपाल शासी मण्डल के अध्यक्ष का दौरा

प्रो. विमल पटेल दिनांक 13 जनवरी 2016 से मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल के शासी मण्डल के अध्यक्ष के रूप में नामित किये गए हैं। संस्थान में उनका प्रथम दौरा दिनांक 13 मार्च 2016 को हुआ। प्रो. पटेल ने संस्थान के निदेशक (अतिरिक्त प्रभार), कुलसचिव, अधिष्ठातागण, विभाग प्रमुख, संकाय सदस्य एवं संस्थान के अन्य स्टॉफ के साथ मुलाकात की। उन्होंने संस्थान परिसर में छात्रों की प्रदर्शनियों का अवलोकन एवं मूल्यांकन किया।

वास्तुकला परिषद का दौरा

5 सदस्यों का एक पैनल प्रो के. बी. जैन की अध्यक्षता में वास्तुकला की परिषद द्वारा 2008–2012 बैच के छात्रों का ऑडिट करने हेतु गठित किया गया था। पैनल के सदस्य प्रो मिलिंद कोल्लेगल (संयोजक), प्रो. लालकृष्ण मोहन, प्रोफेसर कविता दरयानी एवं वास्तुकार हबीब खान थे। ऑडिट टीम 28 जुलाई, 2015 की सुबह संस्थान में पहुंची एवं डॉ अजय खरे, डीन अकादमिक, विभागाध्यक्ष आर्किटेक्चर, अन्य डीन और संकाय सदस्यों द्वारा टीम का स्वागत किया गया। संस्थान द्वारा उन्हें दस्तावेज और रिपोर्ट तैयार कर निरीक्षण के लिए सौंप दिये गये। इसके बाद, एक प्रस्तुति के माध्यम से सभी इन्फ्रास्ट्रक्चर, शिक्षकों, बी.आर्क पाठ्यक्रम, कक्षा अनुसूची, पाठ्यक्रम की योजनाओं और संस्थान के अन्य पाठयक्रम और पाठ्येतर गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया। प्रस्तुति के बाद टीम को संस्थान में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं के भौतिक सत्यापन हेतु संस्थान का दौरा कराया गया। उन्होंने विभिन्न स्टूडियो का दौरा किया जहां छात्र कार्य करते हुए नजर आये, उन्होंने विभाग के संकायों के साथ बातचीत भी की। दौरे के दूसरे दिन, 29 जुलाई 2015 को टीम ने संस्थान के वर्तमान एवं पूर्व छात्रों के साथ बातचीत की। इसके बाद निदेशक, विभागाध्यक्ष, डीन और रजिस्ट्रार के साथ एक बैठक की। सभी आवश्यकताओं को संतोषजनक रूप से पूर्ण कर, अनुमोदन कर बी.आर्क की डिग्री (2008–2012) वास्तुकला की परिषद द्वारा प्रदान की गई थी।

Visit of Chairman, Board of Governors of SPA Bhopal

Prof. Bimal Patel was nominated by Ministry of HRD, as Chairman of Board of Governors of School of Planning and Architecture Bhopal w.e.f. 13.01.2016. His first visit to SPA Bhopal was held on 13.03.2016. During this visit, Prof. Bimal Patel met with the Director (Additional Charge), Deans, Head of Department (Architecture & Planning), Registrar, Faculties and other staff members of the Institute. Prof. Patel observed and evaluated exhibitions presented by the students in the campus.

Council of Architecture Visit

A panel of 5 members was constituted by Council of Architecture under the convenorship of Prof. K. B. Jain to audit the work of students of batches 2008 – 2012. The panel members were Prof. Milind Kollegal (Convener), Prof. K. Mohan, Prof. Kavita Daryani, and Ar. Habeeb Khan. The audit took place on 28th and 29th July 2015. The team arrived at the institute on 28th July 2015 morning and was welcomed by the Dean Academics Dr. Ajay Khare, HOD Architecture, other Deans and faculty members. They were handed over the documents and the report prepared by the institute for inspection. Later, they were shown a presentation showcasing the overall infrastructure, faculty, B.Arch. curriculum, class schedule, lesson plans and other curricular and extra-curricular activities of the institute. After the presentation the team was taken around the institute for the physical verification of the various facilities available within the institute. They also visited the various studios where the student's works were displayed. Then they interacted with the faculties of the department. On the second day, 29th July 2015, the team interacted with the students and the alumni of the institute. Later on they had a meeting with the Director, HOD, Deans and Registrar of the institute. On the basis of satisfactory completion of all requirements, approval to the all B.Arch. degrees (2008-2012) was granted by the Council of Architecture.

मातृभाषा दिवस

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल में दिनांक 3 मार्च 2016 को मातृभाषा दिवस मनाया गया। उक्त दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रनिर्माण में मातृभाषा की भूमिका के संदर्भ में विभिन्न कार्यक्रमों (वाद विवाद, गायन एवं पोस्टर प्रतियोगिता) का आयोजन किया गया। वाद विवाद कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने आधुनिक जीवन में राष्ट्रभाषा का योगदान, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, वैश्विक प्रभाव पर मातृभाषा की भूमिका, देश की संस्कृति का उद्‌भव, निर्माण एवं विकास पर चर्चा की। संस्थान द्वारा नामित निर्णायक मण्डल ने सभी प्रतियोगिताओं का आंकलन किया। संस्थान के सभी कर्मचारी व अधिकारीगण व छात्र–छात्राओं ने उक्त कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक अपनी सहभागिता दर्ज की।

वास्तुकला छात्र राष्ट्रीय संघ (नासा भारत)

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 30 जनवरी से 7 फरवरी 2016 तक वास्तुकला छात्र राष्ट्रीय संघ (नासा भारत) का आयोजन श्री गीजू भाई छग्गनभाई पटेल वास्तुकला संस्थान सूरत (गुजरात) में आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल के 30 छात्र/छात्राएँ सम्मिलित हुए। नासा भारत का उद्‌देश्य वास्तुकला के छात्रों में शैक्षिक दृष्टिकोण से ज्ञानवर्धन हेतु एक मंच प्रदान करना है। इस कार्यक्रम में देशभर के 400 से अधिक छात्र सम्मिलित होते हैं।

Mother Tongue Day

School of Planning and Architecture Bhopal celebreted Mother Tongue Day on 3rd march 2016. Various competitions (Debate, Singing and Poster Presentation) were organized in compliance of the directives of Government of India. On this day, discussions on various topics such as role of mother tongue in modern life, scientific, cultural and global view of the nation were also held. Students, faculty and staff participated in large number in the competitions. Evalution of competitions were made by the evaluation committees of the Institute.

National Architecture Students Association (NASA India)

Like every year, this year, National Association Students of Architecture (NASA India) was conducted at Mr. Giju Bhai Chaggan Bhai Patel Architecture Institute at Surat (Gujarat) from January 30 to February 7, 2016. 30 students from SPA Bhopal have participated in the programme. The purpose of NASA (India) is to provide a platform to the students of architecture from the educational view. Every year, more than 400 students participate from all over the country in this programme.

इंटीग्रल स्टूडियो "करके सीखो"

वास्तुकला एवं अभिकल्पना वे क्षेत्र हैं जिसमें 'बनाने' को 'सीखने' की एक अभिन्न गतिविधि माना गया है। बनाने की प्रक्रिया के दौरान सिर्फ निर्माण करने या उसके किसी एक भाग की उपलब्धि हासिल करना मात्र खुशी नहीं है, इसमें एक अनुभावात्मक सीख का छुपा हुआ प्रबल आयाम भी महसूस किया जाता है। शिक्षण एवं अंतः विषय एसोसिएशन के सहयोग से एसपीए भोपाल ने एक इंटीग्रल स्टूडियो का आयोजन करके सीखने के विचारों पर दिनांक 14 से 18 मई 2015 के मध्य आयोजित किया। विभिन्न देशों से 11 विशेषज्ञ कार्यशाला में उपस्थित हुए। यह छात्रों के लिए एक अच्छा अनुभव था।

मुंबई से आये कल्पेश गोसावी ने सुलेख एवं अभिलेख तथा वज्र पचारिया व्यंग्य चित्रकार एवं अनुसंधान सहायक, आईआईटी बॉम्बे के छात्र ने गति स्कैच रूपों की खोज की, संकेत पाटिल ने स्टूडियो फोटोग्राफी की कार्यशाला में सुविधा दी, हरकिरत सिंह, वास्तुकार, नई दिल्ली, ने छात्रों को हल्की संरचनाओं की दुनिया को दिखाया, पलाश वासवानी, विशेषज्ञ डिजिटल फिल्म निर्माण, निशि चौहान बैंगलोर की एक उत्पाद डिजाइनर, विशेषज्ञ, प्रिंट मेकिंग कार्यशाला, बतूल अब्बास, डिजाइन शोधक मुंबई, ने छात्रों को एक डिजाइन सोच विकसित करने के लिये मदद की, स्वाति अग्रवाल ने तकनीकों और क्राइमेशन की जटिलताओं को सिखाया, साक्षी गंभीर मेंटर सिरेमिक कार्यशाला, अनकोन मित्रा ने ओरेगामी में चमत्कार करने के लिये छात्रों को पढ़ाया, हर्षित सिंह कोठारी ने छात्रों को वास्तुशिल्प की बारीकियों को समझने के लिये लिखित शब्द को अनुवाद कर समझाया। 18 मई को एसपीए परिसर में आयोजित 5 दिवसीय कार्यशाला में 220 छात्रों ने अविस्मरणीय उत्पादों को निर्माण कर दिखाया। प्रो. शोवन साहा, प्रो. शंकर आर., डॉ सुदेशना चटर्जी, वास्तुकार किरण कलमदानी ने वास्तुकला एवं योजना के क्षेत्र में प्रख्यात हस्तियों ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। सभी आगंतुकों ने कार्य प्रदर्शनी की प्रशंसा की। इस तरह के विविध एवं अद्भुत उत्पाद् सभी छात्रों एवं एसपीए के परिवार के लिये संतोषजनक थे। कार्यशाला का समन्वयन एसपीए भोपाल के वास्तुकला विभाग के सभी संकाय सदस्य, सौरभ तिवारी, अरविंद मील, अपूर्व श्रीवास्तव एवं आशिष पाटिल द्वारा किया गया। अधिक जानकारी के लिये कृपया http://lbym.spabhopal.ac.in/ देखें।

Integral Studio "Learning by Making"

Architecture and Design are the fields, which involves 'making' as an integral activity to 'learning'. During the process of making, there is not just a joy of achieving things to fabricate or resolve a form; the strong hidden dimension of an experiential learning is also realized. Believing in the idea of 'learning by making', 'collaborative learning' and 'interdisciplinary association', SPA Bhopal organized the Integral Studio 2015 from 14th to 18th May. Experts from all over the country came to mentor 11 varied hand-on workshop tracks; it was an invigorating experience for the students. Kalpesh Gosavi from Mumbai taught Calligraphy & Lettering, Vajra Pancharia, Animator and Research Associate at IIT Bombay involved students in exploring the Sketchforms through Motion , Sanket Patil facilitated the Studio Photography workshop, Harkirat Singh, an Architect from New Delhi exposed students to the world of Light Weight Structures, Palash Vaswani mentored Digital Film-Making, Nishi Chauhan, a product designer from Bengaluru mentored Analog Print-Making workshop, Butool Abbas, Design Researcher, Mumbai helped students to evolve a Design Thinking, Swati Agarwal taught techniques and intricacies of Claymation, Sakshi Gambhir mentored the Ceramics workshop, Ankon Mitra taught students to create wonders in Origami and Harshit Singh Kothari helped the students in understanding the joys and subtleties involved in translation from a written word to an architectural intervention.

220 students in 5 days of workshop created amazing products which was exhibited in the School of Planning and Architecture campus premises on the 18th of May. Prof. Shovan Saha, Prof. Shankar R., Dr. Sudeshna Chatterjee, Ar. Kiran Kalamdani, eminent personalities of the field of architecture and planning inaugurated the exhibition. The work exhibited was highly praised by all the visitors. The production of such varied and marvelous products was highly satisfying for all the students and the entire SPA family. The workshop was coordinated by SPA-B architecture department faculty members; Saurabh Tiwari, Arvind Meel, Apurva Srivastava and Ashish Patil. For more details please visit the website: http://lbym.spabhopal.ac.in.

छायाचित्र : इंटीग्रल स्टूडियो

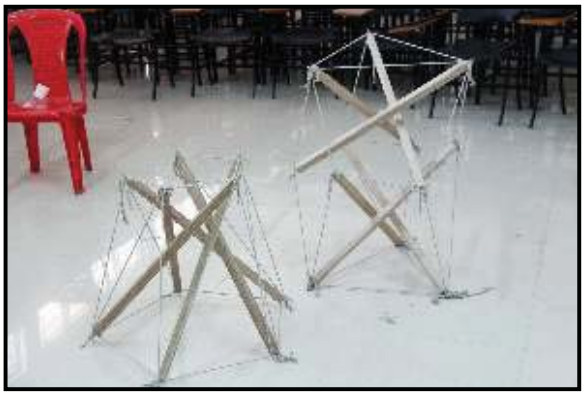

Photo : Integral Studio

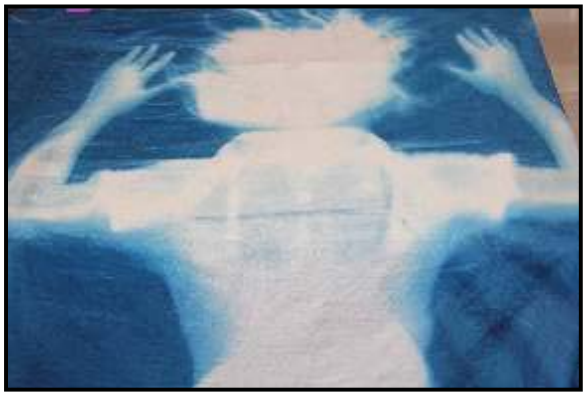

'सस्टेनेबल अर्बन हैबिटेट' विषय पर सम्मेलन

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय (एस0पी0ए0), भोपाल के योजना विभाग व मध्य प्रदेश क्लीन डेवेलपमेंट मैकेनिज्म एजेंसी (MPCDMA) के सहयोग से 'सस्टेनेबल अर्बन हैबिटेट' विषय पर एक दिवसीय कान्फ्रेंस का आयोजन इपको (EPCO) के सभागार में दिनांक 8 अगस्त 2015, को आयोजित किया गया। एस0पी0ए0 के बोर्ड ऑफ गवर्नर (BOG) की चेयरपर्सन पद्मश्री श्रीमती सुनीता कोहली ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का उचित उपयोग व पुनर्चक्रण कर ऊर्जा संरक्षण द्वारा क्लाईमेट चेंज को नियंत्रण किया जा सकता है। इस प्रकार हरित संरचना, भवन निर्माण व परिवहन की संरचना को साकार किया जा सकता है। इन विषयों को पाठ्यक्रम में सम्मिलित कर वास्तुकारों व योजनाकारों को इस क्षेत्र में कार्य करने के लिये प्ररित किया जाना चाहिए। ग्रीन ट्रांसपोर्ट के लिए मेट्रो सिटी में साइकिलिंग के लिए अलग पासवे डिजाइन की आवश्यकता पर जोर दिया जाना चाहिए।

देश के प्रसिद्ध पत्रकार व राज्य सभा टी.वी. चैनल के एंकर श्री गिरीश निकम ने वर्तमान समय में प्रत्येक आम शहरी के लिए हरित भवन निर्माण, संरचना व परिवहन को आवश्यक बताते हुए, स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में केन्द्र व राज्य सरकारों को 'हरित' विषय को सम्मिलित कर क्रियान्वित करने पर बल दिया। कान्फ्रेंस में पद्मश्री स्वर्गीय श्री डा0 एम0 एन0 बुच जी को श्रद्धांजलि दी गई। सम्मेलन तीन चरणों में सम्पन्न हुआ। प्रत्येक चरण में संबधित विषय विशषज्ञों द्वारा हरित आधार संरचना, परिवहन, भवन निर्माण पर तकनीकी पहलुओं पर चर्चा की गई। सम्मेलन में विभिन्न सरकारी, गैर सरकारी संगठनों के प्रतिभागियों समेत विधार्थियों ने भाग लिया। EPCO के कार्यकारी निदेशक श्री अजातशत्रु श्रीवास्तव कान्फ्रेंस में उपस्थित रहे।

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल में वास्तुकला कार्यशाला का उद्घाटन।

Conference on "Sustainable Urban Habitat"

A one day conference on Sustainable Urban Habitat was organized by S.P.A., Bhopal in collaboration with M.P.C.D.M.A. at EPCO Auditorium on 08-8-2015. The event started with the conference briefing by event coordinator Dr. Rama Pandey. Distinguished guests for the inaugural event were Padmashree Srimati Sunita Kohli, Chairperson, S.P.A., Bhopal and eminent journalist Shri Girish Nikam, Consultant Anchor, Rajya Sabha T.V. Srimati Kohli said that vision of School is committed to spread awareness as social responsibility. Workshops like this are a part of this responsibility. She elaborated on how the discussions on three themes of Green Infrastructure, Green Building and Green Transport are appropriate to sensitize people towards sustainable habitat. This conference will contribute towards tangible changes in the planning field.

Shri Nikam said that India can be at its best if government and people work together. He further said that it is important to plan for the people who are part of support system for society who provide us help in everyday life. Planners of the country should think to provide dignified living to each one in the society. Smart cities should emphasize on good transport, living and sanitation. A documentary was shown as a tribute to Padmashree Shri M. N. Buch. Experts from across the country participated in panel discussion in three sessions on Sustainable Urban Habitat. Many government officials, consultants in the field and students participated in the workshop. Shri Ajatshatru Shrivastava, Executive Director, EPCO was also present on the occasion.

Inauguration of Architecture workshop at SPA, Bhopal

20. विशेष व्याख्यान

01 अप्रैल 2015 – 31 मार्च 2016

दिनांक	विषय	विशेषज्ञ
17 अप्रैल 2015	बड़े पैमाने पर शहर जल आपूर्ति एवं सीवेज परियोजनाओं का कार्यान्वयन सीखा एवं न सीखा हुआ सबक	कॉनराड फर्नांडिज सुएज पर्यावरण भारत गुड़गांव
17 अप्रैल 2015	भारतीय शहरों में जलआपूर्ति एवं वेस्टेज पेटर्न	प्रो. अब्दुल शबन टीआईएसएस, मुम्बई
10,11 अप्रैल 2015	भू–सम्पत्ति एवं अवसंरचना नियोजन	श्री आशुतोष लिमाये जे.एल.एल. मुम्बई
21 अप्रैल 2015	पर्वतीय क्षेत्रों के मुद्दों का क्षेत्रीय नियोजन	डॉ. प्रीति ओमकार सहायक प्राध्यापक, वास्तुकला एवं योजना विभाग, मैनिट, भोपाल
24 अप्रैल 2015	शहरी पड़ोस ग्रीन सूचकांक	श्रीमती क्षमा गुप्ता आईआईआरएस, देहरादून
09 अक्अूबर 2015	अल्प कार्बन विकास योजना	डॉ. अयोन कुमार तरफदार सह प्राध्यापक योजना विभाग एस.पी.ए. विजयवाड़ा
15 अक्टूबर 2015	जलवायु परिवर्तन और मानव बस्तियां	प्रो. मनमोहन कश्शे वास्तुकला एवं योजना विभाग, मैनिट, भोपाल
19 अक्टूबर 2015	पड़ोस एवं साइट योजना का स्टूडियो अभ्यास	वास्तुकार विनय प्रकाश श्रीवास्तव, सी–195, बीडीए, कोहेफिजा, भोपाल
30 अक्टूबर 2015	स्थानीय योजना एवं योजना तकनीक	डॉ. पूनम प्रकाश सह प्राध्याक, योजना विभाग, मैनिट भोपाल
30 अक्टूबर 2015	योजना हेतु जियोइन्फारमैटिक्स	डॉ. रोनिता बर्धन सह प्राध्यापक शहरी विज्ञान एवं अभियांत्रिकी केंद्र, आईआईटी, मुंबई
30 अक्टूबर 2015	ग्रामीण विकास योजना	प्रो. एच.बी. सिंह पूर्व विभाग प्रमुख क्षेत्रीय नियोजन एसपीए दिल्ली

20. Special Lectures

01 April 2015 - 31 March, 2016

Date	Topic	Resource Person
April 17, 2015	Implementation of Large Scale Urban Water Supply and Sewage Projects – Lessons Learnt and Unlearnt	Conrad Fernandez SUEZ Environment India Gurgaon
April 17, 2015	Water Consumption and Wastage Pattern in Urban India	Prof. Abdul Shaban TISS, Mumbai
April 10 & 11, 2015	Real Estate and Infrastructure Planning	Mr. Ashutosh Limaye JLL, Mumbai
April 21, 2015	Regional Planning issues in Hilly Regions	Dr. Preeti Onkar Asst. Professor, Dept. of Arch. & Planning , MANIT, Bhopal
April 24, 2015	Urban Neighborhood Green Index	Smt. Kshama Gupta IIRS, Dehradun
October 09, 2015	Low Carbon Development Plan	Dr. Ayon Kumar Tarafdar Associate Professor Dept. of Planning SPA, Vijayawada
October 15, 2015	Climate Change and Human Settlements	Prof. Manmohan Kapshe Dept. of Architecture & Planning, MANIT, Bhopal
October 19, 2015	Studio Exercise of Neighborhood & Site Planning	Ar. Vinay Prakash Shrivastava C-195, BDA, Kohefize, Bhopal
October 30, 2015	Local Area Planning & Planning Techniques	Dr. Poonam Prakash Assoc. Professor Dept. of Planning SPA Delhi
October 30, 2015	Geo-Informatics for Planning	Dr. Ronita Bardhan Asst. Prof. Centre for Urban Science & Engg., IIT, Mumbai
October 30, 2015	Rural Development Plan	Prof. H B Singh Former HoD Regional Planning SPA Delhi

21. छात्र गतिविधियाँ

खेल गतिविधियाँ :

बेडमिंटन क्रीड़ा प्रतियोगिता, एसपीए भोपाल, 01–02 अक्टूबर 2015।

मैराथन, एसपीए भोपाल, 02 अक्टूबर 2015।

स्थापना दिवस में क्रिकेट मैच (संकाय वि. छात्र),एसपीए भोपाल, 11 अक्टूबर 2015।

वॉलीबाल क्रीड़ा प्रतियोगिता, एसपीए भोपाल, 12–15 अक्टूबर 2015।

टेबल टेनिस क्रीड़ा प्रतियोगिता, एसपीए भोपाल, 31 अक्टूबर–03 नवम्बर 2015।

फुटबॉल क्रीड़ा प्रतियोगिता, एसपीए भोपाल, 31 अक्टूबर– 03 नवम्बर 2015।

कम्प्यूटर गेम्स प्रतियोगिता, एसपीए भोपाल, 31 अक्टूबर– 03 नवम्बर 2015।

सॉकर टूर्नामेंट (30 अक्टूबर – 03 नवम्बर 2015) एसपीए भोपाल।

बैडमिंटन प्रतियोगिता (16–17 जनवरी 2016), एसपीए भोपाल।

इंटर एसपीए स्पोर्ट मीट, एसपीए भोपाल, 04–06 मार्च 2016।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ :

स्पिक मैके इवेंट, 30 सितम्बर 2015, एसपीए भोपाल।

रामलीला, एसपीए भोपाल, 20–22 अक्टूबर 2015।

योजना के छात्रों का राष्ट्रीय संगठन का वार्षिक सम्मेलन, सीओईपी, पुणे, 21–24 दिसम्बर 2015।

वास्तुकला के छात्रों का राष्ट्रीय एसोसिएशन का वार्षिक सम्मेलन, सीजीपीआईए, सूरत, गुजरात 31 जनवरी–06 फरवरी 2016।

सेनर्जी, 19–21 फरवरी 2016, एसपीए भोपाल।

होली, एसपीए, भोपाल, 24 मार्च 2016।

अन्य गतिविधियाँ :

प्रिशा, मरियम मानसिक विकलांग स्कूल, भोपाल, 19 सितम्बर 2015।

राष्ट्रीय रचनात्मकता कौशल परीक्षा द्वारा आईएफईएचई – प्रथम चरण, एसपीए भोपाल, 27 फरवरी 2016।

रक्त दान शिविर, एसपीए भोपाल 02 मार्च 2016।

सिमबायोसिस 4–6 मार्च 2016, एसपीए भोपाल।

21. Student Activities

Sports Activities :

Badminton Tournament, SPA Bhopal, October 1-2 , 2015.

Marathon, SPA Bhopal, October 2, 2015.

Foundation day Cricket Match (Faculty vs Students), All Saints College Bhopal, October 11, 2015.

Volleyball Tournament (12 to 15 Oct, 2015), SPA Bhopal, October 12, 2015.

Table Tennis Tournament (31 oct to 3 Nov, 2015), SPA Bhopal, October 31, 2015.

Football Tournament (31 Oct to 3 Nov, 2015), SPA Bhopal, October 31, 2015.

Computer Games Tournament (31 Oct to 1 Nov, 2015), SPA Bhopal, October 31, 2015.

Soccer Tournament (30 oct to 3 Nov, 2015), SPA Bhopal

SPAB Badminton (16 to 17 Jan, 2016), SPA Bhopal

Inter SPA Sports Meet (4 to 6 March, 16), SPA Bhopal, March 4, 2016.

Cultural Activities :

SPIC MACAY EVENT, 30th September 2015, SPA Bhopal

Ramleela (20 to 22 Oct, 2015), SPA Bhopal, October 20, 2015.

Annual Convention of National Organisation of Students of Planning (21 to 24 Dec, 2015), COEP, Pune, December 21, 2015.

Annual Convention of Nation Association of Students of Architecture (31 Jan to 6 Feb, 2016), GCPIA, Surat, January 31, 2016.

SYNERGY, 19-21 feb, 2016, SPA Bhopal

HOLI, SPA Bhopal, March 24, 2016.

Other Activities :

Prisha, Mariyam School for Mentally Handicapped, Bhopal, September 19, 2015.

National Creativity Aptitude Test by IFEHE - Round One, SPA Bhopal, February 27, 2016.

Blood Donation Camp, SPA Bhopal, March 2, 2016.

SYMBIOSYS, 4-6 March, 2016, SPA Bhopal

छात्र पुरस्कार

छात्र समुदाय विभिन्न आयोजनों एवं प्रतिस्पधाओं में सहभागिता लेने हेतु तत्पर हैं।

वास्तुकला के छात्रों ने राष्ट्रीय वास्तुकला छात्र संघ (नासा) द्वारा सूरत, गुजरात में आयोजित सम्मेलन में विभिन्न पुरस्कार प्राप्त किये।

Students of Architecture participated in NASA (National Association of Students of Architecture)

अन्य छः छात्रों सहित आयुष्मान केडिया ने बर्कले निंबंध प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार हासिल किया।

Mr. Ayushman Kedia won Third Prize at Berkley Essay competition 2016 and 6 Students were shortlisted.

Cover Page Design :
Ankit Kumar

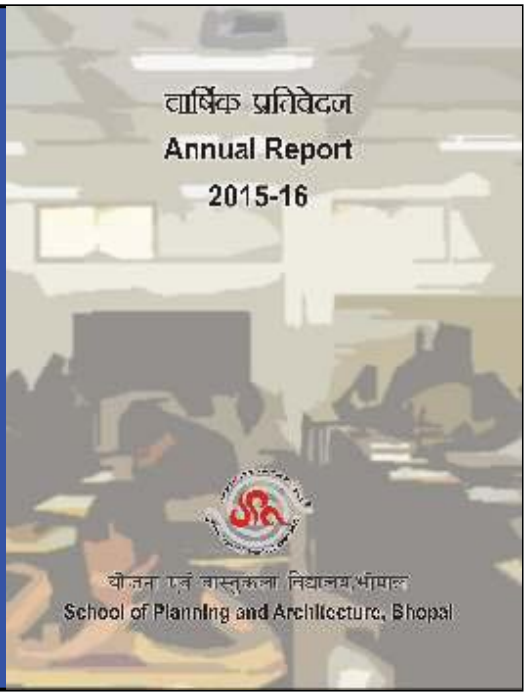

Student Awards

The student communities of the Department have been active in organizing and competing in various events.

ऋषि केजरीवाल एवं शौर्य शर्मा ने नेशनल ट्रस्ट ऑफ हिस्टोरिक प्रेजर्वेशन, यूएसए द्वारा आयोजित न्यूयार्क स्टेट पाविलियन आईडिया काम्पटिशन में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

Mr. Rishi Kejriwal and Mr. Shaurya Sharma, Third Year B. Arch. won 3 rd Prize in New York State Pavilion Idea competition by National Trust of Historic Preservation, USA.

बी. आर्क की छात्रा विनिथा नल्ला यूनाइटेड किंगडम में राष्ट्रमण्डल छात्रवृत्ति के लिये चयनित हुंई।

Ms. Vinitha Nalla, B.Arch. got selected in Commonwealth scholarship at United Kingdom 2016.

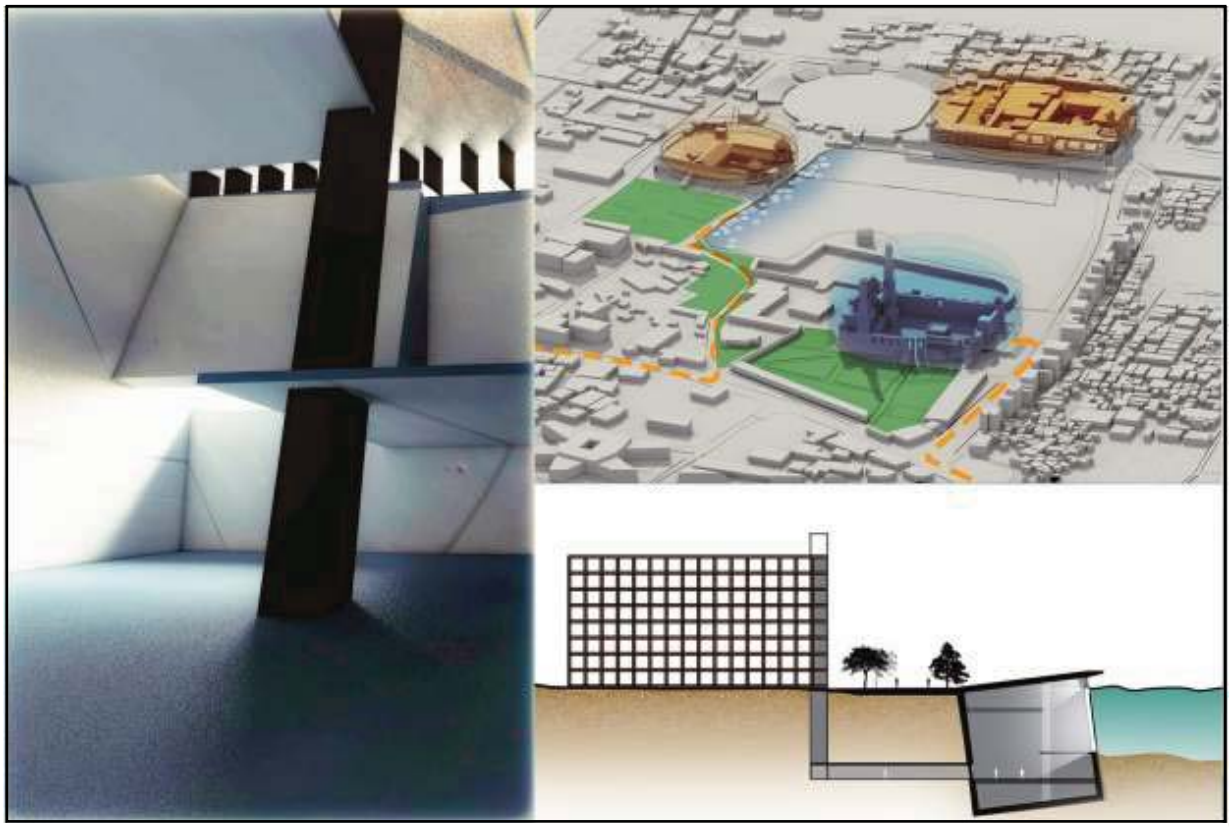

संस्थान के छः छात्रों ने '' भूत, वर्तमान एवं भविष्य में शहर की झील की पुर्नकल्पना के विषय पर'' वर्ल्ड आर्किटेक्चर फेस्टिवल 2015 में चयनित हुए। सिंगापुर में प्रतियोगिता के अंतिम चरण के दौरान टीम ने स्टूॅडेंट चैरेटी अवार्ड 2015 हासिल किया।

Six of our students were shortlisted in the World Architecture Festival 2015 for the theme "Past, Present and Future re-imaging the city of lake". The team in the final phase of the competition in Singapore won the Students Charrette Award 2015.

शहर योजनाकार संस्थान, भारत, भोपाल, द्वारा मध्य प्रदेश का क्षेत्रीय भाग पर बेस्ट प्लानिंग थीसिस अवार्ड के लिये, मास्टर ऑफ प्लानिंग के छात्र (शहरी एवं क्षेत्रीय नियोजन एवं पर्यावरण योजना) साथ ही साथ बी. प्लान के छात्रों ने भी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्राप्त किये।

रास्ट्रीय स्तर के संगठन आईटीपीआई, दिल्ली में तानिया मित्तल ने बेस्ट थीसिस अवार्ड 2015 प्राप्त किया।

पूर्वी सक्सेना एवं उनके बाद जे.पी. भार्गव को बेस्ट प्लानिंग थीसिस पुरस्कार प्राप्त हुआ।

योजना के छात्रों ने दूसरी बार इंजीनियरिंग महाविद्यालय, पुणे में आयोजित 17वीं नोस प्लान चैंपियंस ट्राफी जीती । योजना के छात्रों ने भोपाल स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा आयोजित प्रतियोगिता 'अपने शहर को बनाये' पर प्रथम पुरस्तकार जीता।

Planning students bagged the Champions Trophy at the seventeenth NOSPlan conference held at College of Engineering, Pune for the second consecutive year. Planning students won the first prize in 'Make Your City Smart' competition launched by Bhopal Smart City Development Corporation Limited.

Students of Master of Planning (both Urban and Regional Planning and Environmental Panning) as well as Bachelor of Planning bagged the first, second and third prizes for Best Planning Thesis awarded by M.P. Regional Chapter of Institute of Town Planners, India, Bhopal.

Ms. Taniya Mittal received the Best Thesis Award 2015 at the national level organized by ITPI Delhi.

Ms Purva Saxena bagged the second J.P. Bhargava award for best Planning Thesis.

22. संकाय गतिविधियाँ

पत्रिकाओं का प्रकाशनः

रचना खरे एवं अबीर मलिक, भारतीय सार्वभौमिक अभिकल्पन सिद्धांत, वैश्विक से स्थानीय करने हेतु, भारतीय वास्तुकला संस्थान से संदर्भित, मार्च 2015, खंड 80, अंक 03, ISSN-0019-4913 |

संदीप संकट एवं रचना खरे, बुजुर्गों के लिये समावेशी वातावरण बनाना, भारतीय वास्तुकला संस्थान के जर्नल से संदर्भित, खंड 80, अंक 03 |

अजय कुमार विनोदिया, संजीव सिंह, योगेश गर्ग, बस्तियों में प्रासंगिक विविधताओं के आकलन के लिये, पैरामीटर्स के महत्व का विश्लेषण करना, भोपाल के एक मामले का अध्ययन, खंड 2, अंक 2, मई–जून 2015 |

शिखा पाटीदार एवं वृषभानलली रघुवंशी, म.प्र. की वास्तुकला में संस्कृति का प्रतिबिंब, सिविल अभियांत्रिकी एवं वास्तुकला अनुसंधान की पत्रिका, एथान पब्लिशिंग कंपनी, 5/25/2015, 2333-9128 |

आरती जायसवाल, जीआईएस के माध्यम से भोपाल नगर निगम के ठोस अपशिष्ट का हस्तांतरण, अपशिष्ट प्रबंधन पत्रिका का एल्जेवियर होमपेज : www.elsevier.com/locate/wasman/A Glance at the World /Waste Management, elsevier, जून 2015 |

अजय कुमार विनोदिया, योगेश गर्ग, सामर्थ्यनीयता की जांच : भारत में मलिन बस्तियों के वर्गीकरण हेतु एक सैद्धांतिक ढांचा, अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, सामाजिक विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पत्रिका, अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन खंड 4 (7), 70-77, July (2015), 7/15/2015, ISSN 2319–3565 |

आरती जायसवाल, अलका भरत, शहरी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिये नवीन दृष्टिकोण का आकलन, स्थानिक, आर्थिक विकास का रिकार्ड। 10/8/2015, ISSN: 09714944 |

सोनल तिवारी, स्थानीय बस्तियों की परिस्थितिकीय जीविका : अमरकंटक (म.प्र.) भारत में बैगा बस्तियों का एक मामला, स्थानीय बस्तियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की पत्रिका, 10/14/2015, Vol II, ISJN649-658 |

अजय कुमार विनोदिया, संजीव सिंह, योगेश गर्ग, मलिन बस्तियों को परिभाषित करने हेतु महत्वपूर्ण घटकों की पहचान कर फेमवर्क निर्माण, पत्रिका, स्पैन्ड्रल, एसपीए भोपाल की पत्रिका जीविका वातावरण के अनुसंधान में नये आयाम, एसपीए भोपाल, 10/15/2015, ISSN 2231-4601 |

22. संकाय गतिविधियाँ

पत्रिकाओं का प्रकाशनः

रचना खरे एवं अबीर मलिक, भारतीय सार्वभौमिक अभिकल्पन सिद्धांत, वैश्विक से स्थानीय करने हेतु, भारतीय वास्तुकला संस्थान से संदर्भित, मार्च 2015, खंड 80, अंक 03, ISSN-0019-4913 |

संदीप संकट एवं रचना खरे, बुजुर्गों के लिये समावेशी वातावरण बनाना, भारतीय वास्तुकला संस्थान के जर्नल से संदर्भित, खंड 80, अंक 03 |

अजय कुमार विनोदिया, संजीव सिंह, योगेश गर्ग, बस्तियों में प्रासंगिक विविधताओं के आकलन के लिये, पैरामीटर्स के महत्व का विश्लेषण करना, भोपाल के एक मामले का अध्ययन, खंड 2, अंक 2, मई–जून 2015 |

शिखा पाटीदार एवं वृषभानलली रघुवंशी, म.प्र. की वास्तुकला में संस्कृति का प्रतिबिंब, सिविल अभियांत्रिकी एवं वास्तुकला अनुसंधान की पत्रिका, एथान पब्लिशिंग कंपनी, 5/25/2015, 2333-9128 |

आरती जायसवाल, जीआईएस के माध्यम से भोपाल नगर निगम के ठोस अपशिष्ट का हस्तांतरण, अपशिष्ट प्रबंधन पत्रिका का एल्जेवियर होमपेज : www.elsevier.com/locate/wasman/A Glance at the World /Waste Management, elsevier, जून 2015 |

अजय कुमार विनोदिया, योगेश गर्ग, सामर्थ्यनीयता की जांच : भारत में मलिन बस्तियों के वर्गीकरण हेतु एक सैद्धांतिक ढांचा, अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, सामाजिक विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पत्रिका, अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन खंड 4 (7), 70-77, July (2015), 7/15/2015, ISSN 2319–3565 |

आरती जायसवाल, अलका भरत, शहरी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिये नवीन दृष्टिकोण का आकलन, स्थानिक, आर्थिक विकास का रिकार्ड। 10/8/2015, ISSN: 09714944 |

सोनल तिवारी, स्थानीय बस्तियों की परिस्थितिकीय जीविका : अमरकंटक (म.प्र.) भारत में बैगा बस्तियों का एक मामला, स्थानीय बस्तियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की पत्रिका, 10/14/2015, Vol II, ISJN649-658 |

अजय कुमार विनोदिया, संजीव सिंह, योगेश गर्ग, मलिन बस्तियों को परिभाषित करने हेतु महत्वपूर्ण घटकों की पहचान कर फेमवर्क निर्माण, पत्रिका, स्पैन्ड्रल, एसपीए भोपाल की पत्रिका जीविका वातावरण के अनुसंधान में नये आयाम, एसपीए भोपाल, 10/15/2015, ISSN 2231-4601 |

22. Faculty Activities

Publication of Papers in Journal:

Rachna Khare and Abir Mullick, Universal design India Principle; From Global to Local, Refered Journal of Indian Institute of Architects, Volume 80, Issue 03, March 2015, ISSN-0019-4913.

Sandeep Sankat and Rachna Khare, Creating Inclusive Environments for Elderly, Refered Journal of Indian Institute of Architects, Volume 80, Issue 03, March 2015.

Ajay Kumar Vinodia, Sanjeev Singh, Yogesh Garg , Analyzing Significance of Parameters for Assessment of Contextual Variations Among The Slums; A Case Study of Bhopal, India, International Journal of Emerging Technology & Research, Volume 2, Issue 2, May - June, 2015.

Shikha Patidar and Brishbhanlali Raghuwanshi, The Reflection of Culture in Architecture of M.P., India, Journal of Civil Engineering and Architecture Research, Ethan Publishing Company, May 2015, 2333 -9128.

Arti Jaiswal, Locating a Municipal solid waste transfer station in Bhopal using GIS, Waste Management journal of Elsevier homepage: www.elsevier.com/locate/wasman/A Glance at the World /Waste Management, Elsevier, June 2015.

Ajay Kumar Vinodia, Sanjeev Singh, Yogesh Garg, Tenability Scanner: A theoretical Framework for Classification of Slums in India, International Research Journal of Social Sciences, Vol. 4(7), 70-77, July (2015), ISSN 2319–3565.

Arti Jaiswal Alka Bharat, Assessing Innovative Approaches to Urban Solid Waste management, Spatio-economic Development Record, August 2015, ISSN: 09714944.

Sonal Tiwari, Ecological sustenance of vernacular settlements: A case of Baiga settlements in Amarkantak, in Madhya Pradesh in India, Journal of International seminar on vernacular settlements, October 2015, Vol II, ISSN649-658.

Ajay kumar Vinodia, Sanjeev Singh, Yogesh Garg, Framework for identification of key components to define Context of slums, Journal, SPANDREL The journal of SPA New Dimensions in Research of Environments for Living, SPA Bhopal, October 2015, ISSN 2231-4601.

पुंदिर मंजू बैसोया, संजीव सिंह, भारत में हो रहे भूसम्पत्ति के सतत् प्रभाव का पता लगाने में कार्पोरेट हितधारक पर्यावरणविद सिद्धांतों की समीक्षा, अंक 4(12), 98–106, दिसम्बर 2015।

राहुल तिवारी एवं क्षमा पुणताम्बेकर, बसों पर आधारित सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का सेवा स्तर एवं उनके मानकों का मूल्यांकन (भोपाल का मामला) शहरी परिदृश्य (शहरी शासन एवं प्रबंध की एक पत्रिका) शहर एवं पर्यावरण अध्ययन हेतु क्षेत्रीय केंद्र 12/15/2015, 0975-8534 |

सन्मार्ग मित्रा, परमा मित्रा, परम्परागतः कौशल को जारी रख रविन्द्रनाथ टैगोर के निवास शांति निकेतन में स्वदेशी मिट्टी निर्माण के अभिनव रूपातंरणों से सीखना, पश्चिम बंगाल, स्पैन्ड्रल, पत्रिका, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल, एसपीए प्रेस, 1/1/2016, ISSN 2231 - 4601 SPANDREL |

पियूष हजेला एवं रचना खरे, प्रयोक्ता के अनुकूल सार्वजनिक स्थल : भोपाल शहर के लोगों एवं गतिविधियों का अध्ययन करने के लिए एक शहरी डिज़ाइन प्रवत्त डिजाइन स्टूडियो, भारतीय वास्तुकार संस्थान की पत्रिका, भारतीय वास्तुकार संस्थान 1 जनवरी 2016, ISSN-0019-4913 |

देवर्षि चौरसिया, योगेश गर्ग, फुजी लॉजिक कॉन्सेप्ट द्वारा एप्लाई भवन वास्तुकला अभिकल्पना मानक बिंदु का मूल्यांकन, इंटरनेशन जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड एडवांस टेक्नोलॉजी (आईजेईएटी), खंड – 5, अंक–3 BEIESP (ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका), http://www.ijeat.org/contact.php, 2/28/2016, 2249 – 8958 |

संजीव सिंह, बोर्ड रूम का हरित वातावरणः भारत में रियल स्टेट के क्षेत्र में हरित वातावरण करने हेतु लिये गए फैसलों के कारकों का प्रभाव, खंड 6, अंक 3, (भाग 3) मार्च 2016, 36–43|

आरती जायसवाल एवं अलका भरत, ''ठोस अपशिष्ट पदार्थों का शहरी क्षेत्रों से स्थानांतरण करने के लिए मानदण्डों की तलाश'' ठोस अपशिष्ट पदार्थ प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका वाइडनर यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग 2/3/2016, ISSN: 1088-1697(प्रिंट वर्ज़न) |

एल. सी. रेटवेल्ड, जे.जी. सिरि, आई चक्रवर्ती, ए.एम. अर्सेनिया, आर. विश्वास एवं ए चटर्जी, शहरी जल प्रबंधन हेतु सिस्टम सुदृढ़ीकरण के माध्यम से शहर में स्वास्थ्य सुधार, पर्यावरण स्वास्थ्य सुधार 2016, 15 (Suppl 1):31, (Impact Factor: 3.372), BioMed Central (Springer Nature), 3/8/2016, 1476-069X |

अशफाक आलम एवं बिनायक चौधरी, छोटे शहरों के स्थानीय – फंक्शनल अवधारक : भारत के छोटे शहरों के एक मामले का अध्ययन, शहरी एवं क्षेत्रीय विकास अध्ययन की समीक्षा, (आरयूआरडीएस), विली पब्लिकेशन (ऑन–लाइन पब्लिकेशन 3/28/2016, DOI: 10.1111/rurd.12046 |

Pundir Manju Baisoya, Sanjeev Singh, Revisiting Corporate Stakeholder Environmentalism Theories to Ascertain Influences in Sustainable Real Estate Decision Making in India, International Research Journal of Environment Sciences Vol. 4(12), 98 - 106, December (2015).

Rahul Tiwari and Kshama Puntambekar, Evaluation of Bus Based Public Transport systems with Reference to Service Level Benchmarks (A Case of Bhopal), Urban Panorama (A journal of Urban Governance and Management), Regional Centre for Urban and Environmental Studies, December 2015, 0975-8534.

Sanmarga Mitra, Parama Mitra, Continuing Traditional Skill: Learning from the Innovative Adaptations of Indigenous Mud Construction in Rabindranath Tagore's Residence Shyamali at Santiniketan, West Bengal, SPANDREL - JOURNAL OF SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL, SPA Press, January 2016, ISSN 2231 - 4601 SPANDREL.

Piyush Hajela and Rachna Khare, User Friendly Public Spaces; An Urban Design studio to study People and Activities in the City of Bhopal, Refereed Journal of Indian Institute of Architects, January 2016, Volume 81, Issue 01, ISSN-0019-4913.

Devarshi Chaurasia, Yogesh Garg, Assessment of Building Architecture Design Parameters by Applying Fuzzy Logic Concepts, International Journal of Engineering and Advanced Technology (IJEAT), Volume -5, Issue-3, BEIESP (Online International Journal), http://www.ijeat.org/contact.php, February 2016, 2249 – 8958.

Sanjeev Singh, Greening of Boardrooms: Influence Factors for Greening Decisions in Real Estate Sector in India, Vol. 6, Issue 3, (Part - 3) March - 2016, 36-43.

Arti Jaiswal and Alka Bharat, "Exploring Criteria To Locate Solid Waste Transfer Station in Urban Areas" International Journal on Solid Waste Technology and Management by Widener University School of Engineering, March 2016, ISSN: 1088-1697.

L. C. Rietveld, J. G. Siri, I. Chakravarty, A. M. Arsénio, R. Biswas and A. Chatterjee, Improving health in cities through systems approaches for urban water management, Environmental Health 2016, 15(Suppl 1):31, (Impact Factor: 3.372), BioMed Central (Springer Nature), March 2016, 1476-069X.

Ashfaque Alam and Binayak Choudhury, Spatio-Functional Determinants of Small Towns: A case study of selected Indian Small Towns, Review of Urban and Regional Development Studies (RURDS), Willey Publication (on-line publication), March 2016, DOI: 10.1111/ rurd.12046.

अमित चटर्जी, सौमेन्दू चटर्जी, भारत में सैटेलाइट टाउन विकास पुनरावलोकन एवं संभावना : नवी मुंबई का मामला, स्पैन्ड्रल, एसपीए प्रेस, भोपाल 7/25/2016, 2231-4601 |

पुस्तकों में प्रकाशन

रचना खरे, संपादित, दक्षिण एशियाई स्थानीय वास्तुकला, आईजीआरएमएस एवं आईटीआरएचडी के सहयोग से एसपीए भोपाल द्वारा आयोजित |

सोनल तिवारी, पेड़ों के माध्यम से परिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण, पुस्तक, कृषि संस्कृति, 3/5/2015, ISBN: 9781610914307 |

विशाखा कवाठेकर, अजय खरे, वास्तुकला ग्रंथ का अभ्यास : भारत के केन्द्र में स्थित मंदिर संगमार्गसूत्रधारा, वास्तुकला का इतिहास, एसपीए भोपाल की स्वदेशी परिप्रेक्ष्य की अनुसंधान परियोजना, 18–20 सितम्बर 2015।

मंजूषा मिश्रा, प्रस्तावना व पुस्तक का सार, दक्षिण एशियाई स्थानीय वास्तुकला, भविष्य में इनकी निरंतरता एवं रणनीतियों को चुनौती, 11–13 दिसम्बर 2015, भोपाल।

सम्मेलन की कार्यवाही का प्रकाशनः

गायत्री नंदा, भारतीय संस्कृति इवेंट को मजबूत करने में भूमिका, 'स्थान की पहचान' पुनः शहरों की खोज पर राष्ट्रीय सम्मेलन, सौरभ मेडिकल पब्लिशर्स, 4/10/2015, ISBN- 978-93-81910-36-8|

शिउलि मित्रा एवं तापस मित्रा, अंतर्राष्ट्रीय, एक सामाजिक समता शहरी महानगर संरचना के लिए एक वैकल्पिक ढांचा : एकीकरण की नीति, प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान – कोलकाता, भारत का एक सबक, वैश्विक विकास का एजेण्डाः क्षेत्र संस्थान एवं स्थिरता, विश्विद्यालयों के सहयोग से क्षेत्रीय अध्ययन संघ, केटोलिका डेल, सेकरो कोर, पियासिना, इटली, 24–27 मई 2015, ISBN: 978-1-897721-50-6 |

तापस मित्रा एवं शिउलि मित्रा, क्षेत्र, परिधि एवं आंतरिक शहर , आकृति विज्ञान में परिवर्तन एवं सिमबायोसिस विकास : कलकत्ता शहर एवं क्षेत्र का मामला ''वैश्विक विकास का एजेण्डा : क्षेत्र संस्थान एवं स्थिरता, विश्वविद्यालयों के सहयोग से क्षेत्रीय अध्ययन संघ, केटोलिका डेल, सेकरो कोर, पियासिना, इटली, 24–27 मई 2015, आरएसए, लंदन, 5/25/2015, ISBN: 978-1-897721-50-6 |

Amit Chatterjee, Soumendu Chatterjee, Satellite Town Development in India in Retrospect and Prospect: A Case of Navi Mumbai, SPANDREL, Issue 9:1-10, ISSN 2231-4601, July, 2015.

Publication of Books/Chapter on Book

Rachna Khare, Editor, South Asian Vernacular Architecture Charter, prepared by SPA Bhopal in collaboration with IGRMS and ITRHD, Bhopal, published and released on December, 2015.

Sonal Tiwari, Ecosystem conservation through sacred groves, Chapter in a book, Krishi Sanskriti, May 2015, ISBN: 9781610914307.

Vishakha Kawathekar, Ajay Khare, Architectural treatise to Practice: Samarangansutradhara to Temples of Central India, History of Architecture An Indigenous Perspective A research project of SPA Bhopal , 18th -20th Sept 2015.

Manjusha Misra, Foreword: Book of Abstracts, South Asian Vernacular Architecture: Challenges to its Continuity and Strategies for its Future, 11-13 December 2015, Bhopal.

Paper Published in Conference proceedings:

Gayatri Nanda, Role of Indian Cultural event spaces in reinforcing 'place identity', National Conference on "Re-discovering Cities", Saurabh Medical Publishers, April 2015, ISBN- 978-93-81910-36-8.

Sheuli Mitra and Tapas Mitra, An Alternative Framework for a Socially Equitable Urban Metropolitan Structure: Integrating Policy, Technology & Research - Lessons from Kolkata, India, "Global Growth Agendas: Regions, Institutions and Sustainability", organised by Regional Studies Association in collaboration with Università Cattolica del Sacro Cuore, Italy; 24-27 May; Piacenza, Italy, RSA, London, May 2015, ISBN: 978-1-897721-50-6.

Tapas Mitra and Sheuli Mitra, Region, Periphery and the City Core: Transformations in Morphology and Growth Symbiosis. A Case of Kolkata City and Region, "Global Growth Agendas: Regions, Institutions and Sustainability," organised by Regional Studies Association in collaboration with Università Cattolica del Sacro Cuore, Italy; 24-27 May; Piacenza, Italy, RSA, London, May 2015, ISBN: 978-1-897721-50-6.

सौरभ तिवारी, अंतर्राष्ट्रीय, भारत में स्वतंत्र रॉक बैण्ड एलबम ऑर्ट के माध्यम से देखना, म्युजिकल्ट 15, इंसताबुल टेक्नीकल यूनिवर्सिटी, इंसताबुल, 07 मई 2015, 978-605-4841-93-6 |

शिखा पाटिदार, वृषभानलली रघुवंशी, श्वेता सक्सेना, 31 वां अंतर्राष्ट्रीय प्ली सम्मेलन, ग्रीन बिल्डिंग सुविधाएं, बोलोगना, इटली, 09–11 सितम्बर 2015, ISBN:978-88-941163-0-4 & ISBN: (eBook, Proceedings) 978-88-941163-1-1|

पियूष हजेला, भारतीय बाजार में सार्वजनिक स्थलों के आयाम : व्यक्ति की धारणा से अनुभूति नियोजन एवं क्षेत्रीय विकास पर 17 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दुबई, 24 एवं 25 नवंबर 2015, विद्वानों का अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान एवं नवाचार, 24 नवम्बर 2015, 1307 – 6892 |

सौरभ तिवारी, अंतर्राष्ट्रीय, लॉरी बेकर, सतत् वास्तुकला डिज़ाइन के लिये एक मॉडल, मेघपुंज मुंबई 2015ः स्वयं के ग्रह में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई, 03–05 दिसम्बर 2015, 978-81-906815-0-11 |

कर्ण सेनगुप्ता, ज्ञान आधारित शहरी विकास एवं शहरी क्षेत्रों में इनके संबंधों में विश्वद्यालयों की भूमिका : भारतीय अनुपात, वैश्वीकरण के युग में क्षेत्रीय शहरीकरण, हडर्सफील्ड विश्वविद्यालय, यूके, 2/5/2016, 978-1-86218-135-9 |

सौरभ पोपली, अहमदाबाद शहर में प्राकृतिक स्थान, 8 वां भारतीय सामाजिक परिदृश्य वास्तुकार वार्षिक सम्मेलन, भोपाल, 31 अगस्त एवं 01 सितम्बर 2012 को आयोजित; प्रकाशित 2015 |

संजीव सिंह, ''समकालीन विकास के साथ एतिहासिक मूल्यों का एकीकरण : भोपाल शहर के इकबाल मैदान का एक मामला'' सम्मेलन में 'शहर, लोग और स्थान'- ICCPP-2015, कोलंबो, श्रीलंका |

रचना खरे एवं अबीर मलिक, स्वयं के साथ बच्चों के लिये समावेशी शैक्षिक रिक्त स्थानः नैतिकता की दृष्टि से उचित अनुसंधान उपकरण का विकास, ईडीआरए वार्षिक संगोष्ठी, एलए कैलिफोर्निया, यूएसए, पर्यावरण डिजाइन अनुसंधान परिषद द्वारा प्रकाशित, ISBN 978-1-32909-136-8 |

पेपर प्रस्तुति अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीयः

अंतर्राष्ट्रीय

सौरभ तिवारी, अंतर्राष्ट्रीय, लॉरी बेकर, सतत वास्तुकला डिज़ाइन के लिये एक मॉडल, मेघपुंज मुंबई 2015ः स्वयं के ग्रह में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई, 03–05 दिसम्बर 2015 |

Saurabh Tewari, Looking Through Album Art of Independent Rock Bands in India, Musicult'15, Dakam Publishing, Istanbul, May 2015, 978-605-4841-93-6.

Shikha Patidar, Brishbhanlali Raghuwanshi, Shweta Saxena, 31st International PLEA Conference, 9-11 September 2015, Bologna, Spain, Ass. Building Green Futures, Bologna, ISBN:978-88-941163-0-4 & ISBN:(E Book, Proceedings) 978-88-941163-1-1.

Piyush Hajela, Dimensions of Public Spaces in Indian Market Places: Feeling through human senses, 17th International Conference on Urban Planning and Regional Development Dubai (UAE) held on 24th and 25th November 2015, International Scholarly and Scientific Research and Innovation, November 2015, 1307-6892.

Saurabh Tewari, Laurie Baker: A model for Sustainable Architecture Design, Cumulus Mumbai, 'In a planet of our own - a vision of sustainability with focus on water', Cumulus and IDC IIT Bombay, December 2015, 978-81-906815-0-11.

Karna Sengupta, Role of Universities in Knowledge Based Urban Development and its relationship with the city region : The Indian Scenario, Regional Urbanism in the era of Globalisation, University of Huddersfield, February 2016, 978-1-86218-135-9.

Saurabh Popli, The Place of Nature in Ahmedabad City, 8th Indian Society of Landscape Architects Annual Conference, Bhopal, held on 31 August and 1st September 2012; Published 2015.

Sanjeev Singh, Integrating Historic Values With Contemporary Growth: A case of Iqbal Maidan, Bhopal in conference Cities, People and Places - ICCPP-2015, Colombo, Srilanka.

Rachna Khare and Abir Mullick, Inclusive Educational Spaces for Children with Autism; Development of Ethically Appropriate Research Tools., EDRA Annual Conference, LA California, USA, Published by Environmental Design Research Association, ISBN 978-1-32909-136-8.

Paper Presented in International/National Conference:

International

Saurabh Tewari, International, Laurie Baker: A model for Sustainable Architecture Design, Cumulus Mumbai, 'In a planet of our own - a vision of sustainability with focus on water', Cumulus and IDC IIT Bombay, December 2015.

तापस मित्रा, शिउलि मित्रा, अंतर्राष्ट्रीय, क्षेत्र, परिधि एवं आंतरिक शहर, आकृति विज्ञान में परिवर्तन एवं सिमबायोसिस विकास : कलकत्ता शहर एवं क्षेत्र का मामला ''वैश्विक विकास का एजेण्डाः क्षेत्र संस्थान एवं स्थिरता, विश्वविद्यालयों के सहयोग से क्षेत्रीय अध्ययन संघ, केटोलिका डेल, सेकरो कोर, पियासिना, इटली, 24–27 मई 2015 |

शिउलि मित्रा, तापस मित्रा, अंतर्राष्ट्रीय, एक सामाजिक समता शहरी महानगर संरचना के लिए एक वैकल्पिक ढांचा : एकीकरण की नीति, प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान–कोलकाता, भारत का एक सबक वैश्विक विकास का एजेण्डाः क्षेत्र संस्थान एवं स्थिरता, विश्वविद्यालयों के सहयोग से क्षेत्रीय अध्ययन संघ, केटोलिका डेल, सेकरो कोर, पियासिना, इटली, 24–27 मई 2015 |

संजीव सिंह, अंतर्राष्ट्रीय, पेपर ''नैतिकता की दृष्टि से उचित अनुसंधान का विकासः एतिहासिक शहर चंदेरी का एक मामला, EUROSEAS सम्मेलन में प्रस्तुति दिनांक 11 से 14 अगस्त 2015, वियाना यूनिवर्सिटी एवं वियाना एकेडमी आस्ट्रिया |

विशाखा कवाठेकर, प्रशासनिक एवं वित्तीय मुद्रदों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं बैठक (आईसीएलएएफआइ), अंतर्राष्ट्रीय काउन्सिल मूमेंट एवं साइट (आईसीओएमओएस) सहित, भारत एसपीए भोपाल, एसपीए दिल्ली के साथ, 19–23 अगस्त 2015 |

सोनल तिवारी, अंतर्राष्ट्रीय, पहाड़ी भूदृश्य में पर्यटन का प्रभाव, पहाड़ों का भविष्य एवं ज्वालामुखी, आईएफएलए 2015 एशिया प्रशांत कांग्रेस, 09 सितम्बर 2015 |

शिखा पाटीदार, वृषभानलली रघुवंशी, श्वेता सक्सेना, अंतर्राष्ट्रीय, भोपाल के जरी कारीगरों की लोचता, म.प्र. भारत, 31 वां अंतर्राष्ट्रीय प्ली सम्मेलन, ग्रीन बिल्डिंग सुविधाएं, बोलोगना, इटली, 09–11 सितम्बर 2015 |

विशाखा कवाठेकर, तबाह मंदिरों के लिये प्रलेखन रणनीति, : म. प्र. रायसेन जिले के आशापुरी का एक मामला, दस्तावेजीकरण विविधता पर सीआईडीओसी 2015 सम्मेलनः संग्रह, कैटलॉग एवं संदर्भ, राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान नई दिल्ली, 05–10 सितम्बर 2015।

सौरभ तिवारी एवं और्घो ज्योति, अंतर्राष्ट्रीय, भारतीय उपमहाद्वीपों का सामाजिक पर्यावरणीय दृष्टिकोण के माध्यम से संचालित एतिहासिक अभिकल्पित सिद्धांत, अभिकल्पित समाज का इतिहास वार्षिक सम्मेलन 2015, कैलिफोर्निया, कॉलेज ऑफ आर्ट, सेन फ्रेंसिस्को, यूएसए, 11–13 सितम्बर 2015 |

संजीव सिंह, अंतर्राष्ट्रीय, पेपर का विषय ''सामयिक विकास के साथ एकीकृत एतिहासिक मूल्यः भोपाल शहर के ग्लोबल मैदान का एक मामला'' 'शहर, लोग एवं स्थान' पर आधारित सम्मेलन, आईसीसीपीपी -2015 दिनांक 26th एवं 27th October, 2015 कोलम्बो, श्रीलंका |

Tapas Mitra, Sheuli Mitra, International, Region, Periphery and the City Core: Transformations in Morphology and Growth Symbiosis: A Case of Kolkata City and Region, “Global Growth Agendas. Regions, Institutions and Sustainability” Regional Studies Association in collaboration with Università Cattolica del Sacro Cuore, Piacenza, Italy, 24-27 May 2015.

Sheuli Mitra, Tapas Mitra, An Alternative Framework for a Socially Equitable Urban Metropolitan Structure: Integrating Policy, Technology & Research - Lessons from Kolkata, India, “Global Growth Agendas. Regions, Institutions and Sustainability” Regional Studies Association in collaboration with Università Cattolica del Sacro Cuore, Piacenza, Italy, 24-27 May, 2015.

Sanjeev Singh, Urban Vernacular in transition: A case of Historic City of Chanderi, India presented in 2015 EUROSEAS Conference on 11th to 14th August, 2015, at Vienna University and Vienna Academy Austria.

Vishakha Kawathekar, Legal framework for heritage protection in India, International Conference and meeting of the International Committee of Legal, Administrative and Financial Issues (ICLAFI), International Council on Monuments and Sites (ICOMOS) along with ICOMOS, India at SPA Bhopal with SPA Delhi and ASI, 19th -23rd August 2015.

Sonal Tiwari, Impact of tourism on mountainous landscape, The Future Mountain and Volcanoscape, IFLA 2015 Asia Pacific Congress, 9 September 2015.

Shikha Patidar, Brishbhanlali Raghuwanshi, Shweta Saxena, The Resilience of Zari Craftsmen of Bhopal, M.P., India, 31st International PLEA Conference, Building Green Futures, Bologna, Italy, 09-11 September, 2015.

Vishakha Kawathekar, Documentation strategies for ruined temples: the case of Ashapuri, Dist Raisen, Madhya Pradesh, CIDOC 2015 conference on Documenting Diversity: Collections, Catalogues and Context , National Musueum Institute, New Delhi, 5th -10th Sept 2015.

Saurabh Tewari and Aurgho Jyoti, Holistic Design Principles driven by Socio-Environmental Visions - Indian Subcontinent, Design History Society Annual Conference 2015, California College of Arts, San Fransisco, USA, 11-13 September 2015.

Sanjeev Singh, Paper topic "Integrating Historic Values with Contemporary Growth: A case of Iqbal Maidan, Bhopal" in conference 'Cities, People and Places' - ICCPP-2015 on 26th & 27th October, 2015 at Colombo, Srilanka.

रमा उमेश पाण्डे, अंतर्राष्ट्रीय, कचरे का पुनः उपयोग एवं रिसाइक्लिंग में स्थायी खपत एवं प्रचलित हरित प्रथाओं के मध्य संबंधों की खोजः भोपाल का मामला, म.प्र., भारत, ग्लोबल क्लीनर प्रोडक्शन एण्ड सस्टेनेबल कंजम्पशन कान्फ्रेंस, इल्सवियर द्वारा आयोजित स्थान सिटजेस, स्पैन, नवम्बर 01–04 2015 |

बिनायक चौधरी, अधिकारिता और समावेशन के माध्यम से शहर की गरीबी का संबोधन, AUNFAIR 2015, आईची गाकुआन विश्वविद्यालय, नागोया, जापान, नवम्बर 2015 |

पियूष हजेला, अंतर्राष्ट्रीय, भारतीय बाजार में सार्वजनिक स्थानों के आयामः मानव सोच पर विचार, शहरी योजना एवं क्षेत्रीय विकास पर 17 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्व अकादमी, दुबई, 24–25 नवम्बर 2015 |

सौरभ तिवारी, अंतर्राष्ट्रीय, लॉरी बेकर, सतत् वास्तुकला डिज़ाइन के लिये एक मॉडल, मेघपुंज मुंबई 2015ः स्वयं के ग्रह में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई, 03–05 दिसम्बर 2015 |

कर्ण सेनगुप्ता, अंतर्राष्ट्रीय, ज्ञान आधारित शहरी विकास एवं शहरी क्षेत्रों में इनके संबंधों में विश्वद्यालयों की भूमिकाः भारतीय अनुपात, वैश्वीकरण के युग में क्षेत्रीय शहरीकरण, हडर्सफील्ड विश्वविद्यालय, यूके, 03–05 फरवरी 2016 |

श्वेता सक्सेना, अपूर्व श्रीवास्तव, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, उभरती भवन निर्माण सामग्री एवं निर्माण प्रौद्योगिकी, स्टैन आडोटोरियम इंडिया हैबीटेट सेंटर में आयोजित, लोधी रोड, नई दिल्ली भारत, 21–22 मार्च 2016।

अरविंद कुमार मील एवं गायत्री नंदा, अंतर्राष्ट्रीय, निरंतरता एवं सांस्कृतिक विरासत में परिवर्तन के माध्यम से स्थान पहचान को आकार देनाः कुल्लू, हिंमाचल प्रदेश, भारत की घटना, शहर के विरासत में मिलीः शहरी विरासत की समझ को आगे बढ़ाने, आयरन ब्रिज अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक विरासत संस्थान, ब्रिमिंघम यूनिवर्सिटी ताइपेई, ताईवान, 31 मार्च 2016 |

राष्ट्रीय

गायत्री नंदा, राष्ट्रीय, भारतीय संस्कृति इवेंट को मजबूत करने में भूमिका, 'स्थान की पहचान' पुनः शहरों की खोज पर राष्ट्रीय सम्मेलन, महर्षि मरखण्डेश्वर विश्वविद्यालय, सादोपुर, हरियाणा एवं भारतीय वास्तुकार संस्थान (चंडीगढ़–पंजाब का भाग) चंडीगढ़, 10–11 अप्रैल 2015 |

Rama Umesh Pandey, Exploring linkages between sustainable consumption and prevailing green practices in reuse and recycling of waste: a case of Bhopal city in India, Global Cleaner Production and Sustainable Consumption Conference, Organised by Elsevier at Sitges, Barcelona, Spain, 1-4 November, 2015.

Binayak Choudhury , 'Addressing Urban Poverty through Empowerment and Inclusion', at AUNFAIR 2015, Aichi Gakuin University, Nagoya, Japan, November, 2015.

Piyush Hajela, Dimensions of Public Spaces in Indian Market Places: Feeling through Human senses. 17th International Conference on Urban Planning and Regional Development, World Academy of Science and Technology, Dubai, 24th and 25th November 2015.

Saurabh Tewari, Laurie Baker: A model for Sustainable Architectural Design, Cumulus Mumbai 2015: In a planet of our own, Indian Institute of Technology Bombay, Mumbai, 3-5 December 2015.

Karna Sengupta, Role of Universities in Knowledge Based Urban Development and its relationship with the City- Region : The Indian Scenario, Regional Urbanism in the era of Globalisation , University of Huddersfield, UK , 3-5 February 2016.

Shweta Saxena, Apurv Shrivastava, International Seminar, Emerging Building Materials and Construction Technology at Stein Auditorium India Habitat Centre Lodhi Road, New Delhi India on 21st and 22nd March 2016.

Arvind Kumar Meel and Gayatri Nanda, Shaping place identity through continuity and change in cultural inheritance: The Case of Kullu, Himachal Pradesh, India, Inheriting the City: Advancing Understandings of Urban Heritage, Ironbridge International Institute for Cultural Heritage, University of Birmingham. Taipei, Taiwan, March 31, 2016.

National

Gayatri Nanda, National, Role of Indian Cultural event spaces in reinforcing 'place identity', National Conference on "Re-discovering Cities", Maharshi Markandeshwar University, Sadopur, Haryana and The Indian Institute of Architects (Chandigarh -Punjab Chapter), Chandigarh, 10-11 April 2015.

संजीव सिंह, राष्ट्रीय, ''बांस में वास्तुकला पर विशेषज्ञों का प्रस्तुतिकरण'' म.प्र. स्टेट बांस मिशन द्वारा आयोजित बांस निवेशक सम्मेलन, 17 जून 2015, आरसीवीपी नोरोन्हा एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, भोपाल (म.प्र.) |

श्वेता वार्दिया एवं अरूण मेनन, राष्ट्रीय, विरासत संरचनाओं की भूकम्प से सुरक्षा, भारत में भूकम्प आपदा न्यूनीकरण (ईडीएमआई–2015), वाणिज्य एवं उद्योग का भारतीय कक्ष का महासंघ (एफआईसीसीआई), नई दिल्ली संयुक्त रूप से एनआईडीएम, आईआईटी जोधपुर एवं मैनिट जयपुर, 10 जुलाई 2015 |

रचना खरे, सार्वभौमिक डिजाइन के माध्यम से सामाजिक समावेशन, कार्यशाला एवं व्याख्यान सत्र– सार्वभौमिक डिजाइन के माध्यम से समाजिक समता, सीएचसीआर, एसपीए भोपाल द्वारा आयोजित, आयोजन स्थल आईआईटी खड़गपुर 12–13 अक्टूबर 2015 |

संजीव सिंह, राष्ट्रीय, विशेषज्ञ वक्ता, विषय ''स्मार्ट शहर – संभावनाओं एवं वास्तविकता पर एक नजर, आनंद वास्तुकला महाविद्यालय, वास्तुकला परिषद आगरा, 28 नवम्बर 2015 |

रचना खरे, सार्वभौमिक डिजाइन, सामाजिक जीविका की एक राह, विकास एवं सशक्तिकरण हेतु अभिनव, नवरचना यूनिवर्सिटी बड़ोदा एवं गुजरात परिषद, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, गुजरात शासन द्वारा आयोजित, 30 –31 नवम्बर 2015 |

रचना खरे, बैंक एवं संबंधित प्रर्यावरण में सार्वभौमिक प्रवेश, अंतर्राष्ट्रीय विकलांगता दिवस, ''समावेशी मामले : लोंगों की सभी क्षमताओं के लिये सशक्तिकरण एवं प्रवेश, विकलांगता संयुक्त क्षेत्रीय केंद्र, भोपाल, 3 दिसम्बर 2015 |

काकोली साहा, राष्ट्रीय, फोटोवाल्टिक ऊर्जा क्षमता के आकलन के लिये स्वचलित छत की निकासीः भोपाल शहर का मामला, म.प्र. भारत, डिजिटल इंडिया के लिये जियोमेटिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, रिमोट सेंसिंग का भारतीय समाज एवं जियोमेटिक्स का भारतीय समाज, जयपुर राजस्थान, दिसम्बर 16–18, 2015 |

विशाखा कवाठेकर, एक्सप्लोरिंग प्रेक्टिसेस, कमला रहेजा मेमोरियल लेक्चर सीरीज, (केआरएमएलएस) 2015 कमला रहेजा विद्यानिधी संस्थान वास्तुकला एवं पर्यावरण अध्ययन हेतु, मुम्बई 23 दिसम्बर 2015 |

रचना खरे, विश्व लिविंग हेरिटेज फेस्टिवल में वैश्विक प्रयोज्य, उदयपुर, राजस्थान में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, यूनेस्को एवं ISOMOS भारत द्वारा आयोजित 20–24 मार्च 2016 |

Sanjeev Singh, National, Expert presentation on "Bamboo in Architecture" in 'Bamboo Inverstors Meet' Organised by MP State Bamboo Mission on 17th June, 2015 at RCVP Noronha Academy of Administration, Bhopal (MP).

Shweta Vardia and Arun Menon, National, Earthquake Safety of Heritage Structures, Earthquake Disaster Mitigation in India (EDMI-2015), Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry (FICCI), New Delhi jointly with NIDM, IIT Jodhpur and MNIT Jaipur, 10th July 2015.

Rachna Khare, Social Inclusion through Universal Design, Workshop cum Lecture Session-Social Equity through Universal Design, organized by CHCR, SPA Bhopal at IIT Kharagpur, 12th-13th October 2015.

Sanjeev Singh, Smart Cities - A look into reality and Possibilities at Anand College of Architecture and Architecture Association of Agra on 28th November, 2015.

Rachna Khare, Universal Design, A way to Social Sustenance, Innovating for Development and Sustainability, Navrachna University, Baroda and Co-convened by Gujarat Council on Science and Technology, Department of Science and Technology, Government of Gujarat , 30th November 2015.

Rachna Khare, Universal Access in Banks and Related Environments, International Day for Persons with disabilities "Inclusion matters: access and empowerment for people of all abilities" organized by Composite Regional Center for Persons with Disabilities, Bhopal , 3rd December 2015.

Kakoli Saha, Automated Extraction of rooftop for estimating Photovoltaic Energy Potential: Case of Bhopal City, Madhya Pradesh, India. National Symposium on Geomatics for Digital India, Indian society of Remote Sensing and Indian Society of Geomatics, Jaipur, Rajasthan, December 16-18, 2015.

Vishakha Kawathekar, Exploring Practices, Kamla Raheja Memorial Lecture Series (KRMLS) 2015 at Kamla Raheja Vidyanidhi Institute for Architecture and Environmental Studies (KRVIA), Mumbai on 23rd December 2015.

Rachna Khare, Universal Usability at World Living Heritage Festival at Udaipur, Rajasthan organized by Maharana Mewar charitable Foundation, UNESCO and ICOMOS India, 20th - 24th March 2016.

रचना खरे, एवं श्वेता वार्दिया, उदयपुर में हेरिटेज वॉक की एक्सेस ऑडिट, हेण्ड्स ऑन एक्टिविटी, विश्व लिविंग हेरिटज फेस्टिवल, उदयपुर, राजस्थान में महाराणा मेवर चेरिटेबल फाउण्डेशन, यूनेस्को एवं ISOMOS भारत द्वारा आयोजित 20 मार्च 2016 |

रचना खरे, सार्वभौमिक प्रवेश, सिटी पैलेस उदयपुर का एक मामला, ''दक्षिण एशिया संग्रहालय में प्रवेश'' महाराजा मान सिंह सवाई द्वितीय संग्रहालय द्वारा, सिटी पैलेस जयपुर, भारत, में आईसोमोस की साझेदारी एवं अंतर्राष्ट्रीय समावेशी संग्रहालय संस्थान, भारत के सहयोग से आयोजित, 25–28 मार्च 2016 |

रचना खरे, संदीप संकट एवं श्वेता वार्दिया, जयगढ़ फोर्ट जयपुर में एक्सेस ऑडिट कार्यशाला, दक्षिण एशिया के संग्रहालय में प्रवेश, महाराजा मान सिंह सवाई द्वितीय संग्रहालय द्वारा, सिटी पैलेस जयपुर, भारत, में आईसोमोस की साझेदारी एवं अंतर्राष्ट्रीय समावेशी संग्रहालय संस्थान, भारत के सहयोग से आयोजित, 26 मार्च 2016 |

रचना खरे, उदयपुर का सिटी पैलेस परिसर, विश्व लिविंग हैरिटेज फेस्टिवल, उदयपुर, राजस्थान महाराणा मेवर चेरिटेबल फाउण्डेशन, यूनेस्को एवं आईसोमोस द्वारा आयोजित |

मॉडरेशन /सम्मेलनों में अध्यक्षता

बिनायक चौधरी, अवसंरचना योजना एवं शहरी नागरिकों की सामाजिक जरूरतों के बीच सद्भाव पर सत्र संचालित, अनफेयर 2015, आईची गाकुआन यूनिवर्सिटी, नागोया, जापान, नवम्बर 2015 |

रमा उमेश पाण्डे, तकनीकी सत्र द्वितीय के संचालक, टाउन विकास स्कीम, एक तरह से आगे पर संवर्धन, मध्य प्रदेश का क्षेत्रीय भाग, भारतीय योजनाकार संस्थान, भोपाल, 12 फरवरी 2016 |

पोस्टर प्रस्तुतीकरणः

सन्मार्ग मित्रा, परमा मित्रा, भारत की स्थानीय वास्तुकला के तुलनात्मक आकलन की केस स्टडी, आईजीआरएमएस, भोपाल, दक्षिण एशियाई वास्तुकला, भविष्य की निरंतरता एवं रणनीति हेतु चुनौतियां, सांस्कृतिक मंत्रालय, भारत शासन, आईजीआरएमएस, भोपाल, एसपीए भोपाल, आईटीआरएचडी, दिल्ली 11–13 दिसम्बर 2015 |

शिउलि| मित्रा, अभिकल्पना नवाचार केन्द्र, नवाचार प्रदर्शनी, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली, 15 मार्च 2016

Rachna Khare and Shweta Vardia, Access Audit of Heritage Walk at Udaipur; Hands-on Activity, World Living Heritage Festival at Udaipur, Rajasthan organized by Maharana Mewar charitable Foundation, UNESCO and ICOMOS India, 20th March 2016.

Rachna Khare, Universal Access- Case study of the City Palace Udaipur, 'Access in Museums in South Asia', organized by Maharaja Sawai Man Singh II Museum, City Palace, Jaipur, India, in partnership with ICOMOS India and supported by the International Institute for the Inclusive Museum, 25-28th March 2016.

Rachna Khare, Sandeep Sankat and Shweta Vardia, Access Audit Workshop at Jaigarh Fort, Jaipur, 'Access in Museums in South Asia', organized by Maharaja Sawai Man Singh II Museum, City Palace, Jaipur, India, in partnership with ICOMOS India and supported by the International Institute for the Inclusive Museum, 26-Mar-16.

Rachna Khare, City Palace Complex of Udaipur, World Living Heritage Festival, at Udaipur, Rajasthan organized by Maharana Mewar charitable Foundation, UNESCO and ICOMOS India.

Moderation/ Chairmanship at conferences

Binayak Choudhury, Moderated for the Session on 'Harmony between Infrastructure Planning and Social Needs of Urban Citizens' at AUNFAIR, 2015, Aichi Gakuin University, Nagoya, Japan, November, 2015.

Rama Umesh Pandey, Moderator of Technical Session -II in 'Colloquium on Town Development Schemes- A Way forward', Madhya Pradesh Regional Chapter of Institute of Town Planners of India at Bhopal, 12/02/2016.

Poster Presentation:

Sanmarga Mitra, Parama Mitra, Comparative Assessment of Climatic Performances of Regional Vernacular Architecture of India - case study I.G.R.M.S., Bhopal, South Asian Vernacular Architecture - Challenges to its Continuity and Strategies for its future, Ministry of Culture, GOI; IGRMS, Bhopal; SPA, Bhopal; ITRHD, Delhi, 11 - 13 December 2015.

Sheuli Mitra, Design Innovation Centre, Innovation Fair, Rashtrapati Bhavan, New Delhi, March 15, 2016.

सम्मेलन/संगोष्ठी में सहभागिताः

गायत्री नंदा, राष्ट्रीय सम्मेलन, ''शहरों की पुनः खोज'' वास्तुकला विद्यालय एमएमयू साडोपुर, अम्बाला, 10–11 अप्रैल, 2015 |

काकोली साहा, थर्मल कम्फर्ट वर्कशॉप, आईटीपीआई मध्य प्रदेश भाग, भोपाल एवं तारू द्वारा आईटीपीआई में आयोजित, 17 अप्रैल 2015 |

संदीप संकट, स्मार्ट शहर के लिये स्मार्ट गतिशीलता, नगर निगम भोपाल एवं बीसीएलएल भोपाल, 18 अप्रैल 2015 |

बिनायक चौधरी, आरसीयूके –एनआईयूए, भारत में शहरी भूदृश्य अनुसंधान पर संयुक्त परामर्श, मई 2015 |

अपूर्व श्रीवास्तव, टीईक्यूआईपी II अंतर्गत आपदा प्रबंधन कोर्स, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, (म.प्र.) 19–23 मई 2015 |

बड़े शोमित दिलीप, एमपीसीडीएमए सम्मेलन, सतत् शहरी अवास पर संवेदीकरण कार्यक्रम, एसपीए भोपाल, 8 अगस्त 2015 |

अजय कुमार विनोदिया एवं आशीष पाटिल, सतत् शहरी आवास (स्मार्ट सिटी के लिये परिवहन, भवन एवं हरित संरचना की भूमिका) मध्य प्रदेश स्वच्छ विकास तंत्र एजेंसी, भोपाल, 08 अगस्त 2015 |

रमेश भोले, मंजूषा मिश्रा, कर्णसेन गुप्ता, श्वेता वार्दिया, एक स्वदेशी परिप्रेक्ष्य से लेखन की दिशा में वास्तुकला का इतिहास, एसपीए भोपाल, 18–20 सितम्बर 2015 |

मंजूषा मिश्रा, एशियन मेयर फोरम, तकनीकी सत्र : एशियाई शहरों के शहरी पर्यटन की संस्कृति एवं अर्थव्यवस्था, 29 अगस्त से 01 सितम्बर 2015 |

रचना खरे, सार्वभौमिक डिजाइन पर दो दिवस की हेण्ड्स ऑन वर्कशॉप, आईआईटी खड़गपुर, अक्टूबर 2015 |

बड़े शोमित दिलिप, डॉ. एन श्रीधरन, डॉ. मीनाक्षी धोते, डॉ. राजश्री कोथरकर, डॉ. भारत दहिया, डॉ अंशु शर्मा, शहरी स्थिरता का मापन, वास्तुकला एवं योजना विभाग, वीएनआईटी नागपुर 09 एवं 10 अक्टूबर 2015 |

रमा उमेश पाण्डे, अजय कुमार विनोदिया, अरविंद कुमार मील, बृषभानलली रघुवंशी, शहरी गरीबों के लिये मूल सेवाएं – सामाजिक प्रभाव के उपाय, मैनिट, भोपाल एवं शहर नियोजन संस्थान म.प्र. क्षेत्रीय भाग 16 अक्टूबर 2015 |

Participation in Conference/Seminar:

Gayatri Nanda, National Conference on "Re-Discovering Cities" "School of Architecture, MMU, Sadopur, Ambala" April 10-11, 2015.

Kakoli Saha, Thermal Comfort Workshop, ITPI MP Chapter, Bhopal and TARU at ITPI Bhopal, 17th April 2015.

Sandeep Sankat, Smart Mobility for Smart Cities, Nagar Nigam Bhopal and BCLL Bhopal, 18th April 2015.

Binayak Choudhury, RCUK India – NIUA Joint Consultation on Urban Research Landscape in India, May 2015.

Apurv Shrivastava, Disaster Management Course under TEQIP II, Rajiv Gandhi Proudyogiki Vishwavidyalaya, Bhopal (M.P.), 19-23rd May 2015.

Bade Shomit Dilip, MPCDMA Conference on Sensitization Programme on Sustainable Urban Habitat, SPA Bhopal, 8 August, 2015.

Ajay Kumar Vinodia and Ashish Patil, Sustainable Urban Habitat (Role of green infrastructure, transport and buildings for smart city) Madhya Pradesh Clean Development Mechanism Agency, Bhopal, August 08, 2015.

Ramesh Bhole, Manjusha Misra, Karna Sengupta, Shweta Verdia, History of Architecture, Towards writing from an Indigenous Prespective, SPA Bhopal, 18-20 September 2015.

Manjusha Misra, ASIAN MAYORS' FORUM, Technical Session. Culture and Economy of Urban Tourism in Asian Cities, 29th August -1st September 2015.

Rachna Khare, Two days hands-on Workshop on Universal Design at IIT, Kharagpur in October 2015.

Bade Shomit Dilip, Dr. N. Shridharan, Dr. Meenakshi Dhote, Dr. Rajshree Kotharkar, Dr. Bharat Dahiya, Dr. Anshu Sharma, Measuring Urban Sustainability, Department of Architecture & Planning, V.N.I.T, Nagpur, 09th & 10th of October 2015.

Rama Umesh Pandey, Ajay Kumar Vinodia, Arvind Kumar Meel, Brishbhanlali Raghuwanshi, 'Basic Services to Urban Poor- Measure of Social Impact' Maulana Azad National Institute of Technology, Bhopal and Institute of Town Planners, M.P. regional Chapter, Bhopal, October 16, 2015.

अजय कुमार विनोदिया, वास्तुकला परिषद का निम्नतम मानक एवं ऑनलाइन संस्थान प्रबंध सिस्टम, वास्तुकला परिषद, नई दिल्ली आयोजन स्थल मुंबई 30 अक्टूबर 2015 |

रमा उमेश पाण्डे, ग्लोबल वार्मिंग एवं जलवायु परिवर्तन – एक रास्ता, पर्यावरण नियोजन एवं समन्वयक संगठन, भोपाल, मध्यप्रदेश शासन, विधान सभा, भोपाल, 21–22 नवम्बर 2015 |

गायत्री नंदा, शहरी वास विरासत का संरक्षण ''UNESCO Chair, संस्कृति, पर्यावास और सतत् विकास, सृष्टि कला, अभिकल्पना एंव प्रौद्योगिकी संस्थान, पीओ बॉक्स 6430, येलाहांका न्यू टाउन – बेंगलोर, 26–28 नवम्बर, 2015 |

अजय कुमार विनोदिया, प्राज्ञ प्रवाह, आईआईए, म.प्र. का क्षेत्रीय भाग, भोपाल 27 नवम्बर 2015 |

रचना खरे, श्री मुकेश जैन, संयुक्त सचिव (विकलागता विभाग सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय) आय "सुलभ भारत अभियान पर विशिष्ट व्याख्यान, एस.पी.ए. भोपाल, 27 जनवरी 2016 |

सोनल तिवारी, नीली क्रांति का विस्तार, ISOLA सम्मेलन, 21–23 जनवरी 2016 |

रचना खरे, विकास एवं सशक्तिकरण हेतु अभिनव, नवरचना यूनिवर्सिटी बड़ोदा, एवं गुजरात परिषद, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, गुजरात शासन द्वारा आयोजित, 30 –31 नवम्बर 2015 |

रमा उमेश पाण्डे, शहरी विकास येाजनाओं पर संवर्धन – एक रास्ता आगे की ओर, आईटीपीआई, म.प्र. क्षेत्रीय भाग, भोपाल, 12 फरवरी 2016 |

रचना खरे, विज्ञान एवं अध्यात्म पर वैचारिक कुम्भ, रविन्द्र भवन, भोपाल में आयोजित, म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा आयोजित, 12–14 फरवरी 2016 |

विशाखा कवाठेकर, एएचआरसी–आईसीएचआर कार्यशाला – ऐतिहासिक शहर अजमेर और पुष्करः ऐतिहासिक भागों का आकलन, सतत् नियोजन एवं संरक्षण के अर्थ एवं प्रयोग, कला एवं मानव अनुसंधान परिषद (एएचआरसी) एवं भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर) फरवरी 18–19, 2016 |

प्रेमजीत दास गुप्ता, म.प्र. सरकार एवं हितधारकों का संयुक्त रूप से राष्ट्रीय स्तर का मार्गदर्शन व दस्तावेजीकरण, टीओडी, एनएमटी एवं पीबीएस हेतु शहर विशेष योजना हेतु, भोपाल 26 फरवरी 2016 |

रचना खरे, विरासतों के क्षेत्र एवं महलों के शहर जयपुर और उदयपुर पर तीन कार्यशालाओं का आयोजन, मार्च 2016 |

Ajay Kumar Vinodia, CoA minimum standards and online institute management system, Council of Architecture, New delhi held at Mumbai, October 30, 2015.

Rama Umesh Pandey, Attended, Global Warming and Climate Change - A Way Out Environmental Planning and coordination Organization (EPCO), Government of Madhya Pradesh at Vidhan sabha Bhawan Bhopal, 21-22 November 2015.

Gayatri Nanda, Conserving Living Urban Heritage,"UNESCO Chair, Culture, Habitat, and Sustainable Development, Srishti Institute of Art, Design & Technology, P.O Box 6430, Yelahanka New Town - Bangalore"26-28 November, 2015.

Ajay Kumar Vinodia, Pragya Pravah, IIA MP Chapter, Bhopal, November 27, 2015.

Rachna Khare, Innovating for Development and Sustainability, hosted by: Navrachna University, Baroda and Co-convened by Gujarat Council on Science and Technology, Department of Science and Technology, Government of Gujarat, 30th -31st November 2015.

Sonal Tiwari, Expanding the blue revolution, ISOLA conference, 21-23 January 2016.

Rachna Khare, Organized Special Lecture on 'Accessibility India Campaign' by Mr. Mukesh Jain, Join Secy, Department of Disability Affairs, Ministry of So cial Justice and Empowerment, at SPA Bhopal on 27th January, 2016 .

Rama Umesh Pandey and Ajay Kumar Vinodia, Colloquium on Town Development Schemes - A Way forward, Institute of Town Planners, M.P. regional Chapter at Bhopal, 12 February 2016.

Rachna Khare, Vaicharik Kumbh on 'Science and Spirituality' held at 'Ravindra Bhawan' at Bhopal, organized by Madhya Pradesh Council of Science and Technology, 12 – 14th February, 2016.

Vishakha Kawathekar, Ramesh Bhole and Shweta Vardia, AHRC - ICHR workshop - The Historic City of Ajmer and Pushkar: Mapping Layers of History, Use and Meaning for Sustainable Planning and Conservation, Welsh School of Architecture- Cardiff University, UK, SPA, Bhopal and DRONAH Foundation, New Delhi,18-19 February 2016.

Premjeet Das Gupta, Stakeholder Workshop on National Level Guidance Document for TOD, NMT and PBS and CIty Specific Plan for Bhopal, MoUD, GoI jointly with GoMP, Bhopal, February 26, 2016.

Rachna Khare Three workshops on Universal Design at Heritage Sites at City Palace Jaipur and Udaipur in March 2016.

श्वेता वार्दिया, विश्व वास विरासत महोत्सव– 2016 महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउन्डेशन, उदयपुर, 19–23 मार्च 2016 |

रचना खरे, विश्व वास विरासत उत्सव, उदयपुर, राजस्थान महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, यूनेस्को एवं आइसोमोस, भारत द्वारा आयोजित दिनांक 20–24 मार्च 2016 |

रचना खरे, श्वेता वार्दिया, दक्षिण एशिया संग्रहालय में प्रवेश, महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय, संग्रहालय एवं संग्रहालय की राष्ट्रमण्डल एसोसिएशन, सिटी पैलेस, जयपुर 25–28 मार्च 2016 |

शैक्षणिक पैनलः

रचना खरे, संयोजक, विशेषज्ञ समिति, शैक्षणिक सत्र 2015–16 हेतु वास्तु शिक्षा पाठ्यक्रम की डिग्री प्रदान करने हेतु संस्था का निरीक्षण, आईटीएम वास्तुकला विद्यालय एवं शहर नियोजन विद्यालय लखनऊ का दौरा, 24 मई 2015 |

अजय कुमार विनोदिया, सदस्य, संकाय चयन समिति आईआईएसआर भोपाल, जुलाई 14, 2015, अगस्त 01, 2015, सितम्बर 12–15, 2015 |

बिनायक चौधरी, सदस्य, अध्ययन मण्डल, क्षेत्रीय योजना, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय. दिल्ली, दिसम्बर 2015 |

रचना खरे, सदस्य, अध्ययन मण्डल, वास्तुकला विभाग, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, दिल्ली, जनवरी 2016 |

बिनायक चौधरी, सदस्य, अध्ययन मण्डल, भौतिक योजना, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय दिल्ली, फरवरी 2016 |

संजीव सिंह, सदस्य, अध्ययन मण्डल, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ (उ.प्र.) |

संजीव सिंह, सदस्य, अध्ययन मण्डल, वास्तुकला विभाग, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर (म.प्र.) |

संजीव सिंह, सदस्य, अकादमिक परिषद, वास्तुकला विभाग, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल (म.प्र.) |

Shweta Vardia, World Living Heritage Festival -2016, Maharana of Mewar Charitable Foundation, Udaipur, 19-23 March 2016.

Rachna Khare, World Living Heritage Festival, at Udaipur, Rajasthan organized by Maharana Mewar charitable Foundation, UNESCO and ICOMOS India, 20th-24th March 2016.

Rachana Khare, Shweta Vardia, Access in Museums in South Asia, Maharaja Sawai Man Singh II Museum and Common wealth Association of Museums, The City Palace, Jaipur, 25-28 March 2016.

Academic Panel:

Rachna Khare, Convener, Expert Committee, Inspection of institution for imparting Architectural Education Degree Course(s) for the academic session 2015-2016, visited ITM School of Architecture & Town Planning, Lucknow on 24 May 2015.

Ajay Kumar Vinodia, Member, Faculty selection committee for IISER Bhopal, IISER Bhopal, 14 July, 2015, 01 August, 2015, 12-15 September, 2015.

Binayak Choudhury, Member, Board of Studies, Regional Planning, SPA, Delhi, December, 2015.

Rachna Khare, Member, Board of Studies, Department of Architecture, SPA Delhi, January 2016.

Binayak Choudhury, Member, Board of Studies, Physical Planning, SPA, Delhi, February 2016.

Sanjeev Singh, Member, Board of Studies of Dr. APJ Abdul Kalam Tachnical University, Luchnow (UP).

Sanjeev Singh, Member, Board of Studies, Department of Architecture, ITM University, Gwalior (MP).

Sanjeev Singh, Member, Academic Council, Department of Architecture, School of Planning and Architecture, Bhopal (MP).

संजीव सिंह, सदस्य/संयोजक, अनुसंधान उपाधि समिति, उ.प्र. तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ (उ.प्र.) |

रचना खरे, सदस्य, शोध अनुसंधान समिति, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा |

बिनायक चौधरी, सहायक प्राध्यापक के साक्षात्कार हेतु विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त, इंजीनियरिंग महाविद्यालय पुणे, सितम्बर 2015 |

पेशेवर पैनलः

संजीव सिंह, सदस्य, वास्तुकला परिषद, बी. आर्क, एम. आर्क (यूआरपी) एवं एम. आर्क. (पर्यावरण वास्तुकला), भारती विद्यापीठ कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, नवी मुम्बई, अप्रैल 2015 |

संजीव सिंह, सदस्य, वास्तुकला परिषद, बी. आर्क, एम. आर्क (यूआरपी) एवं एम. आर्क (पर्यावरण वास्तुकला), एकेडमी ऑफ आर्किटेक्चर, नवी मुम्बई, अप्रैल 2015 |

तापस मित्रा, अध्यक्ष, विशेषज्ञ समिति, वास्तुकला परिषद, सीटीईएस निरीक्षण परिषद, मुम्बई 05–06 मई 2015 |

तापस मित्रा, संयोजक, विशेषज्ञ समिति, वास्तुकला परिषद, सीईए निरीक्षण परिषद, मुम्बई 11–12 मई 2015 |

पियुष हजेला, कार्यकारी सदस्य, मध्य भाग, भारतीय वास्तुकला संस्थान, भारतीय वास्तुकला संस्थान का मध्य भाग, भोपाल, 17 मई 2015 |

संदीप अरोरा, जीआरआईएचए परामर्शदाता के चयन हेतु समिति सदस्य, न्यू एमएलए गेस्ट हाउस भोपाल, पर्यावरण नियोजन एवं संगठन समन्वयन (ईपीसीओ) भोपाल 01 जून 2015 |

आशिष पाटिल, कलात्मक कार्य में बहुअनुशासनिक अनुसंधान, निकोलस कॉपरनिकस यूनिवर्सिटी, टॉरेन पॉलेण्ड, 28 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2015 |

क्षमा पुणताम्बेकर, प्रदेश के विभिन्न शहर, शहरी प्रशासन एवं विकास के लिये मास्टर प्लान के ड्राफ्ट पर समीक्षा बैठक, 08 अक्टूबर 2015 |

रचना खरे, सदस्य, विशेषज्ञ समिति, भारतीय समावेशी एवं सार्वभौमिक डिजाइन संस्थान, एमएसजेई, प्रधानमंत्री कार्यालय में विचार विमर्श हेतु सहभागिता, 10 अक्टूबर 2015 |

Sanjeev Singh, Member/Convener, Research Degree Committee (RDC), Uttar Pradesh Technical University, Lucknow (UP).

Rachna Khare, Member, Doctoral Research Committee, SPA Vijayawada.

Binayak Choudhury, Acted as expert for the interview to the post of Assistant Professor, College of Engineering, Pune, September, 2015 .

Professional Panel:

Sanjeev Singh, Member for COA Inspection for B.Arch, M. Arch (URP) & M.Arch (Environmental Architecture) at Bharati Vidyapeeth's college of Architecture, Navi Mumbai, April 2015.

Sanjeev Singh, Member for COA Inspection for B.Arch, M.Arch (URP) & M.Arch (Environmental Architecture) at Academy of Architecture, Navi Mumbai, April 2015.

Tapas Mitra, Chairman, Expert team, Council of Architecture, Council Inspection of CTES, Mumbai, 5-6 May, 2015.

Tapas Mitra, Convenor, Council of Architecture Inspection Team, Council Inspection at SEA, Mumbai, 11-12 May, 2015 .

Piyush Hajela, Executive member of M.P. chapter of The Indian Institute of Architects, The Indian Institute of Architects M.P Chapter Bhopal, 17th May 2015 .

Sandeep Arora, Committee member for selection of GRIHA consultant for New MLA Guest House at Bhopal, Environmental Planning & Coordination Organization (EPCO), Bhopal, 1 June, 2015.

Ashish Patil, Multidisciplinary Research on works of Art, Nicolaus Copernicus University Tourn Poland, 28th September to 2nd October 2015.

Kshama Puntambekar, review meeting on the Draft To D Master Plans for several M.P. towns, Urban Administration and Development (M.P.), 8th October 2015.

Rachna Khare, Member, Expert Committee, National Institute of Inclusive and Universal Design, MSJE, participated in discussion held at Prime Minister Office on 10th October 2015.

क्षमा पुणताम्बेकर, मध्य प्रदेश के विभिन्न शहर, शहरी प्रशासन एवं विकास के लिये मास्टर प्लान के ड्राफ्ट पर समीक्षा बैठक, 31 अक्टूबर 2015 |

आशिष पाटिल, मास्टर मेंटर प्रोटेजेस, ललित कलाओं की प्रदर्शनी, इडसलेंड बैंक अंटिकुआना के सहयोग से, इंगिडिगो– हयात् रेजेंसी के सामने, नई दिल्ली, 27–28 नवम्बर 2015 |

रचना खरे, पैनलबद्ध लेखापरीक्षक, सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय (एमएसजेई), भारत शासन, जनवरी 2016 |

रचना खरे, सदस्य, निर्मित पर्यावरण में पहुंच पर गोलमेज सम्मेलन, डॉ. विक्टर पिनेदा, यूएस एक्सेस बोर्ड के नेतृत्व में, एमएसजेई भारतीय पर्यावास केन्द्र द्वारा आयोजित, नई दिल्ली, 20 जनवरी 2016 |

अजय कुमार विनोदिया, सहायक अभियंता की नियुक्ति हेतु समिति के सदस्य आईआईएसईआर भोपाल, 12 फरवरी 2016 |

आनन्द वाडवेकर, सदस्य, भारतीय शहर डिजाइन संस्थान भारत, शहरी डिजाइन पत्रिका की संपादक समिति, आईयूडीआई, नई दिल्ली, 18–19 मार्च 2016 |

देवर्षि चौरसिया, संस्थान टाउन प्लानर्स के एसोसिएट सदस्य, भारत (2009–135) शहरी योजनाकार संस्थान, भारत मध्य प्रदेश भाग, संपादक, योजनाकारों के समाचार पत्र, म.प्र. भाग वर्ष 2015–16 |

गौरव सिंह, सदस्य अनुसंधान एवं विकास, भारतीय वास्तुकला संस्थान की शैक्षिक समिति में अनुसंधान एवं विकास के सदस्य, मुम्बई, वर्ष 2015–16 |

संजीव सिंह, सदस्य, भवन एवं निर्माण समिति, भारतीय तकनीकी शिक्षण प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल, मप्र. |

गौरव सिंह, वास्तुकला परिषद द्वारा गठित, निरीक्षण टीम के सदस्य, वास्तुकला विद्यालय करूर, निरीक्षण दिनांक 30 अप्रैल 2015 |

क्षमा पुणताम्बेकर, जीटीयू अनुसंधान सप्ताह 2016 में एक बाह्य विशेषज्ञ के रूप में शहर योजना के लिये, पीजी एवं पीएच. डी. की समीक्षा, गुजरात तकनीकी विश्वविद्यालय, गांधीनगर, 28 मार्च 2016|

Kshama Puntambekar, review meeting on the Draft ToD Master Plans for several M.P. towns, Urban Administration and Development (UAD), GoMP., 31st October 2015.

Ashish Patil, Masters Mentors Protégés, An Exhibition of Fine Arts, Induslnd Bank in Association with Antiquana, Ingdigo – Opposite Hyatt Regency New Delhi, 27-28 November 2015.

Rachna Khare, Empanelled Access Auditor, Ministry of Social Justice and Empowerment (MSJE), GoI, January 2016.

Rachna Khare, Member, Roundtable on Accessibility in the Built Environment, led by Dr Victor Pineda from US Access Board, organized by MSJE at India Habitat Centre, New Delhi held on 20th January 2016.

Ajay kumar Vinodia, Member, Selection committee for appointment of Executive Engineer at IISER Bhopal, IISER Bhopal, 12 February, 2016.

Anand Wadwekar, Member of Institute of Urban Designers India (IUDI), Editorial Committee for Journal of Urban Design, IUDI New Delhi, 18-19 March 2016.

Devarshi Chaurasia, Associate Member of Institute of Town Planners, India (2009 -135), Institute of Town Planners, India, Madhya Pradesh Chapter, Editor, Planners News letter, M.P. Chapter, for year 2015 -16.

Gaurav Singh, Member R & D Continuing Education Committee of IIA, Indian Institute of Architects, Mumbai, term 2015-2017.

Sanjeev Singh, Member, Building Works Committee, National Institute of Technical Teachers' Training and Research, Bhopal (MP) .

Gaurav Singh, Member of the Inspection team constituted by Council of Architecture to inspect Cheran School of Architecture, Karur. The Inspection was held on 30th April 2015, Karur.

Kshama Puntambekar, GTU's Research Week 2016 as an External Expert for Town Planning PG and PhD review, Gujarat Technical University, Ghandinagar, 28th march 2016.

निर्णायक मण्डलः

प्रतियोगिताओं में निर्णायक मण्डल

संजीव सिंह, पर्यावरण नियोजन एवं समन्वयन संगठन (ईपीसीओ), भोपाल में हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं के निर्णायक मण्डल विशेषज्ञ, अगस्त 2015 |

संजीव सिंह, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा में हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं के निर्णायक मण्डल विशेषज्ञ, अक्टूबर 2015 |

संजीव सिंह, इंदौर विकास प्राधिकरण में हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं के निर्णायक मण्डल विशेषज्ञ, नवम्बर 2015 |

निर्णायक मण्डल/ बाह्य परीक्षक

शोध उपाधि

रचना खरे, सुश्री सम्पदा पशवे की पीएच. डी थीसिस 'वास्तुकला डिजाइन स्टूडियो में रचनात्मकता को बढ़ाना' की समीक्षा की रेफरी, नागपुर यूनिवर्सिटी, मई 2015 |

बिनायक चौधरी, वास्तुकला एवं क्षेत्रीय योजना विभाग में शोध निर्णायक सदस्य, आईआईटी खड़गपुर, अक्टूबर 2015 |

परास्नातक

बिनायक चौधरी, क्षेत्रीय योजना की परास्नातक थीसिस के निर्णायक सदस्य, एसपीए दिल्ली, अप्रैल 2015 |

अशफाक आलम, बाह्य परीक्षक द्वारा M. Ekistics प्रथम वर्ष छात्रों, वास्तुकला के संकाय Ekistics का viva-voce लिया गया। जामिया मिलिया इस्लामिया, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 23 मई 2015 |

अशफाक आलम, बाह्य परीक्षक द्वारा M. Ekistics प्रथम वर्ष छात्रों, वास्तुकला के संकाय Ekistics का viva - voce लिया । जामिया मिलिया इस्लामिया, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 21–22 जनवरी 2016 |

स्नातक

संजीव सिंह, बी. आर्क पंचम वर्ष के वास्तुकला थीसिस विषय पर बाह्य निर्णायक सदस्य, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा, मई 2015 |

Jury:

Jury Competitions

Sanjeev Singh, Expert Jury member for various competitions at The Environmental Planning & Coordination Organisation (EPCO) Bhopal, August 2015.

Sanjeev Singh, Expert Jury member for various competition at State Bank of India (SBI) and Bank of Baroda, Bhopal, October 2015.

Sanjeev Singh, Expert Jury member for various competitions at Indore Development Authority (IDA), November 2015.

Jury/ External Examiners

Ph. D

Rachna Khare, Referee to review the PhD thesis 'Enhancing Creativity in Architecture Design Studios' of Ms Sampada Peshwe/ Nagpur University, May 2015.

Binayak Choudhury, PhD jury in the Department of Architecture and Regional Planning, IIT, Kharagpur , October, 2015 .

Post Graduate

Binayak Choudhury, Post graduate Thesis jury of Regional Planning at SPA, Delhi, April 2015.

Ashfaque Alam, External Examiner to take viva-voce of M. Ekistics 1st Year students of Faculty of Architecture and Ekistics, Jamia Millia Islamia, Central University, New Delhi, 23 May, 2015.

Ashfaque Alam, External Examiner to take viva-voce of M. Ekistics 1st Year and 2nd year students of Faculty of Architecture and Ekistics, Jamia Millia Islamia, Central University, New Delhi, 21-22 January, 2016.

Under Graduate

Sanjeev Singh, External Jury member for the subject "Architectural Thesis" of V year B.Arch at School of Planning and Architecture, Vijayawada, May 2015.

प्रेमजीत दास गुप्ता, स्थानीय क्षेत्र प्लानिंग स्टूडियो पर अंतिम वाइवा (बी.प्लान V सेमेस्टर) इंजीनियरिंग महाविद्यालय, पुणे, 04 नवम्बर 2015 |

बिनायक चौधरी, बी. प्लान अंतिम वर्ष थीसिस निर्णायक सदस्य मैनिट, भोपाल, दिसम्बर 2015 |

अजय कुमार विनोदिया, थीसिस Viva-Voce, हितकारिणी वास्तुकला एवं शहर नियोजन महाविद्यालय, जबलपुर, 21 जून 2015 |

बिनायक चौधरी, नियुक्त, पेपर सेटर/बाह्य परीक्षक, इंजीनियरिंग महाविद्यालय पुणे, अक्टूबर 2015 |

आनन्द वाडवेकर, निर्णायक सदस्य/ बाह्य परीक्षक, अनुसंधान सम्मेलन विषय पर, नागपुर यूनिवर्सिटी, प्रियदर्शनी वास्तुकला एवं अभिकल्पन अध्ययन संस्थान, 19–20 नवम्बर 2015 |

संजीव सिंह, बाह्य निर्णायक सदस्य, वास्तुकला डिजाइन थीसिस जूरी, यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ डिजाइन, यूनिवर्सिटी ऑफ मैसूर, कर्नाटक, दिसम्बर 2015 |

आमंत्रित व्याख्यानः

बिनायक चौधरी, शहरी प्रशासन एवं विकास विभाग म.प्र. शासन के कनिष्ठ अभियंता के प्रशिक्षण कार्यक्रम में दो व्याख्यान (शहरी नियोजन में प्राइमर एवं शहरी विकास का प्रबंध), एनआईटीटीआर, भोपाल 2015 |

श्वेता सक्सेना, अनुमान एवं लागत एवं दर मूल्यांकन विषय पर प्रशिक्षण के दौरान UADD के सब इंजीनियर्स को व्याख्यान, एनआईटीटीटीआर, भोपाल, 6 एवं 23 जुलाई 2015 |

श्वेता सक्सेना, अनुमान एवं लागत एवं दर मूल्यांकन विषय पर प्रशिक्षण के दौरान नये नियुक्त इंजीनियर्स को व्याख्यान, म.प्र. पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन लिमि. एनआईटीटीटीआर, भोपाल, 16 सितम्बर 2015 |

गौरव सिंह, योजना, वास्तुकला प्रौद्योगिकी एवं इंजीनियरिंग में क्षमतावर्धन (SPATE)' एमिटी विश्वविद्यालय, राजस्थान, जयपुर 10–11 अक्टूबर, 2015 |

Premjeet Das Gupta, Final viva of Local Area Planning Studio (B.Plan V Semester), College of Engineering, Pune, November 04, 2015.

Binayak Choudhury, B. Plan final year Thesis jury at MANIT, Bhopal, December, 2015.

Ajay Kumar Vinodia, Thesis Viva-Voce, Hitkarni College of Architecture and Town Planning, Jabalpur, June, 21, 2015.

Binayak Choudhury, appointed as Paper setter / External Examiner at College of Engineering, Pune in October 2015.

Anand Wadwekar, Jury Member/ External Examiner for the subject of Research Seminar, Nagpur University, Priyadarshini Institute of Architecture and Design Studies, 19 -20 November 2015.

Sanjeev Singh, External Jury Member Architectural Design Thesis Jury at The University School of Design, University of Mysore, Karnataka, December 2015.

Invited Lectures:

Binayak Choudhury, delivered two lecture (‘Primer in Urban Planning’ and ‘Managing Urban Development’) at the training programme of Junior Engineers of Urban Administration and Development department, Govt. of Madhya Pradesh at NITTTR, Bhopal, April, 2015.

Shweta Saxena, delivered lectures on 'Estimating & Costing' and ' Rate Analysis' during first & second phase induction training of Sub-Engineers of UADD, at National Institute of Technical Teachers' Training & Research, Bhopal, 6th & 23rd July 2015 respectively.

Shweta Saxena, delivered Lectures on 'Estimating and Costing' and 'Rate Analysis' during training of newly appointed Sub-Engineers of M.P. Police Housing Corporation Limited, NITTTR Bhopal, 16 th September 2015.

Gaurav Singh, Sustainability in Planning, Architecture, Technology and Engineering (SPATE)', Amity University, Rajasthan, Jaipur, 10 & 11" October, 2015.

वृषभानलली रघुवंशी सिविल इंजीनियरिंग एप्लीकेशन हेतु सीएडी 3डी पर व्याख्यान दिया, राष्ट्रीय शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल, 27 अक्टूबर 2015 |

श्वेता सक्सेना, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के दौरान GRIHA रेटिंग सिस्टम पर अतिथि व्याख्यान, म.प्र. हाउसिंग एवं अधोसरंचना विकास मंडल, मुख्य कार्यालय, भोपाल 28 नवम्बर 2015 |

विशाखा कवाठेकर, आशापुरी के मंदिर, मध्यप्रदेश, वास्तुकला ग्रंथ का सार्थक रूप से प्रदर्शन, भारतीय वास्तुकला संस्थान पुणे द्वारा आयोजित, 24 दिसंबर 2015 |

विशाखा कवाठेकर, पाठ्य शीर्षक ''संरक्षण का अध्ययन'' पर व्याख्यान, सेप्ट विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, 15 मार्च 2016 |

विशाखा कवाठेकर, एनआईएएसए भारतीय वास्तुकला इतिहास शिक्षण पर शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, व्याख्यान 19 वी से 20 वी शताब्दी पर बदलती वास्तुकला पर व्याख्यान, वास्तुकला इतिहास एवं शिक्षा शास्त्र एवं वास्तुकला इतिहास का लेखन : हैण्ड्स ऑन अभ्यास नियासा द्वारा आयोजित, पुणे 16– 18 मार्च 2016 |

अपूर्व श्रीवास्तव, अनुमान एवं लागत एवं दर मूल्यांकन विषय पर प्रशिक्षण के दौरान नये नियुक्त इंजीनियर्स को व्याख्यान, म.प्र. पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन लिमि. एनआईटीटीटीआर, भोपाल, 16 सितम्बर 2015 |

घोषणा एवं उपलब्धि :

शिउलि मित्रा, इंजीनियरिंग में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी, जादवपुर विश्वविद्यालय, भारत 19 अगस्त 2015 |

संजीव सिंह, वर्ल्ड आर्किटेक्चर फेस्टिवल–2015 में एक मेंटर के रूप में स्टूडेंट चेरेटी आवार्ड प्राप्त किया, सिंगापुर दिनांक 2 से 11 नवम्बर 2015 |

आशीष पाटिल, मास्टर मेंटरर्स प्रोटेजेस ललित कलाओं की एक प्रदर्शनी, इन्डसलैण्ड बैंक एसोशिएसन अंटिकुआना इंडिगो, हयात रेजेंसी के सामने, नई दिल्ली, 27–28 नवंबर 2015 |

काकोली साहा, वैज्ञानिक श्रेणी ISG-ISRS नेशनल सिम्पोसियम आन जियोमेटिक्स फॉर डिजिटल अंतर्गत भारत दस्तावेज प्रस्तुतिकरण हेतु प्रथम पुरस्कार, इंडिया, जयपुर, भारत 16–18 दिसम्बर 2015 |

श्वेता सक्सेना, हिन्दी पखवाड़ा वर्ष 2015 में आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल 01 से 11 सितम्बर 2015 |

Brishbhanlali Raghuwanshi, Delivered lecture on 'CAD 3D for Civil Engineering application', National Institute of Technical Teachers' Training & Research, Bhopal, 27th October 2015.

Shweta Saxena, Guest Lecture on 'GRIHA Rating System' during Refresher course, M.P. Housing & Infrastructure Development Board Head Office Bhopal, 28th November 2015.

Vishakha Kawathekar, The temples of Ashapuri, Dist Raisen, Madhya Pradesh from Architectural Treatise to meaningful display, organized by IIA Pune and INTACH Pune Chapter on 24th December 2015.

Vishakha Kawathekar, Lecture for Course title 'Case Studies in Conservation' at CEPT University Ahmedabad, 15 March 2016.

Vishakha Kawathekar, Lecture on Changing interpretations of 19th and 20th Century architecture, Architectural history and pedagogy and Writing Architectural History and Hands on Exercise, at NIASA teachers training Programme on Teaching Indian Architectural History, organized by NIASA Pune, 16th - 18th March 2016.

Apurv Shrivastava, Delivered Lecture on Estimating and Costing & of building materials and Rate Analysis during training of newly appointed Sub-Engineers of M.P. Police Housing Corporation Limited, NITTTR Bhopal, 16 th September 2015.

Awards and Achievements:

Sheuli Mitra, Doctor of Philosophy in Engineering, Jadavpur University, India, 19 August 2015.

Sanjeev Singh, won as a Mentor the "Student Charrette Award" in 'World Architecture Festival -2015' organized in Singapore, 2nd to 11th November, 2015.

Ashish Patil, Masters Mentors Protégés An Exhibition of Fine Arts, Induslnd Bank in Association with Antiquana Ingdigo – Opposite Hyatt Regency New Delhi, 27-28 November 2015.

Kakoli Saha First Prize for Best Paper Presentatio n under Scientist Category ISG-ISRS National Symposium on Geomatics for Digital India, Jaipur, India. 16-18th December, 2015.

Shweta Saxena, First Position in Hindi Essay Writing Competition during Hindi Pakhwada, SPA Bhopal 2015, 1st – 11th September 2015.

वार्षिक लेखा

Annual Accounts

2015-16

Office of the Director General of Audit (Central Receipt)
New Delhi, Branch Gwalior, IV Floor, Audit Bhavan,
Jhansi Road, Gwalior-474002 (M.P.)

Confidential

No./AMG-II/SAR/SPAB/2015-16/D-137 **Dated:** 29.12.2016

To

The Director,
School of Planning and Architecture,
Sports Complex (First Floor), MANIT
Bhopal- 462051 (M.P.)

Sub: Separate Audit Report on the accounts of School of Planning and Architecture, Bhopal for the year 2015-16.

Sir,

Please find enclosed herewith the Separate Audit Report on the accounts of **School of Planning and Architecture, Bhopal for the year 2015-16.** You are requested to ensure that the SAR and the audited accounts are adopted by the Board of Governors before placing the same before the Parliament.

2. The dates of placement of the above Report on the table of both houses of the Parliament may please be intimated and a copy of the printed material may be provided to the undersigned for information.

Kindly acknowledge receipt.

Encl.: 1. Separate Audit Report
with annexure

Yours faithfully,

Dy. Director (Central)

Separate Audit Report of the Comptroller and Auditor General of India on the Accounts of School of Planning and Architecture, Bhopal for the year ended 31 March 2016.

We have audited the attached Balance Sheet of School of Planning and Architecture (SPA), Bhopal as at 31 March 2016, the Income & Expenditure Account and the Receipt & Payment Account for the year ended on that date under Section 20 (1) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers & Conditions of Service) Act, 1971. The audit has been entrusted for the period up to 2017-18. These financial statements are the responsibility of the SPA's management and our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms etc.. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency cum performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

(i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.

(ii) The Balance Sheet, Income & Expenditure Account and the Receipt & Payment Account dealt with by this report have been drawn up in the format prescribed by the Ministry of Human Resource Development, Government of India vide order no. 29-4/2012-IFD dated 17-April-2015.

(iii) In our opinion, proper books of account and other relevant records have been maintained by the SPA in so far as it appears from our examination of such books.

(iv) We further report that: -

A. General

A.1 Provision for gratuity and leave encashment was not made on actuarial basis as per instructions contained in the revised format of accounts prescribed by the MHRD. This was pointed out during the previous year also. Further, disclosure in this regard in the schedule-23 was contrary to the instructions of the MHRD.

A.2 Unspent Balance of ₹ 24.08 crore was not shown in Current Liabilities and Provisions Schedule 3 C was not prepared as prescribed in MHRD format.

B. Grant-in-aid

During the year, the SPA, Bhopal received grants-in-aid (Plan) of ₹ 30.18 crore from Government of India. In addition, it had an unspent balance of ₹ 13.89 crore of previous year and had ₹ 4.28 crore as internal receipts for the year. Thus, out of the total available funds of ₹ 48.35 crore, the SPA utilized ₹ 24.27 crore during the year, leaving unspent balance of ₹ 24.08 crore at the end of the year.

Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and the Receipt & Payment Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Account and subject to the significant matters stated above and other matters stated in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:

a - In so far as it relates to the Balance Sheet of the state of affairs of the School of Planning and Architecture, Bhopal as at 31 March 2016 and;

b - In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the surplus for the year ended on that date.

For and on behalf of the C & AG of India

Place: - New Delhi

Date: - 29. 12. 2016

Director General of Audit

Annexure

1. **Adequacy of Internal Audit System:**

The internal audit was conducted by a chartered accountant firm and the internal audit report submitted to the management.

2. **Adequacy of Internal Control System:**

The internal control system was found to be inadequate due to the following:

(i) The Institute was yet to finalise its statutes.

(ii) Institute conducted only 3 Board of Governor meetings out of 4 during the year.

3. **System of Physical Verification of Fixed Assets:**

Physical Verification of Fixed Assets has been conducted during the year 2015-16. No material discrepancy was found.

4. **System of Physical verification of Inventories:**

Physical Verification of inventories has been conducted during the year 2015-16.

5. **Regularity in payment of statutory dues:**

No irregularity was noticed in the payment of statutory dues.

Sr. Audit Officer/AMG-II

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

BALANCE SHEET AS AT 31-03-16

Amount in ₹.

SOURCES OF FUNDS	Schedule	Current Year	Previous Year
CORPUS/CAPITAL FUND	1	1748145522.22	1576192653.40
DESIGNATED/ EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	2	0.00	0.00
CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS	3	60367531.00	21530181.00
TOTAL		**1808513053.22**	**1597722834.40**
APPLICATION OF FUNDS	**Schedule**	**Current Year**	**Previous Year**
FIXED ASSETS	4		
Tangible Assets		920775098.00	553004061.00
Intangible Assets		57888.00	0.00
Capital Works-In-Progress		417502919.00	475373015.00
INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT	5	0.00	0.00
Long Term			
Short Term			
INVESTMENTS - OTHERS	6	0.00	0.00
CURRENT ASSETS	7	240832872.72	138862530.90
LOANS, ADVANCES & DEPOSITS	8	229344275.50	430483227.50
TOTAL		**1808513053.22**	**1597722834.40**
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	23		
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES TO ACCOUNTS	24		

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR 2015-16

Amount in ₹.

Particulars	Schedule	Current Year	Previous Year
INCOME			
Academic Receipts	9	34528069.95	46838111.78
Grants / Subsidies	10	301821429.00	479900000.00
Income from investments	11	5513597.00	6404871.00
Interest earned	12	85795.00	34919.00
Other Income	13	2680916.00	1050159.00
Prior Period Income	14	0.00	0.00
TOTAL (A)		**344629806.95**	**534228060.78**
EXPENDITURE			
Staff Payments & Benefits (Establishment expenses)	15	95951950.00	78415280.00
Academic Expenses	16	28997789.00	21173739.00
Administrative and General Expenses	17	42991785.13	57984706.38
Transportation Expenses	18	6543985.00	7369992.00
Repairs & Maintenance	19	1216115.00	2789866.00
Finance costs	20	17718.00	19432.00
Depreciation	4	33870951.00	16243855.00
Other Expenses	21	0.00	10454616.00
Prior Period Expenses	22	1231671.00	0.00
TOTAL (B)		**210821964.13**	**194451486.38**
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B) Transfer to / from Designated Fund Building fund Others (specify)		133807842.82	339776574.40
Balance Being Surplus / (Deficit) Carried to Capital Fund			
Significant Accounting Policies	23		
Contingent Liabilities and Notes to Accounts	24		

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE - 1 CORPUS/CAPITAL FUND

Amount in Rupees

Amount in ₹

	Particulars	Current Year	Previous Year
	Balance at the beginning of the year		
	Corpus	95099986.00	42032773.00
	Capital Fund	1481092667.40	1188876293.00
Add:	Contributions towards		
	Corpus Income Credited	7877363.00	5507013.00
	Corpus from general fund	1771119.00	47560200.00
	Capital Fund	0.00	0.00
Add:	Adjustment on Account of Change in Depreciation method on Fixed Assets	30267663.00	0.00
Add:	Grants from UGC, Government of India and State Government to the extent utilized for capital expenditure	0.00	0.00
Add:	Assets Purchased out of Earmarked Funds	0.00	0.00
Add:	Assets Purchased out of Sponsored Projects, where ownership vests in the institution	0.00	0.00
Add:	Assets Donated/Gifts Received	0.00	0.00
Add:	Other Additions	0.00	0.00
Add:	Excess of Income over expenditure trasferred from the Income & Account	132036723.82	292216374.40
	Total	1748145522.22	1576192653.40
(Deduct)	Deficit transferred from the Income & expenditure Account		
	Balance at the year end	1748145522.22	1576192653.40

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 2 - DESIGNATED/ EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS

Amount in ₹.

Particulars	Fund wise Breakup				Total	
	Fund AAA	Fund BBB	Fund CCC	Endowment Funds	Current Year	Previous Year
A.						
a) Opening balance	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
b) Additions during the year	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
c) Income from investments made of the funds	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
d) Accrued Interest on investments/Advances	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
e) Interest on Savings Bank a/c	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
f) Other additions (Specify nature)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Total (A)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
B.						
Utilisation/Expenditure towards objectives of funds						
ii) Capital Expenditure	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
ii) Revenue Expenditure	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Total (B)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Closing balance at the year end (A - B)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Represented by						
Cash And Bank Balances Investments	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Interest accrued but not due	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Total	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 3- CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS

Amount in ₹.

	Current Year	Previous Year
A. CURRENT LIABILITIES		
1. Deposits from staff	0.00	0.00
2. Deposits from students		
a) Student Caution Money	2687700.00	2189000.00
b) CCB- Fees received for students		0.00
c) Student Alumini	946000.00	729000.00
d) Advance Fee received	577934.00	0.00
3. Sundry Creditors		
a) For Goods & Services	25287343.00	4215005.00
b) Others	0.00	10000.00
4. Deposit-Others (Including EMD, Security Deposit)	5307886.00	2326398.00
5. Statutory Liabilities (GPF, TDS, WC TAX, CPF, GIS, NPS):		
a) Overdue	0.00	0.00
b) Others		
1) NPS	0.00	8790.00
2) TDS	1650765.00	0.00
6. Other Current Liabilities		
a)Salaries	0.00	0.00
b)Receipts against sponsored projects	3193889.00	1965508.00
c) Receipts against sponsored fellowships & scholarships	88995.00	0.00
d)Unutilised Grants	0.00	0.00
e) Grants in advance	0.00	0.00
f) Other funds	0.00	0.00
g) Other liabilities		
a) Audit Fees Payable	300000.00	100000.00
b) Professional Fees Payable	0.00	70842.00
c) Visting faculty Remuneratrion Payable	54716.00	0.00
d) Telephone Exp.	7735.00	0.00
e) Transport Charges	20000.00	0.00
Total (A)	40122963	11614543
B. PROVISIONS		
1. For Taxation	0.00	0.00
2. Gratuity	0.00	0.00
3. Superannuation Pension	0.00	0.00
4. Accumulated Leave Encashment	18916104.00	9915638.00
5. Trade Warranties/Claims	0.00	0.00
6. Others (Specify)		
a) CPDA	1033464.00	0.00
b) Visiting Faculty Remuneration	165000.00	0.00
c) Sprots Exp.	130000.00	0.00
Total (B)	20244568	9915638
Total (A+ B)	60367531	21530181

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 4 FIXED ASSETS

Amount in ₹.

S.No	Assets Heads	Gross Block				Depreciation for the Year 2015-16				Net Block	
		Op Balance 01.04.2015	Additions	Deductions	Cl Balance	Dep Opening Balance	Depreciation For the year	Deductions / Adjusment	Total	31.03.16	31.03.15
	Tangible Assets										
1	Land	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2	Site Development	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3	Buildings										
	a) On Leasehold Land	345016088.00	17831134.00	2244000.00	360603222.00	51562638.00	7212064.00	31224443.00	27550259.00	333052963.00	293453450.00
	b) Girls Hostel	125245000.00	1974880.00		127219880.00	2504900.00	2544398.00		5049298.00	122170582.00	122740100.00
	c) Student Amenetie II	63241000.00	5972959.00		69213959.00	632410.00	1384279.00	-632410.00	2649099.00	66564860.00	62608590.00
	d) Superstructures on Land not belonging to the institution	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	e) Boys hostel II	0.00	215300046.00	0.00	215300046.00	0.00	4306001.00	0.00	4306001.00	210994045.00	0.00
	f) Assistant Prof.Quarters	0.00	118620377.00	0.00	118620377.00	0.00	2372408.00	0.00	2372408.00	116247969.00	0.00
4	Roads & Bridges	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
5	Tubewells & Water Supply I	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
6	Sewerage & Drainage	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
7	Electrical Installation and equipment	12768643.00	3035340.00	0.00	15803983.00	2662619.00	790199.00	758179.00	2694639.00	13109344.00	10106024.00
8	Plant & Machinery	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
9	Scientific & Laboratory Equipment	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
10	Office Equipment	12542239.00	174506.00	0.00	12716745.00	3125372.00	953756.00	617334.00	3461794.00	9254951.00	9416867.00
11	Audio Visual Equipment	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
12	Computers & Peripherals	57294378.00	1878844.00	21690035.00	37483187.00	48382197.00	7496637.00	21647285.00	34231549.00	3251638.00	8912181.00
13	Furniture, Fixtures & Fittings	25897206.00	2129252.00	0.00	28026458.00	4830807.00	2101984.00	-364789.00	7297580.00	20728878.00	21066399.00
14	Vehicles	1146688.00	0.00	0.00	1146688.00	684126.00	114669.00	713.00	798082.00	348606.00	462562.00
15	Lib. Books & Scientific Journals	30949960.00	6758875.00	0.00	37708835.00	6712072.00	3770884.00	-2174617.00	12657573.00	25051262.00	24237888.00
16	Small Value Assets	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	Total (A)	**674101202.00**	**373676213.00**	**23934035.00**	**1023843380.00**	**121097141.00**	**33047279.00**	**51076138.00**	**103068282.00**	**920775098.00**	**553004061.00**
17	**Capital Work in Progress (B)**	**475373015.00**	**280883600.00**	**338753696.00**	**417502919.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**417502919.00**	**475373015.00**

S.No	Assets Heads	Op Balance 01.04.2015	Additions	Deductions	Cl Balance	Dep Opening Balance	Amortization For the year	Deductions / Adjusment	Total Amortization/ Adjusment	31.03.16	31.03.15
	Intangible Assets	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
18	Computer Software	0.00	21690035.00	0.00	21690035.00	0.00	823672.00	-20808475.00	21632147.00	57888.00	0.00
19	E-Journals	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
20	Patents	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	Total (C)	**0.00**	**21690035.00**	**0.00**	**21690035.00**	**0.00**	**823672.00**	**-20808475.00**	**21632147.00**	**57888.00**	**0.00**
	GrandTotal(A+B+C)	**1149474217.00**	**676249848.00**	**362687731.00**	**1463036334.00**	**121097141.00**	**33870951.00**	**30267663.00**	**124700429.00**	**1338335905.00**	**1028377076.00**

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 5 : INVESTMENTS FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS

Amount in ₹.

	Current Year	Previous Year
1 In Central Government Securities	0.00	0.00
2 In State Government Securities	0.00	0.00
3 Other approved Securities	0.00	0.00
4 Shares	0.00	0.00
5 Debentures and Bonds	0.00	0.00
6 Term Deposits with Banks	0.00	0.00
7 Others (to be specified)	0.00	0.00
Total	**0.00**	**0.00**

SCHEDULE 6 -INVESTMENTS- OTHERS

Amount in ₹.

	Current Year	Previous Year
1. In Central Government Securities	0.00	0.00
2. In State Government Securities	0.00	0.00
3. Other approved Securities	0.00	0.00
4. Shares	0.00	0.00
5. Debentures and Bonds	0.00	0.00
6. Others (to be specified)	0.00	0.00
TOTAL	**0.00**	**0.00**

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 7- CURRENT ASSETS

Amount in ₹.

	Current Year	Previous Year
1. Stock:		
a) Stores and Spares	0.00	0.00
b) Loose Tools	0.00	0.00
c) Publications	0.00	0.00
d) Laboratory chemicals, consumables and glass ware	0.00	0.00
e) Building Material	0.00	0.00
f) Electrical Material	0.00	0.00
g) Stationery	0.00	0.00
h) Water supply material	0.00	0.00
2. Sundry Debtors:		
a) Debts Outstanding for a period exceeding six months	0.00	0.00
b) Others	0.00	0.00
3. Cash and Bank Balances		
a) Cash	37218.00	99181.00
b) Bank		
a) With Scheduled Banks:		
In Current Accounts		
a) Canara Bank -2073201002565	18470955.00	1230230.00
b) Canara Bank -BHAURI 4725201000004	21460162.39	1450372.44
c) SBI-2263	241742.50	1634847.50
d) SBI-8560	1032199.78	3234306.78
e) Canara Bank -BHAURI 4725201000009	3197349.05	12964836.18
f) Canara Bank -BHAURI 4725214000002	0.00	850000.00
g) Canara Bank -BHAURI 4725214000001	425497.00	1800000.00
h) Canara Bank (GIAN) - 4725101000036	1360000.00	0.00
i) Canara Bank (R&D) - 4725101000021	720000.00	0.00
In term deposit Accounts		
a) SBI-FDR	7000000.00	0.00
b) SBI-FDR-Fees	12997839.00	0.00
c) FDR -Corpus	104583812.00	93133333.00
d) FDR with Canara Bank	68726559.00	20000000.00
e) Deposit against BG (Canara)	0.00	75000.00
In Savings Accounts		
a) SBI-DST .32668321701	414883.00	423771.00
b) SBI-Corpus-32846379816	164656.00	1966653.00
b) With non-Scheduled Banks:		
in term deposit Accounts	0.00	0.00
in Savings Accounts	0.00	0.00
4. Post Office- Savings Accounts		
TOTAL	**240832872.72**	**138862530.90**

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 8- LOANS, ADVANCES & DEPOSITS

Amount in ₹.

	Current Year	Previous Year
1. Advances to employees: (Non-interest bearing)		
a) Salary	0.00	0.00
b) Festival	32850.00	35100.00
c) Medical Advance	0.00	0.00
d) Other (to be specified)		
a) LTC	107152.00	5170.00
b) Temporary Advance (contigent)	164471.00	129305.00
c) Imprest	45904.00	80000.00
d) Faculty Development Program(CPDA)	946717.00	388346.00
2. Long Term Advances to employees: (Interest bearing)		
a) Vehicle loan	0.00	0.00
b) Home loan	0.00	0.00
c) Others (to be specified)		
a) Computer Advance	225295.00	292815.00
b) NPS Advance	349386.00	438993.00
3. Advances and other amounts recoverable in cash or in kind or for value to be received:		
a) On Capital Account		
a) CPWD Advance For Building	197972626.00	403766000.00
b) CPWD Advance For Boundary Wall	5429000.00	6517000.00
c) NBCC Advance For Building	0.00	0.00
b) To Suppliers		
a) Pion Ltd., London	0.00	0.00
b) Canara Bank (Electricity Charges)	0.00	457.00
c) Others		
a) Advance to Students	31760.00	126066.00
b) Subscription Advance	0.00	700.00
c) MP STATE BAMBOO MISSION (MPSBM)	0.00	0.00
d) NRSC Hyderabad (Advance)	42024.00	42024.00
e) Anand Vardhan Adv.	258.00	0.00

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 8- LOANS, ADVANCES & DEPOSITS

Amount in ₹.

	Current Year	Previous Year
4. Prepaid Expenses		
a) Insurance	172871.00	12731.00
b) Other expenses	0.00	0.00
c) Internet Charges	3591454.00	2978100.00
d) Library Journal	4329815.00	4878864.00
e) Aniti Virus Software	7751192.00	449024.00
f) AMC	69660.00	0.00
g) Departmental Exp.	60000.00	0.00
h) Adv. Subscriptio & Prepaid News paper & Mag.	4903.00	0.00
5. Deposits		
a) Telephone	0.00	0.00
b) Lease Rent	0.00	0.00
c) Electricity - MPKVN (33KV)	2244000.00	0.00
d) AICTE, if applicable	0.00	0.00
e) Others (to be specified)	0.00	0.00
a) Toll Authority	0.00	1400.00
b) VAT Deposits	3778.00	0.00
6. Income Accrued:		
a) On Investments from Earmarked/ Endowment Funds	0.00	0.00
b) On Investments-Others	1698016.00	4490266.00
c) On Loans and Advances	0.00	0.00
d) Others (includes income due unrealized)	111250.00	3298406.00
7. Other- Current assets receivable from UGC/sponsored projects		
a) Debit balances in Sponsored Projects	0.00	0.00
b) Debit balances in Sponsored Fellowships & Scholarships	0.00	0.00
c) Grants Receivable	0.00	0.00
d) Other receivables from UGC	0.00	0.00
8. Claims Receivable (TDS)	3959893.50	2552460.50
TOTAL	229344275.50	430483227.50

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 9- ACADEMIC RECEIPTS

Amount in ₹.

	Current Year	Previous Year
FEES FROM STUDENTS		
Academic		
1. Tuition fee	19012538.45	18094134.94
2. Admission fee	177000.00	0.00
3. Enrolment fee	0.00	160000.00
4. Library Admission fee	787250.00	626000.00
5. Laboratory fee	0.00	0.00
6. Art & Craft fee	0.00	1451500.00
7. Registration fee	0.00	0.00
8. Syllabus fee	0.00	0.00
Total (A)	**19976788.45**	**20331634.94**
Examinations		
1. Admission test fee	0.00	0.00
2. Annual Examination fee	1307150.00	1143000.00
3. Mark sheet, certificate fee	0.00	0.00
4. Entrance examination fee	0.00	0.00
Total (B)	**1307150.00**	**1143000.00**
Other Fees		
1. Identity card fee	88500.00	80550.00
2. Fine/Miscellaneous fee	330071.50	682228.84
3. Student Medical fee	562100.00	473400.00
4. Transportation fee	0.00	0.00
5. Hostel fee	6814000.00	6371800.00
6. Sport/Gym fees	478250.00	353500.00
7. Student welfare / Activity	1265500.00	976300.00
8. Migration Fees	88500.00	80000.00
9. Student Training & Placement	531000.00	480000.00
10. Student Blazer	145500.00	135000.00
11. Admission Cancillation Fees	420910.00	553000.00
12. Mess Fees	0.00	14814598.00
13. Institute Developments fees	1545000.00	0.00
14. Group Insurance fee	496000.00	0.00
Total(C)	**12765331.50**	**25000376.84**
Sale of Publications		
1. Sale of Admission forms	449600.00	0.00
2. Sale of syllabus and Question Paper, etc.	0.00	0.00
3. Sale of prospectus including admission forms and spandral	29200.00	363100.00
Total (D)	**478800.00**	**363100.00**
Other Academic Receipts		
1. Registration fee for workshops, programmes	0.00	0.00
2. Registration fees (Academic Staff College)	0.00	0.00
Total (E)	**0.00**	**0.00**
GRAND TOTAL (A+B+C+D+E)	**34528069.95**	**46838111.78**

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 10- GRANTS & SUBSIDIES (IRREVOCABLE GRANTS RECEIVED)

Amount in ₹.

Particulars	Plan			Total Plan	Non Plan UGC	Current Year Total	Previous Year Total
	Govt. of India	UGC					
		Plan	Specific Schemes				
Balance B/F							
Add: Receipts during the year	301821429.00	0.00	0.00	301821429.00	0.00	301821429.00	479900000.00
Total	301821429.00	0.00	0.00	301821429.00	0.00	301821429.00	479900000.00
Less: Refund to UGC							
Balance							
Less: Utilised for Capital expenditure (A)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Balance	301821429.00	0.00	0.00	301821429.00	0.00	301821429.00	479900000.00
Less: Utilized for Revenue Expenditure (B)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Balance C/F (C)	301821429.00	0.00	0.00	301821429.00	0.00	301821429.00	479900000.00

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 11- INCOME FROM INVESTMENTS

Amount in ₹.

Particulars	Earmarked/Endowment Funds		Other Investments	
	Current Year	Previous Year	Current Year	Previous Year
1. Interest				
a. On Government Securities	0.00	0.00	0.00	0.00
b. Other Bonds/Debentures	0.00	0.00	0.00	0.00
2. Interest on Term Deposits	0.00	0.00	4625569.00	6404871.00
3. Income accrued but not due on Term Deposits/ Interest bearing advances to employees	0.00	0.00	0.00	0.00
4. Interest on Savings Bank Accounts	0.00	0.00	0.00	0.00
5. Others (Specify)	0.00	0.00	0.00	0.00
a)Interest on sweep a/c	0.00	0.00	888028.00	0.00
Total	**0.00**	**0.00**	**5513597.00**	**6404871.00**
Transferred to Earmarked/Endowment Funds	0.00	0.00		
Balance	0.00	0.00		

SCHEDULE 12: INTEREST EARNED

Amount in ₹.

Particulars	Current Year	Previous Year
1. On Savings Accounts with scheduled banks	17021.00	16914.00
2 On Loans		
a. Employees/Staff	48055.00	9231.00
b. Others	20719.00	8774.00
3. On Debtors and Other Receivables	0.00	0.00
Total	**85795.00**	**34919.00**

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 13- OTHER INCOME

Amount in ₹.

	Current Year	Previous Year
A. Income from Land & Buildings		
1. Hostel Room Rent	0.00	0.00
2. License fee	190075.00	0.00
3. Hire Charges of Auditorium/Play ground/Convention Centre, etc	0.00	0.00
4. Electricity charges recovered	0.00	0.00
5. Water charges recovered	0.00	0.00
6. Rent from Other	334753.00	6000.00
Total (A)	**524828.00**	**6000.00**
B. Sale of Institute's publications (B)	**0.00**	**28100.00**
C. Income from holding events		
1. Gross Receipts from annual function/ sports carnival	0.00	0.00
Less: Direct expenditure incurred on the annual function/ sports carnival	0.00	0.00
2. Gross Receipts from fetes	0.00	0.00
Less: Direct expenditure incurred on the fetes	0.00	0.00
3. Gross Receipts for educational tours	0.00	0.00
Less: Direct expenditure incurred on the tours	0.00	0.00
4. Others (to be specified and separately disclosed)	0.00	0.00
Total(C)	**0.00**	**0.00**
D. Others		
1. Income from consultancy	0.00	0.00
2. RTI fees	350.00	100.00
3. Income from Royalty/Research Projects	1753438.00	491920.00
4. Sale of application form (recruitment)	36000.00	0.00
5. Misc. Receipts		
a) Sale of tender form	178500.00	47000.00
b) Guest House Receipts	75900.00	284.00
c) Income from Resource Centre	0.00	37755.00
d) Income from DASA	100000.00	100000.00
6. Profit on Sale/disposal of Assets:		
a) Owned assets	0.00	0.00
b) Assets acquired out of grants, or received free of cost	0.00	0.00
7. Seminar / programme fees/ Convocation fees	0.00	339000.00
8. Others (specify) Misc. Recipts	11900.00	0.00
Total (D)	**2156088.00**	**1016059.00**
Grand Total (A+B+C+D)	**2680916.00**	**1050159.00**

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 14- PRIOR PERIOD INCOME

Amount in ₹.

Particulars	Current Year	Previous Year
1. Academic Receipts	0.00	0.00
2. Income from Investments	0.00	0.00
3.1nterest earned	0.00	0.00
4. Other Income	0.00	0.00
Total	0.00	0.00

SCHEDULE 15- STAFF PAYMENTS & BENEFITS (ESTABLISHMENT EXPENSES)

Amount in ₹.

	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
a) Salaries and Wages	72031987.00	0.00	72031987.00	64688775.00	0.00	64688775.00
b) Allowances and Bonus	120891.00	0.00	120891.00	98440.00	0.00	98440.00
c) Contribution to Provident Fund/Pension Fund	97140.00	0.00	97140.00	97140.00	0.00	97140.00
d) Contribution to Other Fund (NPS)	6108388.00	0.00	6108388.00	5445940.00	0.00	5445940.00
e) Staff Welfare Expenses	0.00	0.00	0.00	64565.00	0.00	64565.00
f) Retirement and Terminal Benefits	8972552.00	0.00	8972552.00	2682638.00	0.00	2682638.00
g) LTC facility	1541117.00	0.00	1541117.00	1202887.00	0.00	1202887.00
h) Medical facility	1101666.00	0.00	1101666.00	615663.00	0.00	615663.00
i) Children Education Allowance	885810.00	0.00	885810.00	800878.00	0.00	800878.00
j) Honorarium	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
k) TA/DA expenses	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
l) Others						
a) Leave Encashment	192873.00	0.00	192873.00	130400.00	0.00	130400.00
b) Cumulative Professional Development Expenses	4816357.00	0.00	4816357.00	2423022.00	0.00	2423022.00
c) Recruitment Expenses	19887.00	0.00	19887.00	148968.00	0.00	148968.00
d) Staff Training	35986.00	0.00	35986.00	15964.00	0.00	15964.00
e) NPS Maintenance charges	27296.00	0.00	27296.00	0.00	0.00	0.00
TOTAL	95951950.00	0.00	95951950.00	78415280.00	0.00	78415280.00

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 16- ACADEMIC EXPENSES

Amount in ₹.

	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
a) Laboratory expenses	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
b) Field work/Participation in Conferences	4249578.00	0.00	4249578.00	4986377.00	0.00	4986377.00
c) Expenses on Seminars/Workshops	1795460.00	0.00	1795460.00	785709.00	0.00	785709.00
d) Payment to visiting faculty .	2834770.00	0.00	2834770.00	2333940.00	0.00	2333940.00
e) Examination	3375164.00	0.00	3375164.00	1765370.00	0.00	1765370.00
f) Student Welfare expenses	1294172.00	0.00	1294172.00	2242483.00	0.00	2242483.00
g) Admission expenses	23850.00	0.00	23850.00	29758.00	0.00	29758.00
h) Convocation expenses	1126712.00	0.00	1126712.00	128443.00	0.00	128443.00
i) Publications	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
j) Stipend/means-cum-merit scholarship	9646532.00	0.00	9646532.00	6976498.00	0.00	6976498.00
k) Subscription Expenses	713138.00	0.00	713138.00	807933.00	0.00	807933.00
l) Others (specify)						
a) Training & Placement Cell	3085.00	0.00	3085.00	18000.00	0.00	18000.00
b) Medical facilities	3613955.00	0.00	3613955.00	1099228.00	0.00	1099228.00
c)Student Medical Insurance	321373.00	0.00	321373.00	0.00	0.00	0.00
TOTAL	28997789.00	0.00	28997789.00	21173739.00	0.00	21173739.00

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 17- ADMINISTRATIVE AND GENERAL EXPENSES

Amount in ₹.

	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
A Infrastructure						
a) Electricity and power	8719568.13	0.00	8719568.13	8728435.38	0.00	8728435.38
b) Water charges	995875.00	0.00	995875.00	600127.00	0.00	600127.00
c) Insurance	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
d) Rent, Rates and Taxes (including propertytax)	2931355.00	0.00	2931355.00	14162207.00	0.00	14162207.00
B Communication						
a) Postage and Telegram	141288.00	0.00	141288.00	361712.00	0.00	361712.00
b) Telephone, Fax and Internet Charges	1480763.00	0.00	1480763.00	3899605.00	0.00	3899605.00
C Others						
a) Printing and Stationery (consumption)	2415060.00	0.00	2415060.00	2133973.00	0.00	2133973.00
b) Travelling and Conveyance Expenses	13415.00	0.00	13415.00	39940.00	0.00	39940.00
c) Hospitality and Statutory Meeting Expenses	2139173.00	0.00	2139173.00	2296982.00	0.00	2296982.00
d) Auditors Remuneration	366050.00	0.00	366050.00	132020.00	0.00	132020.00
e) Professional Charges	287657.00	0.00	287657.00	564349.00	0.00	564349.00
f) Advertisement and Publicity	994008.00	0.00	994008.00	1817325.00	0.00	1817325.00
g) Magazines & Journals	26920.00	0.00	26920.00	6466.00	0.00	6466.00
h) Others (specify)						
a) Project Expenses	25909.00	0.00	25909.00	11501.00	0.00	11501.00
b) Misc Expenses	0.00	0.00	0.00	1120.00	0.00	1120.00
c) Website Development	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
d) Outsourcing Expenses	22378751.00	0.00	22378751.00	22531300.00	0.00	22531300.00
e) Shifting Expenses	0.00	0.00	0.00	614300.00	0.00	614300.00
f) Membership of Professional Institutation	60000.00	0.00	60000.00	25000.00	0.00	25000.00
g) Landscape Development Exps.	0.00	0.00	0.00	58344.00	0.00	58344.00
h) Day Care Centre Expenses	15993.00	0.00	15993.00	0.00	0.00	0.00
TOTAL	**42991785.13**	**0.00**	**42991785.13**	**57984706.38**	**0.00**	**57984706.38**

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 18-TRANSPORTATION EXPENSES

Amount in ₹.

Particulars	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
1 Vehicles (owned by institution)						
a) Running expenses	285500.00	0.00	285500.00	228057.00	0.00	228057.00
b) Repairs & maintenance	12726.00	0.00	12726.00	33315.00	0.00	33315.00
c) Insurance expenses	37100.00	0.00	37100.00	38765.00	0.00	38765.00
2 Vehicles taken on rent/lease						
a) Rent/lease expenses	6208659.00	0.00	6208659.00	7069855.00	0.00	7069855.00
3 Vehicle (Taxi) hiring expenses		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Total	**6543985.00**	**0.00**	**6543985.00**	**7369992.00**	**0.00**	**7369992.00**

SCHEDULE 19- REPAIRS & MAINTENANCE

Amount in ₹.

Particulars	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
a) Buildings	14900.00	0.00	14900.00	96381.00	0.00	96381.00
b) Furniture & Fixtures	0.00	0.00	0.00	28363.00	0.00	28363.00
c) Plant & Machinery	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
d) Office Equipment	152845.00	0.00	152845.00	491154.00	0.00	491154.00
e) Computers	554901.00	0.00	554901.00	1112535.00	0.00	1112535.00
n) Laboratory & Scientific equipment	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
g) Audio Visual equipment	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
h) Cleaning Material & Services	0.00	0.00	0.00	575681.00	0.00	575681.00
i) Book binding charges	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
j) Gardening	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
k) Estate Maintenance	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
l) Others (Specify)	493469.00	0.00	493469.00	485752.00	0.00	485752.00
Total	**1216115.00**	**0.00**	**1216115.00**	**2789866.00**	**0.00**	**2789866.00**

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 20- FINANCE COSTS

Amount in ₹.

Particulars	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
a) Bank charges	17718.00	0.00	17718.00	19432.00	0.00	19432.00
b) Others (specify)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Total	**17718.00**	**0.00**	**17718.00**	**19432.00**	**0.00**	**19432.00**

SCHEDULE 21- OTHER EXPENSES

Amount in ₹.

Particulars	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
a) Provision for Bad and Doubtful Debts/Advances	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
b) Irrecoverable Balances Written- off	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
c) Grants/Subsidies to other institutions/organizations	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
d) Others (specify)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Transit Campus Assets Written Off	0.00	0.00	0.00	10454616.00	0.00	10454616.00
Total	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**10454616.00**	**0.00**	**10454616.00**

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 22: PRIOR PERIOD EXPENSES

Amount in ₹.

Particulars	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
1 Establishment expenses	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2 Academic expenses	562582.00	0.00	562582.00	0.00	0.00	0.00
3 Administrative expenses	552796.00	0.00	552796.00	0.00	0.00	0.00
4 Transportation expenses	7063.00	0.00	7063.00	0.00	0.00	0.00
5 Repairs & Maintenance	109230.00	0.00	109230.00	0.00	0.00	0.00
6 Other expenses	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Total	1231671.00	0.00	1231671.00	0.00	0.00	0.00

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

Schedule :23

Significant Accounting Policies

1. **Basis For Preparation of Accounts:**

The Annual Accounts of the Institute are prepared on the basis of revised format and guidelines issued by the Ministry of Human Resource Development, Government of India and approved by the C&AG of India for all Central Educational Institutes w.e.f. F.Y.2015-16 (Communicated vide letter No. 29-4/2012-IFD Dated 17/04/2015 of MHRD, GOI).

2. **Accounting Convention:**

The Financial Statements are prepared on the basis of Historical Cost Convention unless otherwise stated and generally on the accrual method of accounting.

3. **Revenue Recognition:**

3.1 Admission Fees, Tuition Fees and other Fees received from Students are accounted on accrual basis.

3.2 Interest received on Bank Deposits are accounted on accrual basis.

3.3 Income from Land, Buildings and Other Property and income from Interest on Investments are accounted on Cash basis.

4. **Fixed Assets and Depreciation:**

4.1 The fixed assets are valued at cost of acquisition and inclusive of inward freight, duties, taxes, incidental and direct expenses related to acquisition.

No fixed asset has been received directly by way of non-monetary grant during the year under consideration.

The land measuring 30.219 hectares at Gram Bhauri, Bhopal on which the construction and development of permanent campus of the Institute is under progress has been given by the Government of Madhya Pradesh on permanent lease basis, initially for a period 30 years and then to be reviewed, at No Cost

4.2 No Gifted / Donated Assets and Books have been received during the year under consideration.

4.3 Fixed assets are valued at cost less accumulated depreciation. The method of depreciation on fixed assets has been changed to straight line method, at the following rates as stated in the letter, No. 29-4/2012-IFD Dated 17/04/2015 of MHRD, GOI:

Dy. Registrar

Registrar

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

	Tangible Assets:	Depreciation Rate:
1.	Land	0%
2.	Site Development	0%
3.	Buildings	2%
4.	Roads & Bridges	2%
5.	Tube Wells & Water Supply	2%
6.	Sewerage & Drainage	2%
7.	Electrical Installation and Equipment	5%
8.	Plant & Machinery	5%
9.	Scientific & Laboratory Equipment	8%
10.	Office Equipment	7.5%
11.	Audio Visual Equipment	7.5%
12.	Computer & Peripherals	20%
13.	Furniture, Fixtures & Fittings	7.5%
14.	Vehicles	10%
15.	Library Books & Scientific Journals	10%

Intangible Assets (amortization):

1.	E-Journals	40%
2.	Computer Software	40%
3.	Patents and Copyrights	9 years

4.4 Depreciation is provided for the whole year on additions during the year, irrespective of the period of acquisition.

4.5 Where an asset is fully depreciated, it will be shown at a residual value of ` 1/- in the Balance Sheet and will not be further depreciated.

4.6 Assets created out of Earmarked Funds and funds of Sponsored Projects, where the ownership of such assets vests in the Institution, will be setup by credit to Capital Fund and merged with the Fixed Assets of the Institution. Depreciation will be charged at the rates applicable to the respective assets.

Assets created out of Sponsored Project funds, where the ownership is retained by the sponsors but held and used by the Institution are separately disclosed in the Notes on Accounts.

Dy. Registrar

Registrar

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

4.7 As a result of the above change in policy and as per AS-1 issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) which states that whenever method of depreciation is changed, such effect has to be taken retrospectively, entire working was prepared from the inception of the institute. I.e, from Financial year 2008-09. The net effect of the calculations has resulted in an increase in Carrying value (i.e net block) of the Fixed Assets by Rs 3,02,67,663 & a corresponding increase in the General fund by the same amount.

5. Intangible Assets:

Library Journals were received in print hence treated as tangible assets and booked under library books.

5.1 Software and Computer Peripherals are being shown under the Fixed Assets.

6. Stocks:

Expenditure on purchase of Chemicals, Lab ware, Office Consumable, Publications and other consumable items are accounted as revenue expenditure, except the value of closing stocks held as on 31st March.

7. Retirement Benefits:

All employees of the Institute are covered under New Pension Scheme. No provision has been made for Pension. However, currently, provision is made for Earned Leave Encashment on actual basis.

8. Investments:

No Long Term or Short Term investments are made by the Institute in Government Securities, Bonds, Debentures and Shares etc.

9. Corpus/Earmarked/Designated/Endowment Funds:

The Funds of the Institute are classified into following categories:

1. Corpus / Capital Fund: It refers to fund contributed by Government for establishment and activities of the Institute. The additions to this fund are Grants from Government to the extent utilized for Capital Expenditure, Assets purchased out of earmarked funds and excess of income over expenditure transferred from Income and Expenditure a/c.
2. Corpus Fund: These funds are set aside by the Institute with the approval of Board of Governors from the internal receipts, for specific purposes.

10. Government Grants:

10.1 Plan, Non Plan and other Grants received from Government are accounted on accrual basis.

Dy. Registrar

Registrar

to the extent utilized towards capital expenditure, Government Grants are transferred to the Capital Fund.

11. Investments of Corpus Fund and Income from Interest on Such Investments:

CorpusFund are being invested in Fixed Deposit Receipts of the Scheduled Banks and interest received on this investment is being accounted for separately.

12. Sponsored Projects:

The amount received under Sponsored Projects has been separately shown in sub-schedule under the head "Current Liabilities and Provisions".

13. INCOME TAX:

The Institute has complied with the directives on Income tax, from time to time. No provision for tax is made in the accounts.

Dy. Registrar

Registrar

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

Schedule : 24

Contingent Liabilities and Notes on Accounts

1. The financial statement of the Institute is prepared in three parts:
    1. Receipt & Payment Account
    2. Income & Expenditure Account and
    3. The Balance Sheet.

   The Receipts & Payments Account consists of the figures of actual receipts and payments of the Institute during the financial year 2015-16 as per Cashbook. The total receipts from the different sources as shown in Receipt and Payment Account comes to `Rs 867317956/- which inter alia includes Grant of `Rs 301821429/- received from Ministry of Human Resources Development.

2. **The Income and Expenditure Account:**
   The Income and Expenditure account is prepared on accrual basis. The total income during the Financial Year is` Rs 344629807- which also includes plan grant of Rs 301821429. The total revenue expenditure of financial year including depreciation of `Rs 33870951/- comes to ` Rs 210821964/-.

3. **The Balance Sheet :**

   In Balance Sheet the acquired Fixed Assets, Current Assets are taken as assets. The GIA received during FY 2015-16 is taken as Income of the Institute.

4. **Contingent Liability:**
   5.1 As on 31/03/2016 there is a court cases pending in case of land allocated to the Institute by the Government of Madhya Pradesh, where in view of claims / demands by other party, monetary liability may arise in future.

Dy. Registrar

Registrar

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

6. **Fixed Assets and Depreciation:**
Fixed Assets are shown under schedule 4 of the Balance Sheet. The total fixed assets as at the beginning of the financial year was of ` Rs 1149474217.00 whereas additions during the year was `Rs 654559813.00. The value of Fixed Assets as at end of FY was `1463036334.00 which includes Capital work in progress of `Rs 417502919.

All the Fixed Assets under Institute's ownership were created out of Plan Grant given by Government and no Assets or Library Books have been received by the Institute as donation or gift.

7. So far no patents or copyrights have been granted to the Institute.

8. The amount of ` Rs 5307886/- was outstanding as Security Deposit and EMD as on 31/03/2016. The details are mentioned under schedule 3 of Balance Sheet.

9. **Expenditure in Foreign Currency** There was no expenditure in Foreign Currency for the FY 2015-16.

10. The balance of Corpus Fund created with approval of BOG was of ` Rs 104748468/- which is inclusive of interest received.

12. Figures in Final Accounts have been rounded off wherever possible.

13. Schedules 1 to 24 are annexed and they form an integral part of Annual Accounts.

14. The details of Balances in Saving Bank and Current Accounts as well as in Fixed Deposit Accounts are given in schedule 7 of the Balance Sheet.

15. **Project Accounting:**
The project income received during the year is booked under current liabilities as the amount received is linked with obligations to be performed.

Dy. Registrar

Registrar

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

16. **Capital Works-in-Progress:**
Some of the construction work of Institute's permanent campus situated at Bhauri, Bhopal is under progress and expenditure related to the same is shown under schedule 4 (Fixed Assets) of the Balance Sheet. The expenditure on capital work-in-progress as at 31/03/2016 was of ` Rs 417502919/-.

17. **Commitments on Capital Accounts:**
The total commitments on capital account in respect of construction works in progress are ` Rs 9.05 Crore

18. **Student Strength:**
As on 31/03/2016, the student strength of the Institute was 615.

19. **Academic Staff:**
As on 31/03/2016 the institute had 47 Academic staff as under:

S. No.	Name of the Posts	No.
1.	Professor	6
2.	Associate Professor	4
3.	Assistant Professor	37
	Total	47

The details of visiting faculty are not included above.

20. **Related Party Transactions: NIL**

21. **New Pension Scheme and General Provident Fund Accounts:**
1. The NPS accounts are maintained by NSDL. Hence relevant schedule prescribed in the format are not applicable to the Institute accounts.
2. GPF is not applicable to the Institute employees. Hence, GPF accounts schedule has not been prepared.

***

Dy. Registrar

Registrar

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE PERIOD FROM 01-04-2015 TO 31-03-2016

RECEIPTS	Amount in Rs`. Current year	Previous Year	PAYMENTS	Amount in Rs` Current year	Previous Year
I. **Opening Balances**			I **Expenses**		
a Cash Balances	99181.00	40532.00	a) Establishment Expenses	0.00	0.00
b Bank Balance			b) Academic Expenses (Sch 16)	28644833.00	21132591.00
i In Current accounts			c) Salary Expenses (Sch 15)	85954724.00	75723852.00
a) Canara Bank -2073201002565	1230230.00	44477867.00	d) Transportation Expenses (Sch 18)	6523985.00	7297605.00
b) Canara Bank -BHAURI 4725201000004	1450372.44	10024832.00	e) Repair & Maintenance Expenses (Sch 19)	2844307.00	2753392.00
c) SBI-2263	1634847.50	1067532.50	f) Finance Cost Expenses (Sch 20)	17718.00	19432.00
d) SBI-8560	3234306.78	5660685.50	g) Administrative Expenses (Sch 17)	42725575.00	55596717.14
e) Canara Bank -BHAURI 4725201000009	12964836.18	0.00	h) Prior period expenses	1231671.00	0.00
f) Canara Bank -BHAURI 4725214000002	850000.00	0.00			
g) Canara Bank -BHAURI 4725214000001	1800000.00	0.00	II. **Payments against Earmarked/Endowment Funds**		
ii In term deposit Accounts					
a) SBI-FDR	0.00	15000000.00	III. **Payments against Sponsored Projects/Schemes**		
b) SBI-FDR-Fees	0.00	12644692.00	Ashapuri Project	185032.00	1056314.00
c) FDR -Corpus	93133333.00	40000000.00	Gohar Mahal	11128.00	13643.00
d) FDR with Canara Bank	20000000.00	0.00	MP CDMA	578311.00	188224.00
e) Deposit against BG (Canara)	75000.00	75000.00	SPAB R & D	504000.00	422338.00
iii In Savings Accounts			UNU IAS Project	0.00	755755.00
a) SBI-DST .32668321701	423771.00	418356.00			
b) SBI-Corpus-32846379816	1966653.00	2032773.00	IV **Expenditure on Fixed Assets and Capital Works - in- Progress**		
			a) Fixed Assets		
II **Grants Received**			a) Purchase of Fixed Assets	13010608.00	243767977.00
a From Government of India (MHRD Plan Grant)	301821429.00	479900000.00	b) CPWD Deposit work advance	21595904.00	120000000.00
b From State Government			c) NBCC Deposit work advance	0.00	0.00
c From other sources (details)			d) Advance for Building	0.00	50000000.00
Ashapuri Project	1545567.00	2373356.00	b) Capital Works- in- Progress	253885801.00	247236301.00
MP CDMA	300223.00	787500.00			
Other projects	0.00	10000.00	V **Deposits and Advances**		
UNU APN Project	0.00	202045.00	Advance for Building at bhouri	139905624.00	
UNU IAS Project	0.00	612060.00	Advance to Other	481541.00	913364.00
Gohar Mahal	45000.00	0.00	Advance to Staff	7188249.00	5950067.00
GIAN	1377000.00	0.00	Faculty Development Program(CPDA)	4561731.00	2753940.00
ACE Trust	192500.00	0.00	Imprest	290401.00	119325.00
SPAB R & D	800000.00	0.00	NPS Advance	329048.00	409060.00
(Grants for capital & revenue exp/ to be shown separately if available)			Advance to Students	430856.00	174750.00
			VAT Advance deposit	3778.00	
			Caution Money	466500.00	753500.00
III **Academic Receipts**			Toll Advance	0.00	1400.00
a) Student Fees	19012538.45	14968832.94	Computer Advance	30000.00	
b) Other Fees/ Misc. Receipts	0.00	0.00	Advance for Library books	0.00	889176.00
Duplicate ID Card fees	0.00	400.00	Antivirus Prepaid	0.00	30364.00
Hostel Fees	6814000.00	6371800.00			
Late registration Fees	0.00	3000.00	VI **Other Payments**		
Mess Fees	0.00	14814598.00	a) Fees Refund	0.00	0.00
Misc Income	0.00	50750.00	b) Security Refund	633628.00	887418.00
PG Programme Application Fees	439500.00	353000.00	c) Scholarship payment	98940.00	401670.00
Revaluation Fees	8000.00	1500.00	d) EMD	93000.00	180000.00
Misc Receipt	261622.50	176700.84	e) Payments to previous year creditors (As per list)	4158190.00	3999594.00
Other Receipt	2800.00	7894.00			
Hostel Fine	900.00	0.00	VII **Closing balances**		
Enrollment Fees	177000.00	160000.00			
ID Card Fees	88500.00	80150.00	a Cash in hand	37218.00	99181.00
Institute Development Fees	1545000.00	1451500.00	b Bank balances		
Institute Syllabus Fees	0.00	90.00	i In Current accounts		
Internet Facility Charges	767250.00	626000.00	a) Canara Bank -2073201002565	18470955.00	1230230.00
Migration Fees	88500.00	80000.00	b) Canara Bank -BHAURI 4725201000004	21460162.39	1450372.44
Poor Boys Fund	0.00	1200.00	c) SBI-2263	241742.50	1634847.50
Sports Fees	476250.00	353500.00	d) SBI-8560	1032199.78	3234306.78
Student Training & Placement	531000.00	480000.00	e) Canara Bank -BHAURI 4725201000009	3197349.05	12964836.18
Student Blazer	145500.00	135000.00	f) Canara Bank -BHAURI 4725214000002	0.00	850000.00
Student Magazine	0.00	150.00	g) Canara Bank -BHAURI 4725214000001	425497.00	1800000.00
Student Medical fees	562100.00	473400.00	h) Canara Bank (GIAN) - 4725101000036	1360000.00	0.00
Student Safety Insurance	496000.00	600.00	i) Canara Bank (R&D) - 4725101000021	720000.00	0.00
Student Welfare/ Activity	1265500.00	976300.00	ii In term deposit Accounts		
Tuition Fees (Admission Cancel)	420910.00	553000.00	a) SBI-FDR	7000000.00	0.00
c) Application fees	46100.00	0.00	b) SBI-FDR-Fees	12997839.00	0.00
d) Examination Fees	1296350.00	1141500.00	c) FDR -Corpus	104583812.00	93133333.00
e) Workshop	0.00	0.00	d) FDR with Canara Bank	68726559.00	20000000.00
f) Advance Fees	577934.00	0.00	e) Deposit against BG (Canara)	0.00	75000.00
g) Fees receivable of previous year received	3187156.00	3773774.00	iii In Savings Accounts		
			a) SBI-DST .32668321701	414883.00	423771.00
			b) SBI-Corpus-32846379816	164656.00	1966653.00
VI. **Receipts against sponsored Fellowships and Scholarships**	187935.00	0.00			
V **Income on Investments from**					
a Earmarked/Endowment funds	0.00	0.00			
b Other investments	0.00	0.00			
VI **Interest received on**					
a Bank Deposits	14775777.00	6589143.50			
b Loans and Advances	85795.00	13505.00			
c Savings Bank Accounts	0.00	0.00			
VII **Investments encashed**	0.00	0.00			
VIII **Term Deposits with Scheduled Banks encashed**	0.00	0.00			
IX **Other Income (including Prior Period Income)**					
Electricity & Power	2916404.87	1674945.76			
Library Fine	67549.00	70244.00			
RTI Fees	350.00	100.00			
Tender Fees	178500.00	47000.00			
Admission Form	0.00	10100.00			
Convocation Fees	286700.00	339000.00			
Guest House receipt	75900.00	284.00			
Income from DASA	100000.00	100000.00			
Income from Resource Centre	0.00	37765.00			
Rent Recd	334753.00	6000.00			
SPANDRAL	29200.00	28100.00			
License Fees	190075.00	0.00			
Mis. Receipts	1900.00	0.00			
Security Deposit	3457808.00	1179838.00			
EMD	250308.00	15000.00			
Alumni	217000.00	90000.00			
Caution Money depos	965200.00	841000.00			

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE PERIOD FROM 01-04-2015 TO 31-03-2016

	RECEIPTS	Amount in Rs. Current year	Previous Year	PAYMENTS	Amount in Rs. Current year	Previous Year
	Deposits and Advances	0.00	0.00			
X	Advances Recovered					
	Advance for Building at Bhopal	346766686.00	208872656.00			
	Advance to Other	461283.00	818756.00			
	Advance to Staff	7059351.00	5839242.00			
	Faculty Development Program(CPDA)	4303390.00	2413554.00			
	Imprest	324497.00	63325.00			
	Computer Advance	87520.00	94020.00			
	NPS Advance	418655.00	427950.00			
	Advance recovered from Students	525169.00	292840.00			
	Amar Mullick Advance	0.00	0.00			
	Pushpalata	0.00	24600.00			
	Plan Ltd London	0.00	30055.00			
	Tel Advance recovered	1400.00	0.00			
XI	Miscellaneous Receipts	0.00	0.00			
XII	Any Other Receipts					
	Leave Encashment recd from the other Institue	27314.00	0.00			
	Total(in Rs.)	867517955.72	982290300.04	Total(in Rs.)	867317955.72	982290300.04

	Payment for The year FY 2014-15	Paid in 15-16	Payable 14-15
1	Ambe travels	71814.00	71014.00
2	Cool session	38474.00	38474.00
3	Darshan Travels	41148.00	41148.00
4	Gayatri services	1351420.00	1351420.00
5	L.R.Project	496722.00	456722.00
6	M/s IPS Guard Pvt. Ltd	1708359.00	1780056.00
7	Quick Heal Technologies	372554.00	410650.00
		4158190.00	4204236.00

0.00

0.00

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

School of Planning and Architecture, located in central India, in the city of lakes, Bhopal, derives its logo from a semantic element of Malwa Architecture as the background. This interwoven spiral water channel is in shape of a sea-shell and symbolic of 'Mahadev' located in front of Nilkantha Mahadev Temple at Mandu, the capital of Malwa Sultanate. Devotees put flower at the inlet and pray for their wish fulfilment. The water channel depicts the path of struggle in the spirals and relief at the end with wish fulfilment. With the spiral channel as background, the logo uses stylised shape of letters S representing flame, P representing parachute and A representing wave thus representing *Agni*, *Vayu* and *Jal*, the elements of Architecture. The Sanskrit shloka at the bottom is the code of conduct specified in the 'Samrangana Sutradhara', written by Raja Bhoj which means , “An architect must be well versed not only in Architecture but also in allied subjects”. The complete composition is a welcoming sign for students of Architecture to come and gain knowledge of '*shastras*' of Architecture at School of Planning and Architecture, Bhopal, and pass out with flying colours.

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल

(राष्ट्रीय महत्व का संस्थान, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार)

परिसर : नीलबड़ मार्ग, भौंरी, भोपाल - 462 030

School of Planning and Architecture, Bhopal

(An Institute of National Importance, MHRD, Govt. of India)

Campus: Neelbad Road, Bhauri, Bhopal (M.P.) - 462 030

Website : www.spabhopal.ac.in